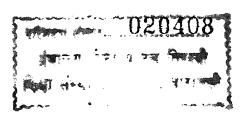


apacas acay togates



च्यान सम्बद्धाः विकासः विविकासः विकासः विविकासः विवि विवि विविकासः विविकासः विवि विवि विवि विवि वि



₹5717.84 |

ज्यानाह्या		
2	इन्देहिन प्रमान समा	***
3 44° V	यर ब्रेट मही	0 6 9 7
n del. 30	सर. खेडु : इर. झॅ. बस. सर्वे ख	49 64
३७ वसं 🕫	यन गुरी स्रोधारा बेट क्या प्रकृत स	9 99
100 del. 20	बर खेतु सहस्राया से द छै पदे य	C 20 30 G
८० थ्या. १८	बरमुवै.यधु.च। बूर्रेटा विश्व.यष्ट्रश्र.व	1971
ve an oor	यर मुद्ध माना पश्च प्रहेमा	60000
294 gr 233	नर्भेद्धस्य न्द्रभा न्द्रभा न्द्रभा	***
933 451° 240	नर से वु न जुन न नहन न जुन न हैं। हैं	'यम्
940 AN 900	वर जुड़े जुड़े ता चे नर नर शहर	
१११ १३० १३०	यर खेतु द्रमु भा हेट वृत्ति ।	****
१७१ दशः ४३१	नर में हु न हु सा हु सारे हु के र ब	47 #4 4
333 del. 321	यर. शरे 3. यह नाहुना ना चय् व. चूला	*****
2012 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 1	यर. जुवै. चवै. चवैश्व. च श्विचश्व. चर्डूण. च] . ફુવ'વા
34.5 24. 373	तर से तु न इ न इम मा र क्ष र दा म े	रूट्य.या
373 देखे. उ₀उ	नर मिर्नेन दरनी बर पते द्वेस ग्री	174.
•	क्ष्यायवत्। ""	5+11
३०० देख. ३८७	चर.पि.ड्रीर्थ.ची ३श.च ी भवेश.पंड्रील	ĐM.
	कॅनस ग्रेन्ड्स वुन्द न्त्रें सकेंद्र। """	998 68
	-	

		देर वर्डेश हैं हु सेन	nder 7 description (* Production - Medical des description et al. 1995), description des l'extends
र्बेनाः	खैना	The state of the s	ব র্জ .
म्बट्स.	AL.		
3 ?	クセ	मित्रुश्नमाः	H H H H
32	<i>33</i>	व के हिन	\$4.4.4 <u>\$</u>
3 0	2	म्ब्रिंग रहा.	HKOE
<i>37</i>	23	ନ୍ଦ୍ର ଅନ୍ତି :	बें है भु उ नहीं।
	ઙ	र् 'व'हरे'मा	5 শব ন শ
≈γ	33	Z.12@C.	7. 37.1
ve	3	ผม รัฐรฐั ฆ .	ଜୟ,୬ୁଜା
<u>()</u>	<i>39</i>	देग्रसम्बद्ध राम्युद्धः	ইন্ধ'ন্দ্রম
<u> </u>	<i>33</i>	वडस.४स.	494.4124.441
<i>€</i> ?	24~	9.4.42.	원.보. 홋.너테
ر ج	ש	ਭੇਨ ਾ ਧਾ	55°81
v=	<i>ე</i> ၁	ना देवयः	미 연· 4 조기
VL.	23	৺≟র.ঐ. স.	ৰ ইম-গ্ৰুমা
200	٨	बद्ग सेर्	दॅ ब खब सेदा
20L	9V	याम्बेन	यहरी
238	۳	¥E. {ac.g	76.412.41
234	<i>37</i>	34.L.	397F1
200	2 h	581798	5% **********************************

ब्नाः	श्रीन:	7	বউদ।
שלבצו.	Ŋc.		A COLUMN ASSESSMENT AS
252	32	वंद्रं के द्वट त्रहेंद्रं	22.0.20E31
30V	20	श्रेव:र्निश्च	क्रीन्द्रम्
20L	33	ইানা নহাৰ হ্ৰম	मूट हि. शैन नशेब देश
२००	٨	में सद्या भूगावई	क्षेत्रहास्य
373	クピ	लट द्वीस यहेंद	लूट्रन्स. लुस-पहेरी
<i>33</i> 0	22	\$'F5'3'44	क्षे. पट. वस. है। हव।
3 ~ 3	æ	चे.रथन.मु. चे.रथन.मु.	प्रम्यानीस्य स्वस्त्रान्ता वहतः स्वस्त्रान्तानादसः
१७७	38	તેશ.ચંદજ્ઞ.	44.9.4EM
3140	v	₽.x.₹<.	श्रस्था
2V*3	20	9.94.gc.	37.3r.1
27.6	<i>37</i>	बेरा:प ्रे:मोबैट.	64. Eg. 40c.1
320	3	रे-बिसस	हे और हिस्स।
3 20	3 L	37. MC 3.	हेर्देश.धट.यू
3 70	22	45 21. at.	वर्णिक बरा
32L	e	awr'	AZ WET
2 30	٧	जिस्राज्य	জেম'জা

क्सीतर कुष्य दे प्रमुख्य है।

- ऽ ही.म. १००१ ब्रूर.चनिवाधपृत्र हैट हैं र प्रेंग्रेस हैं पर
- हुनस्त्रभावविष्यं विष्यात्रे में स्वर्त्यं स्वर्त्या स्वयः स्वर्
- शह. हुर् तर्द् मी. वट. चेवेच शक्ष मा । इ चेवेट. वट्ट. चे. वट. चेश वच र च श्री मार्थ वेट. ववट र खेला है.
- न् विमासन् मोडेशाच्याचर वडेवसाय**ते** श्रापर॥ च विमासन मोडेशाच्याचर वडेवसाय**ते** श्रापर॥
- v गुन्देनिकेयन्ने निवस्तिने महत्ते विकासिन ना
- e दूर.व.शुट.सप्रे.सेंब.**दस्य**.व.संट.॥
- ण्यासर् स्य स्वाहित्यी । ज्यासर् स्य स्वाहित्यी हसार्यसा
- ७ द्वयः मुः द्वस्य द्विर भू श्रद्धा ह्या स्था सुः सुवा स्था
- ०० रेजे. ८ जेर न जेर इंट इंचर्ये. इश. जेट वर्ष , वेंचर हैं दश हूं के हो।।
- १३ हैं के १०८१ व व से सिन्
- ही. जू. २७४० जूर. के. श. र अ. श. र वे. से. संट स. जयस. मी. श. सी. ही. जू. २७३७ जू. होचा. पंट्रूट. वंस. झे. सर. जुरास. जय. देंट.। ३३ के. श.र. खू. हुनु चिह्न जिल्ली जिल्ली
- नुश्रासद्भानीवेट.वेनश.क्ष्रा.श्रम्बाश.भहत.शहर्न.प्रा। ३० क्षे.शर्व.मद्भालना.चिट.विशश.रष्ट्र.लट.क्रंट.थस.चगार्व.चेना.
- ० वर्षे अपना

कृष्त्र प्र. हें क्र निक्र परे अवर हिं।

- १ क्रैं तो १०४० तेर क्षास दस कु मार पु स्वेदस पहेंद सा
- चिट.**त्र.चे**चेश.चूट.चूट.स्टूट.चूट्ट.चिट्ट.चिट्ट.ची
- नश्चिम् स्वाप्त स्वाप
 - म्युःसदः द्वुशः स्राप्तकः चित्रस्य स्राप्तकः चित्रस्य स्राप्तकः स्रापति स्
 - ७ र्नार स्व पुट प्रमा केस के सम्बद्ध स्ट्रिंड निवास स्वराय
 - थ द्वाव : इत्र द्वाव : द्वाव :
 - ८ वर्षेत्रार्न्द्रे, व्राक्षेत्रव्य व्यवस्य व्यवस्य
 - e मुक्षापुष्ठायदे क्षेद्रे के मेहादहा महेद के के मेहा क्षेत्र का दूका महेदा
 - ० हॅ चॅ रेव चॅ के**वे द**्व चे चे चे चे चे चे चे च
 - १० वित्रसम्बर्गः स्त्रेन् प्रते स्त्रेन्दः स्त्रुन् विन्नासा।
 - ११ वस्त्रमुल-नुःस्त्रने नेवसः सुदैःनुद्दः वः वह्न दह्ने दह्ने हुन हुन
 - १३ में में अम सर्हे हैं है।
 - ०० सामने हैं नाद्याहिंद् नु लियस घट नीस खेतस पा।
 - १०० वट सट वस पहुंब प्रेन्स है के वस प्रा है कि विम स्म स सुन

क्र में. तर क्रि. १५ में भी शंभ तत्र अश्वे से से

- ० वर्रान्सनामः श्रुविद्याः र हिना नहिन।
- स्वसाने विश्वसान्य मान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान
- ३ अ:सर-बु:द्वर-ध्वासर-५वुर-भ्रत्यस्य होत्। १
- न्य १००० व्यापत् हैं । नुस्त्र हें नुस्त्र अहम न्यून
- भ वर् कुरे मुन्द्र चयश क्षेत्र श्री तथ कुरे हुने त् कुरेट होरी.
- ब्रीट्रेट्स्स्यत्।। ७ ब्रीट्रेट्स्स्यत्।।
- थ श्रेन्ब्रॅन्यू किंग्या
- र व्याप्तरप्रति। १ व्याप्तरप्रति। विस्तरप्रा ट.स्ट्रिस इस.स्यान्यसः
- e हैं यें १८९७ हैं न्यू स्थान स्थान स्थान स्थान है सार् के स्वाद स्थान स्थान
- अंचरा.में.श्रीतम्।। २० मोश्रेपार्द्धेश्रहेट्टा.जा.मोथ्सार्श्चेयसाम्भे.मोविटामध्यमार्थेटा...
- ०० विश्वसायवे प्रदेशम् श्री विद्याः श्री श्रीटः नुः यहरः स्राप्तवा।
- ०२ जुन्नर श्रेर हेर्न ने न ड सकेन र द ने न न न न न न न न
- 🤧 सञ्जुरीर महत्रामानाद्राया।
- १८ के त्रा १८४७ लूर के सार्थसायी नार दे रहे तथा लग के आहा।

क्ता १३.र्थ.प्र. क्रिंट्य.श्र.श्री सविष.ध्यातर श्रीचारापु ज्री. क्याय. रेश तमिर भु पत्र तारी हाई अर भी अष्ट्रमा रेशव सह सू विमारिश . . . **भक्ष्यत्त्रियानिनाने अञ्चरति नुरानी याद्यत् र्येश यदेश स्थारी स्टार्स स्थारी स्थारी स्टार्स स्थारी अवशाप्तेन वह्मज्ञान के नचे ते सामिन ता नका प्रतिन कु रहेते** और सर दशार्चेर कु. चाइसा द्वीया नास्य हुनाया नारा के त्यु हा खन्य प्राप्त हिसा देवाम्बिम्बरावहस्रमञ्जूषायायदानुष्य । स्वर् विम्याके स्वन्य प्रकास सराधेंशारे वसुपायुरावापृत्र हेन्यरा ने विविधापराळवशाहिया च्रें की चरेश चर्ना नश्य सन् मानु राष्ट्र या स्था के ना हिंग हिंग हिंग नि **बुटा कु.मी.स.स.स.स.** ते.चबैंर-श्री.चबुटाइचरायाङ्ग सूरः विशाने विशासायने निमार्ट्र ब्रीटा र टान्यटा यर मिटा वशासिन ড়ঀ৾৽য়৾ঀ৾৽৸ৼ৾৽৸য়ৢ৾৽৽ঀ৾৾ৢঀয়ঀয়৽৸ৼ৾য়ৣ৾৾ঀ৽৾ঢ়ঀঢ়৾ৼ৾৽ गु.क्ष्यारी मी.चीर.तराप्टह्याङ्ग.रसाकः। र्रे जपु सि.मश ही जू ७०९४ से च.चरीर. यते छ्रानेर द्वा विंद् रय ले ०३६ क्रम्ना मित्रुचा सहित्र भाने राष्ट्र 친크도.<u>九</u>.네



क्ष्रीर गुल्।

<u>क़क़क़क़ॣॣॣॣॖऀक़क़क़क़</u>

्रा । श्वे.ल. १०० ल.मी.श.रंभर.मूं तु.रंभची.रंसीट.सूरे.वेट.ल्ट्र. हे. त्र्-प्-प्रः हुन्। सः मी दशः त्रहाः श्लेतशः ह्राः द्राः तुः शिः श्लेः श्लेः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स भटः बसःचाटः कुषु व्यवसः जुंशालः ची राष्ट्रीयः नै विद्याने अवसः स्र भेषः . . . ठमुंत्राचीता.क्र्यंशादरा। ठह्मामुँदाचीतात्तवा.क्रोतमातातराचीयाथा ल्ट.चर्. खयश. पुंश भुं देत्र जिट. विश्व सूरी श्रुश जिट. चर्ना ह्यूर अ विकार् द्रेश बदानार । अराक्षा विराश विद्रा । देश देश । जुलाका का यहार वर र्सःस्तरासः सं र्सा वर्षः गुराह्मय हिना हो। दहें से दे ले वर्षे तर्षे तस लाक्षेत्रकेशन्ता सनाकेत्रहेत्ति क्षेत्रहेता देवि वि वे वि स्वासना भी.च्रीट.वेश.सेच.च.रा.शरश.सेश.भी.टेश.तपु.क्र्य.पुर.च्री.च्री.चीर.वेश. र्चर रु रर च या चरे क क्षा चुर च भे का र र कें के स स्क की कु या सन हिंसा गु नु नर नहें र १२ दें द समा हिर गु १२ ते दें द से द है र है र हे र क्षे चुेर्पा लेगा भेरा स्वसार्या त्या तर्चिरा ची समुका **चे**रा तर्हे सका चा सेरा राष्ट्र मिन्। मिकामियामीलकारमा मुर्जान्य स्थानमा स्थान त्त्रं प्रत्ना पुर विना र हैं त्यस सु त्र र हुंता 🗸 स्नवस देर र हें स क वेहिंग विसेर निर्दे केट्रा भीग वेहिंग निर्दे केर्र में हिर नु क्षु कंप निर्दे भटा नमर प्राप्त द्वा प्राप्त की सामिश ने पर है ने पर प्राप्त के समा प्रहम् प्रति स्थिम् कर सेट म्मास प्रदा सेत् पुर प्रमित् पर्य सेत्। यद् व.रेयट.चोश.रेह्नो.यद्भग.तप्रे.म्रॅश.भवेष.रेर.ट.क्ष् प्र.चीबेट.चीश.. ह्यें स्था से र जिस्ता दे स्थानस से व स्य विश्व दे र स्था सह विश्व स्थानिक र

रेट.हेर्.भुव.केर.रे.ल्ट.मै.ट.क्श.चश्रा.त्र.भह्ट.चेर्वश स्था मधुकादे द्वाद्या द्वाय दिवा मेक्या मध्य प्राव्य दिवा मध्य मध्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त यसः हैने तपु रेपोप राया भ्रापिष्टर कुरे रा रेटा । सपु मिबिरा वेशा मुँ श सबुद:देर:क:वेर्हना:से:वेद:सबु:सेद:वुदः। वेद:कुद:ने्स:सबुद:देदे: बरामी देव : कंब : इसका रे : बिना : यर : दव : नार्ख दे : श्रु : दवना : नी : दर्ग का स्वतः द्याता पर्ने व रीमा प्रकार्दे व स्वतः स्वा सर म्वा सी मि र दा र्देश सामावसः यर.चर्त्राचलेचाश.विश्वास.हरी\्ट्राह्याच्री.वट.वट.वटाश्चयश.देचाश. ङ्ग्रन 'बुने 'बद 'बेच'क' निर्म 'प्यंत' पत्ती । देच' पदेने 'बद दिस' बस 'द कें " च्रि. शु. क्रु. पु. शु. क्रु. स्ट्रा मायका क्षा क्रिमा मा बिमा मीका सहमा मह्या मार्गी र्या पर्य हूका मि य'न्लिन्'नस'नेन'५नेने सम्भिसहम्'नु'दर'य'स्टसंसुस'यने केंस्रे ग्री'स् यपु.येबायाचीबारा.ल्रंच.कुटा। लाटाभ्रा.क्ष्.र्झची.यर्जाता वेबा.यर्चे.यपु. बटा. चर्नेर्न्स्य द्वार्मियम क्या मुद्रिम्य स्था मिन्स्य स्था दिन् । स्था ल्या र प्रामी जा जेश क्रिया जेश सिंहा है स्वापा है है है प्रापी है है ण्याहेबायरान्त्रेन्यायदे सञ्चायसाञ्चर देरासा त्रावरा स्वायायर स्वायादे ।।। शरश मेश मुश ह्राना सर निश्चरश चीरा। र क्रु चे खे रचका पर्देर में मरमी क्रियरियं निर्देश में प्रिय हुई स्त्र हुं साथना से अन्तर पर्देश देहें " सेर् ले पद पस रेर लेचे संप्रे हैंस प्रेम त लेचे खेर हो राम परेंगे ८ कें वे र्रा र्वा केंद्र र्ट नियानुन महीन स्पेना महीन करी प्रमाहिन नेन पाने हिना नहां में

स्विकः देशः क्रियान्ति स्वकः विकः क्षेत्रः स्वकः क्षेत्रः स्वकः क्षेत्रः स्वकः क्षेत्रः स्वकः क्षेत्रः स्वकः स्ववकः स्

खे.चयु. स्ट. श्र. श्र्युं श्र. श्र. श्रें अन्य स्वित स्वत् भ्र. स्वत् स्वतः स

र्षः प्रदेशके द्वाप्ता सुराप्ता सुराप्ता सुराप्त स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वापत स्वापता स्व

क्~~~क्~~~क् रह.च्रा स्थ.थभ.राष्ट्र.वी

हटा क्रेनात्रक्ष्ट्र-दु-मु-सक्ष्ट्र-दश्यम् क्रियः क्ष्र्यः क्ष्र-स्यम् न्याः क्ष्र-स्यम् स्याः क्ष्र-स्यम् स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः स्यः स्याः स

द्वा दनाशक्तम्भुस्ति स्वाप्ति द्वा स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वा

ब्रिट नहीन देने हैं। देश में नियान बन समा सर्वे न विना स्पेर न देरे

भुट.पा.का.भुश.भु.इ.चुरा लेज.भु.कूश.इ.चार्थताताचिचा.भावर.लट. चुर.बुटा इ.ट्रेर.क्षेज.झे.चोबस्र.तर.चीचोश्रा इ.झॅट.ज.चुट.बेचोश्र. **५८। देवे. व्**र-१ सिर-१ देवे. हेर-वना-१ अट-हेर-नटश-स्व-सु-**ॲ५ॱ७८। नारस-५े.५८५:२५स.स्वरःस-प्रत्यः ना**५४.दे.नाबस्यःस्टा इ.र्वु.विट.ल.वीचा.च.रटा विश्वार्ह्स्ता बेर्टाटा कु.पर्वेषु.रूचाशार्ह्स्त चुदावर्चशामु हूंदास् अदास्तिन। भुर्धेचार्द्यात्रे स्वासदास् छ्ने | सन्। सन्। ज्ञाकाक्षाक्षाकुः मु १ सुर । सुर चि.रटा चुवि.क्र.क्र्माश.रटा चु.२माश.नि.चा मिटा झुवि.रटा मान्य. मोबरमोब्रम रिस्रो सि.स्.स्मेशल्सरे.हटा ट.क्ट्रं दे.लेय.स्.सट.ष्ट्र. ব্দেশক্ষির নথাপ্রথম হয় আন্তির্বি এই সে নীথা ইবধা দ্বাধা ইপথা कुर ५ हेन्या या सेन् यर यना खेन्या कुर्केन्य रेन्। र र पुर पर्नेन् য়য়য়য়য়য়য়ঀৢ৽ঀয়য়ঀৢয়য়ৢ৽ঀয়৽ড়য়য়৾য়য়ৢ৽ঀয়ড়য়য়৾য়ৢ৽ णक्षःयःक्षुःचेः विषे यः र्रेशःयवे रे हे हे सं स्वनः यह या या रे । विष्यः या विष्यः या विष्यः या विष्यः या विष्य विद् वटक्षास्त्रे पटक्षेत्रे देश विद् चित्र विद स्वा स्व द्वी द्वी देश विद स्व स्व स्व देश देश देश स्व स्व स्व देर-र्बर्म्यकायकुरविष्यदेष्ट्रहेर्द्धः विषयः केष्ट्रव्यक्षः मुक्षः मुक्षः किंश क्षेत्र विना सरामा कुना साना निरास है । सार देनी सुरा सार निर्मा सा मक्रियायालीमार्थित। देवे स्रीटायाखासदे निष्ट्रान्ति स्रोटा द्रमें स्नुवा रे या यहेर हे अदि यस कवारा स्ट्रास सहस मिटा देवीर यद आट खेवा नु नासेर बदस गु कु सेवस न्दा ने वले । के स गु निर्मर मि प्यं पाने । ৼ৾৽ৢৢঢ়ঀয়৽ঀৡয়৽ঢ়ৢয়৽য়য়ঀ৽ঀৡয়৽য়ৢ৽৾ঀড়ৣয়৽য়৾য়ঀয়৽ড়৾৻ৢ৽ঀঢ়ৢয়৻ न्मिंद्रायाने नृष्टीयसायमें रामह्यापिटायहेन् क्यायावदा लेगानु सामन्

श्चु'नाश्चर'मुन्यादेव'सर'न्यात्वरात्वर'देदे'द्रात्याद्वाकेद्र'वेना'न्द्राक्रेट य रेत्। मूं द नाक्षेत गु की क्ष्मक त्त् पते द्वाक मक्ष्य मुक्त प्रदेश सर् विना नर दर हिना भेरी हुन प्रहेर है हैं वसायर का मय हैन ही अक्स.चेड्र.च्.च्री च्र.ढ्रेचा इस.चा ना सरा हा कट. हेस.च. वसामीस प्रस्त ताली मा पडस रेता 🔨 वटा पत्र से कें. भाव मुत्रे से र पश्चमः वितायर सेरा हा हूं नहा छ्ये ग्या ही रायर प्रायय सेरा ही र चार्याचार्वंत्राचीर.बुटा। इं.कूटे.ग्री.वचरे.वव्यं.हुरे.सर.च्.सुरे.बंचस. 'वे.भ.त्र.पर.पिश.पेष्ट्र.शे.वेट.ल्ट.भ्र.वेच.तर.चहेरे.त्र.तीत.रे.वेट इश.स.रर.मूट.वश.मेंचश.स्याम्यस.मेंचश.रे.केर.स्री रे.केर. म् जिंदी मिल्य की खूँना नोर्ड र क्रीर क्री क्रिक्ट समा निहममा ब्रिक्ट बुरिक्टा रटनीकिरिक्तियर स्त्री रटन्त्रमा निमान क्रियायायाकेशाद्रीनाशास्त्राक्षास्त्राक्षास्त्राक्षास्त्राच्यात्राक्ष्याः हैना उंद निर्मा हेनाहा हताहा कर हेना नु नहें न ने निर्मा में लिना प्रमित्तिम् देशका के रिया में प्रविधार्यः। इ.स्टायर वर वर हैं रें हो हा मुं गरा रश्चायास्ति मुर्दरा मुद्दा स्मया मुं हूर क्यास्त्र न्य व्रास्त्राहे के व्हार होता से सार नी मिंदा करा है चेंदा की मिंदा करा सामे मिक्ट ही मिनायामाया विस्टा म् न्यं हेम ली हा ही वा सी म पा.श्च. रे. रेसरे. मं. यकु ट्या लाया रंगा सैंगा सैंगा प्रवंग सी है. वट प्राप्त. क्याप्रह्मामि सेत् वृत्वतामात्य सुप्तामुद्राष्ट्रत्य द्वार्य प्रित श्चिर रिश्व व्यवस्था वया निश्च निश्च विश्व त्या स्थित स्थ मुंद्रान्द्रा रक्षासम् के सेनाक मुंद्रिंद् मुद्र केंद्र न मून केंद्र देंद्र पर्यात्मित्मे स्त्री रिमेनाश पर्यात्मी रेश सेप्यात्मे रेश प्राप्ति स्त्रात्मे स्त्रात्मे

अम्.मैय.वंश.भुंद.अक्षश्चराचर.श्रीयश.चतु.मीव.क.चर्च्यश.च.दट्। न्तुन-नुस-सु-ह्र-स्य-पन्यायने सुन्-द्वर-न्र-। पन्यस-प-स्वुन-चिद्ध-वर-पे.विश्वासपु.सै.य.स्वे.व.स्वे.प्रे. ८६भ.श्वीर.चाल्य.ट्या.मी.श्वेट.रेश्वय. . बरःम्बेर स्गापळर बरानी भ्रीतात्मर ळेंचा गुराने सकेर चेर ग्री मुरा क्दै देन्सायायान्त्र ये नेता द दूर हुद दस्य दस्य सामा मुद ने द मुदे तम्भाषम् त्राप्ति स्वरम् मुराया द्वीया दिसार्य स्वर् में स्वरम् या दीत् र्यूया र्ख्रा के श्रूर प्रवृत्यापार्या क्षामय सरावार्क्य प्रवस्ति श्रुर श्रुर श्रुर हा मश्रामक्री विद्यान्ता क्रिंग्यम विदेयस्य पर विद्या विदा सार्यस देवे वर्क्के मिन हे ब मिन के का किया किया मिन मिन किया मिन किय स्रे, तथा वि.सैंचा १८८ हैं। तहूर विवाद्भ वंश ग्रीट हुरे नोशिश लूरे. श्रद्भ के किटा ने तम्में मिट तमित म् बुर सर्टा कुर खुर ने शक्षालट क्षीयर प्रें के प्राचान्या अर्द्धर प्रविधानी यन सिं में राजेर हर। रहानीयर दरानीशक्ति मुन्दुन खुनासराया होता मुन्देन । सेराङ्गा खरारे खरासा नीर्ने या सुर् भारतिया सैना स्वा भारति । देश भारति । पार सेना ... यस.स.प्तरायबुरसारानेरा। सष्ट्रायस्या दस्तात्र्रास्त्रीयान्त्रास्त्रा वि.सं. भागी व्यापर प्राप्त रही विष्य हो रागी है है। के कर युग में दे विषय नुःसर्हेर् निर्मेश्वर रे प्येर् हिर। निने प्रनुदायर पश्चेद प्राप्त हे स्था ब्रुट्-अह्र-ने,पड्ना ।रेश-नेश-शिक्ष-श्रह्म-प्रा-रेग्न-पर्य-यंग्ने स्वा-न्दर वेश में शक्क होते न खर रच में ना कर रच हो र रच में र त्र. प्रूर. लट. मुक्टर. र त्रिमश. कट. ट. र. रटा शटश. मेश. में .सं. सं. हेर संस्पित हिमा मुक्त दुरा से त्रुवा मी रेता सर्वित सम्मान है.च तस हैं नरा है। लेट। रहा नले रे.ची रच र है। च राज राज हा

क्री नेश्रातका है। नेया रेटा क्रियाहरी महिंद स्ट्री क्रा स्टाईन का के ना विश्वराष्ट्री है स्वरायाळ्या श्वारानाशास्त्री चवरारेता सहराखाँचे. केश्चित्वासम्बद्धाः विभागी रहिमानु विभागति स्वासी सिकाः व भार्स्सरम्भीसान्द्रमा । मिन्नामीसाममास्यासम्बद्धास्य मुक्ताना इन्सान्कुरम् सेसार्वे रात्तुसास्याओंटान हिगार्थे। दे ऑटाब्र्ट्स है। कर के एके र मी नायस अर वि र मी नायस से स् र र । स् वक् से नायर च्.चन्म.चद्र.रंश.च्रं.रंग्रे.ष्ट्रश.चेंश.घट.र्ज्यः वद्रश्चनस्च्रं.चेंर ंक्र-सिन्धाःशास्त्रश्चरासुः सुनः ग्री-सिन्। स्रोदे दिन्ना सटा<u>स्</u> न**्**न दिंद्रमा दार्हे वे खुया क्वेंन साथ चेंन न्तुसाय में वे प्रानी नुसना से न्वनार्केर वर्षा । वे च सेस केन प्रनासि है रना दस पुरा देर निर्देशक्रियुमाञ्चर्तात्राचिर्त्रमुखाचर्यिते करानी खुमा भरावन्तरावद्याकराया प्रवेशवा सवुरासाय विसावाप्ता विराधाया छुद्र दे हो स्या अपने हो । दा अपने विराधाय हो अपने हिला स्वापा हो अपने हिला है अपने हिला है अपने हैं अ दशसम्बद्धिः देवे में प्रस्कान क्षान्य में प्रस्कान है । से स्वति । म् न्यं विश्व विश् ळटाचावदैराकुरानुन्नावार्यावन्ता विराद्यहराक्ष्रवसार्नेटान्नेवा जार-मित्रेच दशास्त्रे : जून <u>लूट तपु तमाब</u>्द की प्रेष्ट्र जात विना इथ. बुरेतरा ट्रे.सेचर्यात्त्र स.मुद्याची विश्व किट ग्रीट नेमुच अग्रहट. रर्दे अहार या क्षा हो असे या के रा तु हो हो असे से हो । हा ही अ क्षर बुगार्च १८१। मर्च में लिगाय क्रेंश कर व में मर १५ व में यदे सूना है व्यद् दस्य देश हैं नहा सुन की सारे द प्रस्ता पा की रे जिल्हा

पट्टी.चाट.जुनाश्चारी.पेज्ञी.च्यु.चयश.पेश.वेश.च.कुश। क्ष्मश्चानोश्चात्त्र.पेश.कु.क्यूर.चश। श्व.भाट.भ्य.थेट.क्यू.चे.चश्चर. विभाःश्वर.चेश.जून.बुजा.लाश्चेश.हेयश.शु.३ १.३ट.हु. च्यू.चेश्वर.व्यू.च

नहेर्ज्ञानहेश्यं। दर्जे या राजि नित्ति नित्यर हेराने प्र कुटा। रपु.भुैरासरासु.सुनापङातु गातिहासाग्रहा। **रमा**.कुटातुसानसा मुँदशन्तुन । १८ के कंट साम देन पहेती प्रदेश प्रदेश प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र स.चैशक्षेटा है जिन्न मिंग्स्राम्य लेग निम् क्रिंट सम्य मिंग ग्रीम देन भेरारवराक्चराराकुरारेटार्ची अर्थिन विदाना अगसार हेरास इंदर लेग सेदाया अदर देवा अदर देवा अदर हो। रहा चलेदा की श्चर वे दर्भ मुर्दे लेग हे । अग यर राया राय वे वे वे एक्ष्य पर द्रेयःस्टार्चः विष्ठुः देत्। ५ विष्ठुः द्रेयः पद्रेससः वश्चनाः यास्यसः चुटा चर्द्रशःवचर्याता.लटास्याचराच् ल्री टर्टालासाचिसरासुससः केर विविधाने। कर सर सर्भेनय हैर हेट। दवेर हा से मालर हेर् हेर्याश्चर न रे. के. हरी कीर टे. रेट सु. कु हु हु त में तम्हेर ने सल महेते दरायमानाइरामा हे । विदासे करासर यहे सम्पर् नश्रमञ्जू कु के र पे निर्देश समा ले गा है। हे र रहा रू पारी ज्ञासदी हिंशा उद्दर्भनुस्द्रिस्तिम्दर्भस्युग्नम् नुष्मित्रस्यस्यस्यः स्र्र्यः स्र्र्यः स्र्र्यः स्र्र्यः ह्यूर मुद्रे रक्षेत्रसायस्य मु तम्ब प्रदेस महत्तर र रेगा

 ३.चर्रे.चर्चे.छं. रु.चर्चलाच्चेच ट्र्चालाचा १.३लापह्चा मु.छ्रा। सर ख्वया हे बुद्दालयाचा १ द्यालाचा कुराचा याव्या याच्चा प्राचिता प्राचिता

न्युन्यान गुन्न्ता विक्रान्त्र प्राप्त क्रियान क्रिया

청구· 그런그 · 다 · 저도 · 구리 · 첫 전 · 연 · 그리 · 이

सक्सा-नेसर, क्टा-सका ट्यांचान प्रत्र के ट्यांचान प्रत्र क्रिंच क्रा-नेसर, क्टा-सका ट्यांचान प्रत्र क्रा-नेसर, क्टा-सका ट्यांचान प्रत्र क्रा-नेसर, क्रा-ने

क्रेंब्रक्ष:यः ५६ वर वर्षे इं ले वर नगानः ना इटः ५५ ना॥

च्रियः च्रिया।

क्रियः च्रियः च्रियः

तृ त्यत् म्या प्रकार हे भ्रूया प्रदेश मार्थ प्रदेश में क्षेत्र प्रदेश मार्थ प्रदेश मार्थ प्रदेश मार्थ प्रदेश मार्थ मार्थ प्रदेश मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्य मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार

क्षे.सं.भी.क्षेत्राचित्रां त्राच्ये क्षेत्राच्ये त्राच्ये त्राच्य

म् दिश्ही ज्या १०३५ की ज्या में दिश्य प्रमाण क्या के स्था के

तर्र अपका बीचा ची ज्या ची का हा श्वा का ले चा का श्वा चा हुर तर्ने ना ची का स्त्र स्त्र में ने स्त्र स्त्र में स्त्र स्

मार्थः द्वारे देशः त्वाराष्टः श्वेरः वर्षेयः से मार्शेयः द्वारा मार्थिनः त्र.चक्ष्मा चक्कामुका नृक्षायानेत्र तानेत्र ताना हेन चारेका ताममुका हा निहिन दे 'बराय' देर पर्क्षित हरा। देने स्नवस विरार्क ने ने ने प्रवित हे का से र ज्रामिद्दे हा मे दु कदारी हा से के प्ये हा गुहा मिंदा मी सामिस्मा से दी मुखा ग्रेट. ट्र.चील्चा. चर्डश. ट्रे.च्स्र्रे. ८ प्रि.चेश प्रट. क्र्. घट. चर्च. चेश से छे. पर्सिश शि. प्रति म् अपशाद्ये ताम क्ष्या ने हिं। दि मा जेश सेवस सि पानट विश्वायाने निंदा के वे विने विश्वेत से देन देने दिशा है । विद्वार से विश्वेत स्था विश्वेत से विश्वेत से विश्वेत मेवु कंट मुः सन्दर्भ म्लर् रमा वयः कंट नुः चल्या है। देर मिंद केंस स्नामु रूट रहर ने नहें र रहा। सुनामु रहर रहर रेस स स सर्वर पार्द म् सर्वे यह रुष्ट्रेन पर्देन सुका पत्रुमा । यमाका कमा किमा सिक रिने सिन पत्रे हास्रे क्षे था य कुमान्वर में रास्रे सुमा खेर विना विदेश स्रिन पर्ना मान बुनानुसन्देन ने देश देश पुराने परी पराने देश हैं परी साम स्वास स्व मस्तर्द्रात्रेयात्र स्वर्किन् नाश्चरस्य पर् स्वना नास्तरम् ना संस्कृष्याणारीन वहिता दिन के से स्कृष्ट से दे वहित वहुना दिनस म् सम्बद्धान्य द्वार्य दे शुर् दे हेश द्र भ्रायम सुना गुरेस पर्दे केट सामर कर ने ना में कु कर कर नियम के स्टर्स ने हुर नहें में रहे ने ने ना रियर में सामर कर ने नियम के स्टर्स में में सामर कर ने नियम के स्टर्स में में सामर कर ने नियम के स्टर्स में में सामर कर में सामर के सामर कर में सामर कर

स्वान्तिकः निहान् स्वान्तिकः स्वानिकः स्वान

मिंदा सदी प्रेश पदी खेदा या है दस्सा ब्रह्म सारी क्षेत्र मिंद्र पत्रमा छेदा। है है स द्रेरायाकेरार्वि मुहेशायहिरावकायहमान्युन् हिन्नियकार्मारायहिराहिरा विदेशमान्ता देहिकातामा देखानामा मुलान्यतासुमितासदे सुमान्त यर भ्रद्भात् यह मात्रह में हेना दहा के या हुआ वहर त्या माह्येर मुं क्रव है दिन। मुर्क सहिरास विश्वासम्बद्धना वर्षाम् हैसारि हिर मुदाय वस दशःदुदःयःदेःम् रसस देः लयः दर्दे अस्य संद्र्ये संस्ट्र स्ट्र द्र्ये संस्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र दे.थशार्याप्तराचीचा चाकेशास्त्र चिटातायशार्याचर चीचा हथा साट्रेट प्रकटा . बसासुदार्स्टसाङ्ग्रान्यसानुसादे देसात् अति स्वासदास्य दारादे स्वास्याः तर्वेच । दश्यतिहरः मैचित्रात्रा झे क्ष्या देशातर मिंदा क्ष्या नश्या में निर्देद श्चेत्रारीपर.मैंचा.€श.भ.ट्रे.लट.श्चेत्रा.तुचा.ज.~मेंजा.ट्वट.ग्र्ट.भश. • न्यूसराहेरान्नासान्तर्वनातासुरा देशानुरानेतुर्दराहेराचे हेरा नायर प्रास्त्राचा क्षेत्र वर्षा प्रमाप्त प्राप्त क्षेत्र विद्रा क्षेत्र विद्रा क्षेत्र विद्रा क्षेत्र विद्रा क्षेत्र क्रेन्पर भेन् केश के दे क्षेत्र या रेन्। मुल क्य मुल कर्त मुक्ति मार्वे मार्थ मो नश्चिमार्ची दे त्यदर भेदा है सा मुदा हुव है। भी मे दिस्सी सा है सा सर् विशास्त्रायम् निर्मा गाने सुन्तुम विशासनि हितानि निर्मानि स विंशानेते केट केना न्दार्य के बादमा अद्भाव माना के मो नाके कर्ये **५२:३**म्बरामळ्यः प्येतः मीः रेन्॥

र्ता देश श्रेन्य में स्वार निष्य निष्य के स्वार के स्वर के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार

 द्युः माद्युः त्यान् कृशः श्रीः प्रविधाः नृत्युं स्तयुः श्रीः मात्रः विनाशः श्रीः पर्ने मा द्युः म् त्युं स्त्रः त्युं प्रायः प्रविधाः प्रविधाः मात्रः मात्रः स्त्रः स्

चर्चा त्री ह्या त्री कृता मानु त्री त्री क्षेत्र प्राप्त के क्षेत्र क

शुं द्वन इमस दस दगान प्राप्त हैं हैं सर नु दर्गिश हैं भेर दूर स्वस

बुब्द्भात्म् रिन्ना सम्बुद्धाः सम्बुद्धाः सम्बद्धाः स्त्राः स

ने ऋंग्रास्त्राम्येश है । यह नुस्राधे । इस । यदे । यह नास अहर मूर्यातारम्भे तयदश्राष्ट्राभग्ने अराष्ट्रशायहरे वि मी वर्षर क्रेयमायायाया के बे.स. वेसा है। लटा ही रायक सामा सामा देते हैं। प्रया र्के **दे प्ये**द्र केश दे प्रदेश्य मार्के भद्र एय प्रदास मानु ए विदार्के । मीर्राह्म मुन्राह्म पुरानुका गुराम का क्रिया हो दे भी मा का के प्रिया की ना नौं अर हो र अ इ य र र दूर र निर्माद स अ र र य स र रे र 🔻 🔻 र से द र से द **ઋત્રસ**ાજા સામગ્રચાયુરા દાસાસુરા ગેંદા ગુલ્**રા ૧૯૨૧ વર્ષા ૧**૦૧ વર્ષા ૧ मक्रे मिर्नस् ७४ तमार प्रशासित मार्थर मे । तर्म वित्र प्रशासित निर्मानी रोमसाया द्रमार्देना के राया लेना व्यन्यारेता नाम व्यवस्त्र ने सा म् स के वे चे लिया यी मु हु त्रिष्ट्र राज्ये खुता देर द्याद राय के व चे ल्रा हिं स्ट्रिय के राज्य स्था है साम है साम है से साम ह पेष्ट्र-विद्यातपु र्ह् व तयकालाकर क्रि. रहा वव प्रकाल क्रि. य दे.ज.लेज.ध्र.ष्ट्रश.लेज.वेश.पेवैट.केटश.ट्रश.में.बैंज.७चे.लेज.लेज.लेप.ट्रन.ल्रट. न्त्रवसार्भर्गायात्र विश्वाच्चीर विद्या अनास्यर राष्ट्री वरारीर वराक्षी केंबर स.कुर.पद्ग.पर्व.र.तूर.र च.सुर.सर.च्.पु.च.स्यास.वर.स्र.क्र्र न्गान राम हेन सं मुराम रेन प्रमाणिय ने हें भी मने मु सर्म नेसामी सेर हूरी ट. म.सीश तर्य मिना नेश द म.म्टि. म.मीर नसूर

हे.च विष्यात्र अपने हे. सामुन समार्थित साम्री हा सुन्य स्ति हिंदा हो स मुर्नेर्न्स्युर्न्न्वि मेर्न्यर अर महित्य वया वर मी महेर्न्न्न्य मार् सर्व सक्रेर् से स्माया प्रतिया नावट सहर छटा। स्तिर समारे हिंव ३०० बर.च बेनाबादा दे.पाबा.पा.घ. श्रीदायर प्रेपा.च. ४२.च श्रीटा **स**न् र्भःत्रभः रः रंगः पर्वेगः पश्चरशः है। यदश्यायते छितुः रे सः प्रेशः भागः । र्मिर पर वट रे पर्या ल्या स्ट्रिस रेट म्या मार्थिय स्था में पर्या द्वे मुहेद में न्या युव वर्ष्ट्र वहिन्य से दे दें में चु दूर। मुहेद में নারীপ্র.ব.রেহানরপ্র.বাইব.গু. ৯ সা.প্রীবর্পার.বাইপ্র.ব্রাই.বহ... ल्रं शिक्ष. हुं । व्रि. च व्यार. चर्मा नार्य व्याप्त हुं र त्र में व्याप्त हुं ने व्याप्त नार्य য়ৼয়৾ঽ৾য়৾ঀয়৻ঢ়৻য়৾য়ৢঽ৾য়৾য়য়য়য়য়য়য়ঀয়য়ঀ नार्वःश्चितःश्चितःश्चितःश्चतःश्चितःत्रनानाःदेरःश्चनाःवश्चरःदे स्मावशःदे दनो नावः मुकासम्मिन्यासर स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त र् दे लार रेव नेश्रम् की तर्मा रेमी में के से लेव से नम नम में श्चितः खुदारेते स्टाः हेर् स्वायायाया या व्यवसाय द्वाया या रा

सःहिन्द्वा स्वा क्षेत्र स्व क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्व क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्व क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्व क्

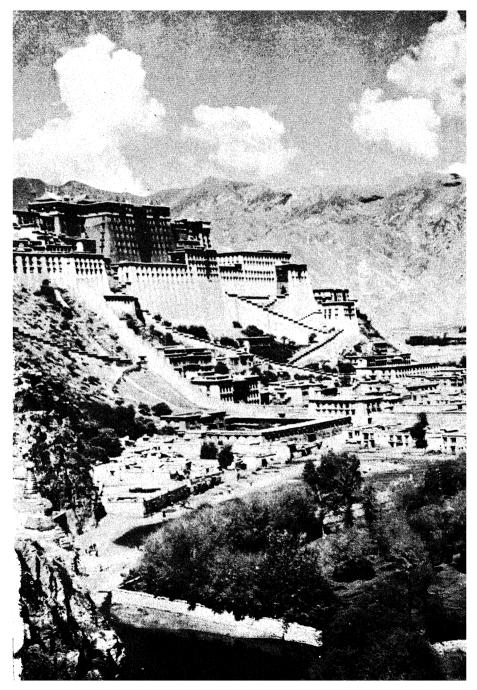
स्टार्बेट,सेची,श्रेभ चमे,टुं.सैंच तंक्ष्ताभ विचातर मि.भुंटुं चि.कुं.सेन.कुं. वंसाई. सेंच्या हुंचे,चे.मैंचुंटुं.चेंस.कूंटे.टुं.सैंचस हुंचा। चूरं.मुं.सैं.क्च.कुं.वंसाई. सेंच्या हुंच्या १००० चूरं.सं.लूंचा वेंक्षा भारता चूरं मुंचा कुंचा कुंचा हुंचा सेंच्या सेंच्या सेंच्या सेंच्या

द्यार प्रस्ते मा हे साम या क्षा पर्यो में र जु हैं र साम कर का है या सर ... र.च्.रे.च्रे.च्रे.रे.ची.रेटा से.क्य.च्रिटस.वेस.चर्चेस.च.व्य.चारे.सर. ह्या ्या ःक्षासर परे स्रेपस पुरामकंग्रस सु त्रुस र्मे र पर मेशर संश्रामी नेपार एचीर रहा। ट्रायह सि.स.सी.सुहाय शिस. तत्र त्यवत्र का क्रामिक्यामिर्टा देव्य नहें । यह त्या है । व्यक्षा द्वा । वना पवन वर्गाण हा के र पर्वेर के मेर हैं से सर्गित समास से से र रेने भ्र.मी.तथर.श.यंश्रम्भारी. की.शर.चट्टी. त्रीर.वीर.एटी । र.जू.चर्चे । त स्रे तपु पर्वे स्वा पश्चा हुसार हूं सालिंग रेश ह्रे रे जाया पर हिं ब्रा सालिया हे देशिस्मासानलना से सेनसा निसानुसानर नुगसा हैं। या वुः के ता कुं अकंत दी। अ दिस्य यर नार दि स्मेर अर मिन्ने देवल विद्या है। इ.क्. ह्या भर ह्ये लिट स्रवस प्रे दि से कू.रटा चूरकी श्रीक्या चारका नश्चर हा हा हटा पा श्रीर भारका हा कु.कू. नवसाक्षा ४० स्था ५८। ६ द्रिया ३४० झूर खरी साम्राक्ष्य दार्ध नावे हैं। स्चितात्र्यं द्रिम्बीयात्र्या ७८८। स्थितवारात्रकानीरेषेत्रा लास्त्रीयकाता मग्रमानु तिहित् सेवला नेता ने नुसामेन् अतातम् माना विकार वि इत्याप्ति प्रमाणेद्रायामानेद्रा वसमानाद्राद्रा देद्रानाहेसाद्रेया चैसरा बटा ल्या न प्राप्त मा विश्व के स्वाप्त पर्से हे हे हे भामा हेश ही स्वयं यह राज्य राज्य हो समा स्वयं से नेता देशीयल्यास्य द्रान्यालास्य निर्मानस्य स्वासावसारे

त्र्व्यास्त्रे, क्ष्यास्या त्याः क्षेत्रा त्याः क्षेत्रया चुद्याः साने व्यव्याः स्थाः स्

द्धः म्र्यं वसः द्वः द्वः नास्त्रमः भ्रतः ।। द्वः म्र्यं वसः द्वः द्वः नास्त्रमः द्वः न्यं विद्वः द्वः नासः देः द्वः विद्वः विद्वः द्वः नासः देः द्वः वसः विद्वः व

लूर् स्माप्तिः क्टाला तम्मेता हुं , पंत्रिका कुरा खुरा तपुः मूँ टाई, ट्रेटा पर्मेटा हा , प्रेरा सार्था हुरा प्र



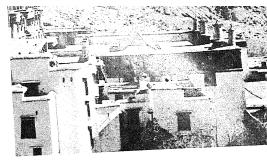


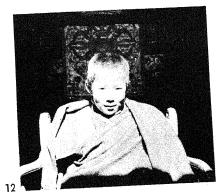


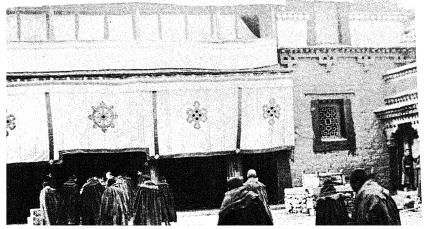


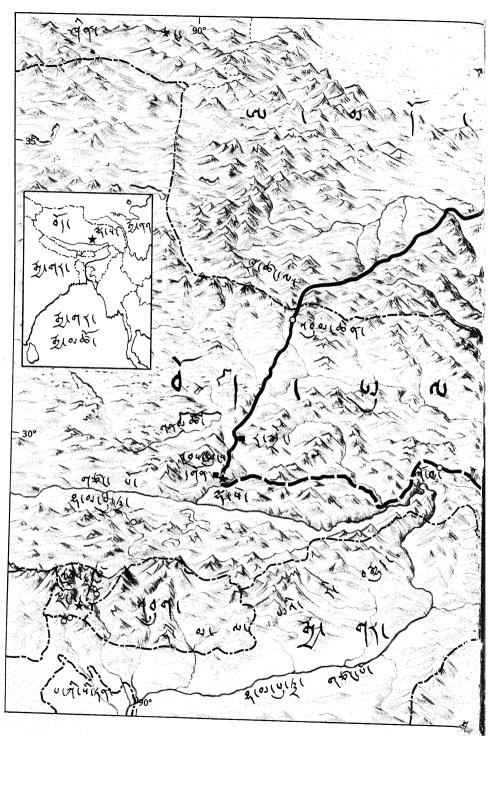


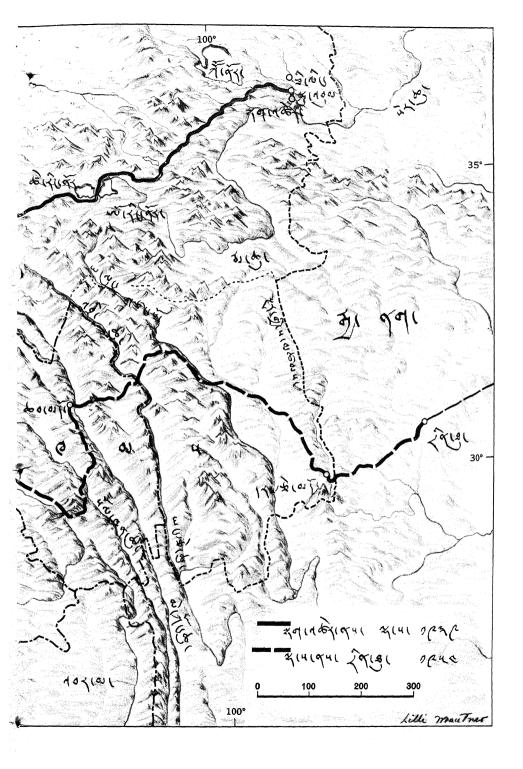


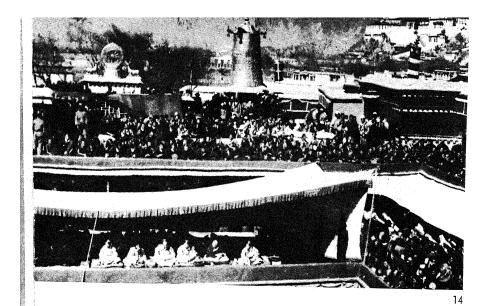




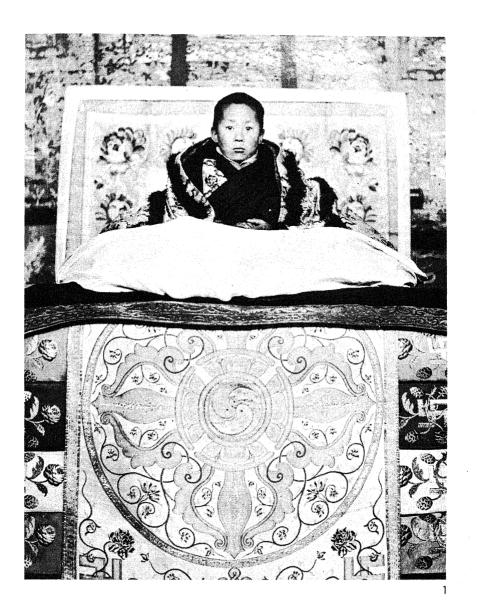


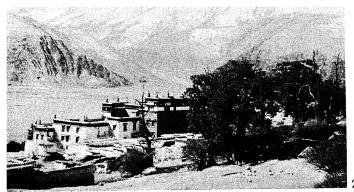
















झारा वरा के वा पखरे रामावरा सामावरा सामावरा माना माना में रामावरा सामावरा सामावर सामावरा सामावर सामावर सामावर सामावर सामावर सा इ-ड्रेल-सदार्च- मुना-चूदा देवे-वर्गा विद्यान्याव-वर्गान्दा म्बर-सद र्वेदरित निर्वासनाशुक्रानी भरा है सेनास मुस्यारा महाया प्राप्त सहरू में निश्च महिमा मुद्दा द्वार में मिन हें के स्वार मिन मिन स्वार मिन स्वार मिन स्वार मिन स्वार स्व प्रत्म । दे वस दस से वस यदे मुंब कर सुद दे मुं कर मुंब पर भेवा ट्रे.बंश.सें.चक्र.च.४चोठ.चंश.चंबना.चैट.। ट्रे.बंश.चंबट.सुचश.चेशश. नुनायर खूर न खुर। र खू दे कुनका नीया ने अर ह मिका शि है वे दर्म । यस दिवस र्में र मंदर्भ में र मार्श्व के र सर है। द्वी वर्तक के वस से र स्त्रेट प्राप्त का स्त्रीट । देवा से प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प् भक्ष्र-जुर्चाश्चर् दु.स्ना-वश्च-वर्श्वनाश-मीश-जानानेश-वर्ण-सूर-दे-देनाय-तर्य देश-देनीर-रे-अस-देनाय-वश्च-देन-क्री-१-८र्नेन । दश-स्रेनश.चेश्वरात्रं तेश.चे. १ क्. १ क्. १ क्. १ के. १ श्रम्भुः तर्नम । यामार्यामार सर र्नार महार म्यू मालस र्रा ल्वस म्मिमा स्मिन स्पट तर्मा।

दे दंशाचीया कुष्ठा साचादशायत्या यदा यदा साचारा होरा मूर् मु.मीज.क्च.रा ही.विय.भावन मू.वे.वंश.रचाय.वश्च.वावट हो.ये.हीट. निर्मित्रपर क्रेन मासुस प्रध्य प्रभी मानुद स्थित निर्माद प्रसुद्ध स्मानु के य'दे'वर्देर्'मु'बर'वाह्येवस'स्नवस'मुर'व'रेर् देर्' वर्देर्'वर्दर'कु'रेर्देर ह्यूरे.८८.। यम्पेर.पेम ।८तूरे.रुमोश.एर्स्स्र.क्ट.भ ८८.। मो८४.स.मोशिभा रेन देर झ्रासर व्येन प्रवे निवेद है वे सुर्क्ष कुर में निवेद है दुर्र उर र सर.८८.। चण.स्रीजा अर्चेचा भि.रचा.स्रे.श्च.चक्स.रचार.चश्च.खेस । दे.यश.ट.कु..ट्र.येच्र.चम्.वंचा.घट.त्र्येचेश.च.वंघश.दे.चीय.इट.त्र्यंचश्चेट. दे.क्ष.सर.पर्शे**्श्रे**पश.तमानीलश.चील्य.दे.चे.त.ह्र्ट.स्ची.भट.<u>घ</u>्येश. मक्रें हरा क्रें क्रुपेश के स्रोत महीता था है महीता था है महीता था है स्रोत है से स्रोत स्रोत है से स् रिमा सर वेंश निवि पश्चि मावसन्त रिय के महिंद मी विद् है। **रमनाक्षर कंद अदे दर्नो रमना दश उ नक्षिर कुंश मुख ५ रू ने हेर हिरा** वॅर्न् अस्य व्यर्ने स्वर्ने अस्य भुग्वे क्रीं क्ष्मिय वस्य मुख्य व्यर्ग स्वर्मा स्वरम्भ स्वर्मा स्वरंग स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वरंग स्वर्मा स्वरंग स दशःमुद्देरः क्षाये २ विद्यामु मात्रवासकेर सुष्य हे दमाव वसु दरा मुख नितृत्वु नरः श्चेनशानुन्। । शेरिः र्केश तः श्चेतः प्रतः शेरा नरः स्रोटः वेशः भेर. तम्येत. त. अस्ट. वैट.। ट.रट. वु.श्. त्र अ.श्र त. केर. श्रीट. चा.मी. कुर. ह्य . विना, यट. ४ ट. पविय. मीस. भेशानप्र. भु. ५ूना. मै. क्ष्माया पविर. कुटा। सेना. क्रियामसेयामीसाद्वीयाद्व न्रास्त्रायसुर्वायासुर्वित्रायास्य वित्राचितात्रीयाः मिति अर्थियोट हुं है अर प्रेंट्र इं रे अग्रिट हैं जिस है विदे हैं दान

स्यः स्याः स्याः त्रिक्षः स्याः त्रिक्षः स्याः स्यः स्याः स

यद्द्रम् दे इ.स. लर प्रेचेट हे ह्रि छर। यापर पेच दे ह्रि स्थर प्राप्त प्रेचे ह्रि स्थर प्राप्त प्रेचे ह्रि स्थर प्राप्त प्राप

अपनि स् विश्व द्वार के त्रित हो ते कि स् स् । स् विश्व के स् । स् विश्व के स्

स्टित्रमा नासेर सि. परे परे परे में प्रेंच के लेग के प्रेंच परे स्टित्रमा नासेर के प्राप्त पर्य के प्रेंच के लेग के प्रेंच के प्रेंच के लेग के प्रेंच के लेग के ले

मिन्न प्रति विद्या मिन्न प्रति मिन्न प

स्वराख्या ने ने च्राची स्वराप्त मीरास्तर है अपवेता प्रवास मिरास्तर मिरास्तर प्राप्त कर मिरास्तर सम्प्र के मिरास्तर मिरास्तर प्राप्त कर मिरास्तर सम्प्र के मिरास्तर मिरास्तर प्राप्त कर मिरास्तर सम्प्र के मिरास्तर मिरास्तर सम्प्र के मिरास्तर मिरास्तर प्राप्त कर मिरास्तर मिरास्तर

भक्ष. र . मीचास. रे. चर्या. तुस. तद्र. हस. के. चेर. मुरी हे. हस. चार्स्य. रस. मनेनान्त्रे 'रेम'मस कटामर न्यास्य हास्य हेस त्रम्य मस्य त्रुव न्तुः रेता पर्ने के वे भ्रवसानान्य सदी सामसायाना केस दस केस की नर्ने ब्रोट प्राप्त ने हिंदा सुना ने प्रनाद प्रवाद वार्ष के प्राप्त के प तिस्या लटाक्स की चर्ची सीटा सहना समुद्र दे हुस है। देवे स्मनस केंसस के देवे द्वरास्त्र द्वर् प्रवेषात्र विष्टिंग स्रेश पद्या स्रम स् र्सिन्साक्षे सदामु केर प्रक्षेत्राकाने। दे सहस्रवामुय ह्वा द्वा प्रदानिहा मी सहस्यात्रहेगा हे इत्येष्ट्र स्पेर् सुये हर लेय सुषायो राया स्टिमिडेना वसायगायः जना नहा। नहना वसा है। मिया सामव स्था पर्ना है। मैया क्या वसायवर्तातास्त्रान्द्राम्बद्धाः मोशामश्चरसामस्या वर्ते कुः सः **इ.**न्दःवरुषःवदे तदःन्न् विदःणः द्वेनः सुदः देवः विवः क्रेषः तदः र्टास्तुन्यर द्वाच्राच्यानुट क्षेत्रार सेर क्षु व्यट्स ह्यास न्याम्येर हिं - प्रासद्य निर्मा बुकायने निर्मा निर्माने दे । निर्माने न यर विर् कु छूब श्रीर दर कुब दर। से सर परे श्रीर व्यट केर दि र क्रें केट क्रिं क्रेंद्र 'द्रमें अपनिश्वा दे हैं अपने द्रामित है क्रिं क्रेंद्र मित्र देवा प्रमान र्टाम् निश्चरम् दिस्तिरास्ति। र्टार्मराख्या दे छस् स्रेर्मिनेश्वर मु र्यट कर् र्यायामक्षेत्र रेत्। यम प्रेश येनाय प्रहें स्था में र देवेया मु द्याशासक्य वर्षा क्षा द्यां शायक्ष । क्षा वर्षे दे दे वा शाक्ष क्षा वर्षे व मीतासूर संपर्वरस्मित हुर सामर त्रां श्रेर सीतार हीर तय रामर मारेना प्रमुश.पर्रंर.प्रीय.चेश.पुर.॥

સૈના-રેવદ-રેદ! કું.વેશ-સું.વેલ-સં.વ્યાસ્ત્ર-વ્યાસ્ત્રના સેવશ્રાના સેવશ્રાન

विद्याक्ष्मसामर्गेर् मानेर के व स्वत्यास्य प्रमास्य प्रमास्य । दे वसा হুষপ্ৰ প্ৰথ পৰি বাষ্ট্ৰ নাধানত প্ৰদান্ত প্ৰথ প্ৰথ প্ৰথ প্ৰথ প্ৰথ दे.हस्य-इथानस्यक्षः स्टान्य-प्रचीससः ह्यूर्-हस्यक्षरः स्टान्य-र्टा सः क्षरमा मा दे म मायासमा के तमही महिंद है व स्माय में दिया दे **८**चना मुद्दे ता नीया चस्त्री नीया वेशासीया या सुद्दे ते पद्दे ही मिलसा नीर्ट्र ता . . . ५८१ दे.ह्रस.कर.मे.चर.मे.ल.५८.लय.तर.५८चन.मे.१४४४५५ **ल**ट.चौज.रिर्ड्स.च.च्रूट.चे.च.च.कुस.वस. लूट.वंब्र.चोर.प्रस्य च्रं मु.मुयःरवस्तरानी व्यमुक्ष मु. १ वेसामार व्याप्तियः सहना निर्मे स्त्रीट प्रानिश्च प्रानिश्च प्रानिश्च प्रानिश्च स्त्रीत्र स्ति स्त्रीत्र स्ति स्त्रीत्र स्ति स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्ति स्त्र क्र. इ. च्र. चर्या पर्टा क्र्य. दं में या त्रा व दे व व व व व मी द्वर करे देंग है वरे दर। अर मुक्ष अर व क्या का की के र वहर श्चेंर। दश. विर्यामी विश्वामी पर स्थित हैं से हिमाश नक्ता ता निमान से दी राया विश्वास मिर्टामोर्डेश या नुस्रेमाश प्रस्था मु सुमा न्वर्मा । वि वर्गमाश रे मार्थि । श्च रविर्रे रीम्ब देशस देश र लि किट किट कि ए मेर मिट सहिर हैं रेर हिर् र्बेटकार्टा चे.केटका.में.क्षा.पचीराये.कटा.लचा.मु.चैटा.स्टा.बुकारचीर. च् नेर्के तरेन १रे वसाना ने अक्ट से अक्ता कर प्रेर प्रक्रिय वर रे से व यक्षेत्री स्वराह्में मात्रा पर्टेर् प्रिष्टी क्षा यात्री पर्टेर् प्राची पर्टेर् प्राची पर्टेर् तमुव डेंश म रेत्। देवे दर मार्शेर हि सदत मार्श्य ही सहत होंर छेंद यते द्वित्र रेग्या सर्वे व कंट स सेवस हे हु यदे स्व सदे द्वर करे द्वर स्ना देशसार ता स्नी हे देशस्त्र मा क तमार निश्र दर हर

पद्याप्ट्रिय मिरामिल द्वासाय प्रमासी ।

पद्याप्ट्रिय मिरामिल द्वासाय प्रमासी मिरामित स्थानि ।

पद्याप्ट्रिय मिरामित स्थानि ।

प्रमासित स्थानि ।

प्रमासित स्थानि ।

प्रमासित स्थानि ।

स्

শ্রেক্তিক্রেক্তি নাৡধ্য.বা বিম.প্রব.ওঞ্জ্য.বা

वर्षामना ने नाकुषार्श्वेन श्वेंट चेंद्र हैरा दे प्यट सट हेरा सून हैरा द्रा क्रियःसमा क्रियःक्क्रिंदः स्मित्रायदेशसः ग्रीः देता द्वसः ग्रीदः नेमो प्रदुवः विदस्यः गुरुर नहिं वर सिन सिर मेर मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ सामित सामित मार्थ क्रेंन्यर रेमाया वर्षे रेमाया वर रेमाय हे त्यायरे क्रेंय की सक्ष केर चरुराता सर्वे चत्रा के चत्र रेगा गुरुर होंच रहे व से होरी हे के होंचिर्य दशः सब्दः सादे नायः के विंदा भीता है त्या अदः दाना से साना सा है : वराष्प्रतायमा सुक्षामा संक्षेत्र देशा महीता महीता वह देश देश रतः गुःषः र्देवः सुर्वः परान् । यदः महिमाय। सहुसम् । १२५८ द्वः वेशयक्ष्यप्रताया ष्यद्भिष्ट्रसंवेशयक्ष्यम्ब्रिया स्मान्यस् बेसपार्क्षप्रसम्मायाचे वृष्पित्। न्द्रस्यत्रवेषानुसम्स्यायः द्यावट रूपा पर्ने ग्राह्म क्षेत्र अट । अव समा स्त्रे वट तहमा निर्मेश प कै.लय. ८८. लय. य. भूषे. त. श्रुचीय. इ.ची. तथ. देय. तर . स्वेश.वंश. तर्हेष. मी. ल्रें मार्ट्य वेना के मुन्य के किया के देक्सरा वर देखें हिंद व देशिया हिंदा है से मुद्देश वैरणे रेरा हर्षणे मानर रेन रे महिस वय संस्थेन मानेश रेन हें सर न्गान नस ने त्य हों न हों दिन से प्रमान नियम में सम्मान हम सह से हैं ने निया

द्ध बसा स्तानिक त्य बद्दा मुँ नेहा ने ते त्रीय ता मुँ निर्मे ने क्षा निर्मे ने स्तानिक त्य बद्दा मुँ नेहा ने ते त्रीय ता मुँ निर्मे ने स्तानिक त्य स्तानिक स्तानिक त्य स्तानिक स्तानिक त्य स्तानिक त्

यः भाष्ट्रशायः भेद्वे न्यान्त्रस्य प्रत्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्र स्थान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्

मानुकार्काः (वक्षामानुकाराक्षेत्र) मुनकारकार्का क्षेत्र क्षेत्र मानुकारकार्म क्षेत्र क्षेत्र मानुकारकार्म क्षेत्र क्षेत्र मानुकारकार्म क्षेत्र क्षेत्र मानुकारकार्म क्षेत्र क

रवः रेवः देनः वा मान्यः क्ष्यः वा स्थानम् क्ष्यः विष्यः विषयः विष

श्चा व्राणाः निर्देशता निर्देशता स्थान्य स्था

सट्ची सेम् अम्म स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्य स्वर्धात्र स्वर्य स्वर्यात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यत्य स्वर्य स्वर्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य

इनाशह में श्रास्त स्वास्त से स्वास स्वास

स्ति द्रम्भैर न्यक्षय ग्री न्तुय खुळ्य ग्री म्ब्रुन्य स्ति स्य स्त्रा मिल्र खुय न्यक्षेत्र। । स्ति द्रम्भैर स्त्रा मिल्र खुय स्त्रा क्रिंग् स्त्रा स्त्रा मिल्र खुय स्त्रा क्रिंग स्त्रा मिल्र खुय स्त्रा क्रिंग स्त्रा मिल्र खुय क्रिंग स्त्रा मिल्र स्त्रा मिल्र खुय क्रिंग स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा

मिश्वेदश्यत्वक्षाम्भीत्वद्दश्येत्रात्ता विद्वान्त्रात्ता स्त्रभाम् त्रात्ता स्त्रभाम् विद्वान्त्रात्ता स्त्रभाम् स्त्रभाम स

ह्रीयावर्षे स्वास्त्र त्रित्त ह्रीया संवित्त ह्रीया संवित्त स्वास्त्र स्वास

द्रेश्वास्त्री द्रेश्वास्त्री ह्रिश्वास्त्री स्त्री स्त्र

वसमाञ्जामाः वीनिर्दानिर्दानिर्दानिरा दे वार्किर सम्भासमासे हासीना देवीसा यदे में द में अपनाय दय है द र्ये चुर लेट। हें द य दे हैं ह हैं द सर ये दे वरः मुनादर्ने शःगुरा देन ररः मी श्रूरः देरः खुदः ४ सः से हेन् सः सः हे सुः वैट। दे.यथ.सटस.चीत.पब्स.र्बर.पटेश.प्रीश.पुनाश.पर.पशिटश.पप्र. क्रिंग या क्षेत्र ह्याँ स्वर क्षेत्र हो निका है सिम्बर साम होते हैं ते प्राप्त होती होती होती है है है बैच.प.सूर्याक्ष.म्रीकार्याप.सुं तु.सूर्यकाता.कुब.सुं सुंका वैदा। प्रामादास्य मार्केर स्वास र्नुर मुका गुदार राद्या सुका गुर में द्रयदा साद विवा गुर यर र तु हें हरे मु अवत् विचा में सूर्ता भर क्षेत्रा ता परेच । कुरा में हिंदा हिंदा रिका रका चविद्यादित्रे च १ सम् द्वियाच १ दा ह्युं स्थाने सिन् मुद्या हिन । ह्युं मान १ दा महिन । याञ्चन'तम्याञ्चे अर्बे र्'यते भ्रम अर्ह्य ग्री के तर धेर के रहे र हुन या न्या न्यात्राच्याक्री स्वार्क्य क्षेत्र क् नष्ट्रभानाद्रात्र प्रमुख्या अदार्केश की स्राप्त निर्मे स्वर्म सुन की प्रमुख्य निर्मे रट्टीर्टलायःश्चेराभ्ये र्यामालकालयद्द्यायस्याश्चेत्रास्या वर्मे न मेदे रे नाय द्या द्या द्या ह्या कनाय दुर वर्मे हुंद रे य मेर सेमय वर क्टा भर रेट्र अपर्यंताय है। श्रेस अप्ति हिंश ता रे सका से बे विश्व था। भन्त्रिम् सः से प्रवृद्ध लेटा हिंदा लेटा से स्थाले सः से दा स्कृत ना स्वर् किया सन्तर गुर्म इत्राक्षेत्रवातान्ति। दर्भोतात्वात्ररावेत्रे प्रेर्माचनवा नुर्यारे महाभी श्रेमशयान रेचा सेर्वा प्रह्मानीहा वहानुताहन सन क्ष्मान्ता मेनाव्यास्य र्द्या यहसास्य प्रदेशमानामात्र सामुद्रा हिनाने स्पेट व्रुव पद्मा आ

क्र्याची लट्टिं नेटा टार्टे प्रधु में भागति राष्ट्र नोवश मेंट्र मुट्ट

टार्केस मु मक्त्र मिट्स न्ना नीस प्येन हेस होन मिन मानी में न्दर ब्रॅम् क्रम्य है दूर लिग में उट क्षर हुं य से द य दर्ग हुं य तर्र र से म्ब कुरायरे सेना जोट तर वैट य रे से य हैं अ से जेश के श ने ट यह र यह . प्रवश्चर प्रदेश वर्ष चुर हैर । र द्वेद ही पायर प्रदेश माने व्यक्ष माने व्यक्ष गुरि कु अदे परे स्वा रेर त्वार प्रामा अद्यास्त्र मुन परि स्था सम ग्रमा लेकानेना नेकानुनातमी विकासीना सी विकानुनातमी में से लूट्। ह्या.पीर.बु.चर्.स.स.कुच.रेश.रेचूर.सर.कु.चर्.मी.११४८.स.स्री वैतृत लेशयात्ररायायदामार्चे दसदारेसायासाय स्पूर्वे हिन्। देवे वैट.य.क्ट.भर.वेथकाचड्रेज्रेश्चराड्डे.वेचो क्रे.च.क्र्रे.भ.रंभराश्चराश क्ष्रक्षश्रास्तानी यामञ्जूष मूर्विश्वास्त्र सामुद्राया नेवान त्यान मेरा न्त्रात्र मुन्दा वर्षेत्रा मुन्दा क्षेत्र मा मुन्दा क्षेत्र हे नउस गुर प्रदेश वुन। सुभः सुद्भार दे देस मास विनास दर्भ मुरा है। वह ना देस मा न्मन् न नुद्रक्त संमयन्यन हो। ने हे या नु नि नि स्थान नुद्र न ल्री लट.थे वर.व.क्रु.व.ट. भ.क्रु.व.व.द.३४.४८.भ.क्रु.व.व.द. श्चित्रायः दशाग्राद्यात्र स्त्रीतः श्चितः श्चितः

क्रम् स्वराक्ष्यः विद्यस्य वि

कृतभेति च्वानक्ताने के के कार त्या प्रशासिक के मान स्वास्त्र के किए मी। ८.क्ट.क्ट.अचल.वल.कु.चेव.त.चेट.च्येक.टे.चॅर्ट.टे.चैंची.ची. न्तियम् मित्रम् प्राप्ति । स्यामित्रम् न्यान्य । स्यामित्रम् न्यान्य । स्यामित्रम् । स्यामित्रम् । स्यामित्रम् वर्टा सुना नुने नार्या द्वाय स्वर मुक्त द्वाय दिया विना हर हर व्यक्त मी है। वनायः व्यावसः चें नृत्यः दवे वर्षेद्रामदः भ्रष्ट्र अदेव मी व्येद्र श्री गुदा म् रे.ज.रं.द्रे.लटस.पूट.मे.कु.य.ख्या.लूर.चस.पह्य.मीट.वट.मी प्टर.च. के विस मेना भेन पर पहिं के भेर सर ने न विस मेर मेर ने न पहिं ग्रिट्मासट्ये मिट्र प्रकट्स नेस मे मुना मिट्र पर्दे हैं नेना में हैंक कन्याभित्ती देनामित्वित्वामित्र देवित्व वर् ने नुभाव क्रिंट वर्ड व समाव क्रिंस स्रें में सुव नाव ट खुभा नु विदर्भ वर ल.मैंदे.रेशरचश.चक्र.चरेश.चंद्र.थर.चर.चरें.पर्ड है.भ.से.सेर.के.चरासे मक्किन् नायदाय देवा देवे प्रशेषानु विनामक्के नाया महामार्थित स्मार्थित य दे द्वारा मिंद्र मी यगाय द्वार य देव है न वेदार सेदा में में यह नास म्केशद्रम्भेत्रभ्रत्मित्रम्तिः द्रमेत्राया हैन्या त्रुम् । भु द्वेतित्रः नुर्द्र वर्षे रुषासु ववस य सम्रित्ती विद्यीस हे सेर व्यामुक्तरवद २८ १९८ सेर् माल्य द्या मेथा है मलेट्या मह्यु व मी याया गर सर मेया मे नेत्रकृर रे विना नायर म नु द्रोद्य मासुरय य वृत्र झे खेर क्षार् स्यत्रे मुं मायदान्त्रे द्वो प्रदुष या देवा पर्या है वि पर्या में वर्षे स्था प्रदूष

मु अर्ग्य में भारत है हि स्थर अर में मान हे मार्थ मा है शाय है श्राय है श्

च्रार्चे त्राचे त्रविष्य शुक्रीं विद्यादा । सहत् स्रार्खनामा स्रार्ची के जी. म्बराया मुना सुमा के सी हैं है सी प्रेर्त र दे किरावर्ति रहा किंद देश स्मारा उत्तर सहित से के के में पर्दा ने के दे दार दू मिन मा मु देट न् भी मी पूर्व न मुन्ति मा सा सुमा मिन में महर्द है व यते व्यादेशक्षशहेश शुं मु पश्चेर हैश या ही देशे वट मु या पत्ति देहे सर्वे देव हेव हेव से की हिंदा मुग्नित। हिंदा में प्रश्नातित के कार्य के की प्रश्नातित । के वास प्रश्नातित । के वास प्रश्नातित । के वास प्रश्नातित । वास प्राप्तित । वास प्रश्नातित । वास प्रश्ना कुं कुं ने अध्याप्ता में तिराविरावशास में विराध सुप्ति प्राची प्रति पाते. केर खेना द्वरानी ने रार खेरी यामर सेना रहे खेरी हुता नु हेरी या रेट है. ढ्राचु चु न्यु नर्ष है प्राष्ट्र व्याम मेर्न हरा। नेने हिना सेना का का कु खेरा हा मने सहर माइस र के रासर्टर के सारे से मेर मेर हैं निवासर है सारे नाइन १४४ विद्वार्थे अर्था देन महाम्या कार्या कार्या व्याप्त विद्वार कार्या कार्या विद्वार कार्या कार्या विद्वार कार्य भ्रवशः हैना विन्या के के के क्ष्रकाय जार जार है लिन हेर के प्रेर के न

क्ष्र-ची-४-1-८२। अ्निच् प्रेन्ट् भाक्ष्रभाग्रीकात्रप्तान्त्रम् अस्ति। अर्थ्-प्रम् क्ष्रभाग्री स्त्र-प्रम् क्ष्रभाग्री स्त्र-प्रम् क्ष्रभाग्री स्त्र-प्रम् क्ष्रभाग्री स्त्र-प्रम् क्ष्रभाग्र-प्रमा स्त्र-प्रमा स्

ब्रिट्स-मन्नाक्ष्यक्षयद्दा द्वा स्थान्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

व्यापुर्वित्वपुरम्बुद्धार्म्यप्रमादम्य द्रम्याने वुदार्ख्याकामार्खुदानुदान। सन। इसार्ट्याकार्ख्याकार्ग्वकानारान्द्रीय मर्देन्सार्ये स्प्री 🐰 न्याये नुष्यते नुष्यते प्राप्ये प्राप्ये प्राप्ये निर्मा अवस्यानाद्यत्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्यान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् अप्रे प्रस्ति विकास क्षेत्र । प्रतिकार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क अवै वर्षे रायट व्येट या द्येर या देखें रहें व की पायर वह से व्येत बुनिश्चान्त्रे ताश्चरा भुना मुं के दानु नम्भूरा हु रहे दहान है हैं देश हो दी कराया अदशासेट की के यादे पर लेगा मी पर पुरस्य हिंद हीं पर । हुना मीप्रे.श्रेपश्रामी हेर् श्रु.श्रुचेशिक्षिराताल्यी राटिश्चेलातिहा हेरे लारेचेठ. में भेर्गु गुर दे हैं है नाइका हुंदा यहें र साम्ब से ता र हर हर हर हा स्वर २सुग्र-कथायान्ना २ सिर्फेर्ना सामिका की कि कि के हैं र कर मानका ना रत्। भ्राप्त मी.चाच्चत्रास्चारात्यितास्त्रितास्त्रान्त्री स्राप्त तर् र्केर मुद्र रेट हेर से पहेरा पामि दर पर्रे पास हिएस पर हेराहरा र ર્જી વર્ષે ગુલ ? કે કેમ વર્કે શર્ભે દેશ કેમ હિવા છેલ ? જાયા હેમ સુમારૂમા नविश्चेत्रातुनाकुः भेर्राकुः। अपश्चात्रात्रात्रात्वात्रहर्ने व्या

वर्गे वर्षे र वर्ग सिनास महीदस में गुरु में से स दि है द करा क र्कट्रमिकेना भेर्द्र दे। दे दश्य दृद्धः नाद्रश्चः दा स्त्रीना नीश्वास सर्वेट ने ने दश्य दृद्धः नाद्रश्चः स्त्रीना नीश्वास सर्वेट ने ने दश्य दृद्धः नाद्रश्चास स्त्रीना निश्चास स्त्रीना स्त्रीना निश्चास स्त्रीना निश भे दरा अर्वे अन्याम यह भे भेदा है शास होना यह व है र के हैं र वटः दशः श्रीनानो त्यशः गावै नादशः द्वतः होना होनः यादो दशः श्रीना मनुने नावदः ब्रॅन्।सर नेश वृता दे य ब्रॅन् सून संग्रह व व्यत् विद वर क्रिय विशाने नायर देससामानेशाचर नहेमा सुराममें विमार ने मेर् की लेरी दे हैं सामि व दे त्यना वदेनास रु हैंद हैना वकीनास वर्षेत्रसमुद मुदा है क्रिन्देवे मान्द्रक्रामान्द्रीमास्यसमार तुन् मान्द्रमामेदान् स्विम सुसरे

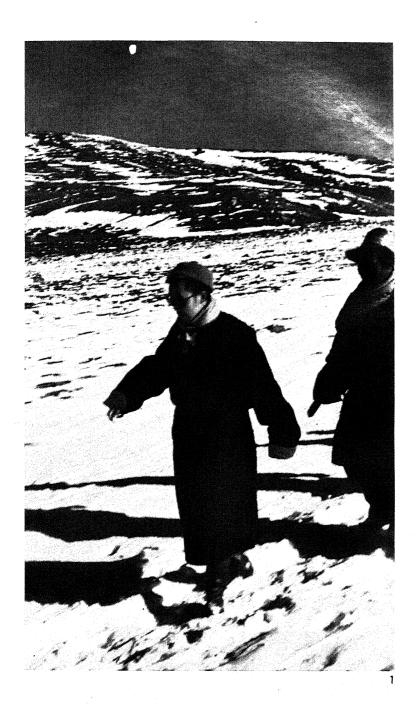
श्चर पश्चेनाभाषा देश र पुराक्षेत्र सेर पुरा केता पुरा

ल्याम्बर्धास्त्राम्बर्धास्त्रास्त्राम्बर्धाः द्वा वर्त्रिं वर व्यवस्थ क्षेत्र कुत्र मूक्त कर्त् कर। वर्ष विष्ट्र दर दे सेद क्रसं भुनास मु महर में मह में भेर्ता व्यामास र दूस के द दस प्रकर था चॅर्न् यद्रिष्ट विन् ने हेर हु रे हैं सम पर ने ट हैं रे सुन् श की सहर में हिना स्त्री देशन्त्र निवस निवस निवस निवस में देश न्स्याहार्काची देखुरानु विदायदेन व्यादा देखन देनु रत्याहियाः सुरमेषाः वर्षेत्र्यात्रे वर्षेत्रात्ते स्वर्षेत्रात्ते स्वर्षेत्रात्ते स्वर्षेत्रात्ते स्वर्षेत्रा इत्रानी मुक्तकर भेवर मि.च. मुन्यत्य पासेर की लूटी रवेर रेस टर्टर लूट्य.पेह्र्य.क्य.त। भक्य.बेट्य.क्ट्रा चिवेट.ची.जस.पिटस.पंचीट. न्यानक्यान्त्र-नुसानी में नार केर नार नम् निमान देने भगम इस्ति के कर ममहायामर प्येट मी रेता देर मुन्नी मार पर्मे मुन्देर क्रिन्द्रनात चे लेद् हरा क्रियक्षर ना वे बब की बर मुख्य भी ब्र मु

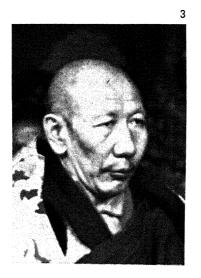
स्वयास्त्रित्सं विक्रेस्ट्र्स्य प्रित्या स्वयास्त्र स्वयास्त स्वयास्त्र स्वयास्त स्वयास्त्र स्वयास्त्र स्वयास्त्र स्वयास्त्र स्वयास

दर्ररानो श्रिंग श्रुंग निर्मे नी स्त्रामा निर्मे नुस्ति नी स्त्रामा निर्मे नुस्ति नी स्त्रामा निर्मे नुस्ति नी स्त्रामा निर्मे नुस्ति निर्मे निर्मे

पर्वेतातिष्ट्राज्यानुसारिष्ट्राज्यानुसारिष्ट्राज्यान्त्रान्त्रान्त्रा र्टा देश से अस्ति कर के र के र के र के से से से में का मुद्दा दे.ज.भ्रुर्.च्र.अवशास्त्र.लट.लट.वज्र.वेच.क्रे.ल्र्री टश.हचे.व.ट.ह्र.. सर प्यूरे पर्वे भ्रा प्रस्केर प्राचित्र हुए । स्वापित स्वीत म् १०२१ वटा मेर्ने पत्रे स्वया हिते क्ये संगान हेर पत्रे में तर्ने निर्मान स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया नाडे गार्डक गाले र्व स्ट्रिस नाडे ना द्यार कर केर प्रेय लेटा परा है ब्रॅ १२३१ इट विद्वित्ति हिं बेर पदि विद्वित वित्वित वित्वित मार्ड्स् मुर्गेरामाय्विमामाय्विमान्याविमाविमा ने देशकान्यामाये समाय व वैगक्ष ने व चेर व्यान क्षा रेर ब्रोट हो न वे गुर कु विद्राला के विद्राला है विद्राला है विद्राला है विद्राला है विद्राला है कि विद्राला है विद्राला साम्ना गर्ने गराहेशने निगाने निमाने न म्वेच.४ रेच १९.ष्ट्र. ग्रेट्र.वेच.व.च.च्ड्र.वर्ट्र.ष्ट्रश्चर्त्य.वेट.कंचक्व.ची.चार.ज.ध्यू. नवें होते दा को को को देश में देश की की कार में देश पाय है का पाय श्रेनकार्ने क्रूट र दर्मार जू जे नावका क्षेत्र हिमार्न्य ही मुला ही नावका क्ष्यानेसान्द्रिक्षात्र्राक्ष्यास्त्रा विता रे.चलेरकामिले ग.लूर्.च.ट्र.फा.लट.लट.ट्र.केंट.चीय.चनेंस.ट्रे.सेच. दैरानी खुता ने के विजय की के क्रिया खूटका है जिन लेना लेन नहां कुंका करा। युर्य ने के अवेर होर पदि में शुलि ग गुर वर्ग गर तर्रे में गृत्वास से न है. १स. एस. १न जुने १स. ५३ १ है. र ट. श्रुट १ में नव नास ना की टाई है. मुनामळें सन्तुमाम्यावने माना है से पिर्निय के देवे हैं है है ति वह सम्बोद दशगकेंग्रन्थियः दाहाश्वर व्याप्ति विराम् देवी नावस्ति हुर्वाणाः स्रुग-वेर्-भेगानाबर-वेना-पु-वर्णेर-य-वेना-सर-रनो-नाब-बस-होना-नाबद-नी-













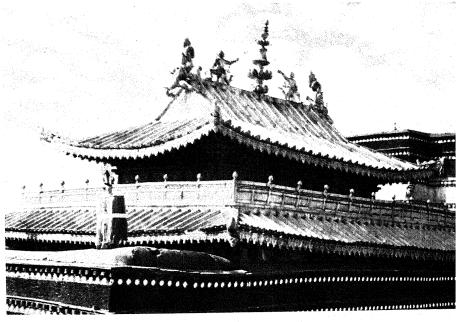
-





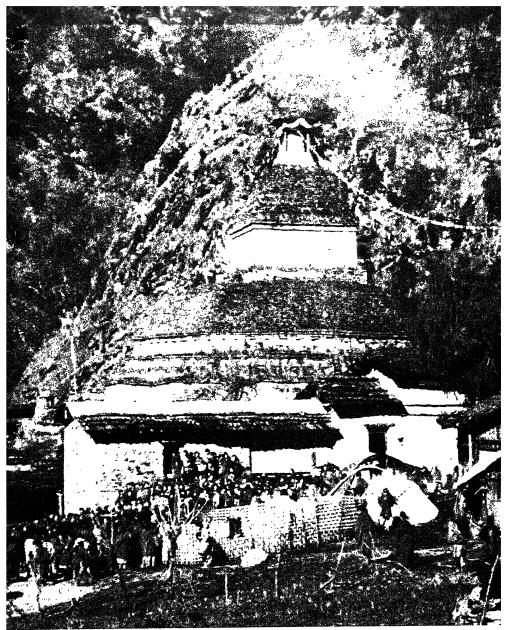












स्त्रिंग्हा द्रम्याश्वासां केर्याद्वासां के

म्वीत्वर्तित्व स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम



न्सुस्या धेर्नुने वर्ने य

मु न्यूक्ष चर ह केर हुँट् व्या क्या नहूट् मु क्या । चूट्-टे होना नहीम ख्या मुक्त स्थानहूट् मु क्या।

चर्रावना हेते. ब्रियामद्भानीय प्रियास द्या स्त्री निराद्य विष पार्चि,थेचं देटः शूचं,च्रा निरः देरः भुःशुः वथः वश्यः लूट्। चै.चार। येवरः मा चयात्रीया वर्षसारविचा चस्याच्ट्रणी हे हिन्स से ल्ट्रा देव. सुर्गश्र.श्र.त.णु.श्र.धव.८८.। व्यय.चाव.श्र.२व। व्य.२.श्र.चन्थ्य.णुट.धच. के ल्यूरे संदुर्ग रेशार तथा अदार्च है हि ए हिसास है शासिय हिन है है चित्राव्यासा वे दिन त्रेयाच वुन लिता द्वना चर कुन नर दिन हें भी त्रेत्रयातः हेर् व्यास्त्रात् यासा स्ता देत्रचना नी स्री नी त्री स्मार्मात् स् म्राव्यानुदानाके। वृदानिवे द्वेयान्ति न्यान्ति स्वानिविक्यान्ति । मर महेब केंब इनका मेर् क्षेत्र प्रेस हें न्या चुन मने हैंब हु मेर केंदि में लिग र्नोस्य पुराके। मुनार मुन्भे मोर र्ये हार सर् प्रवेस। मु बनार्टा स्नाच्निक्ससामा हर्मा स्नाचन मान्या वर-वर्षा वर-दे.मू.झ.बराजातारधेवज्ञात-वेश्वश्च.वैदाकु.रेश. र् इंप्यर पर निर्मेर् की करा में बाइस पायर पायर व्यर्गित नि के वर्षे व्यक्तिमानमा निष्या राज्य के मुख्य देशों वर्षे प्राप्त के स्वाप्त वर्षे प्राप्त के स्वाप्त वर्षे प्राप्त के स्वाप्त के स्वा हर खेर दे की पर्वेष य वैदा किय महस्य केया निव केर पर्वेष य दे क्र-मुद्दान्या वर्ग्णुकेरम्यक्तिरीयाम्बर्ग्नात्रप्ताने र्रे. हुर्गे, दुर्गे एकू प्रमिष्टिंग स्ट्रिया स्ट्रिया विनास सूर्यः मस्यानियायक्यासुन्दासीय्रान्तियान्तिया मुक्ति से १ १ ५ हम ब्रीट नाट स देश से नस सामद के र द्वात महा लु मु

स्ति भूर्। म्हिक्स कुर्य हुर्य कुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य हुर्

द्र-पर्योद्धियापार्र्या। १ व्यद्धियाद्ध्यास्त्रित्वर्धान्यक्ष्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् १ व्यद्धः स्त्रात्त्रात्र्यास्त्रात्त्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य

दर्नोर्गमनाक्रामिं रार्के वे दर्नोक्ष क्रमिं वर्डे अपन्यमी मु रेनाक्ष भवा नेसन्भंतर्भेत्रेट्। २मार् नस्य स्टूट्रिस्य गुट्युर सुर्नेत्। द्रमेंद्र यान्त्रात्रः त्रसायः सर्हेर् मिविसासास हेरायें प्रेर् सेट्। न्नातः त्रसायासास য়ৣ৾ৼ৾৽ঀৼঀয়৻ঀৢ৾৾ঀ৾৽য়৸ঀ৻ৣ৻৻৻৻ৼয়য়৻য়৻ঀ৾৻ঽ৻ঀৢয়৻৾ঢ়৻ঀঀঀ৻ৣ৻৻য়৾ঀয়৻ बुरी मिट.कूर, सुर, त्मान, यक्ष, रर, प्रविधा, बै, श्रीप्य, श्राट, त्यूर, । यचीय. यदे मि क्षेत्र के में प्रेय सम्बर्धा पर अर्। क्षेत्र पर मिट के दे द्वाराय हिंद वर्कें मानेट देश मेन् हैट। मट माने वर्कें मनशम्बुट या महें वर्षें न्या से दा मीबिट, मीलिबी ह, धरा क्रिश, मुहूरे रेटा। मीबिश, से हरे, पिट, बेटा दे.क् पु.लूट.पटस.द्री हूट.चिष्ट्रस.स.स्यास्य पु.सूर्यितसाहकार्यय रेदा दश्यत्भग्रस्ते स्रूरं पहिंद्वा दर्स्टर्मा स्मिन्या स्मिन्या स्मिन्या मेर्। तसायनाम नार्षे . में बैं शासकंसरा श्रुट हैंच रटा नावट मी नातर लिस्त्रियं सेन् प्रते से देनाहा सिटा वर्तेना से का सेन परि में ट्रिंट पिना नी नहीं र मुचदीन्न्न्रविष्ट्रव्यस्तित्राण्येव। क्ष्रायिव्यत्त्र्यस्तित्

ल्रा अन्त्र के दे नियादा। एक व्याप्त वर् क्राप्त स्वराधि इर-दु-गुस-१८-दु-न्द-भ्रेन्स-छेद। दुस्न-भ्रेन्द्र-हि-दि-म्युक्तिन-प्रस्ति लेना स्त्रा स्वायक्ष असी मिट् इं भु व्राटास्यान्स्य द्रस्य देट नुस्य दि स्त्र स्तर्य दे त्राप्त स्त्र र्नो म्यापनाय प्राधिय मित्र हैं स्थानिय हिता रे स्यासी मिया सि र्यानाट लिना केनाय सम्देनाय स्वत्यामना निक्ना क्षां द सुन्टा। मिनी, नोकुकी, प्राप्तु वी मिनी, नोकुकी, प्राप्तु वे दि स्वस्था ग्री, खेनी श्राप्ति . श्रॅन श्रॅट विश्व पर दिवेश है वे अगरा श्रें ये दे विश्व श्रें विश्व वेट स्वय पर् रसना क्सस-रिवेद हु दे समाय सर स्मिना यह नाय उस रा रेटा रिवेद हु दे निम्मदर्के वेर् दशक्षित्र ने से विना निहन सं केर स केर केर केर में ৽৽৽৽ বম্বুয়নায়ৢ**ৼ৾৽ঢ়ৢ**৽য়ঢ়য়ৢয়৻য়য়য়ৼৢঀৣঀয়ৢয়ৢঢ়য়ৢঢ়৾৽ঀৼয়ৣ৾ৼঢ়ৢ৾ৼঢ়ৢ৾ৼ वॅर्भूर्वराप्रमाहेर्गु केराकेन्रेन्र्रेप्र विराम निवस क्रमाबट प्रभावना हट प्राचे हर पर्ता हर की नुसा द्राव सक्रमा मुक्षमुयार्चे श्रुवस्यविन । देशारा स्मृत्या स्प्रेर्पारा स्त्री वर्षा मे स्वाप्त कुं, कुन, राज्ञ, जेश अंतर, लूट, केट, तुर्व, बंज्ञ अं, नहेंद्र, दें के रेट हो राज्य रेन। वॅर्न्स्मन्द्रिंग्द्रिंग्द्रिंग्द्रायपुत्रमदिःव्युव्यटस्यद्धेत्रक्रमेन्ख्रुंन नुरक्रिःसविवाक्तिवार्त्त्रकार्त्त्रकार्त्त्रम्। सुःमुत्यानिवार्त्यान्यवार्द्वा वेव गुप्त समा में विदे हमसा है ए दूवा डेबर**क्टा भुँग प्यॅन्य मेन**। नित्राभेर्-द्रन्वसम्भीभेर्। स्र् र् द्रायस्यन्ग्रिन्स्येन्स्यन्त्र शुक्का अन्। मिंट कें न्यार सहत्सन् स्था पार्के पारेन्।।

बर्द्भिक्ष भेर्न्यनुमान है है के बर्ग विमिष्टमा बर खार्स हुए है र पर्दे सहर में दे रिवास रहा। रुका केंद्र हिना वित्र हिन हिन कि मिना मीस ही ही र महिंदा मुक्तिस्स्रहेर में स्ट्रिंग होट स्रेर प्रमें देया देवर हुस दे विस् श्चिटःना निर्दे त स्ति सान् विद्याना स्ति सी सामि दिस स्ति । वार्ने बटा व्येन् यार्केशाने किंपवृत्तिन विन् कुरावनेन एक श्रास्त्र स्वेन केंटिं मुराम्द्रास भेर सर से तही मु मेवा हार रहे हैं के वर तहे सम्बर् श्चित्रभूत्रअः सुर्रान्ते 'सेक्षर्य' यसार्विद र्द्धस 'बे्द्र' के के त्यसेस 'भेर्द्र' के रेदा <u> २वर रेक श्रीत चर ४ची च ३ क्ट अश्चनाय क्रा वेर तपु श्री शट वेन । </u> लुवी दश्यस्ट्रेस् पुर्रे हेल्थायुर्य दिल्यस्य स्थान स्था स्थान स्थ ৼয়৾৾৾ঀৢ৾ৢৼ৾৾ড়ৢ৾৽৵ৼৼৼৼ৾ঀ৾৽ৼ৾ৼয়ৼয়ৼয়ৼয়ৼয়ৼ৸ৼঢ়ৼ৾য়ৢয়ৼ विद्रयालेनारेना द्वराता विंतुयर केंश सन्मागी प्रकससादा। वेंर म्रीट नु क्रियान र स्वासास नुसा मिट क्रियाट सामर्थेट मा हु सा निर्मा क्रिया है मी बटा बका सङ्ग्र भी भी विक् गुटा ही र महार समुक्षा सार्के दे मावका द्वारा देरामर्ज्य देन नामहर्ता वर्षि के के सार्च के महिन के देन सार्दा प्रकार स्निया स्ति वि देनिया करा निया सर्वेर से निर्पा परका ता ननातः सं चेन् प्राप्ते । जुरु स्वार प्राप्ते से से प्राप्त प्राप्त स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स ब्रॅंट' अ' भेर प्रते ' खुत्र' मुी 'हमा अ' प्रता | कुत्र' या मात्रा के 'या किया है पा मुन्यायसम्बद्धित्यान् स्त्रियान् स्ट भेन स्वर्धित्यम् मुन्तु ना र्केर्निर्परि परि नुस्स्त्रवस्य सर विं विना केरियो मेरिता विर्मेश क्रास्त्र विन्तु र र्बेस द्राप्त्याद मुद्देर स्माय लेगा के विदा कुरा मुन्य स्वराद्य दा ळंत्रसाळेब'चुट'ब मानार्नेनाबागु'रे'हेर्न्ब्रॅन्टा न्नाव'वहंस'ग्री'इस'वगुर 可有一种"别"之气

साला ने स्थान स्य

वेर्म्यर अर्वे देन्न्य मानेश हुय वेर्न्न का स्क्रास्त्र है या से प्रवेर कर हैरा पर्के या स्वरूप परि र हिंद या है आपेश वेर् सवतः सन्दर्भक्ति समान्य इत्यम् पर्हे छेट छेन्छेन हैं। इत्यापर्हे ह्यान्त्रिकेन्द्रास्त्रम् याप्यार्थिन् क्रीते स्त्रीत्राहित् के । न्यन्यात्रनान्त्रं सुन्यत्रं नुहें सुन्ते नुन्यन् व्यक्तात्र्या केर् यदे त्रहंशक्कें एवए नी नवस हैया नाए भग सर्वेट हें हो भेर्र या साहेत्। दर्भनुकाके वेद्रं क्रां का व्यवस्थान स्वाधिता हो खराहुन क्रां करे दर स व्यन्ति वर्षे के क्षका श्रीन वर्ष पुस्का के अव है। (२१ वर्ष के द ष्परः करः म'दे 'पदः प्येश' र्ड्डप्राप्त प्रमुक्तः हेदः श्रुविता हेव 'हुँदि पदना विस्तरायनायावर्षेत्रयायाय्येत्। द्वानावेत्त्वा वर्षेत्रवा वर्षेत्रवा वर्षेत्रवा वर्षेत्रवा वर्षेत्रवा वर्षेत्रवा सन्दे व्या मिर्देश्यमे हेर विद्यान विश्वास नुन'हमा मा रेमका मुद्दा भेरा नेरा नहेन विद्दार्क के ने क्षेर महिका तर का शुँव केन तम्मूय र्ने समार्थे वर्षे वर्षे ने त्रीं के रेना दि शुक्र स्थाप श्रु-विट.चंट,स्र,पियाचोरस.चंतु,पिसस,र्चास,देसस,हिसस,सरीर,ट्, ह्यूरे सिम्ब छिद ब स्तर। मिर्ट ह्यू स,रेट्य सूर्य चिवि रे च त्रा साम मार्थ सरे हैं स

स्यात्र्यं विश्वात्रं द्वा । स्यात्र्यं विश्वात्रं द्वा । स्यात्रं विश्वात्रं द्वा । स्यात्रं विश्वात्रं द्वा । स्यात्रं विश्वात्रं द्वा । स्यात्रं विश्वात्रं विश्व

तालुब्र-स्टा <u>इट्ट्र्स्स्य स्ट्र्स्स्स्य</u> स्त्र्य स्त्र्य स्युक्षर मी तम् मूब्र-स्या स्त्र्य स्त्र मी स्त्र स्या स्त्र स्त्र

करं तिचारं त्यां सामा विद्यां सामा हुन सामा हुन सामा हुन त्यां सामा हुन सा

स्थानमीनिधानुक्त् । दिनिधानश्चेत् मुद्रान्याक्त्रम् । स्थानमीनिधानश्चेत् । दिनिधानश्चेत् मुद्रान्याक्त्रम् । स्थानमीनिधानश्चेत् । दिनिधानश्चेत् मुद्रान्याक्त्रम् । स्थानमीनिधानश्चेत् । स्थान्यस्य मुद्रान्यस्य । स्थान्यस्य । स्थानस्य निधानश्चेत् । स्थान्यस्य मुद्रान्यस्य । स्थान्यस्य । स्थानस्य निधानम् स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य निधानम् स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य निधानम् स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य भूमान्यस्य । त्रान्यस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य भूमान्यस्य । त्रान्यस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य भूमानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य भूमानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्य स्र-त-लुर्ग। तर-ति-त्रभील-तर्नुर्ग-त्र्नुर्ग-तृत्। स्र-क-लट-तभीर-र्-े.

सास्त्राच्या स्वाप्त्रस्य स्वाप्ते स्वाप्त्रस्य स्वाप्ति स्वाप्त्रस्य स्वाप्ति स्वापति स्वापत

यस. श्रृट्र तहला श्रु तीय या क्षेत्र स्तृ हुन् स्था स्त्र ग्रु श्रृत्त हला श्रु ता क्षेत्र स्त्र स्त्

र्जस्यक्ष्यत्वान् स्ट्रान् स्वान् स्वान्यस्वयः स्वान्यस्वयः स्वान् स्वान्यस्वयः स्वान्यस्यस्यस्वयः स्वान्यस्वयः स्वान्यस्यस्यस्

पश्चर रहेश्याया मान्द्र के जिंदा ने केर हैं सामा मान्द्र के जिंदा ने केर हैं ते हैं र हैं दिन हैं म्बिस्याम्म केर में इससाधीया दे इससाधीयाम में दिस्य में में में दिस कर होर." एम्। र्डिर क्वर दे मिंदार्डे दे खान्विया शुमुराया देता देते हिला देते हैं। उर द्वित दर देवे उ विग दसमा हुर वयस मुख सु स्ट्रिंट देवें से है। त्।तःत्यः रखः नातुरः या न्यायः व्यायः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः वरवामानुस्य अतुमानुस्य देवे विष्य देवे विषय देवे विषय देवे मिनिर विन्य के में तर् पर्वे प्रहार के मिनि है है। वित्राक्षित्वायाः विविद्याः विविद्याः विविद्याः विविद्याः नु अंता विर्देश स्थानी सुनास र्वेत स्थान स्थान व्यन् हिं। द्वां वया हिर क्वं यर ब्रिन्न् विश्वर वित्तित्वर किने चिंदार्ड दे मारे र से मार्डिय हिंदा हों र में प्याप्त मार्टिय हो मारा हिंदा है मारा यान्या नगतः नगान्यास्य स्टा की सम्बार्गे स्टा नि तान्य नि नि विद्यान्त्रे प्रवास्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्षया बह्द के नु कि से नियं के नियं नियं के ख्नस्यात्रेम् त्र्वेद्द्रप्रस्य विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद

मार्थस्त्रीचक्षः अक्ष्रस्य प्रह्मां ची निर्मा क्ष्रा निर्मा अवक्षः अवक्षः अव्ह्मां निर्मा क्ष्रस्य क्ष्रस्य प्रह्मां ची निर्मा क्ष्रस्य क्ष्

चाल्य, ख्रेचात्य त्या हुंच् क्रिया टक्क् कुं जिचका ख्रेंचा यट हुंचे केटका ख्रंच क्रिया व्याप्त हुंचा हुंचा

चर्नाद्रेट खनकाम्बद्धार ने का मान्य कि कि स्थाप के कि से कि

त्र-भुत्र-श्रम्भावान्त्रणे द्रम्भुयक्षणे प्रत्याने प्रत

देर-विदेशकंट सम्भित् विभिन्न विदेश प्रित्य देश प्रित्य विदेश स्थित विदेश स्थित स्थि

দ্রীনা নুন্দে। ট্রিমামসুধানীবিদা।

मह्नीत्रहेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रम्हार्ट्रान्द्र्नानुर्द्रन्त्वान्द्रम् त्रदर्भ देशक्षात्र्यं के स्रोधिया स्रोधित स्राम्य स्रोधित स्राम्य स्राम स्राम स्राम स्राम्य स्राम्य स् दाख्ट वर् रेर्रेरे तमार विमायस से र्हे न्य के किर स के प्रमानित हिर यस हैंर वेर. य. मार विद्यासीय सर्वे क्षेत्र में निवस सर्वे या हें माहित सेना,मु,मुर्म,भुक्ष्यं स्ट्रिश्यं देशका,युना,सुषा,मुर्भ,मुर्म,नुर्भ,मुर्म,नुर्भ,मुर्म,नुर्भ,मुर्म,नुर्भ,मुर्म,भ्या, मारेमा'न्'मुर लेरा देट न्या व्याया मारामा मारामा निर्मा नहीं रहेंया केर.होरे.त. ची.वेच.त.ब. १८४.पश.पटेश.वेश.पहेरे.यंथ.प्. २०४ श्रम् हिमा ही ल्या निमान प्रमानिमान क्या निमान क्या निम रेवट.चर्चेर.चर्च.चेंज.च् र्च.ब्र्चे.स.चेंबर.धि.चर्चर.च्.वैट.। ूर. रस.मितानमेर. ३४. नरेब. इट. मुर्. मी. क्रा. ८४। मीतारपश. ३४. पर्येट.त.झ.ब्र. व्.इ.स.चेश्च.चद्द.यी.श्चेचश.श्च.श्चर्यायीश.क्रूब. श्र.चिश्वम.प. प्रूस.चैता.श्रॅट.चव्य स्था.त्.ह्री.त.चीचेचार.प्र ३५०३ र्टा हैं लें ९४७ श्रमाट लॅर तिविद्या क्रिय कुरा की पार देने हैं निव्य वरी नेश स्व भाषी मार ने मन्द्र मा स्वीर विष्ट हिंश न हेते ने ने प्रीमा निर्ने किना सर वहस्र है सेया द्वार्ट्स देने व वह दिए। से ह्रश्राम्ब्रह्म प्रति है। ह्रिश्च ह्रि मिर्ट्री ययायत्रत्र वहरूरा मु यत्रत्र मिर्ट्र विर्म्भ मिल् मिश्रम, प्रथा, पर्देव, भूर, पर्देश हि. च् त्यी, श्रे.वे.रेट.। हि. च् भू. यस्त्रे हे. मानव द्राया (स्वर स्वर स्वा सर द्राया सर द् परेतुः संभागत्र प्राप्त मार्केर मार्थिय परेत्य प्राप्त ॥ इःस्य स्था यदे मिर्यन तम् मिट रेट । र में हे मिर्यन तम मिट स्रेट है मिट मेट

त्यं चर्ने त्रं रे. यं दे. सं सं स्टार कर निश्च श्रेन्य रेर मु र्यार बना रटा वया खेता खेरा बंबा चर्चा रेनाबाया खेरा चते त्येरा का सहाचे नर्मा मिलाध्यामे स्वारा मिनामे स्वारा निमानि स्वारा निमानि स्वारा निमानि स्वारा स्वार वर् श्चिर् मुक्ष यर अहर री मुलर रवका सं दुना य मुलर ये हि हे विष्टिः वैदः श्रेवशः वृदः होत्रः होताः होत्याः निष्टा प्रकार्यशः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वनान्। खेतानी अपार्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त हैं सामित हैं सामित प्राप्त हैं सामित है सामित हैं सा चिं तु त्यते सतु व त्या व्येता व्येत त्यते त्यत्या व्या व्यव प्रा ही व्या प्रक ্রাম্ন ব্রামানবর। র্যাবর্ষ না ক্রমান্ত্রনার র্মান্ট্রার্ম র্রার প্রান্তর স্থা স্থা । বর্ষ স্থা । বর্ষ স্থা । ব अवस्था चुलार्चा पर्नेते सुं हराला मु मार वसामाय के व हैं है। "अ'र्रेन्द्रा र्ह्नेन'न्द्रिंगचङ्कार्थ'ङ्काभुःस्नाबान्तन् 'द्रद्या द्रयायः यक्षमः लग्नः भु त्युरः सु र मु श म्यु यादि न दिनः लगः । मटः यते ह्या ্লাম প্ৰশান্ত মাথে মালা মুল্লামান্ত্ৰী হ' মালান্ত বিশ্ব নাবৰ সুন্থা ্র্ন'শ্রী.মবারীমাল্ল,ধানাধানান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্তরমান্তর क्रिक्ट देशस्य में मुंदिर ने । श्रेन मुंदेर सम्मिय से रेन क्षी हुं रायी पर्याया १८०० रहा। ही या. ४९० मे. मियार नकाराष्ट्री नकार के सामित करा मिया मिरिया मिर वक्ष्या रेजे.पर्य.कु.कु.कु.कु.र.रंग श्रेयथ.र्र. त्या वेर्-१८। कु'दना'म'मधुद'यर वेर्-१नमना'दशक्ता'नो खुर्या मर द्रां वर्डम्बा वर्न कु व्यावक परा कु बना नी वर्ड क पान परा

सट. त्रा पर वर्षेषया यह्ये मी. वेचा.ची. त्रीया ची. मी. झे. हर . तूरे. ८८.मी.४च.स.भक्षत्रा.मी.क्ट.५चीता.र्ट. हट.नदीचीता स.भक्षत्रः ৾৳**৾**৻ৼ৾৾৻৴৸য়৻৸য়৻ঀ৾৾৾৸৸৾৴৴য়৸৻৸য়৾৾য়৻য়৾য়৻ড়৾য়৻য়য়৻ঢ়ঢ়৻ড়৻ঢ়ৢ৾৴৻৻ यदी मुर्चिद कुरियो मेर् रेट दे दिया मुद्दे स्वारा सामायत्यासु वर्ष्यायात्रे देन्द्रायावर्ष्यास्त्री क्षायते देन्द्रादेशयात्राहः श्र.चिद्धच,जची,पट.ची,भटें १.लूरी चिज. ४ वश्र.स्.चिश्वभ.स. २ टी सं.चर्यता चढु.पश्तरं स्थयाता प्रश्नामाश्यादेश. श्चर, येच्या थ. कु. र. ए. क्या. त्रा. चित्र प्रा. र. हर की थ. ट्रेट अट. अट. . मक्नि.त.मिट.रेट.भ.रेश.हें रे.तपु.उरेश.मू. १००० हैं.मू. ७०३ বর্ষ্ট্রবর: বৃ. কুম. শু. কুম. শু. রুম. দ্রিবাধা বেছে বৃ. ধ্রমা বেশ্বর चिर्मेशक्षेत्र, हुर जुने वश्चरका हुश विर वर्गेत्स, पर्वेच विष्ट, सु र्वेचास नाअप हि पर ब प्राप्त बन्ना सार पर पर स सि से से ना प्या नी स रत्रायि वह ले. पश्चिम रहा साम् ७३३ द्या स्टायपे रहा चे र मी क्र्यासी र व्या हे रया है त्येय र से रा

स.स.ष्ट्रं प्रियः संस्थान्यः स्था स्थान्यः प्रियः प्रियः

चीक्ष स.च.भु.सूच्या.चीक्षभःमु.सू.५०० ही जू. २४,२२० भु.सूच्या.चेका.चीहरा.

स्त्रेन्द्र्यक्ष्यं भेषक्ष्यं अभ्यत्यद्वरं क्री स्त्रेन्त्रं क्रि स्त्रेन्त्रं क्री स्त्रेन्त्रं क्री स्त्रेन्त्रं क्री स्त्रेन्त्रं क्रि स्त्रेन्त्रं क्री स्त्रेन्त्रं क्रि स्त्रेन्त्रं क्रि

याते विकास से खेट विकार ने निविद्या हैं र मी सिव्य की मीव पुर के निवार शरश मेश मी तर्श सूर ४००० रेटो ही मूर ७००८ सूर मी वेची भवे. हर्न मिल स् हुना भ नी ३ इस मी यना ने नार व रहा में स्था हुन हुन स दशः व्याप्ता स्थान नीयान है अवेट्या के वे प्राप्त के श्च.भ.रूभ.तस.रेयट.यश्चैर.चोषट.य.वश्चो र्थ.रयश.७० च.६्भ. नर दुः त्यते हा अप्टा कु क्या में र अदे द्वर वहें स्वाहु दिल्हा दे दे सुन्या महिना केंस दूर। सुन्या महिना सुद् गु देने द्रित्र पर मिर्देश निर्धे पर्दे ने शानुका मिर्ट हैं र द्वर का मेट दिक्ष शास्त्रें गुट । ननःकरेन्त्रायदेश्वायदेनानुनन्त्राद्वर्षेत्रचेत् देवर्षे स्टि:क्रि.र्यट.कः ३मश.रा.हुनी » स्वा.तर है लयु.स.भ.से.हुट. यहः मश्चिमः स्त्रे : तुष्यः शुः वेदः विष्यः श्वेदे । वदः विष्यः स्त्रे । वद्येषः यः विषानिया मिर्याद्वर् से हेरी से हैं विष्य मिर्म की साम हिली श्चैना विवास पर्वस तहीनास मार्यः पर्यः मिंदः ने प्रति । श्वेतः *ब्रिं* र बब की की जो जाना जा पड़ियान अहरी है क्रिंब ख़ुवा वर्टा वा देहा। वृर्यंत्रसम्ब्रीम्। यद्मा वर्षे त्यस्य किर्यास्य विषयं में त्राप्त स्वरं न्हिंग ब्रुट-७२-माध्य-१५६८-५८। ब्रुट-९३४। (हे.श्रे.) माध्य-चॅर्ने नु तह या है हिर स्प्रे की विना महोर नह या की है क्षेर क्रे-क्र-क्नि'न्टलक्रि-क्सम्बन्धन्यः सन्देन्न्यसः <u>न</u>ियनः दिन्नेससः । । सूर्याका मिलाप्टन, क्याका क्षेट्र भाइरी क्ष्य क्षित्रों स्वर हुर्य, मुं सिर्याक्ष भर्तर रचा लान है ग्रामार्थे एके लिया। सिर्या सर्भ कर्म है र

श्चिन नाकेर नते. मी श्चर रिमानकर के बार्स रहूना के मारी मी नाम र मुंभःक्यः न्नानः स्वानिः चः चरः रेमः चर्मे र मुंदः दुवः वरुषः वरुषः वः नान्तः । त्वेनश्रर्भा वेर मुं के मही मिंद मी सुं रुष खु मुय शुं दे रहा मूं श्र सरीय त्याद त्या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प् नर निर्मानुद नीय विराद्ध र प्राय्य निरादि र प्राय्य निर्मान स्तर प्राय्य দী'নাম'খের মি'বর্ল্রা র্নিম 'ব্রীর বিশ্ববম' মা'নারনম 'ল্রী স্থিতি বিশ कराह वनाव प्रश्निया ने मेर वर् राम् का मार्थिय में वर्ष रामे र्नासक्षर-निर्देशहस्यावहरान्गान वासुरा क्षेत्रात्र वर्दे र्राट निष्ठ र ता वहा निर्धा में ज्या १९०० वर भीना क निष्ठेन चुर ना स मीर्निश्चर्रिन्द्रम् वर्गित्वर् केट्रिक्षाभी मिट्र्याम् मान्द्रावस् नुरार्भित्य सरेता देर वहेर नुने रहे पर वे केंस नु नार्स सुनुरा परेचा हिंग् ०७०३ वट रहेरे हार में वन रट कुटल स्त्रची पर्वा है स मक्ष्मस क्रिंट प्रमिर पहिंदे प्रस्ति । ये हिं है । स है है ब्रुच बर नार तक्ष्मश की निवेद हर विर विर विद ग्रीट विद नावुद मीस.कुटस.लुमा.टु.ल.६.एड्र.१२४१.५२म ।८नुब.इ.८८। कु भैवे सु र्दन वस स महमस है दिनास नहीं नाम न देनास न देनास ने देनास न नुर्स्रवसः त्र्नानुदः वसः नु वना भीसः स्ट हमास नर्गे र्यादे स्ट स् क्षेन देश व्रावर वर वर बुक्त केर खनका विहें पर हेरी व्रावह वर्र भुद्र, रट. चीचेश ही पेहम, श्वे. त्रेव. त्रेव. त्रेव. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. मर.त्.त्र.१८.७ र्बे. वक्त.त.५८। क्रिंग.त्रत.सेथे.रेत.रेक.

च्र-नःमुल श्वेते मूर्यामवुदायहें ना पर्देन मुदाया ने हिना माणीया ह्या यर द्वि 'झे 'सर 'यहर 'य र स मुक्त मु र मा मा बुद 'य 'ये र मु । से द र में मा । । ৻য়৾৽ড়ৢঢ়য়৻ড়৾য়৾৻য়৾ড়ঢ়ৼয়য়৻ড়য়৾৻৽য়ড়৻য়য়ঢ়৻ড়৾৻য়ঢ়৾ৼয়ঢ়৾৽৽ वस्त्राह्मिर वस्राध्या प्रतिर रेपेर यासे व किया देर सामर हा से सा मन्त्रिन्यान्यसमञ्ज्ञात्विराधिराधिरायाभेत्। र्वते दिरार्द्धरार्द्द्रार्थरावरा इसथासानुदानाद्दा। सामर्कमसानुः रूद्रम्यसामानव्यास्तरसञ्जाः नर्देर्भगरूरम्भायास्यास्य सुन्तुराविदा। कुमाराबदान्तुराहेने स्नुप्तं ल्रामाना स्वेत्रप्रानहर्मा स्वात्ना वस न्रान्तरानु निर्मात्र क्यान्तर्भित्र्भित्रम् वित्रास्यान्त्रन्ति देशस्त्रम् बरामिराल्र्राक्षेत्रकार् स्रिंग्स्रार्थर नावसानुदाना रेग् हेसान्द्रिण्र परेच १४७०३ जू. प्रिंट वंश झे. शर. रेशची. रेवेट . व्ची. परेट . प. जश. र् .लीय. ४ ज्ञार. कुर. ज्ञारी अंचरा ने र त्याय वर वर्ष र विवर हर्ष. द्यना'न्वेंद्र'सर सहयात्यन नुपर्ने क्वेदे प्रयुद्ध स्थापन प्राप्त स्थापन न् वेरः नेबः अप्याप्त्रमान्य प्रत्ये द्वारा निवास्त्र । वेर् प्रमा ंबर,रचुव,रभच,रातवय,म्लादिक,मिट्स,मिट्स,मिट्स, र्यट.भक्ष्य.चंट.क्रियंश.श्रीसूंश.क्षयश.चंयट.रंसूंश.वैट.। ७००० छू. र्यो अहि द्वाराय प्रति रें ने निर्मा बुद्दार के द्या स्मेना के ना यवना है। अपन्न र्रे र र्रे लपु मि म म प्रीमेश हैत्य मिय क्षार्य वस र्रे लपु मि ... भगु.रेश.सैंचा.सच.कृट.। चयारा.रोचा.रेटा कूचेश.कुरो झ.रुटेश. र्नार मिश्रम दश ग्राट रम सुना स्टार ने रिट्स रहेण देश द য়ৢঀয়ॱदेरॱवॅद्'पशःकुषःश्चेते वटःद्वटः ठदः ठः ठटः अदः प्रदे प्रदे मूं अः

समुदःलिना वलना यः रेद्। केटसाधिना देशासा सर्वस्या दृदः। र्हितः मैं व्रेंच घट इससामस से इ तुसारा देता केटस सेना देवे वट ५ वी र म्बिट्नी नगा २ तिहित्र से २ ४ ने दे दे विना मुलास्य न ब्र १ नग सुरू ग्रेट हु चैश भु वे . त. चेश पर्या शिम क. रेर मी रेग मी श्रेट चाट.लट.चाराज.रोष्ट्र.भुंट.र्स्चरा.सु.चीज.सु.वीस.भु.वीट.राजु.र्सिट्स. श्र.ची. यता. मोर् चोश - कुटश ल्या. टु. चुर्रेश प्रेट्स डिस डिस न्त्रीतःहेवे नमनान्सरः वेन नक्षरः विष्यः विरा ने हे हे सः पहचारा हैराचार लट पश्चेत लूरे या भर हो। मुंदिन नोहर नीहर ष्ट्रदश्याची ने त्यानिया त्या स्था स्था ने ने ने निया ने स्था है स्था १०००० बट.र वेर.हर्. कूट. ची. त्रूच. बट.र र. मी.बचा.च बंट बंश ही चैंश. वेंश... म्बर् देदे प्र देवेर वर्षे के हिर्म किया ने निमाने के समाने दे निमाने नरे १. नेचे १. हुंचे क्र्यः में क्र्यं वटायेचे त. वेश में भू रेटा अवेश हुँचे ... इसान्तुना। मुला हुते मूंबा अह्य दे हिंदाना निमा केंद्र व व दे देवर म् अद्र नियम् करे दूस्य अना क्ष्मर नेश ह्माय क्षम । र्नुव हेश हेश सॅर नहव पॅरट नुश लें च सरेत। अनशहेर न्त्रेश्ह्रेर्टा इ.स.चेश्र्याकातालयः वट्ट्यटानुनासारत्यः यदेः र्स.भैचरा.चेचा.लुसा ०००० ज्.र्डिस.इ.चोड्रेस.स्सामीस.भवेस. ब्रिमा नविना सन् रह नारेश मार्था स्रीता हे मुका हो है र सर्वा नाया ट्रे.च्र्रालस्बुल.च.व्रेट्रान्ब्र्स.व्रुच्यात्व्युः व्याःच्युः त्रेट्राः व्याः मुर्थः सर्वेषः पर्देशः मुर्थः सर्वेषः नावेषः रचाः क्ष्रः मिनः पेनायः वेषः नशः सः ट्टू व तितारी में भूशायन जुर मी ह्र्मी रेसट क मेट लंद

बेर्ध्यप्**টेन दे**रामुकासम्बेल्बका स्टॅर्डिंग केर्प्या स्ट्राह्य स्ट्राह्य चूंबासवुन नेनेबार है दे खुरा हु 'सेने 'सुन संस्तृ है स्वा विरंख मीर्नम्बाक्षात्रस्यान्द्रम्ब्यानानेत्। खुन्दान्नामीहिरानदिखः र्दायदे केर हेन यहेर रे गणस्य में मेर यार्टा नह हैर लेगा *दे*त् देवै:वस्त्रेय:दश्रातु:बन्सी:सदा**र्यःअर्**गदवै:न्खुन:बैसानी: व्याप्ताञ्च : रहराने विराधरा भेरी प्रतास भारती सेराहस है। इति र त भू विरास में विषय में स्वाप्त में देत्। माबुरादेशस स्याद्यराखेद् सेन् क्विकान्साकुराई स्व देव र्स्वरम् ग्रेप्ते अधेरा छेरा छन । वर्षा कर्मा वर्षा कर्मा वर्षा कर्मा वर्षा कर्मा वर्षा वर वर्षा 5=1 द्यः निः देश संस्था सं विना दे सिंद्र हुंद पर्दे सं देवा महिना हुस ब वर्ष प्रमा वा बना प्रमा १४०० वर की प्रवेस व रे प्राप्त से बिन्स यदे हिन देश है। के व के व कहिया हमा है विकार भेग पना ग्रमा ५ र्राक्षेत्रक्षित्राचेद्रं नेद्रं देशायह्यं नादा अदा सुदा अद्राया सामेत्र र्डिकाक्षेत्र विनाविताविता वित्र विकारिता वित्र विकारिती वर द्वा क्षेत्र के प्रतिमान ने दिन केन सम्बा अम्बन ने स्ते हा स ५८। मर्डिन्स् मर्टिन्स् नर्मी प्रमुखानारी दुर्मेर हिटा रेड्सिन पर सुनिक्ष मु प्रदेश न है दाय सदार्थे वुदा स्प्रेन साहे किंद खुन सुनिका यदै केट केन वेंन क्याने देव हुट हेन व्यद्भार नाम वेटा देव हमान्द्र में में नेर्पिय मुस्ति मार्थिय निर्मे के मेर् मृत्स योग्स वें भेर् य देर केंद्र भन् नासर य देश नार्दे से स्वयः उ.स्या चेर् ता मे च्या से त्यूर हेर देवे व हेरा चेर् ता प्रतापर " पद्मेल.च.चेर.कें.ट्र.चर्बना.च.च्रेरी कें.भक्ष.चेक्रच.ची ह्यां.भद्र.क्रटस. ल्मनान्दरम् न् निष्ठश्रायानाकृशः मुग्नार दरमो निष्ठेत मानुदर्भेशः मल्यायादा महास्यायाची विक्रास्य विकास **च**र पहेर्यस्त्र द्वर हेर् स्टब्स म्बय हेर्नास स हुट पर रेरी कु दन् र्दा वेद्रद्वर पर सुन्धा गुर्वेषाय दे छोट यह दट यस मुन्नर बटानाबमार्देनाबाचुन नार्ट्याद्यां नाटान्नरायटा। केटबायेनाः इतर चेंद्र वर्षा कु वना नो खुद्र हं रव जेर देंब प्रहेद हेंद्र पेंद्र पान रे**रा** ५नुराहेन्स्यर ५नुरायरेस दुस्य सुम्यास्य स्वास होना सुराय देन <u>त्र्राक्षः मी स्वा मे त्यः त्रा भेषश के लार् या यि त्रा मे स्वास के सा त</u> हुन्याचित्त्वरता रहेयाहास्त्रेतास्याच्याच्याच्यास्याच्यास्य सेर्पर कु:सेरे नार पर्रि सर मिल्या मारेरी इ.सिर्के केटस स्पेना वि=। नेर-महेराकु'रामामोशन्तुराहाराम्यःस्यःसानुपार्थःसानुराम् लूर्.मिटा मी.यंचा.मुका.चूर्.जातव्य य.जहंता.टेका.गे। टे.जपु से कालटा वश्चर व्हेंस सेवस नायर द्वेंस हुट विटा वेटस देर कु नार दे र्ने । इतः सुर सुर देन स्वयं पर रेन १००० ते से रेन नमा नुसर क्षास्य पर्शेष्ट्रा स्थाहिते मुलारे स्थाहित्सा हेरा स्पूर् हिता १०० व्यमु दमानु ट्विम पुर हे चेत्वर मेमु हे दे प्राप्त प्राप्त प्रमा कें दे र्गोय मिं कर रे कु रमग रमग र्चेर केंट वर रम हे चिन विटा वर्रातर लर्रातर लया वर्रास्त्रीय के सार्वेस के ना वंश्वय में तेया सवर श्चेर वर्ट हे वेर रट र्वट रट वर्ड वार्ड ट सर

मीर,तार्रेरी ४००४ वेस. ४००० सूरमी रेकर मिसार्चर वेरायद वे पहुरासानुबादर नुके तरा निवर्षा सर देरवर दिर स्वर स स्द्यालरामुरी मीमुपुरारवित्यात्यन स्वर मिर्धियत्र रिप्ति मी सःबुन्नरःतसःसुरःबेनसःगुसःवेर्तिरःतरः स्टानदः सःबुः मुलाम्य हेना क्षेत्र सर्वे महस्य यञ्चनहान्। विया क्रिना ऋना ऋते व्य हर मि अन्तर सक्री ले बार देवा श्री ने राम साहिता नहीं राम **दुना-,**'क्रीन्यर'च्रित्रें ह्रिक्षा डुना-दिन्क्रित्रें हेर्का क्रीन्क्रिक्ष हर दिन् कु प्रेमाळ वन्य नियम सम्बद्धाः मेश सम्बद्धाः म्बुयः सब्र एक्की सरमास्य मृत्य देश का हो साम्य स्था है। साम्य स्था स्था है। साम्य स्था साम्य साम्य साम्य साम्य साम्य शहेर्हित्रमहर्दे वर्षियं देशकर महरूर महरामहरा है देर चुर्ने ने स्टार्यटास्टायद्रे जूनावृता । स्थायार्ह्य है शास्त्रे <u> इयास्याच्याद्यसाप्याङ्ग्यालेशस्यायः । स्वयक्याप्या</u> महिनासूर स्रिन्ध्रमार्टे स्थ्रात्राच्या । यर स्रम्भास्य स्राप्तास्य स्राप्तास्य कुरश्राक्षत्रानाराभ्यायवनात्ररायहेराराष्ट्र हे र्रेट्यर्राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्री <u>रवदारदावद्य, ने पूर्वासदेवाची माहितु, नोश्याहेदलाल्त्द्याने प्रह</u>े द्यरामानुरामानेता २०२३ हरामात्र (त्रिन्) म्रीतामानिमामानुना तित्रार्धराहेन्यू रान्या कुमेने सुरहंगमेन परिक्षा नि र्वेश्वर्र्ध्यार्थ्य् राम्ब्रीयायिषा स्त्री. व्यामश्चिमायाय्यायायाया दश्राभाद्यात्रह्मश्रामुश्रास्पुर्वार्द्रम्यान्त्रात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र वर्जेस'य'नेवे दर्दानु देश हेस वें ने के कें र के के विस्य प्येत हुंस नरा मु सेर वेर् दर मे र र र्वर र वेर र वेर र देश य र वर पहें द व स र र न मु दन अ . क्व दन दस में स म्युद दे त्य में न सर निस येद पुस गुर दे ...

<u>इस्ममुःद्रना मित्रम्भ स्नेत्रम्भ तम् न</u>्युं स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स বর্দ দ্বীর দাঙ্গির রম মিল দ্বাম বর্ণাদ উল । ক্রম উদা ভ্রম দু नामाना नामाना मुन्ति । स्वानिक नामाना नामामाना नामाना नामाना नामाना नामाना नामाना नामाना नामाना नामाना नामा **भैना देर भेट दर अयोर्न पर देवे वट नम्ब**य कु बन मे वें पर प क्सस से निष्ठ वह निष्ठ विष्ठ व विद्यासुरुप्ति प्रदेशम्बद्यासुर्याम् एषरा**र्वे । वाद्यार्वे ।** दे:खर'नश्र्'कुंद'२दे क्लॅर'ब्रोट'ॲंश'द**म**'चुट'श'कुं'केश'वॅद २दी'कुं' दना नी क नश में ना भेद रहें भारते हैं न गी भेद गा में द द द मा से दे र्यनाः भ्रम्यर नेर् द्रयाचे नुसानुसा सेर हिरा। रसना केदान्हेसा पर्ने अपसार्था भरा चेर् पर मानसार्था खारारे हो। चेर पर्मेर मी मार दशः क्षु दना दु दशना समि वे स्थ सुद निर्दे स्वत्र सुक मुद्द निर्दे स्वत्र सुक मुद्द निर्दे स्वत्र सुक सुक स्वत यामारेदा तुसाम्भवसादेरात्रहेमान्चीयाक्षेत्राचेद्रामेदे पराद्वयायाः मद्रश्निद्धःश्चेतःचेर्नःपद्गःतसामाःनीनाशःष्ट्राचेशःभ्रःपरीना ।रे.वु. **अवसः दे**रः दे : ५५ : विवा : देशः परः श्रे : दुर्मिश्यः यः श्रे : युरः सर्वेदः की : स्रेदः . . . न्त्र विद्रागुर स्रवस रे कुयानव नावर न्त्र ने ना नी हो र स्टस द स विदर **૾ૼૼૼૹ੶ਸ਼∣⋠ૹ**੶ૹૄઽૹઽૢ૽૾ઽૢਜ਼_ૺૢૻૺ૽ૹ૱ઌ૽ૺ૱૽૽૾ૢૺ૾ૹ૽ૼઽૢ૽૽ૡ૽૽૾૽૾ૡ૽૽૾૾૾ૺૢ૿ઌ૱ૢ૽ૢ૽ૢ૾ૡ૽૽૽૾ૢૢ૽ૼૡ नर्मान्तर्वरात्रा हिंग्यर १०५० यर देव हे से स्टर्स पापदेखेल मिना मी मुं द्वन हैं हिं न १ १ में मुलाद्र 'लटामुल प्रयानविदाद्यामी मुलाद्र 'द्रास्त्रमाट्र पञ्चेदस ल्रिन्यन्ता विवावताने के वे क्रिन् शुक्षण्यता हिन क्रित्ता वा

चक्रीर जम्मा पिष्टिर जाली जारमा है क्ष्र क्षर मक्ष मिक्ष जुर निका पिष्ट के जिस पिष्ट जिस पिष्ट के जिस पिष्ट जिस पिष्ट के जिए जिस पिष्ट के जिए जिस पिष्ट के जिस प

१८०० लूर.में.भु.५र्स्य केचा.ट्रे.स्य. व्यंत्र क्षेत्र क्षेत्र

द्वेन है। मुन्दना दुयः पुनाय हे विदा नेद स्थय दुयः पुनाय वर नर्-रुषाञ्चनसार्नाद्र-प्रायामु स्वरादेर्-रुपर्द्रप्रह्मानुष्यादेरे-र्नुसःभ्रवसःचुदःयःवर्नेतःस्वेयःधेतःणुदः। रेःवित्रे वेदःणुः कुषःरवस रट.चर्रायः वृद्र्ययः मैं येचा.वे.च्यर् राजद्याः वेदाः त्याः में में मिट्य.पेट.पट.लट.सूरी ७७३९ वश.रेश.टर.७७४० जू.चर.पूर्ट.चस. मुभास्य मालग्रना इ.स.चे र्टेशर्श मुंग मी रहार हा यह दाया ... लूट्य.श्र.श्रे.सिट.कुट.। ड्रियय.पीचाय.मी.चार्यस्टेट्य.मीट. ४७३४ वट. . **ब्र**्चित्राचे देव त्राप्ता निव्यास्त्राचे द्वापा के करा मुल हो दे विस्त दि सम्बाध के लिना वा प्राप्त निमान्य कि निमान विश्वालूर्याचार्या स्थानी भक्ता द्वारा स्थाना स्याना स्थाना स्थान बिरक्षा, नामाया छत्र में क्रियाया नेया। १०४० स्ट्रायर परेत्या मुख मर्दे च्रेर्-द्राष्ट्रिस्य सिवाय जेर वर्ष्ण्य हेर से वास के स्वति के स्वति के शुद्धान देते वर है न सक रहेंद्र वा १०१४ वर मु से सबर सेंद्र वित्रम्नवसः वित्रणे नावसः स्टाय वित्रित्य देत् ग्रेण र त्यार र त्यार र त्यार य क्रिश्चर ट्रास्ट्रिस्ट्रिस्ट्राच्या । विषया समानिया क्रिस्ट्रिस्ट्रास्ट्रास्ट्रिस्ट्रास्ट् बना विद्यानिन्न गु द्याय बद्यादे मु अर्वद बुख पुना हा उद सिद् मन्त्र। देर महेत्र १०११ - १०११ मु माद्य द्वार दे द्वा ने य र्वेद ब्रे-र्ट्य-र्वे-रटा हिम्बा-तिम्बा-मिश्नामित्र-म्बा-ब्या-मी-व्या-मिश-ज्रचाशःश्वीर टर्ने तर र त्यक्षित्वी मुत्राययक्षेत्र स्त्रीर स्त्रीर स्त्रीर प्राप्ती कुश क्षेत्र श्रुट विश्व पर्येगी

ज्ञेड जि.च.च। पश्यःपहण

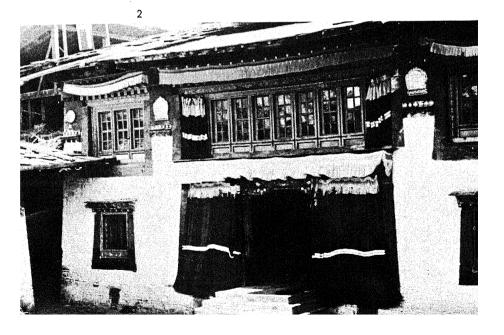
क्षेट्र नक्षेत्रक्षट्र प्रतान क्षेत्र क्षेत्र न्या क्षेत्र क

भुशी न्या च्रिट.क्र्. क्ट. अका रेची. त्र प्र. जका रेंग्रे चीट. क्ट. रेग्रा ज्या क्रिया में त्राच्या क्रिया में त्राच्या क्रा त्राच्या क्रिया में त्राच्या चिंदा क्रिया में त्राच्या क्रिया में त्राच्या क्रिया क्रिया में त्राच्या क्रिया क्रिया में त्राच्या क्रिया क्रिया में त्राच्या क्रिया क्रिया में त्राच्या क्रिया क्रिया में त्राच्या क्रिया में त्राच्या क्रिया में त्राच्या क्रिया क्रिया में त्राच्या क्रिया में त्राच्या क्रिया क्रिया में त्राच्या क्रिया में त्राच्या क्रिया में त्राच्या क्रिया में त्राच्या क्रिया क्रिया में क्रिया में क्रिया क्रिया में क्रिया क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिय में क्रिया मे क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिय में क्रिया में

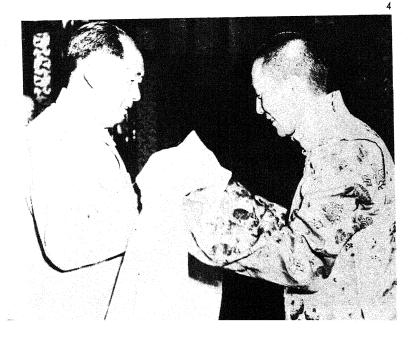
तिम्नाः मेनाः वेदाः नामाः स्ताः सुरी हेन्। स्त्राः सुर् सुरीः सुरीः वेदाः सुरीः सुरीः ने सुरीः ने सुरीः सुरी। सुरीः सुरी। सुरीः सुरी। सुरीः सुरी। सुरीः सुरी। सुरीः सुर

मानाया मिं अहं त्मी 'ल्ट्र पारें ता ने ता व्याप्त क्षा मानाया में अहं त्मी 'ल्ट्र पारें ता ने ता व्याप्त क्षा मानाया में अहं ते ता ने ता



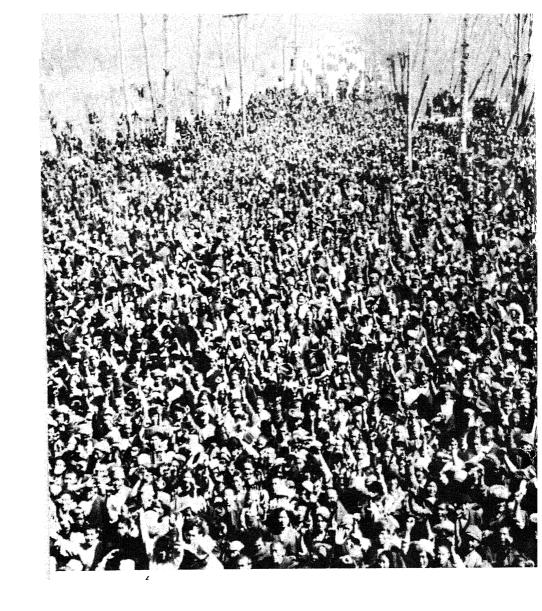






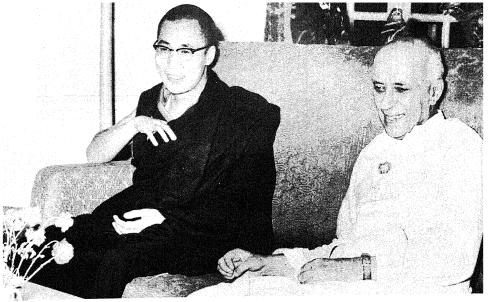


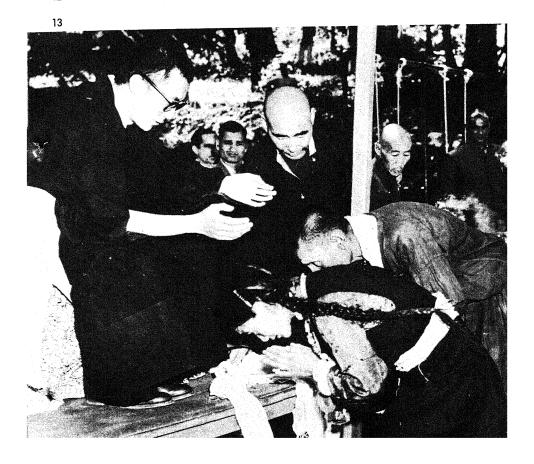












अमालमा कामारी 2646 विष्टिए **के た(むの(** \$01/10/(mo) givi माममा के (न हर्ने त्रका 14311 Little ma परिवर्गाक्षकां (वर्द्धना m do La Minimi 12000 ब्रिक एप (केर glimmi क्षर्ण्यः न्यम् Jypyte 500 ممررمار छ। ५१ वरपर

क्षेत्र. बे. प्रवित्रः में इ. प्रव्यायन प्रवर्ते । प्रवेषः इ. प्राः । स्राः में मी. चीरा यता.सीता.पदबा.तर. रूत्रीका.रथा.बी.वसीता.कुरे.सी.क्वा.कूत्रीका रियो... चढ़ी चर्सेश हुन । सि. १५८ ११ . से. ११ ४४ . भ. हुरे . मूट मी मानव है . १ ६ मिलिदायादार्के दे रदाद्वदारदायस्य गया हे सामार्थेदायाद्वा 🏻 🍇 लय अव्हिर अन्त । पिनुकि मानुष्ट प्रशानु नार ल र द पर वर वर हुन हो है । मर वहेत्र वें न कु सा करे किया सा वाय न दा वहस रें मास रस हो न . . . वयकान्त्रात्रात्रा विन्तिः केंद्राः केंद्राः केंद्राः निर्वा निर्वा विवा में इं र के हा। कार्यान विहान का मुहाया में निकास मुक्ता मुक्ता में टार्क्ट दे स्मु क्र व र्टा के र व्रथा से र त्र्या । त्रु मारा मानु टार्कर टार्कर ध्रुंच हुंब विश्वानाशयाः । वी.चार चिंवार वश्चार्यम पूर्व रूपीश रथः ही राजी विया या नाम मार्च रायहर या राष्ट्र । मार्च राजा वह ही दिस्ता वयश्रासासी प्रायम १२०० व्योसास में स्वाय है । स्वाय है । सी सामिता स्वाय है । सी सामिता सामिता सामिता सामिता स चित्रायः भूनात्रा क्षेत्रा चर्हेद् स्वरायः देना द्वा द्वा का यत्रा राष्ट्वी नाहिना सुराः मावसाया वेस हे ग्रायुट्या

सीयर.क्ट.भ.मैय.क्य.यहूरे.तरःत्रदेर.झं.प्री.कुर.सूचे.चेश टु.हुस सीयश.क्य.प्रेट.खंटा क्य.ल.प्रदेश.झं.प्री.लट.ट.ख्रं.प्रटा चातर.स्य.क्य.ज्य.खंट.प्र्यंत प्रट.तर.ख्र्याश.ख्रं.प्रटा चातर.स्यायश.ख्रं.प्रट्यं ट्रे.ख्यश.प्रटा चायर.स्यायश.ख्रं.प्रट्यं ट्रे.ख्यश.प्रटा चायर.स्यायश.ख्रं.प्रटा झं.ट.ख्रं.झं.स्य.थ प्रट.खंट्यश.प्रटा चायर.स्यायश.ख्रं.प्रटा झं.स्य.खं.खं.द्रं.प्रचा ट्रेश.ह्यश.प्रटा चायर.खं.प्रटा च्यापर.स्यंत्र झं.खं.खं.खं.खं.क्य.यं รมูนารุมๆ วัรุารุาสส าดุรู่ณาสูญาส า หิรุแ่ รมูนารุมๆ วัรุารุาสส าดุรู่ณาสูญาส หาริรุแ่

स्थानक्ष्यात्ते द्वा कृष्ठी मार्च विषय क्षेत्र क्षेत्

न्रे.तर. स्त्रास सामावस द्वार दं द्वारव ते दे दुः सून ने दे दे है र

लूट,श्रेचक्ष.झे.कर, चूरे.चीबेट,वक्ष.झे.रेट.। खे.घ.कु.चिची.कूर,श्रुंच. हुं य. वेश. हे। मिट एक द्व. पश्च व. प्रेय. प्रश्न. हें य. प्री स प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प च्रं.मु.रचार.रचर.संर.रक्र.रहर्र.रच्या.यहूर.वैर.र के.संर्.तिर. तक्षुय**ॱने**ॱक्र**ॱ**नुसॱ५ॱ५८। क्षतसॱने र दः स्तित्वरु नुना स्थास स्वर् लिटा हर्या कु र्स्निय माने र प्रांचु स्मर स्वायस्त्र स्मर स्मर स्वाय प्रदेश ब्रीट.ची.चोरसरक्त.चेस.ची.कट्.खेट.। हीर.ट्र.ची.३मस.ब्र्ट.चट. षदः सेद्। देर'यहेद'दस'र्चन्। सर'वगदः न्ना'वः नुवा'वः नुवा'र्वदः न्दः । सश्चात्र मिष्टिश त्नाद मिल्य द्ना हार्य देखें निर्मुद रह सामा मिले सामर यदेवाराक्षांत्रावाद्वरायसायम् रायम्यात्राक्षात्रुयाद्वयायहेवायायेवा तू लर्ने म्च साम्नु खेट के के देनर मुन्न हन के दुस खुर हैट वें र ट हैं दे नावुद्दानी कवा केदा असका दसका क्षा क्षेत्र पर्येदाय ददा। स्वर्धी ४.७८.**%रस.८.७्र्** पु.चित्रेट.४८.भु.चीये.तत्रु.चायस.क्षेत्र.वैट.बुट. क्य.श्रेर.श्रेंट.केटअ.मेट.भेशका.मेट.मीट.हे.श्रा.कता.क्रा.चरा.ट्यारा.... नवराभागाँभाववयाचेनावरीन्यानान्यानु क्षेत्रयार्भेन् नाळावर् पहिंताची हे बर्रा हु ते हिन प्रमान है ते हिन प्रमान है ता हिन स्मान है ते हिन प्रमान है ते याद्वरायान्या अयाकी करामका क्रियानग्राचेन सुवार्व म स्य द्या में केंग हिंस पर पहेंब केंग साम केंद्र केंग साम प्रीता मानि निमानी दे तर्व था कवाश केव वसामुन मविव मुस सर महेव ८.९ ४ मिण रतस्वर मी चोरस क्षित्र हेव ते चे वर्ष स्वरं रदः ने तम् । तम् । त्राप्तः द्राप्तः न्या निष्यः । वर्षः निष्यः । वंर ज. र.कट, ट. लुर, मेटा कट, टिंदे, टेंश, श्रेंचंश रे. सेंच प्रसेंट, स्मी रट.ट्स.र्स.चंट.सैय.ग्रेस.रट.चो.सट.राजे,उच्च्येष्ट्रेट.हुच विस.

त्नाक्ष रुष मी मु द्रमर मी पि प्य मेरे प्यते प्रमाप प्रमाप दे में नापेद र्टा नरुषा तो र र में वा नुटा । शुनाषा स्था स्था स्था निर्मा से मार्थ শ্রীয়য়র্বর বল বর্ত্তর দার্জির রবি শ্লির বর্ত্ত্রির মার্লির মার্লির মার্লির বর্ত্তির বল প্রতিষ্ঠিত বিশ্বর বিশ্বর श्रेयका पर्दर स्वराची माने राज्य स्वरा चिंद दे दार्क भ्रेस यह ब्राट मासेन हे क्रिंट श्रु त्रु मार्च प्राय मार्च हा मानदः ने स्वयः। मु से दे नियः दिना विद्यासन् हा मानदः सदे सा स्यादेर कराणी पद्राची बैरानी श्री किया श्राश्ची खनराची द्वरा कार्यर न'दर। न्विर'न्यर'म'मु'द्यर'मी'द्यर'द्यन'द्यंर'न'न'हे हे । ८८६४ स्मा ७४ मी नावस द्वाराम हैन ना नी नेन संस देवे वट मु नसर द्वेश नहें निस्तर है। द द्वेश से सद हैंद च नदा द्वेश नद रदार्यदार्श्विर केर स्मिद्देश महिरायले बातु के बागी र्यदा का विस्ता त.रटा ४ट.३र.बैट.बैंच.रभ.चर् १.छ्चा.रे.चलेचा.हे.रभर.च् त. अ. म्रें र. म्रें र. म्री. मर्थर में भी भी मर्थर में भी भी मर्थर में भी भी मर्थर में भी भी मर्थर में त्र नहिंद्र देनाश्चा नेंद्र मुंजना ने क नियाम नहेत्र हा है से मेंद्र से <u> इचाराम्यत्य दे मूर्त्या स्थर स्टायमाय स्यापन्त</u> म्युर्धित स्थापन्त मह्र्र हुए। डे.च्याहर झे.यर में रेयर में अंपर में व्या झे.वर परे ह त्ते. मंबेर. में . रेथर. में . रेयर. सुच्। में बेबाश में में . उत्रूर. वस्तुभ ने दे द्वाँ स स्वास १८ वा । वाय श्रेद विंद दस यस दें दे दे त्युच ४ मेर् में मेर मेर मर् म लेग हों मुके हिस पेर पुरा पर्या यर मिट नीस ने दिर अट से दे पहेंदे और मिट ने पर समय प्राप्त

मुक्ष'क'र्श्वेमा'केव'र्प्पर'पर'मधेर'म'म'म्। मुं'मेदे'प्रकर'र्द्रेक्ष वंतर्वाय महित् निर्मास मिरि मी यस तमात भीताय भार द्वारे ने या क्रसःसबुद्दानुष्दान्द्रसःपद्वा ।देसःनुःसदिःस्वाद्वाःद्रसःवरःदेः झ सर दर्विर <u>ह</u>ेश क्या सेदी है श्राम है प्येर पर र्हेर विच मास्याम श्रुप्त मी वर्म । स्रवसादिर वर्षे देव पर् देव वर्षा वर्षा वर्षा सहस्र होता मीताष्ट्र्यायास्त्राचेयास्त्रम् स्त्रीनास्त्रिं हाराह्यात्रायायाः स्त्राच्या लंबाह्य के मार मी श्रिव के बिर ले स्तापनीय बादवब र मु प्रा मी. श्रु. वंश्रामित्रे, वंसीयाहा कुर श्राम्येर मीट ही वर्षे वर्षे स्त्रा स्वयं प्रेश ब क्षेत्र है। कव सर् वे नसन निर्देश नक्षित की मानुदाय प्री मी एमुलायमार्ह्याम् मृत्युटायटा : ५.क.स्व.४८८वसारमारमावाह्यास यर यहे ब. र ट. र जु. र वर किर की. भहत सेंचिश उन्नेत लगा वार क्... यश्चर मार्स होर पर्रेर स्पर् समाय पर्रा मेर् र समा प्रहेष यहर हुस स इंसरा क्रेर श्रुची रचेर्या मी रमने चर्र सर नद् र एई या ठ्या पा क्सस सुर त्रे र्र्त्वेश सन्ध्र सहर्र र स्री।

अवश्चेरः निक्रं क्षेत्रः त्रित्रं क्षेत्रः क्षेत्रः त्रित्रः त्रित्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः त्रित्रः क्षेत्रः कष्टे त्रित्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे त्रित्रः कष्टे व्यवस्यः क्षेत्रः कष्टे व्यवस्यः विद्यस्य व

भ.चैट.व.लटा चर्णाय.चना.वंश.चह्र्ट.वंब.कु.चर.चंद्रेव.भवर.वेची. चिट्ट के ते दे ते ते त्या ३५ तहें न विश्व प्राप्त के विश्व के विश् लट.लट.लूट.ची.लूटे.ची टन्टें.ची टक्ट.यट.चढ्डें.ची.चश्रम.ब्रैज. ल.ट्र-रट.व.मब्रि.मडियास.इट.बिया.क्यां याचियां शु.भट.ज.रेयां र हेर.ह.तर.वी.त्र्य.धेत.भवेस.वे.ह्य.तर्ट्य.लेर.वी.त चर्-भे-क्र्स-र्-पत्स्व स्वः सुर्यान्ते नीन नु स्केर नहेन् लिटा दरा रट.हेर.ज.श्रीट.श्रीच.वेर.चेर.चश्राच.जश्राक्षय.क्षेची.त.श्रासट.वस.. नत्ना नहेश हो द में में में देश देश देश देश देश देश हैं में ही न विस.चेटा भ.ब्रे.च्रेट्.श्रेट्.ख्रेच्.ख्रेस.चर्ड्र.चाडुच.ख्रंच. र्ह्य नहर न्या की सार्वा महिलाहे व्यासहाम गुराहें हु स्थाय के कुससा हिर्द्धाती कर नामुरी मिर्चे केशामारेचर के क्रामा हैं है जिया र विष्ट्र अवत्र नु ने न वहन विन । देव नाय नैव नु के वे वे दे दे नाय स चर्चित्रास.ट्र्स.ज.इ.चर्नेर.स.रेच्र्स.बेस.सटचेस.द.क्षेत्र। ज्यूचर्छे. चक्रदे, मूर्म मी. कुरा पर १.८६७. धेचरा. में त्राप्त मी. भाइ. चुचरा. धेर...... नाथम् क्षेत्र सर्वा है । वैट र ट्या में नर है । वर्ते , न्यूय स्तर है । हेर कु अह्र स्नुन रुष नासे - र ५० व्यक्त स्व मिर्ट र निर्ण लेख ना न स्नुर पेश्यस.चे.स.चेस.पेचंस.जिंह्स.की.प्टेट.कु.जु.ट्चीट्र.इट.प्वेची.त.... देश.सर्वर.ट.कूर.ट्रांस.भाज. कुरे.त्.वैट.। स्ट्रेस.ट्रांस.वीय.कूर्यंस. कूर्यक्ष. कुरे. वें हुरे. हुरे. कुर . चूर्तहीर . कु. चुरे. तट . प्रेथ. वें या हैया. चूर क्षेत्राची व्यक्ता मुक्ता क्षेत्र मुक्ता मुक्ता क्षेत्र मुक्ता व्यक्ता व्यक्ता व्यक्ता व्यक्ता व्यक्ता व्यक्ता म्य द्वाया वे नदेव नदे नावस खोग हे वर छी देश हैन वहीं लूर

क्ष्मार के त्र मिर्ट्र हैं मुं मिर्ट्र के मुं मिर्ट्र के म्या के स्था के स्था

मिट्य. ट्रैट. हो। ट.क्. प्टार्चट प्रटाचद ये खुर ते चे के चीम ता हिष्य.

माद्र प्राच्चा तापृ श्रेचका श्री प्राच्चा विकाल के चे चे चीम ता हिष्य.

माद्र प्राच्चा तापृ श्रेचका श्री प्राच्चा विकाल के चे चित्र के चि

माड्रिमा सुर् अं दे प्राप्त के प

त्रिः भेटा <u>म्ट्ट्र् नृकृट</u>ी ७००० नृज्यं नेन्द्र प्रित्रेर् नः नेता त्रिः भेटा <u>म्ट्ट्र् नृकृट</u>ी ७००० नृज्यं नेन्द्र प्रित्रेर नः नेता नार केट्रा मृत्रे ने केट्र श्रे क्षा क्षा प्रकृत केट्र केट्र प्रकृत केट्र केट्र प्रकृत केट्र के

र्स.लेर.इट.च्रु.इस.च्रूट.क्रु.सर.क्रुट.ल्या.इर.वस.स.... मर्निम्स ८ क्रिंम्मिट क्रिंस है नुस लिय नासम नेस हैनाय स नुद लिट । अवस.रेर.चिट्क्स.क्षेत्र.स्ट.बि.चाशमा चिट.क्ट्र.पेर्ट्र.चेर्ट्र.वेच. क्षेत्र वेया वेद केद देश क्षेत्र मेद्द म्यूमरा मार्गा देदे सर मु मैदे मु दंव दें हें मुंदूर गुमाया दें नवा पर् में मामर दें न १९ मा से दे सु द्वा नाई ने दश देंद दंद नह विद नादे में दश स्वृद ... हुर हुश भूना हूर ताल हुर अट मूं नहें र वेश भूट। ट हू हे से द्यः द्व्यः त्व्रं रटः वद्यं प्येषं तियोशः वहूरे हे विदशः श्रीयः सटः वृत्यं लूर्.योट.। मी.भूब.ट्र.हैट.व्य.लट.भ.चें.प्रंथ.तर.भवंट.भर.मी.भूब्य. वडः वर्डेस' ग्रैस में संस्मित्र अधुव डिन देश देश देश वर्ड वर्तुव पर्ने प्या विवा वर्तेष हे हे हे झन होत प्रवस सेद पति दस तमुर पहुं हिए। देशाद हैं ते सुर्द्धव हैं सामस्रमान्दर तर्दे वापाना। मार्चे वह सामेन स्मा वड्या पर व्या मिट क्रूर नमत तववस नट। क्र्या स्व वहूरी मिट. कू पु तिश्र ह्य्यो जपटा पहुचीश क्षेटा मधील चूरे भा भटा ह्य्यो ये ति इना भुगमा के दानिह मुद्दे मारम्यूर मध्य है दार्ग ने ने मुद्दा ल.ट्रे.श्रॅर.वेर.ट्र.चढ्या.क्र.पट्या

ब्रिना स्वा नड्ना परित्रमा । श्रिना क्षा नात्र स्वा क्षा क्षेत्र केर स्वा क्षा केर स्वा क्षा केर स्वा क्षा केर स्वा क्षा केर स्वा केर स्व केर स्व

द्ध्यत्रभः श्वेभावन म् त्या प्रदेशम् । त्यं प्रमार्गः । त्यं प्रमार्थः । त्यं प्रम्थः । त्यं प्रमार्थः । त्यं प्रमार्यः । त्यं प्रमार्थः । त्यं प्रमार्थः । त्यं प्रम्थः । त्यं प्रम्यः । त्यं प्रम्थः । त्यं प्र

ष्ट्रियः स्ट्रिक्टः॥ स्वार्यः स्वरः स्वर

न्म्राप्त प्राप्त स्त्र स्

म्रिक्त क्षेत्र प्रमान् विक्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र

मिट क्रिंग नगेर्न पर में सं स्वर्व मी तहस स्वत्स केर सेर मानस सेट नवे रे न ने न हो र का लिया प्येषा में सामयुक्त सामी र निया न में र हिस र्रा मेर् पार्ट के मुर्द्य देश हुए वर्षेत् यह प्रति र न्सना न्वेर ग्राट हेर छ र झे रादे सु र्सन निर्मेश द्वा नाराय हिटा मूट. चूरे. चर. चक्रैं . वस. भूरे. चर. मी. चर. चक्रैं . लूट. मी. लूरे. च. रूरी अन्यद्र न्यून न्यून की या सहस्र यह न्यून स्ट्र हिटा में स्ट्र की मर दि में मुन्य मान कर् सूर्य मिंद में स्वर में स्वर में मुस्तित्वतास्त्रात्र्यास्त्रात्त्रात्त्रात्त्र्याः स्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र भेते. रमना रच्ये समा रमना रच्ये माल र रमा मर्चे हें सेर मिट र्भन्य नम्म महिंद्र निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे नीम महिंद्र नीम महिंद्र निर्दे र्या तील मी देश प्रीय हैं पर लिया हैं व में लिय तालट श्रेश गिट हूरे द्यमा द्याप न हमा हो में सम्बद्ध देर से ह मास मार्ने हिस हरे ख्यशाद्वीटात्मात न्यशागु प्रथमार्ख्यातायहत्य व ते के के नुस् मेर्पारम् मारापुष्टि वालेनासायर महिटा दे मेरासवाहित न्त्रिर ब्रोट हर्न सट व नुस्र सबर नुस्रमा नुवर्ते ने स नुवर पर म्नेन हूर् कुराह्र मी द्यार मुरार मुरार मुरार में राज पर मा राज र में राज पर में मूर्-मूर्-जाटपु-वियश-पर्यट-प्रचाव-प्रशास्त्र-क्षेर-विश-विदा स्वर्देवे के में र दर्विव य विवा कु यश्तर व्यत्य दर्विव यदे हेवे या विवा कट. बुना रे . मूर् . ज अहम अदेर . चेर में . चेश मूर . वंश भ्रेभ.मी.स्ना १४८ वर्षेट मी.इ. १८८ . य. वेश. हेनश प्रत. तिनास ता चारेव मर्वे.रमरे.स्चांस.ग्रे.रेपांठे.रपाल्ट्.त.स्त.कुटे.क्ट.यर.र्क्ट्रेचीश. म् भ्रीमास विसाय देता अवस देर मिर्ट ह पर विग स्पर् सेर हस स

सन्दर्भ पत्रस्य पर दे दे दे त्राप्तस्य देवा है वृद्द दे वे वे ते त्र मिणूदी ८ कें दे द्वेंद रे न्या मुंद क्य द्वर केर मुंद या कें दे सिंद दु मु गेंबर तुर सर्नि नरा गोन लु है ह्वीन उद में दायर से स्थाय मादर से ए स मु नासुमान नुमा । मे स्या या दे प्र मे समस ने स्र प्र में मु स्रे या । दरा नदर सेर दे नशस हुत हम हिन रेत वेद मुद्दी विदे हैं न्निरं वट स्वर में स्ट्रिंग सर तिमें र स्वर्ग नसना निर्मा है सहय प्रस्ते द्यात्तुर उदाक्षे केदार् है असस न्याद्युर सेन्य विवादन्य। भैं मालक मार्केश के मिट्नी र्मा का दिन भी रामहित महिता मिट्नी सामहित **डे**.पैट.ची.त्र.ची.ढेच.कैंट.वैट.चष्ट्र.वेट.चूंश घतेंव ची.टह्ट.कुच.केंट. खंब च् पु.मैजानन विभाष्टर कुरे त्र पु तराने जुना मैं अने कारिस्टर परेसी. केटा वहूर केन रे यारे नुसादस से पर्दे रा विना स्पेरी स्नर वहूर दे निक्त वस गुट दे दमा अट निक्त होर नी तर्मा । मिट साम मोर्बे हे ह मर्टा ट.क् पुं.संभय.मु.मान्याक्षाक्षात्रात्मेशासर नाम्रामान्यास्त्रात् महतात्रस्ताने महतामधुराके महिना महिना महिना महिन क्षे.सर. ५ वृर् स्थानशामी . ८ जी नशामी . र जी ता क्षेर ता सी हार ता सी मर्चेष्.कं.वेटु कुं.जुब्.चोट. बच .बे.ट्नेष्र. स्व. व्याचगाय. येचा.वे. यटचा स त.केर.प्राप्तप्राम् अस्ट.ह्म.में हैं में रिश.टे. नपर त्या व्या न्या नशुः लुः मामदः नगानः ह्युरः मा के या देरः ह्योदः नन् सा ने रे हुन हिन । से रे के रे हुन चुर्-८८। यग्र-पंचायश्चिरामास्याक्र्यास्र्राह्मातापर्वे । याः **दे**.क्रुंसम्बर्धान्द्रेरिमेटसम्बर्धानुदान्दरम्भागान्द्रकृतान्द्रम्भान्द्रम् यार्देशायते मुङ्गिनामा दुरा विशानहिताया नेता नेता महेवारा केंगा विना **यत्. यत्. क्रेट. क्रेट. क्रे. मी** याय्या द्वेया ने या ने या हे ना या ने या न

स्यान्यान्यक्ष्मान्त्री स्तिः व्हरः यनत्र नवतः नवतः नवतः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वतः स्व

त्नाराह्म व. बंचन वर्षे रचना वर्षे र के मन्दर र मिस्ट्र म नदः अदः विद्राने देव। दर्नेश स्मिन्द्रस्य दः के दे ख्र विद्रान वंशामुन्ने निमा उशासर मन्ने ने मिन्नि दर ने लि हैं रीमाश्रामहत् महत् द्वारा गुँ देश में इस्य पढ़ प्रा अर में इस्य प्रा प्रा प्रा प्रा मोबरायान्त्री मोटास्टार्यक्रियानाश्चिमान्त्राव्यान्यान् रहे के ह्या ह्मान रखन्त्रे क्रियम र ज्यापन रसमान ज्यास रिवास रेविस स्मा बुक्य समित्र रहे सम्बद्ध हुन हुन हुन हुन हुन हैं रहन इर्रान्स इन्स्मायर्नेन्येनसस्यासहस्य सेन्यहर्षात्रः त्र्रे हिस्स् नावास्त्रे न्यायास्य स्याची विद्याता । विद्यातास्य स्याची मर्भेन्नियात्रेत्र्वेर्ष्वेरायान्ययात्त्र्वितायाः । वेराव्ययानाः प्या स्रीयाम्त्री बीर्यस्यितस्य प्रश्नित्रात्री हिट्हू हात् प्री वसमान्दर प्रायाप्या नाप्रायार्ये सारम् हे हिरा हिं भे ने गुर्भा कार्र हेन तल हो करा नु स्ट्री । वहु स्ट्रिश हो दिनी ग कुंत्रान्त्रीयाष्ट्राट कुंत्राचयातेष्ट्रताते हेर्त्तीकाचा हुटाटवे क्षा व्या द्यात्रीय तर्ता विष्य है। विर्युर्य प्रवित्र में प्रवित्र हिं की लबाहिया रेंबर्रेस्ट्रिसम्हरिक्त हर्मातना लग्नेहराल्ट्रस्य हर्मा

स्त्राधीयरामरास्यक्षामान्त्री हिरायकारह्मित्री स्त्राधिकार अह्यास्याप्तान्त्रामरान्त्रीयाच्ची हे हेस्स्यान्त्रीय स्त्राप्तान्त्रीय स्त्राप्तान्त्रीय स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस च्ट्र-प्ट्र्न-प्रमान्त्र-स्निन्न-प्रमान्त्र-प्रम्य-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्रमान्त्र-प्र

म्निस्तिह्नं मिट्हूं हिट्टर हु ते मिट्टर्स स्थान स्ट्रिस हे त्या क्ष्रे मिट्टर्स हुंद्र क्ष्रे मिट्टर्स हुंद्र हुंद्र स्थ्र स्ट्रिस हुंद्र स्थ्र हुंद्र स्थ्र स्ट्रिस हुंद्र स्थ्र स्ट्रिस हुंद्र स्थ्र हुंद्र स्थ्र हुंद्र स्थ्र स्ट्र हुंद्र स्थ्र स्ट्र हुंद्र स्थ्र स्ट्र हुंद्र स्थ्र हुंद्र हुंद्र हुंद्र स्थ्र हुंद्र हुंद

बहुर शक्ष क्रिटा क्रिट्ट में क्रिया हुई हु क्रिया महिर क्रिय क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रि

मु से वर् नु पर्ने यह समुक्ष द र्हेर नुग्न दय प्रदेश ने प्रन्य मुंबाताया मा है विद्याता में स्वटा वद्या विट हि दटा वर्ट्र पर में त्यव तः पीचाश्व. कुर. अम्. राष्ट्रिय परेचा । लाट. मिट्. यथा श्चिर. परेट. चार्ट. माता खेर ग्राहा ह केर मार्डेर तमात के च लिमा मीर हिर है। राष्ट्र है। श्रॅर सेमरा उर मी द्राया सेर पश्चिम्य महिंद प तिर्या रेंद्र सेरी हेंसा देर माट डिट्ड्या के सट द्रार्मित में के चे र पर मु में र पर में नहर म हरायर द्वाद में भे हेर सम्बद्ध के नावुद देश नावा ... तर्ने । के प्रति । के सार के प्रति प्रति । के सार के सार के प्रति । के सार के सार के प्रति । के सार का सार का का सार का सार का सार के सार के सार के सार के सार के सार के सार क <u>२ चत्राचिक्षाकेष क्षेत्र क्षेत्र ५ ५५ वर्ष के के क्षात</u>्र के कि मत्रात्रात्रम् ते वित्त्राह्मा क्षेत्र की भीना केर विन सामान कर दे. ५५ वर्षे १ देल. वस्त्रम् अ. मुं ५ वर्षे ५ बेर दे सिंग अवस सिंब द्यीय दु सु मलश वर दर से केंग डेश दिन् """ ल्रे-इंचरा च्र-वंशर्ने त्याचे चर्ड्स त्रेचा क्रम्स च्र-हेना चुरा त्र्नी रपु. चम्मभारार हु. जासी भू. स्ट्रा खे. संचम वैर ज्ये भी. भ J51 3511

त्रेन्त्रं त्रं क्षेत्रं क्षे

मार्ट्रा श्रीम्य मुन्ता मार्ट्रा हुं प्रस्ता मार्ट्रा मार्ट्र मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्र मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्र म

क्षेट्रस्य द्या न्यु त्या क्षेत्र क्ष्य न्यु त्या क्ष्य क्य

नस्तानी क्रूचीशात्रे के स्ताले ना महित्य महित्य । १८८ छे । स्ताले प्राप्त क्रूची । १८८ छे । स्ताले प्राप्त क्रूची स्ताले ना स्ताले प्राप्त क्रूची स्ताले प्राप्त क्रूची स्ताले स्

न १२. स् १. ४ भश. ५ च्. ५ जीचीश. ५ ६. ५ ची. भु. भु. ५ ७. २ ची. ५ चूर् ५ ५ ८ मर्खे रुभः देशका मिट रेन्ट्रे प्रमीमीका मिशासर रूप रूप प्रमी रेन्ट्रे रेशः मह्र्नम्बा म्र्निम्यम् द्रम्य प्रदेश्य प्रदेश प्रमाय प्रम प्रमाय र्साक्षायनसारीनासारा देवे.वेरावनसारी च्रारसनानाल्यां पर्नेसशः नश्चर क्रिसः स्वः सरः क्रुं स्रेदे 'न्यना झरः वहः श्चेंन हुँहः नुं नीर्नेहः" निर्मा ने क्यामिंट के से से दे नसना क्षर नु के के है हि स्थाप से न हुर् हेर विय सम्बद्ध या हेरा

नु त्या व्याप्तर त्या स्टर त्या स्टर्स त्या स्टर्स त्या स्टर्स त्या स्टर्स दे वै दर्गेक देव केद भामका से व धुन मन्दा स दे द के ब दूर । वस। मु वना नु मू स स हुव ने दें र देव न हु न नु व भ से ह न न न स मि र क्ष्मानी,भुःष्ट्र्यानहूर्तान,नुंत्नी,हाक्ष्ट्र्य,भुःभहावसामिनानुरानीसाना मेरा मूँशमातुरादर ने र्वा दंव दमसाय वे मु रसर रह हेर दस लट.लट.पंचात.पंचेश चूर्त्तर.क्र्येचात्रार्टेट.च्री.शुटुंद्यम् वेनानु भेरी अ.क.दे दशका चेर् नानु हाता ह्वेर निका गुहा ह्वर भेर् यासारेता वेद्राया वित्राय हेटसा वुसाया है। वर्षे अविया हैना सामित्रा लै'नरे' नेंस' सेंस होर **भन्या मु**'सेने'र्यु हर्मन 'रहेंस' सु'स' वेंन 'रु''' यद्य तह्या द्या रेता वेत्त्रमा मुन्यमा नुप्य हुर सूर् वहेंस वहुर ब्रेंट वेंद केर वह कर वेंद के होत या मूर्क महुक वह मार्थक ल्री वर्ष्य वर्ष्चर दे ल वर्र क्षेत्र द्वाव क्षेत्र के वेद के वर्षे दे के वर्षे श्चेन विद्नारम् । त्रा प्रमानिक विद्नारम् ।

मुं सेरे दसना दर्वेद केंस वहेंद नासता देव नायद दे दना नाय केंद म् भुरा म्रेन्मान्य वर्षात्माना नि नेत्र यह मुल्य मर्वेर मेर्ने से पर्वे GAR!

डेश.रटा लटाच्ट्राष्ट्रश.वस्त्रात्यर.वर्ष्ट्रच्यास्या च्र्राणी. मैय. .पंड्याश्चरत्य्राक्षात्रक्रात्ता प्री.चिट.तत्रा मी.शुरु.चेर.क.पद्धः ब वर्ष प्रमा मीरा सव की रेपा हे खर बुद ब दि के वे केंद्र नी रेपा डेस:दरा दर:करे:भूर:स्र्राम्चेरःभ्रवशःग्लाहरायः। वेर्-न्नुःसैशः वर्ष वर्ष वर्ष मुक्ष बेर पर परे वर्षे या प्रमायक प्रवास मिन् प्रमायक प्रवास महिंदिन देर ही दिस्ते देश है ना देश के लेगा नी कर्गे वा यह दक्ष है गा वी चंडनी वं वा सिनी भारा से भारा र लूरे शिका शि. रे . र ट . जन शु ट . मूरि . मूर ल्रा विवश सेर वास्र रेर हैं स वहेर वार्र मुन की विव हिं के दार् लाटका केटा हैन नाश्चमार माहेका रूमा मान्य प्रति ने केटा में संस्कृतिका है है हैन क्रिनास पर्ने मूर्य पर्ने मी

त्वृकाको कॅ wc पश्चर कॅ र पहें र कर स्नार्थ दसन दिवा स्वर सेट. वेश.मी.विट.तर प्रहूर् नेशला हिरे वेश विर शट विशेष्य राष्ट्र याप भूम.यट.बूर.अविजावैट.भु.४२ेची.चभ । ७४.४चूट्स.भुजा. है. इस. इस. तर्। मी. चि. तर् हुर् भ नेर जन पश्चीर पहुर भ पर र पर हुर्। यहूर्मश्रमा नार्श्वर्षात्रात्र्रात्र्रम् यहूर्म् के हार्रात्राह्यात्रम् लुबी चूरे तर ह्रिस्थ श्री में श्रुश पद व संबुद देश क्षित में ट. से संब वुद्दान ने सर्वेद् सेदे : स्वा से से नस पर : से दाया है । माया है : दसना श्रीसद्भागिदः देशः प्रचीरः द्यः तानदेवः मी रेटः दुधः नहेट् । रेट्या

दे.त्रान्यचा नृत्यं त्यं खुटा हिटा हिं नजूर हिंच असी न तर ही हिटा

िया संस्थान, जिलाय, बाराजा

व विश्व वृत्र वर्डे र हर्ष अर हरू हेर वृत्र र वृत्र र मुन्तर यायस विहर ब्रेंर पर्वे र प्रोंस द्वें य द्वें यदे हैं अर विश्व हें पर ह्यें पर तमा र्रे.जर्र.चे.सस.टस.र्रेट्.पविता.वेस.त.चाक्रुचीम.ल्र्ट्.य.जस. त्यर यस झ्या य ख्र्या ग्राट यहिंद यो स्थेता हे से द सु से साट रहें र नगरमारम्प्रेर्भेग कुःकैरे नगराभक्षे १४ वना केरिक्श मुश्रुद्धःयन देर मूद्दर्श्युक्षःयर प्रद्रद्धाः मुक्षः यहेर् देश रुष्टः यर्कीः वश वैद्वे रिर्धायम् युः वेर तिस्य दुष्ट प्येर् स्वय देव नावर् दे हैं र पर्ना ह्वेर म नवर लेय वहेंद्र पर्ना किंग्स पर्ने दे र र र भीरेचार.लर.भवैरावर.गुर्गतन.स्री पीर.ब्रुट.लेश.क्षेत्र.रेर. र्नेन नामा कृतानु मन्द्रा प्राप्ता ने हेश सुन ता क्षेत्र लु लेना नन्द्र पर्मे वरा शुःस्यायम् वर्षाराकुषम् सम्बन्धारानेपानेरावर्षाः साम्यान मूर.गु.जबार वर क्रेट.र कुर र कुर र कुर र कुर सुख खिनाब त्रूब पर ने वर केर हैं हैं हैं हैं च गर भना नुरा चहूर र भूमा वि गर भना दश हो हि र मा हेश मा न्न्रियान्तु व उना क से सार्थियान समान्त्र मुद्दा सुद्दा निवस क्या रेडे अवर विवास्त्रपर निराहिताय हार्य प्रथम विवासित । रेज्याताचेटा। श्री पट तथा क्षेट क्रेंच्या हु रेज्या में सूर पर पर पर वर्ष विश्वादा हुर खर् पर्ट्ड, अहर्र शास्त्र भूत म्यूर मार्च मारा अराव मारा सा म्बुर्वसम्बद्धाः प्रदेश अद्यु मेर्वे द्वार्यका मुद्रेर प्रवेद नेत्रमुद्भाग्नेस्र देत्रा

त्र तिस सूर्या के म्यू रहा को के मित्र वह मा के स्वर मित्र का स्वर मा के स्व

स्तर्याम्बर्यात्म् सर्वेट्रान्ते। स्तर्यः स्त्री। भिष्यः स्वास्त्रयुर्वे प्रवेद्रान्ते। स्तर्यः स्वास्त्रः स्त्रीमा हेर् मु

द्रमाद्रादे के ते श्रूर पुराध्या भीता के विष्यु द्राया के क्रिया के स्था के स

एक नममानम् एक मामान में दिन हो में में में में में यश्चरश्रायी ए त्रिं, ए विमा मेर क्षा तकर , रक्षा र्य स्वर ल्या में ल्या विश् परिवा विद्या सक्त्री कर्ने माना परिवास सुद्रा माने के सदा होता. मुँदानुबु अँदानी देन दार्केर दे त्यसाम् हेन अँदाया दे मुँहा सम्बद्ध वदा पिकागुरे नेवातप्रे देश करे हैंची लेंबा में लेचीया प्रक्रा प्रस्था पार्श्वर मार्थाः लूट.च.चुर-गुन्थां लुशारे सुना छ मुं दशारेता ट हूं शाले सट इरायष्ट्राध्ये क्षेत्रव्यक्षात्रमा ने वर्षे क्षेत्रक्षेत्रक्षात्र वर्षेत्र वाबमालेना मरा द्वरा खरा बदा दक्षा व्या मिन में मालेना व्या मामेना दे लानार बन के दिन में का मी की ने राम के कर ने तक ने व ने ने ने का केराम वैराय कु पर्याम् मिरानुराया । रमार्य द्रार्ट मेराया हार ड्रीपास मुनायासा केला सुनास प्राप्त स्था सहस प्राप्त हैन हैन यत्रे. ययश्राच, द्वे. श्राम्य मुश्रामु क्रिय दि । प्यार स्थान दे त्यास्त्र रदार्थर केशानी दा अवास्त्र या साअत दिशार दार्थर ग्री क्र्यासियां मा तियां नी तियां तिहिंदे त्युत्र स्टेचरा दे त्या यह तिह्या भारिया सवु सेन प्रेवा द रहें न्स्यन निवस निवा से वि से दिन स्मार्शित हैं प

यक्त विरामिर मिर्मा स्रोत् स्रोत्र केर पहिंद पा देशस र छेट् ॥ यक्त विरामिर मिर्मा स्रोत् स्रोत्र केर पहिंद पा देशस र खेट् ॥

टस.धु. नम. ८८. चयाच. तेच. चु. चसम. पकर. केर. खुर. खुर. चार्डेश. सरायम्र दर्गेद्रा वु.वि.दर्गेश वहूर केट। श्चेर हुई मार्डेश ट्वे सर ८त्तर, ८व्रूर, श्रेवश, वि. चरे चोश, चेरा, चेर्ट्श श्रेश, चन्ध, भेर्-पना रेर हाम वैदा कु सेरे नहार वर्ने मा केर खुया दु सुर हैं श्चर स्थ्रिय है प्रमुख है प्रमुख स्थ्रित स्थ्रिय स्थ्य स्थ्रिय यर दिनोष दे यूर प्रसार मिर विस्ति ने स्ति विस्ति । यह स्किष् ले व वर्षेत्रे वर्षेत् इत्येग्याय स्टिन् देत् देहेश तु । मान मुंगिर रु केवरा हे श्वेर हो र गार्र पर। रगुर व सर्वे वस देर स्वय द्वीर्यानुकायसासेद्राप्तानुमाकार्यो होरा द्राप्तायासेद्राक्षेत्र नार निक्राल्या श्रेषका हा निहा १ १०० श्रेष्ट्र वेस. **प्राम्बर्ग श्रेन् हो । हो प्रवार वर्षेश कु शैका वर्षे । यह गानी का हो । हो का** धुन से पतुना र्ने नार ने धना सेन दुर धुर धुनरा मुझे से नार सेंश हुर इ.ट.कूर.१स.५वीर.हेर्.इटश.स्वर व.रच.रे.हेर.<u>श</u>्रा मी.श्रस.च्यांत. न्यार्थे.यसभातेष्यः यहूरे.यासमारी चुर् क्रि.यावेट.वियस्तरा मी. रैनाश केंद्रया देसे रमावर दमामी प्रमुख से केंग्स य विमा कु उना नृपन्दः वे के अपन्दः स्टान्नदः हे प्येन् त्यावः **क्रो**रः चेन् त्रह्मान् मेरि वेसः यः केट. ए कूब्र निश्व सुत्र में ब्राया प्रति हुं में. वगानुः अर्भेर वद्य कुर व्यान हेदा यक्षिता वितापन्ति पारे न्या कुरा য়ঀৢ৾৾৻৴য়ৄ৾৻ঀয়ৢ৾ঀ৾৾৽ড়ৄয়৻য়ৢয়৻য়য়৻ঢ়য়৻য়য়৻৸ৼৢ৻॥

दे.हुं अत्र के स्वार के स्वर के स्वार के स्वर के स्वार क

क्~~~क्~~~क् भुष्ठ-दुन'या कु'श्रेमुद्द्वबंबदा

पिस्त्र प्रमान प्रमान प्रमान क्ष्य क्ष्य

मृतिः देन सं केट ते विनाः देन सं क्षेत्र निवाः के निवाः कि निवाः

त्ता प्रमानिक्ष्य प्रमानिक्ष प्रमानिक्ष

तर्राम्भनमामानुरामः १००० व्ययम् स्याप्तान्ति । स्रोपायम् स्रोपाप्तानुरामः अस्यान्ति । स्रोपायम् स्रापायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रापायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रापायम् स्रोपायम् स्रापायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रोपायम् स्रापायम् स्रापायम्

चक्रमा १९८८ तम् मानुसा स्वर्था स्वर्था स्वर्धा स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्व

यद् विकास निर्देश मुद्द मुद्द मिन्द्र निर्मा साम निर्म साम निर्मा साम निर्मा साम निर्मा साम निर्मा साम निर्मा साम निर्म साम निर्मा साम निर्मा साम निर्मा साम निर्मा साम निर्मा साम निर्म साम निर्मा साम निर्म साम साम निर्म साम साम साम साम निर्म साम साम साम निर्म साम निर्म साम साम साम साम साम

र्देशः स्मारुमः पुरेषः श्रेषः प्रमार्थः प्रमार्यः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमा

द्रात्त्री हुन्। याना प्रत्या विकास के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्

निर्देश निर्देश निर्देश हैं द्वा है दिन हैं है के प्रति हैं के प्रति

प्रकेर वस्त्र वर्ष सहित्य देस स्त्र मुल्य स्त्र म्यू

मुख्याके मिना करे हिटा ना है सागादे स्पटा हो र हिंदा साले पुरे र हुन रवश्यवश्चरविद्वात्रेवर पुरापुरा क्रिंश खुँन्य वश्चर में में र पुरापुर मत्रे मु स मार्थ होत् हिरा प्रा हे द रेश पा दश होत् गु रेपट ह पहेस नामुरी तुर्वी, मुबेशवरी क्षापीचामक्षी हार्ची रहिर्दार स्वावहैंस यमायेनासाचायाँ यानिहासाविहासायये वासाना यह हिन्दीनची है। यस र्श्वेभवं भन् विं वृत्तः हो हिनार् वरायं राहे वर क्षुत्र हुन यहेस मार्यदेश्वितामानादात्वेत। श्वीत्वीत्रभाव दत्तिवेशाचेद्रान्यद्र बद्धाः श्रेल हे तु से स्वड महामान मुनामर गुर्देश्य मृति सुद्राह्म स्व नुभवे द्वासासाम नुमासायो जिल्लाकरा ने पहर हे हैं हिंग हरसा हेंद्रेर नन्यन्तुरह्मार्भेर्द्रन् श्रेद्रिके निर्वेद्ध्यानन्द्रन्तिहेन श्चीर पुरायर यहेर अनुसार यहारी सालिश हो है। हा इस त्रेश्यविधार्श्वराक्षां स्वत्यं स्वत्यं द्वार्थः द्वार्या न्या स्वत्राम् चना रक्षमाचिराच र देशान् राचिर् ह्रेंचशानी र केश सार्वशासी र रेटा मार्थाकुमारीम्नामविज्ञिहोकेरानार्रेयाद्यस्य मेन्सिनाहिसाद्युर्गाः इसरायरा ग्राम्बर्भरावि के देन्स्मेन्स्एक्स्माद्युवायरा च्रिक्षेष्ट्रयामुक्षे द्वार्यावयम् स्र्रिप्प्राच्ये साकाग्रीकार्या वी व्याप्त यन्त्रमहत्वास्यास्यास्य स्वत्रम् विद्या विद्यास्य स्वत्रम् स्वत्रम् कुं जैवे द्वार दिन् संसद्धस्य रात्य होनानु द्वित सेवदा हुं हे दे दे रा य ने ना स है । ही व्या १०३४ व्या ह्म रामा के न व्या है । दार महिना स है । ही द स सु'ना मेनास' ५ न्या

न रक्ष व्याप्त निर्मान के समित्र में प्राप्त के प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप्त

स्वयः देश त्राच क्षेत्र क्षेत

मानुद्दान् क्ष्यं स्वत्य वृद्दान् स्वयस्य ने स्वत्य स्वत्

१०४१३ व्या विंद द्रनुदार्व्य क्यु प्रविद्या स्वेत्र प्रवृत्त स्वा स्वा स्व

त्या ने विवय अवश्यास्त्र में स्था में वार्ष के चे द्रा महिमा सहया हैटा भूवराद्देर वग्रस्तु र द्वीर पदे परा वेद र मामा व में मेदे द्वेर इन्बाल्या मार्थित हिंदानी निवासी द्वारा द्वारा द्वारा मार्थित वास क्षरायर यहेर क्ष्य ग्रिजी अन्य र्स्या वृत्र मुं सहर होर खेवरा गुरा मश्रास्त्राने कें र मुक्ति द्वा मश्राहेन वनाय नश्राहे प्राप्त प्राप्त स्था त्तुर वृद्धार्भेत् मिट द्वसा के रे तर्दे का यह हेत रे द वे हे स्तर्द त्रात्मभन्ते त्र भूना विक्रम्य प्रतिस्त्र प्रतिस्त्र सहै सर्वेन स्त्रेन सहयान्यन् रेपने क्रियमा चेवला मेना सह लाडु हालेन ने छेना मद् से विश्वस्य हैं असे न देन न के अस्तान हो में अन्ति हैं? क्षेत्र. में स्वास्त्रेत स्वास्त्र ने मार्थित होता मार्थित होता मार्थित होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र स्वा वित् स्र में नारशक्रियाद्या व्यापने क्रियास सम्माना म न्यायायहारहेन्द्राचेर्र्यायायुना महिनासूयारेन्द्राहेन मे नवसामु महिन्द्रिं द्रस्य द्रोस महिन सहस्य से र र महिन में दिन सा म् वर्षेत्रमः हेर्ने केर्द्यम्बद्धाः मत्यद्धाः प्रति है। मि विभिन्नसम्मान्यन्त्रिस्मित्रहर्षान्यस्भिन्यभेत्रम्यत्रम् न्न्राचायलेशक्ष्याचेमाशाचे प्रमायात्ता न्यायारा केत्यकेश बेन्स्यायस्य यत्नावन्त्र वेश वेन्तु वेन्द्रस्य स्ट विभन्ता प्रजामिन हिराह्यायर मोथर मी प्रीप्यम सिर्मा

र्धर प्रवासी स्रीवर ता मुदान देर देर देर प्रतास हैं यस प्रती मी स्री श मिं: प्यार्श्वेच स्वर्ग सुन् चुन कु व्यन् परे पर परे बाह्य कि से समुन परे " माइका द्वामायहेरानु विद्या व्याप्ति की हेरावसमाया से तन्मा । मावा है विद्या ५=१ विर्-ने हे अप्त इस दस दस ना स्ट ना से हु ने से द से से अपना स नारः सूर् र रूर् रे मुर्राद्व पर्दे जना है दिस स्तूर होता मी सुन् र स रवश मेंद्र सदी पुरा केद्र साध्याय इससाद है दे से रवसादिर छेद है भार्केर् हेरा राभमावेर् भेडिंभ कुष्ति महिना में बह्द हेरी रक्षाचिराक्ष्रियामञ्जानसामेराक्षिर्द्धिम् क्षुराखश्चर्मासाक्षेत्रास्पृद्धारास् मानेत्। देत्रगुरामहाळेदारेदाचे छे सळेलायामानानाराष्ट्रासेत्। हुन क्रें इन्हें सुद्धा शुक्षिण क्री कुरामहानुनार क्रिया क्री प्रकर क्री क विकास देश सर देवर में दशक्ष हिम दे कर के दुन दिन ग्री ग्री हिस स्टर्स वसारानी केंस र्रेर है जुराइर ही हार्खेर इर खेराना वर नी से प्राचस मान्यापारमेत् पर्के नेदीरात्रात्रायात्रमयावृत्ते हेत्रात्रात् इटाया क्षेत्राचा भीता । चे हिटानु पर्वेहराञ्चन सामा जिल्ला वा विकास मान्या प्रति । इटाया क्षेत्राचा भीता । चे हिटानु पर्वेहराञ्चन सम्बद्धान समित्र सम्बद्धान सम्बद्धान सम्बद्धान समित्र सम्बद्धान समित्र समित इता श्रेड श्रेड गाउ खार क्यी दे से दे के दान के दान है। के दान के कि

मालक्रम्ना अस् में निरुधा क्या क्या क्या में क्या मुद्दा मानक्या मालक्रम मालक्या मालक् मालर दमर दे सिंद सुना दरा। निर्देश हुनारा या भेद हिन्दी ना विना मी पहुं स से स्वेन स रेंद्र। विर हें स लग वर्ष स्वा द्वार निवार वनु र लेग र् रेर र्मे अपनाव पर्मि नुदार के अधार केर नुर के रेर वसस य.वैट.लट.। श्रेश.मेट.च.मेर.च.मूर्ट.मेट्ट.भारय.सुर.संचश.कि.स्चेश. व्यूर् स्रें । भवरा पर्रेर मुं सेपे रवेर रेग रा भीना वेर मुं मुंद मारेव हेन<u>ा दें क</u>िर हे. <u>च्रेर हो बिना पार्</u>योट न्यून हैं तार विश्वासनी स्था वैटा महीना इबानी पर ना ।रे प्यटामीर मार्बेन मार्के मिट पार्माय महानेर कुर भ भ्य तहूँ भ श क्रीश चिंह लालना च रेच श चेश चर हिंह रेची से सा वृद्धः भ्रे स्री महिना त्या देश देश मिलु दाना सर या तरे ते ते ना स्रीत या वर्माम्बर्देशयम्। भ्रानेशःभ्रेत्सं वर्मायद्वासम्। विवस्यसानेः केषु उदा अर से रेन् केरा ने प्रकार में ने का कीन से प्रमाणुदा विज्ञानासर पार्टर देनाव प्रमान निमानेरा मिस्रारे साहितानासर प हे:ॐ**ढ़**ॱदेश:घर। वेंद्-झे:देश:मु:झे:बम:ऒंट:य:ट:क्रेंद:यम|:घह्पश:गुः चियानाश्चर होना अधि अधिया चुरा बेस ग्वर मेर मियायस हिंया मुस ने त्वीन्यायम् प्रदेशम् विष्यादिम् प्रदेशस्य प्रदेशस्य प्रस् दे दिवास्त्र र्टा विष्कुर रूप हा कुरामी १५५ स्थामी स्थान हे दे मा अव मेशत्यतेषश्चरम्भुतिरशः देशतम् मेर्टरियं दुर्। क्राममुखः निर्वेषशके प्रशन् प्रमान सम्बद्धा हिन हिन है ए ने दे दे है ए ने दे है करा क्षयासुवादना-वास्तादस्नीनावातर्जनाकेटा टाक्ट मान्याप्तरस् क्सराव्याक्ताम् अदिः कटा देवाया क्सरा द्वा द्वारा प्रवा गा प्राप्त वया वाहाटा

मी,परेमा,परंपरंपरंप्रमान्तरा वैरा। क्रमा,माबेर प्रमानमाने प्रमानमानमाने प्रमानमानमाने प्रमानमानमाने प्रमानमानमाने प्रमानमाने प्रमान

केर मोकेश मी हिंश सर्वे हे पुट वेंना सर सहया प्यून मुदा परे स्राप्य न् त्यम्भार्भरायहेराम्भाषुयायाविनार्येत्। सहव्यात्यूत्विप्युवादी सु मुभन्भे भ्रु के निम् कें मु दम् दमर में दे मिर्ड पिट दर राम्या दस्र ... वेदाख्यामु प्रसामदादे देवा सर्वे हे दूदास अस दु द्वे दि स्था नालग्रन्नास्यात्र्नास्ये विद्यादेतास्य के नार्वे विद्याये के प्याप्तिन । स्वर्पारम्य अक्षानु स्वर्षानु स्वर्षान्य स्वर्णान्य स्वरत्य स्वर्णान्य स्वरत्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वरत्य स्व भर्ते. कु.रेट.च्री.मिश्नेट.भूज.यटा त्र्र.मुश.मीज.यट.क्रीर.जूर्चा.वेश. वन्ता दशक्तुवनानीक्षेत्रक्षानु व्यवस्थानु स्वत्यस्य विदार् सुवार त्रा कुरमावराचेर्भारायक्ताम् । समुद्राकुरम् व्राप्तरमुक्षानार्रेटमुः भेषाबेटा। ग्राटकेटासुः द्वा यदासेटामारेकाः ८.२८) च्रें मे मर यार् निकार माने र हेर है न न न मि मुं हिन पर वर्टावारेता मिटार्के वर्षाम्बराद्या के सराधेना द्वरावस्य के तुरात् कुर्यान्त्रेय लेखास्त्रम् सम्हर् छित्। ५.२ त्रित् वसाग्रात सव म्रेसिय मह्ताम् न्यान्य न्यान्ति वर्षात्र न्यान्य द्वा नुष्य द्वा नुष्य न्यानी मु क्रॅसः द्वे प्दर्रे, यर क्रे ययस यदे रीष्ठ यस मुसास मुद्रा रक्ष मेरा।

द्वे प्रसम्भायम् दे दे द्वाप्त नम्बद् के द व व व व व व व

स्था। क्ष्यान्यम् क्ष्यः यट्टा व्यान्त्रः त्यन् ग्राम् त्यन् ग्राम् क्ष्यः यद्वः स्थाः व्यान्त्रः व्यान्त्रः स्थाः स्थ

दे हैं अ निंद्र द्र अहा अवि द्रय पा की अर प्रदे की की दे हैं की अवि द्रय पा की अर प्रदे की अप अर प्रदे की अप अर प्रदे की अप अर प्रदे की अप अर प्रदे की अर प्रद की अर प्रदे की

श्चित्रातः के व्यक्ति के स्तर्भ के

क्ष्मा अर् त नात चे ते प्राप्त नार प्राप्त चे त्रे प्राप्त ना क्ष्मा क्ष्मा प्राप्त ना क्ष्मा क

यर-गी-मोबर-र्वेब्हुल्लुब्हुर्-तिक्ट्र-निक्नित्-च्रीन्। स्ट-गी-मोबर-र्वेब्हुल्लुब्हुर्-निक्नित-च्रीन्। स्वा-क्रि-निक्नित्-च्री-निक्नित-च्री-निक्नित-क्रि-निक्नि

म्हेश्याम् स्ट्र्यक्ते देवाने त्वे स्थाने स

मंदर्। विश्वशंबिरक्षेत्रामी इशंविष्य में तिर्मे विरम् मानमहित्त्वस्य मिन्द्रम् स्वर्थित् केसे भिन्दान्ता विन्ती मसमार्श्वताविदान्द्रम् सम्मार्थे सम्मार्थिता क्रि. मेर् सूमार्थे ध्येद्रकेश नेद्रेष भेत्रम विद्यक्ष प्रमुक्त देव विद्यक्ष प्रमेश पर्दे । द्ये वंश्वरायर विंद दश्यवद्य भुग्रा कुश विंद् प्रदे नुष्य व्यव दिया श्च नहें शक्ती मारेद्र प्रथम मानुदा हिश सु में द्रात मु मेरे प्रमिति दि क्रुंश्यवद्यं, नेपुरं, नी, होट. विशासनी, मुच, नुट, नेश्र श्रेपश, नेपु, चरासा श्रेपा, ब्र्नियाध्येयतम् क्रियाण्या। वर्षयः नव्यः गुर्वे गुः मुन्तिम् स्रोते हेः नृत्यस्य निष्यत्रिक्ष्यत्यः। जीवार्स्त्रियः व्यत्रिक्ष्यः यत्रे हिन्यस्यान् नूद्राधित से देवे विनाया मेर्ड नाया के विशामत । स्वताय के देवा मात . स्वरंत्रयंत्रात्राद्धं अस्टार्ययाभावदायां होगा चुटा विटार्स्ना सर से विटि ननशः दुरः शुः स्रानशुः तर्भेरः श्रेनशः वृशः युना । तर्मेरः स्रिशः । म् वग्त्र र्यं खुर खुर देट से टका त्रमात प्रत्य सुना तस्त होट से से सुर । भवश्येग्याच्रेणु अर्द्धायदेश्चर्म्यावर् भ्रेर्म्यावर् भ्रेर्म्या व्यास्त्र वैट.चतु.वट.चूर्.लेज.र्.चट.अग्रिचांका.लर.चेंथा.चंट्रट.चें.चोल.ष्ट्र.लुव. अर् नहर्ने की पर्म । रशक्ति था द्वे देखिय खट हे से खिया की रा ८ क्ष्या ने अप्री व्या श्रीत स्त्रीत स म्री द्वां नाया में प्रकृतिक स्तरा स्तर मुख्या में दिन मुख्या में स्तर में प्रकृति स्तर स्तर स्तर स्तर स्तर स् **श्रॅ**र.संश्वश्र.मिटारचूरह्नाश्चरश्रात्री _ रट.सैट.श.चोट्रेर.सुर. **गुः भर मु**रा निर्दे त्याय केना अर द्याय द्वेर मुः रेनि कर रस द्वेरि क्ष्यास्त्रीयस्त्री

में अन्यत्त्र त्या में १. ने तह्या में नाया में १ द्या प्रमुद्ध मे

स्राम्या स्राम्य स्राम्या स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्या स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्रा

सब्दाः श्वास्त्रः त्रेत्रे स्वास्त्रः स्वाद्यं स्वाद्यं

में क्रियं में देश क्षेत्र कषेत्र कषेत्र

इसक्तिस्तर्भे स्वरावित्। स्वर्वस्त्राचीत्रास्त्रीत्रः स्वरावित्तः स्वरावितः स्वरा

म्बान्यत्वसंहेनुत्रिं स्वत्विक्षायात् सत्वस्ति हें स्वत्ति स्वति स्

मी.भु.देशस्य रक्ष त्र्रात्र राज्ञे प्रेर सर्गेर्य हुर सट. त्र निमाने प्राटन गीट त्रं, ग्रे. ज्यामर र्टा केवल वर्षेचाल ग्रेश वार्ष्य हेर् खेवा से प्रेट १ स. त्र्मी लिया ज्रासाना जेसा सनासार दर समुद्रा पर प्रसार किया के वे सम्बेद मिना दर अधुद या सुद मिले दे पर है राम मिद प्येता देवे दर *बुद्भादेशच्याचेशच*्छ्यास्य प्रतिस्थात्य स्थान्य स्थान्य स्थानी लुरं स्थिती टाष्ट्र तुं स्त्रिचीया वंदा चांदेश के चुरा करें देश कुर चोदा संविदा स्त्रीता. मुन्त्रन्यस्य अर्द्धर् प्रवर्ष्ट्रन्य द्वा मुन्त्रस्य मुन्तु न्या विकास मुन्त्र ब्रुक्पर्टम्पट्सवुद्धराध्येद्। भ्रवहर्द्दर्भवे हे पुटार्क्वव्यक्तु सेवे **नविंगर्रमास्य अरावें रिं सेनसं गुरावेरा।** विराहे वे श्वेन देशान वरावें देन्त्रवेशक्ति मुंभहर् में नार भर मेर्गमुटा देन व्वेश मुंभिक्त म्नीनान्त्रसर्टा वर्रानुत्रम्भवस्त्रहेरानुवर्दि।वात्रसामुः इचास्यम्भैचास्य पार्टि वेश सेटा। हट स्ची मी खेचांस मूर्य लाम अस ग्री युद्दर्गोर्ष अर्ह्माय त्युयावदै अर्ह्य हमाश्र शु हे टा दु हट वह र देवें र श्रुमार्ल्य। अन्यार्म्यादे अर्थे हेरीया पहर स्थन श्रीप्य वर्षा संब वे. मुग्राया मुग्राया मार्ग्या मार्ग्या ।।

शर क्र्या श मी पर्वेषाच हे क्रियर या मुन्या में वर्ग के सर प्रश्र से के र्द्धनाराक्षेत्रमिः वैनारात्रु मुर्दे द्वाराद्वरारा विनारा स्त्रा ब्रीद्र दे के हुना या पर दे दे अस या ब्रीट हिना या त्या । स्मन या दे र प्रमुख की सटाविंदादे.द्या<u>ट्</u>रिपिट.कुदेत् तुट.कु.क्रट.त.के.वेंद्र.सहूट.क्ष्य.वैट. ट्र-रट.लट. वची र्यट.ची प्रमुक्ष प्रकार विकार विकार विकार के कि वट कर रे रे रे विस्ट केर वे का ब्रम्बेन किंग्या पर्वे प्रमुख द्वार मि. अपु. जिया अ. केर. क्षर केर श कर साथा मा साम मा साम प्राप्त कर मि अपूर्वा मु से के वि वे त्याम् पुरार अपनी साम प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प यते त्रष्ठु श से यम् अ सें र दे दम् दे र त्या सामा र त्या प्राप्त र स्त्र हुया है य क्षेत्र क्षरा। मिट्र हे दे क्ष्मत्मुर त्यानिन साक्षेत्र साक्ष्र निक्र मुै'खे'व्यॅन्'क्ष्म'य'वनुम्मिर। ह'नुष्ममुै'नुषार्वेन्'क्षेत्रसम्बद्धर्द्धन मालाला प्रमुन् हा भुन् देश गुरुष्तु प्रमुन् सद्रें भुद्रित्ये अर्घेट द्वा प्या केर नहिना पर देन विट के श्रीट स्थ ৾ৼ৳য়৻ঀ৾৾৾য়৾ঀয়ৼ৾ঀৼৼ৾য়৸ঀ৾ঀ৾ঀ৾৸য়য়য়ৼঢ়য়ৼ৽য়৾ঀ৾৽<u>ড়য়ৣ৾</u>৾ঀ৾৽য়য়৽৽৽ मिश्रिस्यान्यस्त्रित्यस्त्रित्वहित्वहित्तित्ति। यद्भायास्त्र वत् वर्ष विटार्के से वे वे वरामार्श्वयाहै पहिंद्राया बन्दु सानाटा अटा सेद्राया दिवेर नायाने त्रष्टु राक्षे प्रनाद म्याणे राज्य राज्य राज्य है । बुद् चैटलट अहेनारे परीकाश्वरेशन स्वारा द्वारा द्वारा नेश्वर स्थार यालेगायन्तरी रेमम्मिक्नार्केनासान्त्रेग्निंग्नुनासानेसामहूमा पर्स्रक्ष श्रीयश्र चीनाश्र मोड्डिश स्व मीड्सिश वरा मी पा है मोस हन। नीहरी **ग्रे** व्यद्भाग

क्र्येयश्चर्यास्त्री,क्र्येयशःश्वरः भेषशः मुन्यूर्यस्य स्त्रियः वेरणे वर्माण्यः। रसरमें वेस्मित्रःमीवर्राद्धारेराव्युरायः ल्ट्राचनसन्त्रात्रार्थाः सर्देरात् हेन्सप्तु हेन्द्रास्तर र्द्वेन्य'य'ने र्द्वेर'ने व्यवमी निम्हिंव यत्र सुरक्ष होर रेक हैन या वस सिन्ते में ने ने में मकेर बर मुर रामा वर्ष राष्ट्र में सर के राष्ट्र हैं र व्यन्त्रम् वर्षेत्रं ल्चित्रम्हेयाहेशःकुःनारःमुःद्वनाशः ५५५देशवदः ५म्भितशः इसः ५मुरः सः तर्नत्वेन सर्वेट वृत्। कु वनाने श्रेर रेव ने नह सुर वेर स्ट्राय के स श्च्रित वित्रह्र सम् नार मु त्रष्ठ स्त्र मे र्यु स्तर हिना द्र संदेश स्त्र मे राष्ट्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स ररमी'नराम द्वामार व्यून मर नहेर् रात्रा मिल्ट वा मुंदि नहेर् प्टा हिन्दिन् अन्ति स्ट्रिं अर्थेट प्रकेट प्रक प्रकेट प्र इरासि.प.बुचातरीच । पारी स्तर त्यर वृति के जूर स्त्रेर से प्रमानिका कुंत्र पर्दे पर्देश चन्तर ग्री कुंतर नु पर्दे र पर भेता मिंद वर्षर ने सा स्वार मन्यातुं स्तर्ते द्वाराये केराव्य व्यक्ति विकार माने वि ढे**रा:ब्रेर**'वरुवा।

प्यत्तुं सेते सेत् दें कें न्य प्रत्ये प्राप्त स्व कें त्र कें से स्व कें त्र कें ते के ते के ते कें ते के ते के

केवः प्रशासन् । युर्वे प्रशासन् । युरायवः प्रशासन् । प्रशासन मै।मर्डिन्दिनम्बिर्दारान्समान्दिर्द्रान्द्रिनाकेशासुन्द्रान्द्रेनाशादनु दशः सुरात्र मिरामुद्रास्त विदार् के व्यापन के विदार् के व्यापन के विदार के केर.चीरश. वट रे. सुराश पश्चर. सुराता लुरी यादी त्यार त्यार हुर् राजर लूट हुं श्रर शत्राय प्राया प्राया हुए हैं हैं से नाइस देवे दशना सर मी क्रिया सामद विना या क्रिया साम दर मिर्मेर या छेता। देर भ्र.चीरमःश्रीसःचर्मे.चर्छ,चर्चे.चरःपरेचीतरःच्रिट्रम्स्यम्भेष्ट्रस्ये क्ष्य क्र्याञ्चारा पर्नेरा त्याना स्यानिका स्थाने विसःस्र्रः। श्रेनसः चुनाः कु क्वैयः क्वैनान्तरः रूवः श्रूवः श्रेवः क्वैरः वेरः नायः क्वेः नवेः भूर-पहेर्-र्रेश हैंग्र-१२ ते भूपराणी मेंश राखेंद पर भू हिंग <u> बटारस्तर विकारता प्राट्ट कु. भेज. से ज्</u>राचाराक्षेत्र या मि. वे या राष्ट्रका. र्स्यूश.वृद्ध्या सहवा.वे.वीट.चेब.वीवट.वीश.लर.क्येश.चेट.व्हेल. सूचोश, यक्नेचोश, यहूर्, वैकारे, भड़ेची, यक्नेश, सूटा। कूचाश, परेटेर के कूरे. किश्यात्रम् कुटा मेट्स्म्मीर इट्स्मूर्य देर्य कालाय मेट्र मिंट नी स्त्रोट सिंश नी हेना दिने निर्दान हो है स्था है र कु हिंद पत्र ह है र नहर्भा मेट म्यून इत्त्रं दे दे में भेर भेर भाष्य नावर नावर ना निट वंश्रम मि रेन्द्रिम हुम मि त्र्नि मा विद्रम्य ए १ विद्रम्य र्भर स्वे नी बुर कु त्र के दश्चर में रेनी नी कु ने श कु र र सर्वे हैं हैं हैं यदे प्रमुख से यमे स सेंट हैं 'से स स रेंद्रा स सेंट हैं हैं य वट.कर्रतपुर्वेशतिबीर.बाट.लट.क्ष.पर्वेच ।प्रिट्कू पुरवेशतिबीर.ल. मिल्रिक्तरम् व देन्द्रत्यम् श्रम् में मिन्न हेत्र में मिन्न हिन्द्र में महित् मी पर्ना

मी त्राम्याम्यान्त्र केर मिना त्रा स्वास्त्र र ने त्र में स्वस्त्र सार हा यसम्बंद्धानार्द्धमानु पर्सुर मुँग्पेर्द् पर्दे दूर हेर्द् स् पूर्व । ज्ञिमासुस इट.मे.बे.बे.मिजासमार्थामची.ची.रचीर्यत्य दा यञ्जी जन्न छेट.क्रूप्त या बेटामसामात्रमान्या। श्रीतामान्यासार्वे रेमाश्रीतामास्यान्या यश्चर वेशानर। क्टाशास्य प्रस्ति क्या प्रस्ता प्रस्ति प्रस्ति । सट त्रिमा तस्र पुरा परि वट विषयि । वश्र प्रायमा सेवरा में स्रोत हो वि द्रवः ग्रेस-द्रवादः वर्षे पुरः वर्षः द्रवः वर्षे सः ग्रेप्तः वर्षे । वर्षः भवाः वर्षे सः क्ष्याय विक्ति वित्रा हिंद द्वाय वार वी श्री देव वेद स्टब्स श्रीय हिंद जुनाश.सू.पटेचा ।चिविट.चु.पाक्षचिटशक्षश्चसुच,पड्ठि.लचा.सू.ट्रा नुर पहेंद्र केद वेंद्र दुन शिर पहट अस हैं या पार्क पर्देर पाविद्यारा वे व अर्थेट विद्या वर्षे वर्षे अर्थेट अपकारी र वर्षी नाम करा व्याप्ति निया नियाम्बर्ग्यं क्यामी में हें मुन्द्रं नियम मेर्द्रा क्या निया मुक्रमा विना सर्वे मु तर्ना । मुद्र मु द्रिया सर्वे न मे वर्मे असम्बर्धाः केर्यास्त्रीरमः नेरः सर्वेटकृतः केर्युवा भर कु श'र्टा देवे देव घट अक्षें म चे लेग दर्गे स गुट भर कु स देवे र्नेन न में रहार हर में में वे में वे महा व्यास्य हें न स्व महान न महिला मिं वे वे क्रान्यायाने वे क्षेत्रवाकी विवानु विवान विवास के प्रका मिंद के वंदा अःब्रॅन्यद्यायान्द्रःब्रॅ्ब्यसःश्चमुरःब्रेटा। युवःन्दरःनुवःगुटःब्रिं क्षिमक्षरमा मोटम्प्रानह्र्यः म्हारमान्यः मर्वेटमा नेपान्यः मर्वेटम चळ्य.प</sub>र्नेची.बुं। चब्रम.क्ष्य.लट.तेर्य.क्ष्यंत्य.क्ष्यं.बेस.क्षेत्रा ट्रे.पेर्य. सन्त्रीत्रिस्ट्रिट विवशः ग्रीट सुरे त्या चिट द्वरा सर्वेट विव या वे सुनिक्ष

म्हिन्द्र्या स्ट्रिन्द्र। मुन्त्रान्य मुन्द्र्या ते सुन्त्रान्य स्त्रान्य स्त्र स्त्रान्य स्त्र स्त्र स्त्रान्य स्त्र स्त्र स

मी, यंचा, ने, यंची, अंच माड्ड चा, ची, यंचा, मी, यंचा, यंचा,

द्र ते. त्रम्य क्षेत्र क्षेत्

लायम्बर्धान मुक्ताने वर्षा मुक्तान क्ष्यान मुक्तान मु

क्रुचारा सार् दे त्रित्र क्रि. इस रा द्वा सुन । त्र में न विन । वुरा सारे । द्रार ववियाधित स्वत्वे प्रशाद्य स्वत्ति वर्षेत् वर्षेत् स्वत् स्वत्ति स्वत्ति स्व क्ष्याध्ये हिन। दे दे प्रेर्च्य न लुट ट्रिंश दे ध्येश वह नहिन द मिंद या है। हिन रेटा क्रुस्तियोग्नाच्या क्रि.सटक्र्याश्वाचा योचाश्वरश्चरा द्री ची.श्रुश.मेर.चश्चेता.कुर.स्यांतिमा.मा३ श.इर.परीश.श्रु.चश्चर. ल्या महिमाक्तासर् पर्दे पर्दे द्वारा महिमाक कर् च्र-पर स्मिन्य सुपद्धनायाय नेर मेना सर पद व प्रद्रिय प्रसा व्या चॅर्मिलुम्या कुर ह्विर चुम्येर यारे थिय। महिमा यह के व मामरे क्ष्मिश्राया है वर्र कुर्वे वस्ति वश्च श्वायद्व नशास्त्र। दे व्यायह के दश्च न्रिः रेम नु मेन् यदे श्रेन न्यर श्रेन निर्देश में ए द्वे सर स्र प्रते मु सेरे द्रिंद रे र स्र स्र है। कर सर महीं मालना भेर पर मी.रेचा.चिंदामी.चयांत.प्रसिंतार्च्यूश्राचार्र्या चोश्रर.रे.च्च्रश्राचत्र. स्रिक्षात्म् वा त्रव्रक्षाक्षाक्षाक्षात्र्यात् व्यापाद्येषात्र्यात् व्यापाद्येषात्र्यात् व्यापाद्येषात्र्यात् व द्रा द्रुप्यदेश्च सदीद्राहर उसुर वर्षेस्र मे नेद्रि के सामि हिर् रटावनायाहै। वश्चराम्भात्रेमसावर्भाम्बनानुराध्यादर्भात्रा वसायसार्द्रक्तीः तम्मुवायदे सार्वद्रायत्वा केद्रकेता व्दर्गणतः वै क्ष्मसःवसःचावसःव्याःनगानःक्ष्मासःचरःनःवस्तःन्यःवःवःवः=न वसाम्रेन्'गुरादे वायमासेर'व्यमसावहसानुन्दाक्र। दसागुरा

हेर 'चहेत् मिं चें रट खाय मुं मत्य रहेयाय स्था। द्रिय मो 'क्षेत्र क्षेत्र च्रित्र क्षेत्र च्रित्र च्र

नुसन् सके स्वर् कुर कुर निर्मा स्वर निर्मा कुर प्रमान कुर प्रमान

इस्राच्यायते वहेर्त्त्यामित्रसम्बित्। स्रोतास्यायते वहेर्त्त्यामित्रसम्बित्। स्रोतास्यायते वहेर्त्त्यास्यास्य स्रोतास्य स्रोतास्य स्रोतास्य स्रोतास्य

व्यक्तिता दे मिलार्ज्य पालिना यह हा सारमान प्रशाद हार व्हिंस मॅं अर्थे हैं र व्या विद्युष्ट में अर्थे हैं र क्षेत्र हैं र विष्य हैं र क्षेत्र हैं र विष्य हैं र क्षेत्र हैं तर्नाकेटा सिंदार्के समस्यत्वर केवार्च पर्ना विक्रिस्यादेरः ब्रैट'प्रसासकुराद्रियामु।'प्रसादर्गी'यद्धन्।साम्रीकार्यान्। सं दमाय केंस्र दे त्यां क्षां ययसायात्र द'दसा ग्रेन्' की मि तद्या । मु सेदे तकर देव दशरा सूच केद से दश पार्कर पार्व न निर्देश है सूचा नु निर्दे कुं अव या झान्यें वे केंवा ने स्नवसावसा ने साक्रे विन्या वि में में है से दाय है શ્રુ. થદ. નું . ઇનું, છુંદં, ઇન્રાઇ. એશ. રેદ. ભદ શ્રીદ. શ્રુખ. વૈદ. વૃદ. કૃષ્ટ્ર . જ્ मीट में में मुंह रा नहीं र नीलर देना हैं र लट रहेरे हैं। दे क र नीया श्चाहे के दूरा वह द युनाय हे सूना नु पर्ना खुया हेरा स्नवया देरा मु सेदे र्वं रेन् रेन् श हैं र्रा सुन्। त्यु र स्नायक वर्षे श वस्तु र देवा यह । नुद्रान्निंदादाणाः। नुद्रानु हिन्द्रास्र स्थापेद्रात्रे स्थापेद्रा हिरा देः भराम्बद्धानुमारा ग्रीस स्रेदानर द्यासुसारेसान विद्यासेट न्म्राचामात्रन्। सामान्याने मार्यामान्याह्रयान्या। मेर्के ये प्रसमा क्षित्र.चाच्चेश्व.जनाश्व.जन्त्र.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य गुट्। वैक्टि:वस्त्रचनिर्देटमी सम्मवस देर स्पर्टिमी निम्न क्रु. मुर्-मानुशास्त्र विस्। स्रेमसात्र हिराहरायर पहेरास्त्र हिं सम मुै'मान्**र्यासु'मुर्|** सिंट र्से दे से सरानी पस्रमार्स्याय पान है पर्हिना सेर् याया स्वारेता रातुराकु र्वेदामी हैना द्रशानी है नाया से सह मी पर्रेर प्रवस लेर् सेर मार स्र ला पर्र रायसूर तमा सेर होर

चार्यस्य स्तर् निक्षा स्तर निक्षा स

स्टितात्रे हुर मिष्ठसार ने स्ट्रा स्ट्रिस स्ट्रा स्ट्रिस स्ट्

क्षात्रात्मार्थः क्षेत्रः विस्तर हिन्द्र स्त्रे स्त्रात्मा क्षेत्रः स्त्रे स्त

च्रुंत्रिक्तिं स्वरं सक्ति स्वरं सक्ति स्वरं स्

ख्रैंट.र्हेचा.पुर.चरेट.हे.ट्च्र्य.चायका.ह्रेट्य.मुेय.च्ड्र्म्चे.ट्रा।

अकर.चि.चीट.लट.कु.ट्च्र्य.चायका.ह्र्ट्य.मुेय.चु.ट्येचा च्रिट.क्र्र्यचा. च्रिट.क्रेट्.क्रेच्.क्रेच्य.च्रुट.च्रुट्य.च्र्

 वुदासाध्यवादास्रवेदान्धे द्वावार्वे वुदा। रदार्मासाइसराणीयारदा म्नी मिन्न स्वास्त्र स्वरास्त केर प्रेर प्रचित्र मिन्न रहा खेत प्रमान हु:शर्<u>चे, हु:शर्चेर, श्र</u>र-हुं। अवर में रेथर लाट में जैसा मुख-पैंड छुटु. द्याम्भ दे स्र्र्याम् रायर सर्वस्य प्रविद्याय द्रा वर्षे प्रवर प्रयोव रे.चरेट.र्जु. इंश.श्री. च्रिट.ष्ट्र्.चट. व्रिश.रे.जूच। वेश वेचाय. वेश. झे. श्रर. मु मेरे परंद मिद्दे पर्ट में भारत स्राम्य सार हिं मार् र पर पर । र पर पर १.पे.<u>श्</u>रेर.में.म<u>ब्</u>र.वे.में.माश्रर.क्षेट.क्र्यंश.ख्य.पंचाय.पंश.में.चार.. नु पर द जियानु प्यार वर्जे र स्प्री कु प्रसर दश ये किर से र हैं व मौत्री बट, तुर्द, स्रुचा मो प्राप्त प्राप्त स्त्र महिल महिल प्राप्त प्राप्त स्त्र स्रुप्त मा मुख् दे खनश नद्द न्दार द्वीय क्रिया मुग्ना निद्र द्वार निद्र प्रसान है? ने प्रव**र हें अ व्यद**्रम् पुरा गुरा गुरा पुरा प्रवेश प्रदेश मिरका गुरा व्यद्रिया मन्त्र। वर्म्युमिक्सिन्द्समिक्स्यूनिर्म्भावन्तर्भावन्तरः रदाकृत् वित्रमे प्येदायात्ता अदसामुखामु कें स्था सुनासादेर हैंदा दसमानेसानहरूने नित्र विदाय ना स्त्री में प्राप्त न्या न्या निर्मा नि कुँ खुन्न मुःर्के अणुट**ः देः नत्नै ४**-दुः र टः नी ना नी**सः श**न् सः नाडे सः खुटः नुदे र मुं व्यद् यदे व्यद् हें संबद्ध वर्षेत् याप्तिप्त्नात्याचरेद्राद्याच्या हेसामार्के वे दारामु मेसर्वेद्रासुना सेसा दश्यन्तर्भः स्नाप्ताप्तः प्रश्नात्रः स्वरः स मीट संबं बुना लंद नवे रे स्वयंत्र होत् की लंद ग्रीट । दे बेदे कर मी रेशर मिश्र सेवस पुंच हे हेर विश्व ग्रीट विदश देव में नारश करे रा देव इ. भटे. रेम. लट. यूज्र. मृतः तट्टे. मृ. मूर्य स.मैश. युक्रे रेल्ट्री

ची वेची वेश न्रेर वर रेखनी लग्न चेशर पार्ट्स पर हेते अथा वर्षायायात्रेशामाळेशसीयद्वास्त्री करात्रामुखाळीयाद्वा यमानु य.१५८८८ चरार् लट.लट.वर्डल.लट.ची.वर्च विव.क्च.रचा. कर नवस के बिट खुर्न प्रमापि हरा अस प बिना कुस प हिरा है त्वीतार्म्यासाक्ष्र्रस्यास्याचा र्ह्न् नेन स्वयार्ष्ट्र व्यावा वर्षा स्व देर मु दैनाम के दे म्नि हर मुस्यत्म प्रदेन प्रदेन पु सर दुर मुनाम मु त्रुम । वर् भे दस्य दे प्रदेशका वर्षेत्र प्रस्का वर्मा उद्गाप पर्दे व पर्येशयर्वेशयर्ते प्रस्ति । प्रमानिका निष्के प्रमानिका निष्के । प्रमानिका प्रमानिका प्रमानिका प्रमानिका प्रमानिका प्रमानिका । ष्टाने नसाके न विना नुस्य न्यावर र अपन्य । ने दे विषय साम क्षिन्सा महिमा क्षेत्र में र में र मिन प्रति मानु १२ में र भ्रम्य । अस्य प्रति स्थानु स्था वर्जे वर्डे सं होन विषय १ देन हिरा। हार्डे के हिरा देसस होने नु कहा यमूर्नि मुक्षाहेका में निर्देश दिया करा दे दे विकास के वि ब्रॅं.वेश.वेर.बंचल.ट.क्ल.टे.केर.विश.टे.पहचल.टेट.। क्र. ट्रूर.के. य.ल्र्ट.श्रर.चक्रे.चब्रेश.चर्हेर.चर। वि.चेश.व्हेर.चर्ह्नोर्.हेव.श्र्रट. वहिनसःमिरुमा असः र्वमा पु रचमूर् सुसासु रुमा सू रहेर में प्राप्त स्वरसः असः यथु.भुर्-त.कन्। हुं क्रूर हुंदशस्त्। वहेवस.देवे मि.ल्.तस.र्टटस तक्यः मुक्षः सुनः निक्षः नुकः हे र र ः हे दः सुनः सुनः सुनः स्र र । वहिनसन्दा विवर्षेत्रे वे के निर्देशमार्थः मेन के निर्देशमार्थः भूम. कू.रटा चश्म.क. बर . ह्यूचीमा श्वी. खमा रहरी विश्व . ह्यूचीमा श्वी. हुर. यदेश रूर के वे दरावकर वहंय के शक् सेवे सम्बद्ध मार् मार विर मधुद मुद्दे सम्बद्ध प्रति दर दे द्व पर्य पर्य प्रति

यर अर्थर विद्या । विद्या में श्री मा स्थिर के मा प्रेंच के मा स्थिर के मा प्रेंच क

ययश्य मुद्दा होता विकायाः नावश्य द्वार विकाय मित्र मित्र भारत्य स्वार मित्र मित्र भारत्य स्वार मित्र मित्र

पश्चर स्तुर पाध्या। प्रमाय प्राप्त प्रमाय प्रम प्रमाय प्र

पहें चे अ. ते दे अंदर अंद्र चे अंदर वे प्राप्त के प्रा

क्षात्त्रक्षक्षः स्ट्रान् क्षेत्रम् । प्रमुक्षक्षः क्षेत्रः कष्टः कष्टः

दे देशका क्या सर्दे प्रकृषका चर्लेका स्वर् क्या का निर्मा स्वर् के वि सट मेर क्रुचिय मिट्य र्यं र है। च हे या या में भ्रया पर्में र प्रेस त्यर् परेर दिना मु मेश है पहेंदर त्या मुव क्रिय मे होता प्रमुखेर हैता विका गुप्तकतः सर् वे व्यष्ट्रसः से व्याव व्याव व्याव स्त्रा हे नाय गुः मिर्ट्स हे क्रुं त्यस नुरुष्ट्र स्वर् सुरु नु दुन्ति होता मु रेनास प्रमुख से हिते होता। त्रं भे भे ति वभाराष् मित श्रिर निः ज्ञा तश्चर तारे श्रा श्रेश हिंगाश रेर । व्र्यम् भुष् अभिष्य त्राप्त राष्ट्र रा क्टाम के भूभाव वट क्रिंगा देवेर व मिले स्ट्रे ब्रैं र पुरा केटाम मी.रेशर. प्रेर. ७ ब. र्रेश. क्यां शाया. रे. मीचाश. त. रेश. प्र्रेर. वैश. क्टाइवे रिवास तार र्द्ध सम्बूस वसूर वसूर वर्द्ध स वर्र में वर्र मुन गुर र्देशनायः केषः च वे भेगारायाः नारः स्यरः केष्ठेतः स्वायः स्वायः से विरा क्रुंश.चर्णेर.वैंश.वेर.र्बंटश.क्रुं.शब्र्ट.रेश.चर्चेर.ध्रुं.प्रेर.क्रैं.प्रेरी स्ट्रि. ॅब्रॅट**श.चो.सै.मे.से.१.क्रू.५.शे.च्र्.चर्सर.च्रे.**क्षेत्र.६ घ.चेत्र.टे.चे२४.४चेचस मुर्रर्भ्यत्वरम् क्रियाबायर् दे क्रियाबाक कर्मा माम्नी द्यार्थे स्टर् मै ल्यूरी सदाल चूर के रेवएक लूर वह स्थान द्या रहें रावर हुरे । र् नोर्ड् प्रह्रें मी मेट ब्रेना पर नाम ल्रेन् मेट । वना नार्ड् ने मेर मुक्त क्षानु दगान म विमा रेता।

 विमुरारे हे म्याया दु खेद दिया विदेश केंद्र केंद्र है दर्दर है द माल् ए स्वयं नमें वैं अंहर मी में स्वें मा से के कूर माश्र म देर में या ब्रेंश होन केन से अर के अर ने केन अर ने केन अर ने कि निर्दे के मूँबर्केन्थे में मुं सेने वर्गे बेन्द्रेन्हें र सून्य नेने बरा वेंन्द्र वर हर दशर र मी कव रीन हिंद दुल दिन पिन पर यहेद मे न स्थार मु हिं नि नि क्षा त्र क्षा त्र क्षा त्र कि मु हिं ना स्व कि ना स्व नि सि माव न से ने प्रस क्षेर नर्श में रे देश खनाय समुद्र मीस नहें रे पर ग्रामा में सेस रे ता सिनास समुद भव पद नियस से में दिन पार्श्वेस है। नगान हों द देस स पर पर्ने द वस्तिशानुसानिदा। देशागुदासाहिना पर से सदाहिना सानि से या वं वं प्रवेश खुर अर वहेर् युरा। वर् नालुर दश से पर्रे पलिया है इ.क्रुची.चोशर.त.खेची.चूच्या.च.च्या.चा.चेर.था.चची.चेर.श.उचूरे.वतथा. म्प्रेन मुद्दालिदा। ने अर में अदार हैं नास प्रनृत्य द मुना स गुरा पहें र यक्षेत्रायन्द्रक्षा क्षेत्रहान्त्रीयस्याक्ष्यं वर्षेत्रायनेत्राक्षं सुवायः ग्राम्या व्या विद्रार्थ । विद्रार्थ अने न्या मार्थ वित्र वित क्षेत्र न रेत्। न्युष्य र्तुया देन्त्र १००० वि दे क्रें विश्वासम्प्रेत्र प्र पहिंचात्रा चेता विद्या के सार खारा पार के साम के र में र ने ने पार करें त्युर रे हे केर कुष्ठ्य रु प्रबंध है। मिर के वे श्री रे वे प्रिक्त पर्म्याञ्चन पुरा पद्में हैं प्रमाद विमा स्पूर है त। दे हैं माबुद मी वास वेद त्यक्षद संवय म् क्षट स्ट्रिमाट स्टर क्षेट्र पदे के स्ट्रिम न देना मिंद के केर दें र पने विहेर भेर खनस वहर य परे रना रूव हें क्या ने दे दे के के ना दे ना कर कर ने के कर है नवे हिंगी

बुक्ष प्रमाश स्व प्रते मादश स्ट्र शु मुर प्र दे । वि क्षेत्र स्व प्र मादि स्व प्र स्व प्र मादि स्व प्र स्व स्व प्र स्

क्ष-दे-क्र्याक्ष-बर्द्र-क्ष-घर-मी-वर्ग-वर्षिद-विकारी नाबयाद्यर-प्रहूर-<u>४.भु. त्रापा. ष्र. कुर्यः चीत्रात्यावात्रात्त्रः चितः क्राप्तः वर्षः तरः </u> सिट सिंदे र र निष्य पर्यान सेर यर सिंव केर पर्टेर से संप्रा केर श्रूर.चग्रेथ.तेमा.वेश.एषु.अह्यूर.व्यंता.केर.मी.श्रुष्ट, रेचा. तीचाश्राता. तर. मूल वेर मैं र रेर्ड तवश स्रेर रा श्रव्र के अवश र से अट के रेट के ब्रोट छेर रेने स यतर लिंट में लिंद य रहा। विद के वे छ ब्रेर हे राम इ.च.र.च्ये.चहर होर.ल.च.चेंबर टेंबर चंचे चाली में स्केर में रा टेंट्बर ट्रेंबर ૢ૽૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼ૽૽ૼૹ૽૽ૺૼૻ૽ૼઌ૿૽ૢ૽ઌ૿૽ૢૼઌ૾૽ૢ૽ઌ૿૽ૢૼ૾ૹ૾૽ૢૼૼ૽ૹ૾૽ૢઌ૽ૹ૽૽ૼૺ૾૽ૹૻ૽ૢ૽૽ૹ૽ૼૼૢૼૹૢ૽ઌૹ૽૽૽૽ૺ त्यःचगातः निमा दशः तम्भि । यस्य सः से चेतः स्रवः सेतः स्वेटः सी स्पेटः सः त्रः । मुन्यामान्त्रमान्यमान्त्रम् दे दे राष्ट्रमानु सम्बद्धाः मूटा नुपाद स्वा ৰ্ষা নৰ্ব বেইনা সাদৰ শ্ৰী ষ্ট্ৰনাধ্য ক্লি নৰ্ব শ্ৰীব হিন হস নাৰ্য শ্ৰীক ৰি ल्र यारेन श्रेमहर्के वे र्न नुष्टिया हैना रसामुद्र विद्ना म्या नुर मुद्दे प्राप्त द्वार है द्वार द्राप्त प्रमान है से प्रम है से प्रमान है से प्रमान है से प्रमान है से प्रमान है से प्रम है से प्रमान है से प्रमान है से प्रमान है से प्रमान है से प्रम है से प्रमान है से प्रम है से प्रमान है से प्रमान है से प्रमान है से प्रमान है से प्रम व. च्रिट् क्रू. प्रेट्र प्रवस्य विट खेर प्रमा ग्रीट । रेश प्रवस्य श्रीमा क्रू. प्रेट्र न्त्रस्तुरावर विंट हें सास्त्रायम् सामुकावहि हो ने वि टटा वर्ष्ट्राय हेता दे देशका स्वर र ट ट्रंस की निर्धालिक लार ट पहेंद् पुराया केंद्र केंद्र । युष्ट्राच्यु व्राप्तर द्यावहरानीय विंद क्रियानुया वही दे हिर विंद् हो

वृत्। तर्ने त्रित्ते स्यात्रे त्रात्ते त्रात्रे त्रात्ते त्रात्रे त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्रते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्रते त्रात्ते त्रात्ते त्रात्

वनीं विद्या दे के वे चे दे दे के के के के के कि के कि के कि के कि कि के कि ग्रादर्भातरायदे लेना मुदायदा क्रिंग प्रसम्भवसः श्रेन र्ने मुं १ वर्ने सु सेना बेर न र वर्ष पुर लिया ना न र र दिया है । िंज.इ.क्ट.अश.झ.चुंश.त.झटे.त.झे.वेर.चीर। ची.त.चरेश.कूचेश. कु.चपु.श्चेर्,जश्र.कर.मेर्न,चर्चर.कूचल.श्चेंचल.मुंट.मुर.वट.रिज.चट. सर हुर भेग सर वें क्रियारा भे ने दे हैं दे दा मुक्के हुर विन होर रमांका वेर् दे वेर वेर केरे प्रवा देश हे अ वेर पर्र पर रे रे रे म् सिदे पत्ने हेर हैर दिकर कर मी हैन मास से प्रेर में पर्र परा दे १२ १ ४ अ . वृद्धः अत्रयः तात्रः त्वनः अतः वर्षेत्रः गुरुषावः नार्थेना द्वस्यः यणवःचनानुःवनोवःकोः व्येतः स्नायः देरः कुः स्वयः सः स्वाः वनो विद्वितः मोर्ड मं मासुम मी सिट परेंचे दिया है 'चे मासुम मा से में के रें र पहें र मुर दि में में में दे ताहब दर्ग श्वर खेन दम्रेमस साहब नक्य मुं बर ल्रे क्षेत्रकाचनाय निना वस हिटा नाश्चिम प्रहार पत्रहार निर्माका पर्हर ૭૮.\ ત્રિષ્ટ.જ્રુજા.c.જ્રુ ઇ.પ્રિમજા.ઇનોળ.મોદ.ભદ.વૈજા.ઝુટ.પ્રેટ.ો <u>ત</u>ુરે. क्षसायहर्याचेदासायस्य में क्षसायहर्याचेदा हिससामिट्राचे मुं ल्य अन्य नहें सेवश च्रिंट क्रूश न्त्र हैं । ये से हैं । ये से हैं नि

इ.च्रेट. तर्श्वरात्रा चेर्ट. त्यांक्षा ता द्री।

चर्ते स्त्रा त्यांक्षा त्यां त्रक्षेत्र चेका ट्रेक्षा ता द्री।

चर्ते स्त्रा त्यांक्षा त्री त्रा त्यांक्षा ता क्ष्रा त्यांक्षा त्यांक्षा त्र त्यांक्षा त्यां

द्यात्मसन्ते त्रात्म त्रात्म

स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स

ज्यान्त्रस्ति । व्यान्त्रस्ति । व्यान्त्रस्त्रस्ति । व्यान्त्रस्ति । व्यान्ति । वयान्ति । वयान

पर्सेर्-इ-तह्र्यकान्यस्यान्त्रा । कृतितान्त्रस्य प्रत्यान्त्रस्य प्रत्यम्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यम्यस्य प्रत्यस्य प्रत्यस मेश्न मुं स्थानी व्यक्ष क्षेत्र विमान व्यक्ष क्षेत्र विमान व्यक्ष क्षेत्र मुं स्थान व्यक्ष क्षेत्र विमान विद्य क्षेत्र विद्य विद्

चीट.कुर्य.चीरंस.कैटस.जू.चेस.ग्रूट्.जश.ष्ट्रस.क्रेंची.वे.कुरं.लूट्.च.

देर खरा दे . य . व . चें व म हु . वि र । से . दमा द से . द र . द र . द र . বল্লুম ঐ্ব বাবি বেশ শ্বিব ঠব স্ভলন্দ্ৰীন্ত গ**্ৰ**ি ঐব বিজ্ঞান বিজ্ঞান্ত কৰা কৰি কৰ क्ट्रे.बुर.चर.चलम.बु.लूट.योट। देव.क्षेत्र.बेच.रट.चक्कारा.हेच. लट.चस्त्रेर.७च्.क्ष्येश.चेट.। ट्रे.चर.क्ष्र्ये.मीट.क्ष्यका.खे.चठ्र.षथः र्थात्रमुचिषायते,पर्दात्रमुद्रमुद्रमुखायामुच्यत्रस्त्राम्यद्रमा (केटा) सेटार्स्सामी रहा हीटा मा हीना होते हिनासा दे प्याप्त प्याप्त ना नि शहर नर न्या न दुन दि सद्दार में र । नर सुनाय साहित मा प्रविद्युत्रक्ष्यावयम् हर येना दु मुन्दि मुन्दि में र् अद्यास्त्र के प्रसादमा विदेश में में भी देश में के स्वर वना महिन् माम्बाहे सदा नु गुरा स्वर रदा है द बे द मा निया है द गुर पर्दे र या ୬<mark>ଟ.ସ.୯୮। ୪</mark>୪.ସିଧାକାଲବ.ଖ.ସିସ.ଘି୮। ୨.**୯୯୪.ଅ.୪୯**.୭୯.**ଅ**୯.୬ बद्दायम् अ.स.च्या प्रमानम् अ.स.च्या स्थानम् अ.स.च्या स्थानम् अ.स.च्या स्थानम् अ.स.च्या स्थानम् अ.स.च्या स्थानम् मुराजुः वर्षे वरा सुरावारे रावारा कार विवादा व्यारा हो । भट मेश रेम स्र भेरेट तर्टर टक कूथ हीट मोडेक के गंक देश वर्ता गं ववसावर्णेर् निहिर नमार्ट नेर सुरा दे दिर असान मुक्र मि वि दे श्चीर देव वर्णे र प्रिष्ठिर की बुबा मुनाबर हुए दु महिंद वर्ष रें भें ना बहा वुरामुः र्वेर पर्टा नुस्र सर्द्ध द्यायम् स्री स्मार मीस द्या निय सेर पर वर्मानामुद्रिः इष्ट्रमः निकाना द्राप्ताम् भाष्ट्रम् भाषान्त्रम् । निद्रापा श्रेर्वाच्च मुत्रे मु श्रेषे प्रथम द्र्यं मु मून्या स्वरानु प्रमा स्वरा प्रदा केराव्ये विवाही के मदावसायर वा केर के विवाहित नुमार मही स्रेर्ज्या न्याकेषे क्रिया प्रेर्णि प्रेर्णि प्रेर्णि प्रवेर्णिक के नम् न विषया से न विषया हो न विषया हो न विषय है न विषय हो न विषय हो

प्रमा श्रीर दें र प्रमा क्षेत्र में के स्मा मिर्ट से मिर से सिर प्रमा के मार के से मिर से मि

न्द्रम्मित्रं बुद्रम्मित्रं द्वेत् त्वाद्रं द्वेन प्वेत्रं द्वेन प्वेत् प्वेन प्वेत् स्वेत् प्वेत् प्वेत्

त्रेष्ठ प्रकृत्या **मु**ःसरःस्वस्यः

सिर. श्रीमर कु. जार परे के स्था कि मार कि म

मुश् हु - नेश कुर श्वर कुर ने ने अमीर प्रमूट नियमित हुर हुर ।। मुश् हु - नेश कुर श्वर कुर ने मिल मी कुर हुर नियमित हुर नियमित स्था हुर नियमित हुर नियमित स्था हुर नियमित स्था

के.से.लुशा क्रि.स.२८.से.१.४०००। - सूर् मु.स.५.मे.मे.से.लुश्या मा.से.लुश्या स्तान्त्र स्तान्त्र स्त्र स्त्र मुद्दा स्तान्त्र स्त्र स्तान्त्र स्त्र स्तान्त्र स्त्र स्तान्त्र स्त्र स्तान्त्र स्त्र स

स्वीयामादशार्द्वयादेगारमार्थे विश्वति नावशायाद्वि से नेश। स्वातः स्वीयामादशार्द्वयादेगारमार्थे विश्वत्यादेश निश्वत्याद्व स्वातः स्वीयामादशार्थे विश्वत्याद्व स्वातः स्वीया स्वातः स्वतः स्वातः स्वातः

म्या क्रियं क्र

हर्-रह्म म्याद्वा हे. में स्वाहिता से स्वाहिता से स्वाहिता स्वाहि

दे खर द भारत वर्षे वर्षे अर्थ या निष्य वर्षे निष्य स्थान

वर् र मु र मर विनासर वर्षेर स्वया वरा पर हैर । हर्या देर वेद्-दि:कु-दन्-निकुट-नै-भु-द्ध-निद-प-नेद-सम्द-दसन्-द्धि-वद-श्रीटायाटशादे सेंद्र वर्डे वर्षेर विश्वायालेश मिट्नीश मेंबी सर पहेंदी मोश्रमा तकर द्रियहर् ह्रियाहरा द्रश्रमात्रमात्रमानार्ट्रन्मानु श्चेष्ट्रयाचेरायम्। र्देश-५ प्यवंशयाप्यात्रमा देशे देशे प्रसाधेशसा दिसाववश खेर ग्री देश तचीर नाशक म् . ५र्रेश मी . ५रेच । मिर दंश मी. मार-द्रायदे वहनास ग्री वनाव विष्ट हे प्यत्र का वक्ष्य वस स्वयस ... मिमानाबर्द्धा अस्तित्रा निक्रान्ता निक्रान्ता मानेसावसार्द्धारामा मुना क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये व मेन्यायम्य में ११ में १६ संबर्धिय में मेर्स्य में भूत **5स.त.र.त.क**रेश.रे.टपु.र्न.पु.क्टर.रे.कुरे.सूर्तं दे.रेस.िट्रचुस. den. what ig a lot ig land a land a land land ig a lang a. क्ट..टे.**. ह**ेना स्मान्त्रीं संस्कृति स्पर स्पे हिंद सी सिद्ध है । से दे हिंद से स्पर्ध दे **ब**र्बेट्रा कु .चनश देश श्रु किन किन निर्देश दे निराद में निराद के निराद क 95मा

 म् त्रित्ता म त्

स्ट्रियं क्रिंट्यं स्वर् ती स्वर् ता समीर क्र्या ज्ञर तरीया। क्रा स्वर् क्रिंट्यं क्

पश्चर में ब्रोट खूल, ब्रह्मा, ब्रेट, टे. तथ्य, तथ्य, ब्रिय, क्रिय, व्याप्त, व्याप्त

देशस्य स्थान्य क्रिं प्रत्य प्

त्रक्तं दे वे मे अस से क्रिन ता क्रिस से द राय हिनास हे व र्वस द व व व विदे लम.वज्ञ.वुर.वर्.क.चना.चना.ल्य.च.रा ट.कूर्ट.व्येल.श्रट.वे. भेदै दसना सर में संपद्ध विव विव पार्य में मुदे देव न देव ग्रेट.इस.गोर्डा.झ.स.र्स.चे..बर.चर.चरेर.चेड्रेस.चेश्रेस.स्स.रच्यूर... यभै भन्नुव्यायस ने न्या के ना सुस म्बेर यमें राष्ट्रयाय द्वारा स्था वस्। मी. भूतर मिर्श तपूर वट, हेरे चिश्व सूच वरेर । जमातर मबिश्रामा हुत्, छे, वर्षे था के बा मी जिस स्विद एत् वृ हुन्। स्ट्रास विद्र ... नर्षे मुद्र मा अस लिया मा से सरामा स्थाप हरा। मिलस हे दस गाद नीजें निव्युद्धि है व व हे अपट द है अ अस न है कि ब स्वरक्ष सहिती क्र्यातिष्ट्राद्रियात्मी के शावशायस्य प्रसामिता क्रिया में बिटासर स्वेदसा नक्षरं महत्र केर्नु निर्मे निर्मे त्यम त्युयरे के भेर् ने दि निर्मा थका जा.कि. पश्चित्र था.ची. हु.ची. पश्चित्र सेपशाह. सू.के. इष्-मारश्रद्धारम्भात्रम् द्रश्रस्य स्त्राच्यात्रम् नियास्य वात्राचात्रम् वित्रस्य प्रदेश मुक्त कर प्यूर करा वन र नार अद्भव में सहस्र प्यूर अपन्य हें अं क्षु देवे स पानस ऑट द्वेंसा दे द्वा हो दावि नादस दे नेवारणर मुःखट वे पहेनायाय वर्षा महिले हे से वे दानी पत्ना र्ट्ट.श.चेत्र.मळमश.वेर.चर्चेट्र.ग्रीश.बंच.भ.रटा। चीच.ठ.स्चेनश.ह. मेट बन्ध रूप में सार नहें हैं विवेदें रूट ने होनसा स्था देर रूट प्रमुद्रास्त्रास्त्रमा वदानी से हिंगा सार प्रसास्त्राय सिट सुद्र पेंद्र माइससा प्रमुवायार्के दे मिलाक्षेत्र पुरा प्रस्ता है व पहलाक्षेत नेटा मालक ना मान के ने देवन मु नि मान के नि मान मी में नी मु सक्त क्र हुरे के ब्रह्मा व मा अप्तर ने हिन् में वर में वर हैं

मेन्द्रभान्तवि प्वृत्ति व्यक्ति विष्ठित् विष्ति विष्ठिति विष्यक्ति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्ठिति विष्ठिति विष्यक्ति विष्यक्ति

३. सूर. मृत्यीयालस. सूर्य स्वस. मृत्या स. मृत्या स्वस. मृत्या स्वस. मृत्या स. मृत्या मृत्या स. मृ

व्यानुदायसम्बर्धायम् । विद्वति । वि

चर्ना महिर्म पर्मेर में में महिर्म पर्मेर मिर्म महिर्म पर्मेर परमेर पर्मेर परमेर पर्मेर परमेर परमेर

 दे वसामु मेर्दे वर्णेद वुसे वेद मान्द सेद वेद । मिं दें वेस पदे मोर्माभेवशामानीर्रे चैटामाश्चरावन देनात कूरादे दराहर शायक्वमा विटी ट.कूश.ज.इर.लंड्चोश.श्रेपश.ह्यो.शर.बोश्म.बोश्नस.बोशज. इदसं वेनास से प्रुमाणुटा रेम प्रविश्व प्रविश्व कर हैं रणुव हैं विश्वयसाने स्था देश वरा पर्से दे हुए। सद्य सर्वा ता क्षेत्र सर्वे स्वर स्वर में क्रि. स्वा, पवाय वक्ष अर वर्ष था चेर अर ब्रिटा चेर रेट कुर तुस मैक्'न्'नक्षेयामके'रेमा'नु'र्सेट अटा। रे'र्डर'न्ट्रिंगत्नेयासहेत्'सेसस प्रमृत्य हिटा मुं सुरक्ष भु पर्य देश प्रमृत मुक्त मिर प्राय देश टा रहेर. र्मान राज में भूर न सेय हिरा रमान रूर में भूर म के केर मुख्य म वित्। साभक्षस्य सी. नेत्र महत् प्राची विश्व हित्स मैज संस भक्त्र्ना दक्ष भक्ष्यक दूरी है तो व नाव र । सु अधि द में नार ना बिट वहा क्रेन्पद्धनास्यवास्य ब्रिट्स मिया श्रेन् ने यासा होन् दस मुग्नान मी श्रेन् वहेंद्र यनो समाविद्र दर। श्रेद क्विं। मुम्मर माबुर यहसानी समीद क्व.मे.ह्म.वस्मस्यस्य तट्टे.चोबट.बुटा संबरण.चूरे.जियोस.मे.पि. न्त्रम्थः न्तः मु न्तरः मु त्यायः स्वायः विद्यायः ने ना नी खेटः नः नम्रा दे वसासर रस्मान्द्र प्रमुद्द ग्रीस सम्मिद्द हिना पुःसुद दसमा मीस है । नब्रें नुसरे देन के स्कार देन विना नु प्रमा विद्या क्षेत्र स्के मर्के वर्नेर र्व मार्डेना सेर स्रेर उसा

क्रे के ब तर्म हिंदम के वा मानि हों ने वा वर्ष हिंदम दा

मी नार विर मिनाश से तमा भाषा रेम विनाश स्वास सामा से से वस म्राजिर मी रनार नश्च ने राजार है सद रे स्ट्रा है हैं । यश्रम'यर देर्'रदारदाखुत्यानु व्यर्'यान् मु तु त्यश कु मुत्य नु व्यर् पर्वे इंट.च.चइंट.च.कं.चैर.चैर। शतामु.चवं.व्श्व.वंश.ट.कूश.चहुर्दः मलना है निहे र निहर निर्देश देश है नह मुन्मर नु स्पेर् नि के केर्द चित्रह्माराक्ष् द्रायम्बार्यस्य श्रिक्षायः। सुराष्ट्रीराम्बादा वसारवसार्केटलाकीमान् दा प्राप्त विकास के प्राप्त के प्रवास निया है। यश सरवहरावित्र दशक्रिके हे विरानी करका वित्र वरा हर पुर क्षायाम्बर्गित दे म्रिनाम्बर्गा हुया प्रायम् महत्व विमानुदायाची देवे हर चारुवातात्रद्भार्वेद्धात्रा इराम्हेबातावेदागु प्राक्तवर्धास पर्वार्डेटा एकॅ.मॅर हिर ही प्रामा नहें गृतु से केंग्स है। संस् चित्रातिहर तर प्रतितिषा विवासर विवा स्थारवी स्टायर व्यास्त मरासं क्षेत्रीश्राद्यमसास्त्र वसायब्दाराये ब्रास्ट्रे हारावे प्रदा क्रिके महिना सं द्विनायान् ग्रीयावसाञ्ची स्टान् वियाहीसाहुम है। देखानमा व्या गुप्तर क स्वया है। तुप्तेरी प्रशास है। वह नायह नाय से पा प्रश्न हैं सा मिमाहर ने प्रमुद्ध स्थाप हुए मि सुन् में स्थान मिनिर क्या हुई है भ्रत्भर वश्चर नुरत्र निष्यायम। मिर्म भर वश्चर प्रवस्त विभाने हस्रायाञ्चन। यो श्रेसानुरा। दे यानुरानार की त्र्नाया वे प्रवास गुराईर हैट.वैट.सूट्। चोरंस.क्षेत्र.ल.भक्षर.वर.ट्र.मी.चेर.चस.मेट.भर्च्ट.न में बॅर्निव वें कुर्या

मद्भारम्बे तमा प्रमुख दे। दमेग्रा रसय में महमम्बु हिना दर

सुरे हु दे जु जू जून असे नम भेनम र ने व ह किर जून अंतरा र द रवट. वर् की की मोर बोशर वर हीर राष्ट्र की जार वृष्टि है की की जी है की की के प्येद : नु : वेद : प्य : दे : दम : सर्वेद : मुदा माइस मुदे : वद : नु : श्रेद : दि र सु मिल्रिनिग्रिर्रारामिरार्वित्सर्वेग्रह्मार्दा। ब्रेन्स्रिरिस्वित्सानेडः इस्र.मार्द्धस्त्रन्त्र,चश्चरःहर्त्रन्त्रचर्यात्रन्त् । १८५८ स्वरुमः नुःनावसः मूत्रेष्टाण्ट्रायदेनु सेर्मानुटा द्वायस क्षेत्रदेश स्थान्ते । 5-1 क्षेत्रमातुराजन र्हर रिष्ठ्र केर कु भेर खगरासु द्रा कुना मीतिरुमा मिंदावसाङ्कोतिहराकुँसासुलाहरास्य सार्वे देर्वा देनासा डू हा हैंद्र इस इस के के कर कर के हैं दि है व एक अ स्वयं अप के ह्मेवस १८५म मिं वे वे यससम्बर्ग र का है वे सु तव व्यक्त दस से न ल्रेन ने निर्मे स्रियंश क्षेत्र वीश्वर वीश्वर है। दे विभ ल्रेन के ल्ये रे रिमार्ट कर यहे हिरादेश में रहेश हैर स्टब्स है मार्ट मार्ट नाय के र व हिगरे (क्षेत्र वर् : हा कु क्रेरे मिने एक्न यक्षा विक के येर लग ने में ब्रें ने त्यार के नम व्या के त्या पर है । यह त्या पर है । यह ता पर है ना मी सहस २.चलचा,४२ेच ।श्रेचका,र्यः म्चे.चोरा म्चे.उच्चेत्राप्तका विष्या म्चे.कृ.कृ.लेचा. 24.2c.11

चय-वश्चाश्चर-मे-अन्म । त्रमाश्चर-क्षम्य श्चित्र-स्वय-अन्तिर-क्ष्य त्रियान्त्रीय प्रत्य-तिस्य त्रम्य श्चित्र-स्वय-तिस्य त्रम्य त्रम्य स्वयः स्वयः प्रस्य त्रम्य स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः क्षत्र क

स्राया वित्ता वित्ता वित्ता क्षेत्र क्षेत्र वित्ता क्षेत्र क्षेत्र वित्ता क्षेत्र क्ष

ते.ची.पानंदेर रेश शरश में श. में जा जा कर हो का में रेश रेश शर श में रेश में पानंदेर रेश शरश में रेश में रेश

स्वात्त्रकृत्वा। स्वायः स्वायः निवाद्वाः स्वायः स्वयः स्

मिन्द्रिं नुद्रान के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म

द्धेन कर ने स्पर्धित च लिए हुर ग्री स्टेन हुन प्राप्त हुर ग्री स्टेन स्

तर के त्रार क्षेत्र क

चस.च्ट्र.टे.चोर्स.क्ष्य.वेच्ट्र.चेर्य.टट.हुट्टेट.ज.चें.सम.चेटेट.सुसस.कु... चोश्चट.जर्र.टे। चेर्यचस.च्ट्र.चोर्य.टचस.कुस.हुच.चो.चो.पर्येज.च.कु. चिट.रेस.टे.क्ष्यत.वज्जूट्.सेर्य.टट.हुट.चोश.चोशर्य.कुट.वर्य.सवर. स्री त्रित्त्रसाम् स्राम् निकार निय

मीशःशःमोट्ट्रावयश्चात्रकाम्बरमात्रेश्वदेशःभीताः। याद्भभक्षःभावेर् द्वार्वेद्दात्राच्चेत्राच्येद्धार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वरं

भुष: प्रशाहेश: गाँउ : ध्यदः त्यदः व्या की विना निवा : विना । माने वि च वित्वत्त्रक्षेत्रं वित्ता मुक्ता र्वे मुक्ताम् केरान्नि से दे मस्रित र्श्वे विगःनुः अर्मोद्वः त्येन् स्मिन् । सिंदः माक्रेशः नदः। यादुः ध्यदः व्यवः अहसः र्भोटार्स्य वृटार्ने अस्य वृट्टर्गरालेटा मस्यामार्ने पाडूटा म्रुन । नहे रचे निर्भार के दे ना नुस्नो समा हो र मा केर स्टब्स वेर् वराम्री । हैं गु है । चुराया महें श में रायर मार । मार र रेरे माराया स्पर हुअ.श्रि.श्रेचश.र्र र श्रेट.श्रूप.हु.वैट.स्थाप.चहुर्याथला र्सरवस्त्रराये हेरे व स्वामुक्तालामाया हेरे वित्र रहे प्रमुख ल्याहेगानु यहे प्रहें भागुरु दायहा। नाक वेन प्रायम के के के इन सर्गित् नहि चूर ह्या रहर होर सिनाया चिर क्रियाचेर बर हार र्ग्यावर्के हैं। वर्षे व हर र्गाय वेर हुँ गुरावर्त हु मैं भवेश सम षर कुल ने र्रेट बुव सम्बन्धि वर्ग के र्द्ध र यहना **ब्र**ेट सागुरा की रा न् रामे श्रीत्रवर हेर के रामके केर र याने खाल क्षाने स्वादा प्रा केषाञ्च नियास्य स्वास्त्र केर खेल र होते हैं की कुर हैं र कुर खेल हो वेद दर । अने वर अ सर् दिन्ति नायासे दान देन नाया देन के विकास नासिन नी सार्के ग्रीन्ययावर्षेरायान्यित् स्त्रीत्रान्ता न्द्रियारीवात्याः स्त्रात्यसार्वेन् म्नानोस स्नास में वट सन्ते ने देश से साम मान से वन मीय से रूर **न**वट वश्चर छेन वाने र से वर्ते वा छेन सम्बर्ध के वर्ते से नवट वृद्ध के व्राय रेम'प'इमस'मेर्'पर'वेर्'मे'सद'र्गु स'स'इसस'भेर्'दुल कु'मेर्ने

द्मन्द्रिट वर्ष्य सेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर स्मिर स् मक्रम में ना दश में श मधुद ना शर पा ले ना था में ए देना श द में दि द में श क्या बेर सामन भट से सार के भी त्या व्या मार से सदी यह मी ही बी केंस में मार मी प्रथम देया द्वार में देन में मेर पर सेन मा में दाहर बाशकार्त् विशापर्मा अविदास्त्रा है हिर होर श्रेष्य गार्थ । स्वा र्यापः स्थान विष्या । द्रिमाप्त्राचा विष्या विषया विषया विषया विषया । बिटालायहूर्नामाला द्रांत्रपु.सि.महारेवटाकार्ह्यामुबर्दा वूर्वटा खुट द्रोंवा मंत्रे केंद्र चेंद्र केंद्रे विदे द्रेंद्र पार केंद्र पादे के रेवा का का व्यट व यह केद म् मन् कु दना नालुर नी श ने द क्विर ने द द दे हैं व्यथः र्रेश-वरः में मुक्तः मेरि नर्रे प्रता वर्षः में प्रताय मेरिकः मेरिकः ब्रैन्यनोक्षयर्द्र्द्ररे हे सन्दा महिना निस्तर सामावस क्रियस हेर वश्यान्यस्य द्वायाः स्त्रीयाः स्त्रीयः स्त्रीयः द्वार्यातः स्याद्वाद्यातः स्वराष्ट्रीयः स्त्राः स्वराष्ट्रीयः स् ल्रे.से. १८। अ. १४ ४ त.मी. पत्रत पत्रते रूपा था त्रामा पत्र्या ने पत् ५८। वॅद् मेश वॅद् कु । अश द्रं र र द वर्गे व्रं वस्य कु मेरे द्रु र दम इस.च्ढ्रेर.देव.चेब.चेब.चेब.चेब. चावका क्षेत्र.क्ष्मका कर्ते. हु.चेट.ज. श्रेयास्य मेरा हुना सि त्युट मिल देखराया हुना लेया है न कु प्येत ले या हा र्रिट्रिं विर्वेश नहर्में नामा दशक्र में ने निर्मा के निर्मा इसम्बर्धनायेदार्पनेयामुःभेदा हिर्द्धमुःगरःर्पन्नमहा वर्रें . लूरे कु च बे ना स द . व मी ना स . कू श व्यय व व द है . व श व्य मा ने हे ... र्योश नोया है ट. क्र्सालचा जुर ह त्र देश से सर में रची ना निटाला अवर विंदः वीशः वहेंद्रं द्वारशः णदः होदः हेंदरः देः वतुत्रः लु कु वाहेवाः स्पेद्।

सद्यान्त्री क्रां खुर् त्याने द्वा स्ट्रां न्या क्रिया स्ट्रां क्रिय स्ट्रां क्रिया स्ट्रां क्रिया स्ट्रां क्रिया स्ट्रां क्रिया स्ट्रां क्रिया स्ट्रां क्रिया स्ट्रां क्रिय स्ट्रां क्रिया स्ट्रां क्रिय स्ट्रां क्रिय स्ट्रां क्रिय स्ट्रां क्रिय स्ट्रां क्रिय स्

्रांदि,क्षरं जर्भवेचारबंट,हुश्राटश्रःमी.चार.वट,चिल.वट.पाल.टे.लूट. त्रिक्तिस्या मान्या मान र्देर'वर्भे रिनुष्टिरो मुर'वर रेट'खन्यर्न्टा रट'न्वट'न्य्रहरू न्हें दे र्राटा सुन्यादेंन प्रकार्दें प्रेंद्र मुद्रा मे प्रतास मिर्पार हेन " वॅरेप्नार्चेनामर'मर्वेदापुटा। देनाकेशागुःष्ट्रायरादेशस्यानाचहदा वसुभानुद्रायद्या राम्स्याद्वान्त्रामुक्षानुद्रायादे रेदा मि विदे तम्बेशसातम्बयात्रकराम्बिन्वर्द्धः च्रामुन्यराद्धार्म्यम् सार्वेना स्पर्पाद्यम् क्रू अस्त्र में निविध्या के निविध्या त्राम्य स्त्र में निविध्य में ला सरेडी लाहरेरी सर्घन्न हें है नदेश स्रोध हैरे में निय म्बे त्रिके के त्रम प्रतिमान्या महिंग इसरा निय सहता र्मेम नेते वर्षेत्वम्यम् मे नद्दे वर्षेत्र न्यात्र नु निष्ठात्र नु मुन्य महेत् मे प्राप्त निष्ठात्र नि तक्ष्यकारा रे वेका है रे का पश्चित विका वाक्ष र र यका मु । पार मी च ग्रें-१मा इता इस स्पर् प्रेंन पर्ये गाम तर्ये वा हिटा सामे वा के का की किटा केंद्र दे.रचाल.क.र्नेश.जश.रचाश.पर्र.भुत.वट.र्विता.पेक्ट्र.पर्विचा.चीश.३अश. क्या.चार.पश्चका.वैर.परेचा.ग्रेर.। में.वार.रट.रेवट.ब्रुच.हंबा.दे. मिमस्यदः देश्यम् राहरः मरः रटार्यटः माऽयत्येवसः पुसः पः देशः मार-मी-मानस्य द्वांस्त्रि मन्देते सुंग्रस्य सुन्मुर-पानुदार द्वा

सिर्फ्य दिया है है माद्व के केर वेंद्र की नावस वहेंद्र न हेंद्र

स्राम्त्रीर्पिक्ष्यायः त्रित्ते त्रित्ते त्रित्ते त्रित्ते त्रित्ते त्रित्ते त्रित्ते त्रित्ते त्रित्ते त्रित् श्रीत्ते त्रित्ते त्रिते त

मान्याक्ष्यक्षित्र। हिराचरार्ते हेमार्यात् क्षेत्रयारे या ही क्षेत्रकेषा क्रिया बट्यं द्रिया स्थार् हे मार्व के क्रिंग्ट्रा में स्थारी माना मी कः वृद्या के सः भीव पुः संकेर प्रहें दारा भीता माव सामके मा प्रहें महाया पर्हें स्य क्र हिते न्या द्या भेता दे । भारा वा वार वे दे विनाया वर्श्वेर न्या अश्चरत्रात्मीं गीर विर क्य कुर तु जीय अर प्रचूर सपु शिर पश्चर इस्। वर्रेर्स्यक्रिस्त्र्रस्य अस्ति। वर्ष्ट्रस्य अस्ति। नशित्राम् कूर्माराम् हेराम् मुस्ति सर रूपामिरानस्य प्राप्त र र र हेर् मर्द्रियर ह्यायातर शरम में यही वियाय है के वित्वावर निया र्मुर यदे अष्टिश्यदे स्वर्थ के अमार्भ उदे हैं र्ट दर्भ अस्ति हेन सम्बक्षमःमुः द्वारा मुः द्वारा गुवाव वारा मारा स्वार दिवा ने तम् गुवार हा मीका क्रेन्प्रिमिं विषद्भार्य स्वर्तिन त्यारे संभी सामित्रियर स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर् मर्टेन देते ब्राट पक्ष नाट में मर्ग दुर दुर र क्रें नासुम मुख्य मुख्य पर्य पर्य पर् मार्का प्रति भ्रवक्ष देर क्रिंचिते स्पेर् ५४ ५८ । मार्खर मी प्राप्त देव स्नायर द्वर यदे रद मुक्ष मुक्ष स्व मुक्ष मुक्ष वेद ना वेद रदा रूष त.शरश.मेश.मे.द्वेश.प्रचश.मेश.क्ष्रश्रशतपु.र्वट.च.टैट्।

श्र-र्वाद्य-प्रतिन्त्रम् स्वर्थ-वित्तः स्वर्थ-वित्तः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः

वृद्द्र वृद्द्र म्यू स्ट्रिय क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्ष्

देन की त्या महिता महिता

पर्नेद्रम्दः वसुद्रावसः साम्बिसः से होदायः सद्रः हे नुदः नीसः यान्यः ः मेशकात्र्र वैदार्शका बुर हिटा जिर्दा में वर्ष्ट्र सुन् अवा नहिन अव च्रिक्षामु अर प्राव रवश्व में लु वये नाय र दुव ए पुट के र मी सेर वर्ते ज्ञूल. रे. परेची प्रिट. येश. वहूरे. चोश्राना प्रा. हैंची चिल. वंश. हूर. मार्राषु अभागेर् केरायाम्यारेर वेर् केश हेना ह्वेर ग्रैंर ग्रैंर वरेर स यश्चर्यं त्राचीशार्थं ताच्चर हिया दशारी श्चेर यश्चर महियां शायुशाय्युश दमत्तराम नहूरी या सैना ने में नार निट नकें र नूर् में का सक्ष्म सामेश मियादेर वर्ष से माट प्रकास सर् पर्टा प्रमाय प्रमाय सेवी सेवी द्वर यश्चर वृत्तात्रका वृत्र वृत्र प्रोट पर देत्। स्वर विट त्र स्वर पर होते. हुर् के वेर वहूर चाराजा में चार में रेवूर रूपाश नेपाव नेश थे छट. भना चे भूरे गारा ननाय नमा भन्न कर भर्ते कर भूरे के नमा नुबर् निर्दे निर्दे च वेदर्वाश स्वास वहूर दे खेट ख्रा क्वा नहूर देगाव व वट बेट् देखर खेर विनामित्य भेता देवे के के मह दें के दन के दिन **इर वेवस क्षेत्र होर्द मार्वद पात्रमा द्वर्द के खट हेर पा स्दर सर अट हो** देन वर्ष वा प्रयुवा पु खेर व्येन प्रवीहा श्वाह गान । वाह वा हा हो हो व दे.लट.चभ्रेर.चेश.चेट.बुटा ८.टेट.चूट.चुरा शुर्हे.चाटस.काचारस. ब्रस्ट्रीन्दा सेद्वे हुटानु नवस व ब्रिकेट वेद ब्रिन्डेन डेस विदेश भूत्री मार्था द्वा त्वा प्रमान प्रम प्रमान प ब्रोट हेर् जेर पर्रेट स नुटा दे स्नवस टर दे उने ह्वेंच हें बदा गड़ स्तरं तरं वं वं हुस दें। हुस भी ने वृष्ट चि ने ता निया ले वे ने सं व्यायसम्मान्द्रित्राञ्च साञ्चे द्वारी वित्ते त्रिवः वैदः भ्रवसः दे देदः विकायेदः नादः यः द्वाराः स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रा स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रा स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा

ल्ट्र अन्य महेंद्र य क्या

लु हु ते ते त्या सर मिश्चर दे दे दे र नहें ते तर हु ले हो लू र कर है जि र कर

ম নাষ্ট্রম নাষ্ট্রম নার্কি ক্রিম নার্ক্ত তের তের নের মের ম করম স্ক্রন ৪ নার্ক্ত **क्षेर-म्यक्र-**र्रथ-स्थर-इट-द्व-**ब्**न-दिश-द-स्थर। म्यू-वर्षर-ई-दु-हर-प <u>र्दा कक्ष्यान हो गृत्या विस्तिष्य मास्यास्य विद्वित्यास्य स्</u> द्रटार्च वे र्ह्यू व व कु व ना नी क प्रथम मेना की व प्रथम नी लिटा भेदायदे सामाद सामाद सामाद भेदा यह यह दाने दे में के के नामाद **ब:५५:३५। देर:वहेद:वॅद:५६:वह:वह:वह:व्यद:व्यद:वह:वह:वह:वह:वह:वह**वा तार्द्र तहर्ते ने के लूर हेशन्ता र रेट हिट मेश मेशिट श मेशली मु द्ना मीश वर्ष भ्रेन प्रमर व दे दे दे द शुन्भ द्र सुवा ने द में व दे प्रमे यसमार्द्धभार्मेर् मामकार्द्धः वे ह्या पर्मेर् पामा मेरा हिसास्य होतसा मिंदार्केर दे पद्वे पद्दे पायर व्याप्त या सारेदा विवाग दे साम देवा वश्चर वर्ष वेद पदि प्रेर्प पर देन हे यदा वि वे श्वाप्य प्रदा श्रेर दे देश मंश्रिद्ध माश्रामा श्रेयश देर दू व्यक्त हा सामा प्रदेश व्यक्त मह्त्र मुन्त्र गुः क्षात्मुर दृष्टा वर्ष गुः वर र र द्वर भावहे वहन नेरामुरी मुक्षा भेरा नुका मार्री क्षेत्र मिंदा भावता भवा भवा भेरा ने र्केर से द के समान्दर द में सं में दा ने र द दे दे से सामान है द श्चिर्म्युवायाद्या वश्चिरावर्ष्यानाराय्वययानुदाक्षेत्रावर्षा न्नार न्निंश दुवार्श्वर में रहाया नामिया निंदा मी सामाने र निंदा रहा मु. मु.मश्रायमा मुमायाया कुश. सुमाया यथालमा मीया मुराल्या गारा मुक्रियान्ता नियमतित्रमुक्तिकास्य स्वास्य स्वास्य वर्डे य देन नियायर नुष्यते हा स्रास्त्र सञ्जू मान्द सेंट विया मसुरस पर्मा

बेन्ड सहसारविर सवर सदे स्वयं हरा वर् र पुर सेना हेर मुद्देशमश्चितानाहर् परम् मुस्महंद नहिं वे निक्रमाण्य पानी हिंद र्ट्सिशःस्वर त्यः श्रेवः स्वेवः नावटः य न्दा गानुः हावः त्यवः मीकाः हानः । द्वै नाहे द च हिट त्यामस त्येद प्रसार्थे द पायक्स मुक्त स्थेद हो सादे दर वस्य ५५ मी १५५ मा

मुं विवश हे दित हमावतार देश खर पा सेमश वन्ताय के दे विवश वुरा मनु न मन्द्र हैते हैं रहे दर् वि वि वि वि रहा मात्र दे दना विर मी ख्ना खेट विवश व्यन् गुटा विंदा वा केंश दर गु दमाय केर मामदेवा न्रियान मित्र हित्र हेर् रेश्वर र्रेश मित्र क्षेत्र के लिए। यमाये व हिन स्री रें अपिशायने स्थानीर क्रिने रे अस्ट न माला सिट र है। पुक्रायावहें लेब केंब चेंद्रा के सामा भेद केश केंब चें वे इस व वस्रामी पर्मा विरार्के भरम् मुसर्ट में दिन से या दुन में केर है नि पर्गेर् त्यमायहित कुर प्रमुक्त पासेर पालिया हेता सहाय प्रस्ति है अवस्तरम् सुनात्यायम् वर्षे वर्षे प्रदेशस्य मेर मोट स्याप्तर पर्याप्त तर्न गिति स्वरं त्यरं वयः श्रेंचः हें निवटः स्वयः के च वे छशः मिनेदः मिष्यदेशमा स्वादेशमा हें महिंदि ने प्राप्त हैं में विनायकै प्रविद् यसुभा छे द धिर के रेद द प्रविद्धाय कु नार धेर से विकास वैचाशकार्याप्रमूरावर्चे ।प्रिंदावसा मी.चारावरारान्त्रात्रात्माका वर परेश्या सुनानी से हैं भै प्रशंस हैया पहेंद्र सुर सुर गुर प्रमेना में वृत्र हेस द्रा नाय श्रे हिंदा गासुना दु विवद्य पर्दे पर्द व में नार म्बिट्र वश्रासु सुट्र म्यू क्रीमा प्रकृति । त्रष्ठु का संदर्भ हिन् के के स्वार्थ दिन २५न । गातु : अर मी अर सूर्य : क्रूर न अर अर गार गासू न ५ . जे कुर वना नहिंद नुस य केवा दे दना श्रेद देंद मिंद स के कि चॅ वै खुभ कु के कर के वे सर वर्षे र्ने सपर के संक्रिय के कि वनाव विना खर पा प्येर पर । देवे जिना गाव । प्रव स्था स्थ्य हेव । निरम्भः वृषः यर विदेश स्वादेर दिवर्भित् ग्रीसः साह्तवादेवे वर्षेत् मे कें विचारव्यन्तिकायाकाञ्चन क्षार्कान्यन्ति विवादित्वे विवादित्ये विवादित्वे विवादित्वे विवादित्वे विवादित्वे विवादित्वे विवादित्वे विवादित्वे विवादित्वे विवादित्वे विवादित्ये विवादित्ये विवाद पश्चर अ.म. १९ त्या में वारे में वीरी विष्ट कु त्रायश्चरात्र हि. ह्य. मुनार नु नहर द तो नास पर निर्देश प्रकर विना देव सुर सुर होर **ब्रॅ**र.ब्रोट.ब्रुज.श्रट.ब्रुज.<mark>ब</mark>ेट.। चाट.केट.च्र्र.बट.च्री.चारकाञ्चेलाक्षेत्र. के.ब्रीटा वि.हे.ब.टे.बिर.ल्ट्रे.स.ट्रे.केर.लटा वि.वेबा.चबिट.चुका तिशालुरे विशास देशशालना जुरे ने प्रेजानि में से वशा ने देश है। महिना ह्यूर कुरा वि नवे व्यक्त वंश क्री मि र द्वार हुन पवे व्यव नेस-५-१८ त्यन् महिना ने ५ क्षुर सेसस शना महिट पर पर ने साथ भी।

कृता निहत्स है न ते ने नान त्या ने देश में ने देश के ने लेंगा है साम है न ते के स्थान है साम है स्थान है स्थान है स्थान है साम है साम

इ. दुर नाटश नवश के नश के क्षेत्र ज्ञान के न्यू ने की नहीं रे ज्ञान के न्यू ने की नहीं रे ज्ञान के न्यू ने की नहीं रे ज्ञान कि ना के ने की निवास के निवास के



ज्ञास्त्रका श्रीति । विकास

मः प्रकाशिक्षात्रमान्त्रमान्त्रभः निम्नान्त्रमान्त्रभः निम्नाः निम्ना

दे ः कु ऋदे दमन दर्वे (बिन) दें ४ वश्व सदे छेदक्षु गर्**धद** नुधः पर्न मिर्देशरमगार्श्वे निर्देशमेर मिर भेर पर्मा प्रमा द्वेर केद्रम्बरम्बरम**्भित्रभेत्रभारतेत्रम**्द्रम्बर्म**ीरनादार्व**र रेत दे न्यसमिंदान्डिन सुम्मेर्पान नित्रत्न गुर्ध्वन तस्त नुद्धिर णुरा मिर्रार्स हैं नम रचे वे ब्रेग नईन एन्स नह व के वेंग नु हेंन निविश्वर वहेर एक्टि खरान्निश्वर सटाने हैर खनस्येत्। क्र वे न्यूस महिमादे १ १०४८ व्याट क्र वे प्रदय द्रमम् मिट्स नुमास दे स चर्नार्रे द्राम्भार् मुत्रमाया स्वतं क्या मुद्रा निहा राक्षा मुन् बट. तब् ब. चुँच, च. चेंंच, चुंच, चूंच, चूं ५-१ मुभःही मिन्सामा हे स्रान्धी मुद्दाने र ५ स्रोट स्राथ दसरा र द नर्रे हर वहेर हैस लेरी वेद के कर मिड हो देरा देस का मह लेर अस वर्षे हेश शुक्र दिन देश होते क्रिय देश सम्मार हा साम प्रति होते हो साम होते हैं बैदै:इग्न:वनुर:हे:दर्:**वे**ग्न:वष्ट्रहीं:व्येद:बेद:वट्ट्रहेंद् रामाइराने मार्थसन्। इ.सर.स्रोट.सून.वेश.व.ष्ट्र वे.वट.रे.७००० व्यक्तित्वावसार्वर् रे. ब्रेट त्यूची विश्वान वशान विषय श्री भारत्य । की च्र्रायश्चिरक्र्राटशःकृष्णुप्तान्द्रिष्त्रम्यादःहरा न्या मह्यूर हिर्माम्य सेय पर्या पर्छ मिंद हे में सेर सेय खरा ८.कूर.वट.ची.४८.देवद.लूर.दावी.४८.कूर.कूट्यावह्रेचेश.चेत्र.वरा. लेब प्पॅर खुन ब दे र्ना केट चर त्युन वनस व कंट सम व्यर् पहेंद नेर रम्स वस द्व क्र प्रमुख कर मुच्द वस नेर प्रम नेर सुम ग्राम

स्पर्वश्चरमानु नुर्दे प्रस्त क्षेत्र॥ स्पर्वश्चरमानु निर्देश्चरमानु स्पर्वश्चरमान् स्पर्वश्चरम् स्परम् स्यापरम् स्परम् स्यम् स्परम् स्परम्यम् स्परम्यम्यस्यम् स्परम् स्परम् स्परम् स्परम्यस्यस्यस्यम्यस्यस्

श्चैर मुरादे दमा तमा सेव र पाता में हार हैं वे मुद्रा में तर में दें वद्वेग नुशं गुष न्यूशं अनुगर्दे कंश वह वर्ष १ दर अनु व वर्ष वर्ष मीरदाद्वदाव्युदाश्वसायाव्यदावह्रिंगादाश्वादार्भायाध्येत ह्रिया सर्वे कर मुं सेरे देस प्यार माराय देगार स्य मुद्द अटा हेरा हा मुं सेरे यश्रमःष्ट्रीयः द्र्यायः स्तुः स्तृत्यः सुः नुव्यः स्तृत्यः स्वयः परः द्रः प्रदेशः व्यवः स्वयः । ली न रा. इ.स. च बुर मा राजा हुन र मा राजा है । मिं क् मी मार र हूर पीया हु ट. भुःभट्टबशःमीःभुरःमिट्टमि ने देशायनीर हुव द्वटशःक्षे र पुः ने वटा रे... विवायम्या विदायको हरा यमा ने शह्य था विदाविदा। देवी की अर्थन वार्डः व्. दे. व्र. पर खेव र जे श्रे क्यर देव खेव या श्रे वरद र होंग र जेंद मील्र्यायार्वे मी मी भी बिया वर्ष में मिल्र्या स्टार्च वर्ष रदान्बुद्धिद्धुत्कुत्कुत्कुत्द्दुःद्वार्थाने के क्रेरानु क्रिंक्र काराने न्युक ल्र्नायारेता वर्षे क.चर. टक्केंट, यूर्, हुन श्रास्ताय देशे हुर् यना भेत्र हो द के द यथा वर्षा कु कटा व कद के हो दे यथा प्रदेश या है ... विद्याप्तर हु तु. श.वेश. पुराहेत्य श.विंदा है। इतत्तर स. ब्रेंश तर पूरे. राम्बिर्न्मायायाः स्रिन्दिर्ययम्यस्र नुराद्विर स्रम् क्रिन्सि केन्यं वृद्ध्या देख्याके अदावी के वदेर् प्रदेश वर्षा द्वार द्वार कार्य नर्षेत्र-पेनाश्राक्ट्र-इ.श्रम् इ.शर्यर-पंगिर-श्रेचशामी भूत्र श्राप्तीर-वृ.

मान्यस्य मा

देश्यः क्रुंश्वर्षः विद्यां द्वाया। देशः विद्यां क्रिंशः क्रि

म् त्मे नरमी तक्षेर इस हरासे बिनश है दिर से अर मिर्ट हिर

क्षत् सेट देन दुरा राष्ट्रेता देने मु सर्वा स्वाय मु नर वट हिट मीयाङ्की **खेत** नाट ज्ञन नार्य टान नेते हुँ यासदान्य मानु है के दार्थ सानु सा न्त् वर्षितामी, नवशास्त्राम् स्रका प्रिट्मीश सर्गाम नाइनाश द्वांशभुव प्रेत केर देव र भेषा मिर मीश दे या लया वले स नादर लेटा য়ৢ৾য়য়৻য়ৢঢ়ড়৾ঀৢয়ঀ৾৽ঌৼৼ৾৽য়৻ঀৼ৾ৼৢ৽য়য়য়৻য়৾ৼয়ৼ৽ড়ৼৼয়য়ঢ়৽ चट,लट,चेश्र.थ.चैट। ट्र.ल.चे.शु.ध्रेश्र.की.चेल.ची.शु.की.ट्रेट्र, मामरादे रीमाशामिर रहार्के वे मुर्खेर यादेना विवानेरानु नहना प्रमासाः Àद'**स्**तशाहेशासु'हे'स्र-'चेद'सेद'यसार्स्यार्स्सर्केद'द्वप्यास्यादुवायाः द्वाताः हिना: ऑर्-राय: वित्यं वर्ष: नुष्य: सुष्य: मानुम्बर्ध साय: मु:सस्य वर्षे स. इश्राचश्राम्ट्राची वर्दे विह्याशास्त्रीर विवाद विहर से श्रीव हेरी वर्दे श्रेश विंद ता वेद हुने शुद अपित दे विषेत्र के जी शहन वि वहा दे श मर बि.मैं.लटा में.भु र नद्दे त्र्याव्याक्षाक्ष में भू र दे त्रामान्य बिक्किर पर्व र में होर भार मेर विर हो नहें नहें नहें नहीं भारतीय वनान्तर सेन्नु नार्रेन्न्निंश द्वरा।

वश हुट्रस्य ग्वान्यः येटश श्वीद्रशावस्य देवे हो ह्यूट्ट्र्स में अपूर् स्याय इत्याय स्थाय स्थाय

रिविट.रिश्वनी.ज.रेश.श्रेवश्च.दुश.श्रुट.ग्रु.४४व.सूज्य.हुटश.प्रंटश.श्रट.त्. चैशाल्र्र्डिटा में भुष्टुर्वेद्दिरान्सना नीशाय्त्रुशान्दा है। नर्ने सक्र्ये क्ते⁻रेन्**सन्, यन्नेर्धूर्ग्णै**शन्द्वन्यम्यम् स्वार्थसन्, यःइति हिट क्रूर वर्षेता मुन्नेश पुरा पर हिन्नेश यदे मुँद दा मुँद महोता द्रोंक िमनी नु निवास प्रदेश से स्टाइन से सिमा प्रदेश के देश के देश के देश से स्टाइन से स्टाइन से सिमा प्रदेश से सिमा स मार्देवःश्रीःच अन्यान् क्षाः यतुनाः स्यान्तेषाः मूर्वाः मार्थेवः नृताः । नृत्रीं वासनाः कें स्र निमाय है वर्षे मुरा समारा । समारा से मार मी पर्ना पिरि सी विं त्र्यापार्केर प्रमान प्रवेशका प्राप्ति विंद्र प्रमानिका है। है मानिका मान्य चार्डर् क्रीश र्स् गानाश्रर् पराया शालीर रस्त व रस्ता परा। इ के के सु निर्श्वः मेन्। १९३१ देन्। १९६० में तस्ति। १०० क्रिं हेर मान्द्रेश क्षेत्रद्रायानाकुत्रामिक्क्षादम् नार्विनायानुद्राद्योत्मावि हेक्षातुमायान्या सद्याचित्राचर्ष्यास्त्राप्रमान्त्राचित्राचितात्राचा हित्रामान्त्राचित स्त्रीश मिर त्राने दरा विशर स्त्री प्रवाहिश हे हे तर वह वाह वह कु.विश्व.चूरा श्रुंच.मौ.रिचा.वैरार श्रुंक.यमुं श्रंश वर्मेल.चर्चर अव. विश्व प्रति । विश्वेत स्वार्थ । द्वार प्रति । विश्वेत स्वार प्रति । नन्म पदे हार रे रहेश नक्र रे हैं रे न रायदे हैं दश के येर तम हिर परे भग पु स्रेर् पर पुसरे अपर मार्श हुं भरे वा पेर् से हैं पर्देर् चयस सेर् पदे दस प्रमुद्द हेन वे प्रमूर् राग्य परिवा दम्स था में महेद्राय हे तुर्वे अवसासु मुरू ह्वयस द उट महिंद मारावा वाय हेवे श्चेर् त्यीर वेश र्वेचांश क्रेश श्वासट में हुर विवासित भारीट स्ट्रिश वग्नासर स्मृन्द्रमध सुर वर्षा मुन्दर मुन्दर ने नासर स्मृन्दर

मि. अपु. रेट जार श्रूर जि. र श्रूर रे दे दे कुर दे अर र से स्वार विद्या रीट ।।।

विश्वाति स्त्रीति स्ति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्ति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्त

्त्रक्षेत्रश्चर्त्वेद्वान्त्रः स्त्राच्यं व्यक्ष्यः स्त्राच्यं स्त्रच्यं स्त

क्षेत्रर वर्ते प्रमुज्यम् सम्बद्धाः । ज्यस् वर् से स्ट्रास्टर स्ट्रास्टर सर्वर मि.डे ग्रेश लूर मिट्य र्यंत्र विराज्य विवास्त्र प्रिट्ट मी रेह्र पा. MAME स्यास्त्र हे दे नाशर विद्रापत्र व वियाना ना सूना होता मु सर द्रम से वे दे में वाद में वह न का ने दे न आह कर में पर पर में में का या प क्रिं स्वयं ने न्नायामु मेशान्ना थाया नुसार् निया की या मिट कें र खुट हुँ न लूट्य बुंब भ्रे. भटा वेश यापि भी नि. श्रेंब प्रयोग वेश कुटा मु से भेरे ৢয়য়৽ৢৢৢৢয়ৢয়ৼয়ৣৼ৽ঢ়ৢৼ৽য়ৢৼ৽য়ৢ৾য়য়৽ঢ়৾৾য়য়ৢৼ৽ৢঢ়ৢ৽৶য়৽য়৽*৽*৽ वु**र तर्ीष्ट्र** जुरावु कर विषय के स्वार का प्रत्य का विषय के प्रत्य के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स नुरक्षेर वर्षेर विमालिट के वे क्रूनियेट ले वर्ष नुष्य विमा विन ने नि क्रू तु.मुं.चेलट.क्रेट.व.श.जम्बु. वचमा श.चैट.चर.चट्टे ब.चरच.कर्तु.श्रेट. र्भाम्यसम्बद्धाः स्थान्यस्य विश्वेष्यस्य देशे विश्वेष्यस्य स्वित्रस्य स्थान परेचात्रा में.श्रुक्षांमक्ष्रज्ञं के.सुं.लु.मुं.टु.परं.खु.ग्.विच.चर्सेचार्कावेश. लूर्में बुरामें अक्षानार वैदार दर्यार वर्णेर्ने ने प्रमाण्ये की लाजी. मञ्जूर्यारेर्॥

न्रान्तेर्यमायः विश्व क्षेत्र क्षेत्र

र्देर्पयद्रायानुस्यत्रेष्यसम्द्रियोग्यार्यदेश्वास्यस्यस्यस्य षा.भः पश्चर हैं, प्रचा के ख्रेचरा ताहा क्रेर चीर तर्चा विहर क्रे दे प्रथश यर दे दे पहेर नहा नु के रे तक दें में हो होना स विनाय नहें द द क क्षा सर पहर के सुवाधनसासे के किया नार मुदासना को कि सासूर होता है। व्यथा खेद्रप्यकादे : अर्क्ष स्र अ वा जेट विषय के हि प्येट स्र हे स्र विषय है । यश्र मिन्त रक्ष केर हर् दी केर अंश्र श्र श्र श्र श्र श्र श्र हरे हेर हिर देवी यद गरा विदा द्वार स्रूर हैं किया हैं पिया पूर दिया न स्था न से साम हैं साम स्था में साम हैं साम स्था में साम स वात्रस्मित्राने महिता तम्तरम्यावयावराक्षेके अराधाहरा परेचा । सदाष्ट्रायाद्वीरह्यात्वि १ प्रह्मार्थाना मिर्ट्र खिना रा. दे किर खूर् यवर क्षे.शर.वेट तेश.श्रमातश्रम् रेर में भ्राहर हिं रच ने दरर देनम् रापनापुः द्वीदावसुरासदान् व्यावद्वस्य। नादसासुतारे स्ट्राट्यूर वरावहेरास्तराभटार्झे नाभेटा छे।वरा छे.वु नाहिंग सेराग्री रणेत पहर्मम् अमित हूर मि च पे अग्रूट श्रिम नगर में लूरे है। मिट हूर क्रॅ पर्मा महास्राया स्रेति वर्षा श्रुप्त हर्मा सुर्मा स्रोति स्रार्मे स्राप्त स्रोति स्रार्मे स्रोति स्राप्त स्रोति स्राप्त स्रोति स्राप्त स्रोति स्राप्त स्रोति स ब्रॅंशन्नर्दरस्त्र्रायि क्रेटस्ट्रंक्षके लिट्न व्रेट्न्नर स्ट्रेन्य ह्या नुर्द्धा यवे मु मेने मुर्हे र दुं या दब या दे दमा सु विमामीस वेस गुपार र मविन मीस *बे* :इन्ह्रें न वे श्वेर न दिन्दिन सेर सुर कुर स्थित सेर सिमाधिक स सम्बद्धा हिंदा हुं सार्च त्याचे मा सम्बद्धा हुं निर्दार सा की निर्दा हुं मी तर में नबर हे में भूर स्था होर स होर ग्रे पर पर पर । सिर हुर सीर मुँच नुद्विद्वित्व म्राष्ट्रया स्वाप्त विद्वार्थित नुष्य देवा विद्वार णिट दस्य केर्ने हो दे ने स्वयंत्र से दे पुटा।

न्याणी नियार पानि के विदेशां नियम के मान के मान के हिस हों व ष्ट्र-न्यायः याद्ये प्रात्ति क्षेत्र क्षेत र्'उ'स्'्रे देवित्रारा भाराभारा मि वे दे नश्यायर। मि ने श र्ने दार्वे से र की 'यम र बुन सर्मिस वे स हैं र हैं र म बर र मा केर-देन्द्राम्बुर-देश र क्रिंग् देश मार्च पर्दे मार्च पर्दे मार्च है स्वर प् पक्र.च.चेश.च.मोरेष.बंश.भ.पंजीचोश.स.जूबी जमा.जुब.चारंश.क्रि. दृद्धः वृद्धः सः मिल् गृह्यः स्प्रदा विद्रात्ते सः स्ट विद्रात्ते सः स्ट विद्रात्ते सः र्खु र स[्]त्रभाभा**नु** से सास्र र मिर्डिं ह्वयस हे द हे भूर पुराया दे प्रति हा विद्याञ्चना सुका इससाय दराहे सायर परिमी नेदा देश द विदेशी स्रिमः स्रु ग्रांच नावर निर्माता पर न्यु ग्रांची नार्या द्वारा स्राधित स्राधित स्राधित स्राधित स्राधित स्राधित त्वनक्षेत्रत्वर्वेर्वेर्वेर्वेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठे मिल्र-प्रमुद्धाः में दिराया देश यर दम्मिया यर प्रसम्भ स्मारमादा प्रमाया मित्रसंदिर वर्गे हैं एक रेट्र के प्रस्ता हुया में रहें देश वहें र में र सन्त्रसंभीता। यग्राप्तगप्तसंभित्ते क्षेत्रस्य इसनानी पूर्ने केर त्यो क्षेम के के तेर केर के ना का का दान के का केर केर स्विक्ट कुट वि गर्नो क्रीना उस परि वेन । वह पर्मना है वे में सर्हेन उस पर्हेन युक्षादानु वेद्यानार भरा के नेदार वेदार वेदानु क्षेत्र के नाद्या नाद्या वर्षे राषदावर्षे रातार्थी मी.श्रेष्रीयशाम्बर्गेष्रान्ते हें त्यां हुंदे व्याहर हैं म् सर्क्र राम्नानव्य वादे त्यकातहत्या मुद्री हमात्वीर प्रक्रित विद्या मि जुद्धी विं । सरे रे रे रे रे रे मार्चि के प्रायस से ए है । सुर पुरा हैसा एसस रे नास र्दे वे गॅ अर्दे र प्येंट्स हॅ नस न टेस सु है स ह्येंन न ने स के प्येंन पनु न गुरा मिस्र र रेनास सु २५ लेगानी य गुर दे त्या ही संस हेर इसर सर

यत्मानक्षेत्रः मृत्मित् मृत्रः मृत्या द्राष्ट्रम्।

श्री-तर्रु रूर् मिट् क्र्यां प्रकाय क्रायं प्रायं प्रकाय क्रायं अव क्रायं क्र

श्राम् भ्राम्भेदाता अत्राप्त त्वाम् स्वाप्त स्

सुन् - चर्ण्ट् - वैकास्त्रा निक्ति क्षेत्र निक्ति

५-५८-मायाके नदे नार् देवियाता कुष्यक्षाके प्रकेश सम्बद्धा कः ते ख़ूंबर्यायपु दिन **वि**ना कु खेरा पर्देश सूरी हु जून हुन का देन हुन हुन हुन वर्षेट्यावर्र्यायन्द्राचित्रामित्याकुःस्त्रे द्वान्ये द्वान्यावान्यान्द्राचन्द्राः कुं लें व नुक्र प्रे र प्राप्य का चुर था। प्राया व क्रें र प्री कें र हेर् ह्मायर्माकानुराकार्यर मुख्यानुकार्यहा। स्टिन्ट वे सुक्रवहर्त्रात्य हुँ । ब्रीट वे अर अवत वेर पर केर र र विव हे अट र केट । दियर वा यगवःवनानीसः सम्बद्धाः सम्वद्धाः सम्बद्धाः सम्ब शन्तरशास्त्रश्रास्त्रभागी में सहूर्या मार्या श्रुट रसमा है दिलेश सार लेगा यश्चार्च न होंद्र या केंश्व मुद्दायम् । द्रष्टि र युवा मु स्पर्द यर । यहेत हा हो स्वर्ता स्वासरात् हे तिश्रस्यां वस्या नारे द्वारात्रात्रात्रा हे र पर हहू हा यानदेव:निःमानीरमान्यराधेव कुराधेना बेराधेमारानहिर्वन । हैं दे के कर या कु के राहे दे खुया नु नुष्य कि के न्यान राष्ट्र के के सव र क्षेर्र नोर्नेट कुरे रेवे त्या र टा १५ के व्या पा पुर की की प्राप्त की की र के दा मुश्रेशादार्के वे ना नुदाया हुई र रहेंद्र हुद्रारा द्रार क्रमश्रे ना । इता द्रार त्रेयमेर 'गु'नर दम्मुल'र्राट 'सुन्दार मेना त्रुमा त्रुमा द्रुक्ट 'सुर 'से मिट क्रिंग्दिश्निर्द्राच्या अर्देश्या अपया ने र विद्राया प्रवास इट जिनेश राषु वेश जैनोश ने ने बेश सुरे रा हु श सर सुश स्वी ग्रीट । मु नर नु जर् यदे चेंद्र भे तन्द प्राय दश प्रव मुल हर सुन स परे सर के के ने किंद के संबंद मा के ना दि पदी दना के संस्था है तर है । श्री किंद यदे शामर याद्रा देद कु महिद या हुम यह देव उत्ता कुम मिंदि दे मीयःश्र्याशःभारमीयःभारम्भारमीशःमिरः भूतः मिरःशः वशः सरः न्निंशकेर। वहेर्न्ने देने त्यादेन ना वना वना वहा के वित्र दर्नीमा छैन

दु.व.स.से.शक्तवेश.श्रेम.ब्रुट्ट प्रियी ग्रेसी १ क्यो पर्यो मैंद्रे भ १४ हू. रे.श्रेयश चूरे.चंबेट.चे.चे.चे.चे.चे.श्रेर.देवर.वेचेल.च.इ.हेंबी. दे केर खेंद्र । मुं से शिविद हैं वै वि वर्ष अश नेर धर अर में सर्हें व सूर्। मुँदामुद्राद्धाः मे पहेरकार मिना दुः रक्षमा के सर दुः पहर दिर। नेंद्र के स्रविताविची दे.सूर् तपु.मी.सूर्टा विम्रीतालसाल सेट सुरा नेर में जर्म दे-भेद्र-पदे-प्रध्नाका के ज्यका देंद्र-कट का चेंद्र-मीखिट मी प्रनाद प्रिया स्मित्रियः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः मट्युनेर्वडम् दे मे भट्टूर। यावानम् दे में हुर्वयर द्वेयाव चेरशम्बराधिश्वकारे । पार्क्षम्बराधि चेर् क्रिंग्नींब द्वाराहें । या र्टा अवशरे में भेशरम्बेयवन्दरी मिट्टू में सर्पे में वर्ड वार्ट्र मैं भेरी अस्तरानी हिंद् ने हिंदानाहर्ने के शासिया निर्धान हरी र्मनान्त्रे वदाम्रास्य दशाहाराम्य वर्षाहाराम्य वर्षाहाराम्य द्भानार पुर्ण (जार देर सुर संविद्धार वाकी हो दे दें साम दाय हो । यान्द्रस्य मुद्रासदे हुने क्षिण्यर दुने सेन्। डेसप्ट्रिन प्रमाने है। सुद्रा स.र्मास.तहत्त्रवा.सिम्मेष्ट्र.दे.। च.२०.१.च्याच.च्या हे. भुश्ह ! अबुर रा भुश्व वेश्वक्रैश रा वैदा।

প্রেক্ত কর্মন প্রেক্ত কর্মন প্রক্রিকা

য়ৣয়৾৴০৴০ ব্রানার্সান্ত্র ক্রমান্ত্রান্ত্রনাত্র বাসাহন দুরা দুটি ইন্ত প্রুম हरे ते ते देश हे अ हिंग में अर रियाय उत्तर में मारी हैं अप सामी सहर म् ते देर दे स्वास्त्र स्वर नाह नायना हिंद दु स्वर में स्वर दे र दह समस मु मार्य इंद हे अर्थे र होया नवे "वट देव है मारावे ह्विन हो मी मुमाया" र्श्वेर प्रसार प्रेजा एक र होर रेन की हैंना पहेर हर राजा पर राया पर राया श्रेनशासुपार द्वेश ग्रे ह्विंचाना हेर सांभाषा ग्री सामित है ति स्वापार हिंदा हरा विवर वहूर है सेंस होर खेल हर देस रे र र जेद वास बरा ५-दूराष्टरदे रूटाकेदा नाय शेर ने स्नितस तुराद अट रेश मार्दशासर चर पर रात्रे स्मामस प्रात्रे द्वार पुर पुर प्रहे स्वर सार है से सार से हैं से सार से स महेर प्रवत विग विद पर्देर स्पेरी प्रमोध मन्दर हैं दहेंद हे दाय हरा क्तुराञ्चे रादे । द्वा दे :स्याया प्राद्या मुचायायी द्वा विकार विद्या द्वारा केरा कुँ-५ दुषः खः चर्चे 'श्रेटः दे र र विषयः भैटा दे ' ५६ वे ' नुषाः स्नद्यः दे 'दे स्रारतकेरायाक्रानुगायाकेलिमा क्रारान्ता वेराख्याक्रीत्रद् ने प्रकेर देन नुका ने राम्य प्रकेश के प्रकेश मान्य की मान प्रका की प्रकेश में ॳॖ॓1.g੮.gਖ਼.सॅ.च≡८.ज.घ८.८४.सॅ४.म्री.पेश.मैंटे.लूट्श.फीट्र्य.. चृरः**श्रमश**.तर्रःरचेत्र.च.चरःश्रःपेशःतः**वै**रः॥

बार्ड्स साम् के द्वास प्रदेश प्रेशान कर्री साम स्टार्स स्ट्रास महिता में स्टार्स स्टा

लहान्त्रका कुरा तहीर ला ही ।। संत्राता गुर्केट नाया हो हैं। हैं। में श्रेयरात हो सामक कुर हं समा ती में श्रेय में श्रेय हुता मार्थ हो हैं। हैं। में श्रेयरात हो साम हुता साम स्त्राता ।। पहीर कुरा हे बा ही साम हिंदी हैं। में स्वर मार्थ हो स्वर ला ला महीर लाये। महीर कुरा हे बा हैं। खें साम हिंदी हो साम हिंदी हो स्वर ला ला महीर लाये। कुर किया है साह साम हिंदी हो साम हिंदी हो स्वर ला ला महीर लाये।

मन्त्रीत्त्राच्युत्रम् पुष्पायाकेता देवे १ देवे १ देवे देवे देवे प्रति । स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वा

महर्नित्राच्याः स्ट्री होन्याः स्ट्री

व तंत्रर अभ्यातव्रें स्मा । नाद्य द्वा विद्यं द्वा माद्य स्था व द्वा स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स् व द्वा के स्था के स्थ

त्राचार्त्र म्याप्ता मुन्न म्याप्ता म्

पहें , तर्सा। वहें , तरसा। वहें ,

मुं हुः सद्द द्वेद वा दम गुद दा मे प्र प्रे प्राप्त प्राप्त दे दे दे मन्द्राच देश हिंदा था हैं तहन है दे प्याप्त हैं हर हुद है। दे अदा है चय.ट्रे.यु.खे.कुट्रं देमचा.हें र.धी.जस.चिटस.ट्र्.थट्ट्रं घठेट अक्षेत्रका थे . ल्री ब्रम्भी : यस मिटा नी तास द्या सर स्त्रे ता है मि सुद हिंदी हर दे द्वा वद से माले र साम र हैं दे पर्दे हुर से प्रवस्थ पाले गण्ये रा केत्। व्याण्या क्रिक्तराचे**नुभावताराद्धेशवेदार्ब्वरा**वेदायाया क्षु सदे से सद हुन। वह र से बुद य से दिन से दिन मादद है वर प्रेड़ इटा द्रायदे हा सादेव दा मेवस द्रश्रियम देव वसस **४**० देव देव प्र भासक्षत्त्व गःदेव दे भामे सामानीस वर्षेत्र प्रवस्त से हिन्दा है हिन् ्रट.चुंश.पुल.चंधूंर.च.लुर्ग हैचं.तर,टे.लट.टें.जंधु.चे.भ.भें.शेट बेद'यर खेवकद्विका के **फेर्**द द द द दि रहा मुद्द के हा फास हद'' त. हुं च हुं। विश्व ह्यू वा केर विश्व दे र जाते हैं स नार है विश्व र कि श्रीत्रम्मा है पु इ से क्षेत्र पर्दर हुन स्वयं प्रमापम विषय खुवा नु नमा भै वर्त्रोभक्ष वर्ह्य मान्ने देवीं नाय श्रेर वर्त्रो सनाम दे द्वा स्री दुर र् वश्चर वर्गना छेर र में शर्र दे हैं सहद दे मा से सर वर दे से सर वर हैं स महेर् र्विशायर पर्वाक्षम हे सुर्दा सर्व रवेर के स के मेरे रमन न्वेंद्र'यः **कु** सर्वद्राहः भेदः नाहुद्रसः नाद्रदः भेद्रायः विद्यालुसः ५५ न । द्रिः द्रेंद्र दे रिना केंद्र भरे के वेर हैं संग्राट मिंद्र ला डिट ही वर्ष निवर नीर है...

प्रहर्तिन्त्राम् । नावसाद्ध्यादे समस्यास्य नायाः प्रदेशस्य निस्ति स्थाने स्थान

त्वातः निश्चात् रचामः क्षेत्रः विम्यः द्वात् स्वातः विद्वात् स्वातः विद्वातः स्वातः स्वतः स्वत

बर्षः र्वेश्वास्तु क्षेरः व्यद् केटा। वर्षेरः व्यदः देन व्यव्धः विर देर पुटावः

દ્રેલે.બદ.ફ્રેલ.ગ્રે.વુંક્.સ્ત્રું વધુરાજદ ઑદ ક્રેડ.ક્ર. લગ તર સે.શેંદ. ५सन्। में दिने स्थाप्त हैं र हैं ५ हैं ५ हैं । के सा दससा गुट हैं जब प्रकाय । दशस्य वर्ते वर्ते प्रकर पृष्टिय वर्ते । या देशसा गुराष्ट्र स्या प्रवास वक्षा मु मार्थमाय कुर क्रमार्थ क्रमार्थ क्रमाय्र प्रमा मु मु वर्केर कुमिस वहेर् रेश कु है। रे अस वर वन्य है वर्ग रे से सुप्यत वर्जी वर्भेर श्राष्ट्रमा र पे र श्रमाश वशक मी विश्वस तियाश लर्र श वर्ड ... 수리·형·외다·지·[B 리·도를리타.은 수인화·교통수·선수비·용다 / 청소·원·다. ग्रीटा श भटावंदा दे तार्त में अपना में अपना में दे केंद्र में दे विकास में दे व्यक्तु सम्माना वर्षेना नुसारे ब्रॉडिंग के राहत वृहा दें सम्मान नममाने निराधिकारेर हैं समानिमान हरी ने राधिकार है ने प्रमान वु दे ने द ने दे ने सम्बद्ध के द में मुरा कु मेरा सद द दे द नह माड़े द मैं १. पकर मध् . सूर जियस मों र जिर बर मीट मी मार कुर व व व र दे हैं द में द निर्दे द द । व न से से द मिर्दे से सरायाद द द स स्मा दरा वळवावळ्वाहेळेरानुराष्ट्रेरा छै। है रहार्<u>ट</u> सम्बद्धाः सदे से खवा के वशःद्रमःकुःभेदैःसूर्क्षरः ५ वर्षे कुरे ५ ना हे बर ५ मा द्रार बगाना

स्ति क्रि. व्याप्ति क्रि. व्यापति क्र विष्ति क्रि. व्यापति क्रि

ला राम भी भार कुसा र टाय हुई मी साम्राम्य स्वाप्त स्व

त्त्रिं में भूत ने ब्राह्म भून लग्निं ने स्थान में अपन्ति ने स्थान में अपने म

क्र. पर्ट. पर्टेबा भु. पर्ट. पर्टेब. के. प्रेच्च प्रक्ष. प्रिच्च प्रेच्च प्रेच प्रे

मुद्दारम् त्रायासम्बद्धारम् स्थानम् स्थानम् । स्टान्टा स्थानम् स्थानम् स्थानम् । स्टान्टा स्थानम् स्थानम् स्थानम् । स्थानम् स्थानम्यानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम्यम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स

पत्र-विद्य-द्रिन् मानुकानी विद्य-प्राप्त क्ष्य-विद्य-प्राप्त क्ष्य-विद्

लत्। सर्पत्यानिन्यायदेष्त्रुपस्त्रात्तुराणुदेवसर्वेत्वस्यान्यस्य ताबुर्तार्मा वृथाल्याबार्यर नार पद्धारा बुर्द्धा नार्स्य अनुबाबूर् न्या हैं भ्रेते से से देश देश र से र दे र पर लिया में से र दिया है। है हेट दट हैं न बट में शाम **नश्चेर न्यू अ**हेरे और देश शेट संस्था. स्थानवर त्रिट्रीर्ट अरम श्रीर देन त्र्या ने रियम नश्र मान्द्रायदे प्रदेशनाद्यायमेंद्र ल प्रह्मायना खेत्र प्राप्त प्रदेश मुं त्त्व ।देर-कृत्किर्ताः क्षेर-देर-वशादेश्वर देश्वर देशे वर्षा निरामित प्रक्रमा <u>नेदःकुरःकुरामें ब्रह्माध्येदःयात्वरः विद्रानु ययद्याद्यसास्वरः स्व</u>र्तादस्वरः मः वत्। अनसर्रः त्रिक्षा ह्रान्यस्य नाया हरा वर्ष्णा पुरा रूत्र, े. अस्त्र, श्रेचद्रा, रेस. यिष्ठ, श्रेच्य, यह त. बहु त. बुर, हैं र , है र या कुट, । न्दर्देते'युन्।'यर अर्द्धश्चर्युः'त्वर सेर उटा वत्तिवित्रायदे""" **५वे**टसः स्थः १ प्राप्तः वर्गा वे राज**ि** राज्यानायायायाया **के**राव**दे** वेर् ङ्गटारस्य स्थारम् **ग**ुन्तुवर् रे न्वे। येके यर रे र सर स्थान मे र स्था सर ... वर्त्वरायेटा वर्रकेटारे स्वाह्मायं रेशहे हुर म्रीट हो रहार रहा मिटा**राबटा हुँ राज्यू बढ़िशालूराचा। मुराद्यामी** सुनिषाणुदार गुराजूबा गुःद्वयःळ्र्यः नुस्यःवसः अससःद्वादःवदेः दृषःद्री सः नृष्टिः सससः बर दें हूर जे. मैं भी में बार पुर दुवे ने बार हूं बिर दे हू ह पर देव ने पूर्या... स्यानेट द्वेर ले त्राव वस्य नासर है हिल वस द्रिया हिस्स वह ङ्क्षेट-'बर'पड़ें 'स्वप' वे पदे " क्वें र पदे ' क्वें कि के ' चन्। खेनशाल (चाक्का अर्ड कें प्रशाद क्षेत्र में में प्रमुख्य क्षेत्र कें प्रशाद क्षेत्र

शह्रमःस्वा अवृद्यत्तर, ह्यू र. च देते. तटा दे अद क्यां स्वायत्य र द्वा स्वायत्य स्वायत्य स्वायत्य स्वायत्य स्वयत्य स्य स्वयत्य स्वयत्

देन्द्रिः अस्य द्वादि अद्याद अप्तर् स्वाद स्वाद

क्रि.ट्रे वे.क.क्रूट्टमी.क्ष.ह्र्मा.च्याप.त्या.मी.पविश्वाश्च.चतर.बर.रट. **ब्रैतुः भरःमार्द्रेशः इत्रः गृतः** वृरः कुं श्रेते । यहेन प्रियः वर विरः श्विरः नुः प्रेर नर्म भि.भु.मू.पूर्याप्त.मह्य. श्रेपमा.मू.मा.पूर्या स्ना हे केर के राजरा नगर से राग है या है या है यह मी नजिया दया से बदार्दार् स्ट्रिं मुर्द्रान्तिर द्या केर मुदाकी तर्हे का मान रहेर यश्रम.ब्रू.में.श्रम.श्रीट.तपी.ध्रिट.४८.ची.श्र.५५.थट.ध्रिट.४८.। मी. য়**৾ঀ৾৾৾৾৸য়য়৾৾ঀ৾৾ৢৼ**ড়য়৾৾**ৼয়ৼ৾ঢ়ঀৣ৾ৼ৾ৼয়ৼ৽৸ৼ৾ৼয়ৼৼয়ৼৼ** मुर्। नक्षमं वं दे हे कर नगत में दिन नम्मेर न के दिन । विदे दश में इ. मूं श से र. में . बूं में में में इ. पूर्ट स्वयंश में इ. में इ मिनासु प्रतरावरामर्नामाला। श्रामाह प्रतशमानरास् र्र ने मु भे ने भी मान रा। मु भे ने प्याय मे ने देश पर्वे न प्रिन मे न मानदात्रे व नदात्रमा है : श्री नहिना नी साई वि गान विशान स्थान विहा दना नेश गुरारें अर ये नाडुस रे नाडेना नशम से वे अर्गे वेर सेना बे द्रायेदातु मुद्दा मिंदालाका यदा दु मिं के का या सदा यो करा से दे हैंदर שַ אִיאַ אַבי אָן אִי אָבאי לְבִי בַצַאִי קְבּי בַצַּאִי קַבּי בַצַּאִי פָבַי שָרַין בק׳ מִאִי פָלַי. म.बुना.बेश.सु.सम्बोश.बुर्.तम्बिन.वेश.म.चुश.मक्षमसःसु.तमादः त्यस.मे.स.स्ट.मे.चोर.कूट.र्यू.सट.ची.स्ये.सट.र्.चक्षेत्र.४र्थी

ची स्था। ची स्थान स्था

दे. बंश तिथे से चे. श्रांते देश श्रांत में हुं के ति श्रांत में श्रांत के श्रांत में श्रांत के श्रांत में श्रांत के श्रांत के

मार्थः नवर् क्रिश्चरः महेर् ख्रांचरः मह्र्यः मुख्यः मार्थः मह्र्यः मह्र्यः मह्र्यः मह्र्यः मह्र्यः मह्र्यः मह्र मह्रयः मह्रयः मह्र्यः मह्र्यः ख्रांचरः मह्र्यः मह्र्यः मह्रयः मह्र्यः मह्रयः मह्ययः मह्रयः मह्

यग्रान्त्रामी प्रमुख के के दर्श सर स्ट्रेट झवस देर के सर मेहा **अन्।**विद्नुने नाम्याणुराम् विद्यानुमा विद्युक्त मुक्ति निर्मा मञ्जूर सर्कमरा १ हेर्ना ५०१ मु मेर मु मार्च मु स् मेर दे प्रमार कर है। चुरानेरायामळस्यादहेनार्नोर्याक्षाकाकीरोदर्रानुसायाहेनाः देता अर् से में वेश गुरेश में स्रामी देश प्रमुद्द सहित कर् मि व भार मिट के दे रे ने माश शुः श्रेषा पा दिना भी भार श्रेष्य शिट के दे नशमः दुवायमः दमः नेशः हेन्। श्रुवः हिता भ्रवः देरः मे मदः नीः नमम द्वारे न्या नहीं या वित्र मेर् प्रे र हिर्दे से वित्र है है। र नुदानकी कवामर्रावयम्यायाक्षार्मकेवार्या हिवीसुमकेदाधिकाया त्वन्यंशाचाद्वेते अपि । कृताब्रेर चासेर स्ट्राचेते 'द्वेद् रहेनाशाकीमा क्री. मराद्यार् उन क्रियानस्त दे प्यता भारे के ने क्रिया मार्दर म७म: नु:म ३४: ५देन: छैर छैर छैर मा झ त्या में सर में सं से सा है स्मेर ठेटा। देवे सुद्धार्द्व मिंदा दुदा इवे अहं**दा क्षेत्र खेव**श स्पेत् या खेर स्प्रेम मिक्षा, श्चर भराकुमार्का नार देर पर है हैं राह महिमार सामिर देश में स्थ होरे १ स मिया चुरा में यो पुष्त रेया मुं में यो भी भी भी भी पूर् निर्देशास्त्रा विरुव्धार्गराची से सन्व विना चन्त्राया भटार्जान्यात्वेर, गुर्दर श्रीट स्त्रेचीय खटाचर श्रु. शटारेचीय विश्व देश

ट्या-ट्रांट्र त. स्ट्रिट्र त्या क्ष्या क्ष्या च्या त्या स्ट्र त्या स्टर त्या स्ट्र त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर

द्रमात्रम् प्रमात्र्याक्ष्रात्रम्। समात्रम् प्रमात्रम् प्रमान्त्रम् प्रमान्त्रम् स्रम् स्रम्

दशक्तिभेदे प्रवेशिक्षेत्र खात्र शास्त्र स्टार्श्व देवे ।

त्रामाद्द्राहर्षा न्यान्त्राहर्षा क्षेत्र क्ष

ल्या. में र. की. में . पर्टेची

कुर्के र मिरु गार्य माया पर्ये र ने मुक्ते र नी सुमार्क ना र प्रेरा घर ना र सर्सर केरिने नार्य खन्य है दसर रहें मुंद्र स्पादर नादर मुर्दमश्रवर मिः मिनुः से वे से वे स्राप्त दे से व शम्य सम्मासे वे से व क्षेत्रदावर के र वि गामश्तर देखा भदा की नहीं र विहासी के राजा केरा। क्षेत्रमाक्त्रसाकुष्यसम्पराञ्चकायमानि **देखालेरानी मेन रमा** श्रुवाया वुराव तुना **र्वेद**ाव गाया क्षेत्र **द्रावस गोधा से स**र या देश दासे रा वर्त्ते में क्षेर वर्र श्रेर में श्रूर में श्रूर मार शास्त्र सिर वहूरे पर हुरे ने दिला (बेच.यहूरे.चेश.तर। भ्राश्चर मोश.संब. प्रटस.र्यूर. बट.स्रस.र्पूट. २**अ**.र्ट्रेसंश.ग्रीश.र्.र.प्रसंदेखिय.पंटियो.२अ स्तेटः। त्रुव.र्ट्रेश.स्थ. हिंश नगान हिंदे हैं निर्दान ने हिंद निया में है हिंद स्थ सन स से सार मी, परिका मा, ब्रांचा, वंका पहुँ , चोकाना हूं का मी, मुका पर वे प्रिचित में श्रूद तिर्मिन के के दु दु के कद की सिंद देश श्रुद दिसमा विदेशका वर्ष्मुना म्रीशास्त्र संदर्भ सम्बद्ध सम्बद्ध स्त्री स्त्री स्त्री सामा स्त्री सामा स्त्री सामा स्त्री सामा स्त्री सामा स नग्राञ्चर् देशहे स्रमाम द्वीसायहै ख्वित हेर् वर नु हस सेर १० प्रह्माओ दश्रास दुश्।

पश्चिर् श्रेपश मित्र प्रमार क्रि. प्रमार क्रा. श. मिंद्र श्रेर प्रमार क्रा. श. मिंद्र श्रेर प्रमार क्रि. प्रमार क्रा. क्रा. क्रा. प्रमार क्रा. क्रा. प्रमार क्रा. क्रा. क्रा. क्रा. प्रमार क्रा. क्रा

दे. हेब. मी. नोबंबा क्या है. मैंट. श्रेंट. खंब रहा खंब खंब श्रंबा ग्रेंट. म्री: श्रुट् स. मुरा ने में से ने देने देने हैं र हैं स. मुटा है से से हैं से से चर्नात. सुन् क्राकाला विभाग तर्हे. येथा हे. वसार्थान रे त्रे स्वरं स्वरं स्वरं सर्वत्रुंद्र त्य्य है नदे द्रम पर्दे अत्रवादे हैं प्रायमुद्र त्रुत्य । रमना र्वेद मिट रेर मिट स्मानश दश मिट मि हेर वे अटश २५ना डुस.चर्मत.मुंब इससामीस हसासी मोशिटसा चैटा मिट रेमी जीम कु. चश्चात्राच्यात्र ह्रिक् द्वाराया हे. मुश्चा द्वारा चुशा विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या चेश-इट. मुंचैट. जेष्ट्र है. देवे बेश जेष्ट्र श. चश. चूट. हैं. वहूर हो देश. वियासरामध्यात्रेत्रहरा। माप्रास्त्रेत्रहरामससायदेत्रे मेर्ने देश्याधार सेन् यदे सुरु हु। चग्नेन हुँ र च**ग्नेरा य तुर**्वर वृत्तर सुरे वित्तर वित्तर सुरे भ.वीच.तार्च.चोचका.पीचाका.रेटा टेर्चोट्का.सुका.पुह्टे.तर.ट.कू.चवर. ब्रीटा र्रायदे स्थर वेवस पर्टेर हेर वे सर् ग्रीटा से सर वेस ट्र.च्राल.चेनाश.कुश.मुद्रेश.पद्धर.पद्धर.च्या.च्या.च्या वित्राच्या वित्राच हुर.चलर.चर्रस्य स.मिट.मित.श्रूर. उत्तील.चर्चर. देश ক্স. ইম গ্ৰ. শ্লিব. দ্বী প. এল্লীব. ক্লেব. শ্লিব. শ্লেক প্ৰথ. প্ৰতি প্ৰতি প্ৰথম প্ৰতি প্ৰত नुमन् द्रम् मिट हिंदन नुप्तर ने मेना ह द्रा विदासद्दर्श रिना सर्ना के विर मिर किया ग्रीन के निश अस प्राप्त है निर पर देवे बट.लर.धर.धट.उक्च.विश्व.सक्षक.चीच.वंद्य.हीच.चर्चे.चेद्य.त...

क.विश्र.लट.वश्चर.धर.वर्तरं,ट्रं.टंग.वेट्रं.टटा बर्गेट.धुर्युङ्ग. वर् अ.जून हूर पार्ट्य अर में ने का विश्व विवर 551 मीर् प्रति प्रमान्य मार्था मिट दशामिट मि दे दशापन प्रमान वनस.मुदे.तर.भटूब.लट.। मै.भु.देशस.४ट.चढुंब.मुस.प्रेच.व्र. केचन विद्वानीमालग्नियदानु विद्यानी भारती हैं केंद्रा हर् केन नर हुन नु चेर में और य देश दम गुर मेंद्रना में बद चेद हुँद में छेद यदे हैंद हैं ने हुन में मद में बद दिन दिन । वहर देव श्रीट चं के वर जालट क्या भेना नु से सट भ्रीना यहना स वास्त हे मु क्रिय पर्ना हे द केंद्र हैं निय हे द वह मा य द । स्मार परे हें ल्यां वर लार र्या सार रा प्रशासिका वर्ष की रा प्रशास क्रिया है ल्राम्बस्ययदे बर्दे र क वहु दर्मन कु सेदै र मा नर्गेर पर जे र ही र श.वेश.वर.रं.क.ची.भुरु.रेवर.वर्षेर.चीर्त्र.चीर्च.वंकर.देश.हैंना.च्. मिनामा स्ति । अन्य स्ति । दसना देवह नावर ना है सार्य मिट्टे दिट क्रियेश अविष् के ये पहुँदे पर्ये । विष्टु वी क्षा पहुँदे वालजी ळ्नाः ब्रेट्रें नः द्वराया केंद्र केंद्रें र केंद्रें या व्यवसा केंद्रे र प्राप्त केंद्रें विश् मीविट देश वर्जे में से प्रवास में प्रवास के प् व्या विश्व सर परेव र द्वार मिया विमुय हेर कुर हिंद् के मुक्किया मेरा मुग र्वे डेप डेस पहें ५ १ १ गा

वहूर् वनसरे द्वा भाषा कर्ष हैं स्टू स्वर के संभित्त के स्वर्ध कर के संभित्त के स्वर्ध कर के संभित्त के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्

४.श्रेचश्र.प्रेच.चूर्.रे.चट.लट.श.झेचे.त.लूट.चै**.पं.यश**श.झे.प्रक्टिंग ब्रीता सिंद कुश प्रमुद्द रिविय मुद्दे र वर्ष कुश प्राप्त सिंद र प्रमुश स न न्द्र हर दस दसम्दर्भ देवें देर दहेंद्र माराया हिंद्र हैंस वेद्र हैं रसदसन्युवार्के वे नादसायनासायेस देश देनास मुनारा मेदार नक्र्यं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं हं द्वा के क्ष्यं स्वायं स्वायं स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं हार्स् चार्चे स्वीत्राम् द्वारा विश्वस्य त्या विश्वस्य द्वाया द्वार में स्वारा म्रे र म्रा के श मु न्यम ता में या ने हिर थ में न स्था स्ति न नि **८६८.लूट.चैर.च**यार.चेच.वस.चट.वैद.क्रेश.वदश.पुश.टेश.एवेश **बेश्राप्तराम्**राम्याद्यात्राप्तराम्यात्ता मुःस्रेते रसमा रस्त्रास्यास्य स् द्र क्रिंग के र दे न दरा के र तु का क्षी क्षेत्र के क्षेत्र के कि का क्षा क्षा क त्रक्षपाळेदाचे दे प्रारम् द्वीस द्वी द्वी द्वी द्वी दे ही दे समाय दे ही हो दे ही है का समाय है की ही है की दे क ल्चा विश मेट । अवस देर से सट वेटस केर ल्चा के रामा से दर्वर केंद्र वी बेना ने श स ज्ञार ने जुर केंद्र दर्ग न जुर मेंद्र पर्म र ट.क्रूस.इस.श्र. जंबा द्रेचीयाता श्र. ता. हीर स्त्र्या हीर स्त्राचे स्थान र क्रूया होटा कुष्यर दे स्मानुर कुर्र मुद्देन एक स्पर्य स्मेर हिन्स न् र्रे म्रीसासपुर देवे कराय । साम्यासाम् स्थाय विमाया सम्भाय हा समाया न्या कुशिक्षेराम्बार्गियाख्यायहेर्म्यान्या नेष्ठिरारमी स्वि कुळ्यात्र्वादमार्थनाम् भुन् लव्यात्यत् देशम् विश्वास्यास्यात्याः न व क अर्र निया विषय में वार में वार में अवार में त्रित् सु शु र प्रमा सेते त्रुस शे संग्रस व्यावेर ही र द्रा केंग्रस ।

वाश्चे स्थानिव श्चेर तथा तार्टा हिट कूथा मिट र कर्ने भावतानि भूत,र्यट.पश्चर,िम.जुर,भु,युर,त्रय, माश्रव,पश्चर्याश,र्यश,र्यं । दे देश शु खुट देमना में के देश गुट द क मु में दे चनाव ने में दे चहु रिप्ट मुद्रम् सेर द्वारा मुक्ता मार्ज्या या सेर मुक्ता द्वार स्र-१ म्र-१ क्य. म्र-१ म्या म्या स्या देया है। इस है सर् क्षे. नादश क्षेत्र ह र्ना केद च वदे रना हे सूना नु से दर्गी वदे रसस नेमन्द्राचर्तितिहर्स्य कि.पहमाक्षेटमाम्मन्तिन्तित्तिहर् हर पर्ने अटमार हराया भेरता । स्वरादेर से सट में दिल मु केदे चुर पनसाया भर हैंनास निवानु के बर बहे वार्स में क्रिं भाषात्र वृत्र सेद् याकृषुर सुर। दे १३१ दर्ने हर्दे द्रमाद्वेंद्र वदार्गदासदादसायदात्रायाणाना होना पान दात्र होता है दे है है हा रियो, र्या, विवास वसायवि . ला. मी. के. हुस . पश्चिम . पर्टू . इस . प्रेश . पर् च्रे. हे. जुट तिविधाहिस लागा कर हे. र्वा के संस व्याकादे भेडा ट्रैल. वर्से गोश.ल. केंच. शुरूर. क्रदे. तर . पेट्रे वस क्रेस. पेसे मश. वर्से गोश. कर्ष बॅंड्याने। द्यामु सेदे प्रमाह्मर वृद्ध स्प्रेन हेर् प्रमाह्मर रटा। अवर ट्रे पर्टेर ववरा सेर विदेशका मी के विवास मी नार र्'नद्रश्यक्षिर्'न्यः अन्या कुर्मित्रः कुर्णा स्वारं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं य.र.री नावशाक्ष्य.पर्न.रना.मे.स्व.नीट.संव.ज.रनाव.संव.ज्रूर. त्रु.सु.मुल्याय्यर स्त्रा तमात्र प्रयाप्त स्त्र ह्र सुराय मात्र । ल्.चेट्टचे.द्याची.ह्यासी.र्चेद्रचेत्रहेत्र अत्.ह्यासी.सं.ह्या दर वहर्ता स्वाप्त वसामी स्थान सामा सामा है दाना दे पारे व

स्वा निर्म देवे स्था ने ने निर्म सहय म्या मा के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्म के नि

स्त्रीति से स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्व

पविटः हेबाक्षण द्याक्षा प्रति त्याका प्रयाद हार्या हेबा त्या हिया प्रति। मार्या स्थाप प्रति स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य

बिर. तेम. त. जा. प्र. चंश. पंथेश. पंथेश. पंथे. केंट्र. केंट्र केंट्र. केंट्र.

त्रीनिसानुद्धार्थित्यर द्धारविद्धार निमानिसान्य प्रमानिद्धार निमानिसान्य प्रमानिद्धार निमानिसान्य प्रमानिद्धार निमानिसान्य प्रमानिस्सानिस

वस्तुरः बुसः तर्ना। वस्तरः व्याप्तः स्रोतः स्त्राः स्त्राः वस्ताः स्त्राः स्त

कुर्तालु ब खुटा। नाल श्रुर कु क्षेत्र दे र ना कुर विव कुर दे दे हिंदा कर कि ववसः दै व्यावदः नुप्तदः तहनानीसः नुष्यदे न्नः सः वहेदः वतः हेनः । द्वसाल्ट्र हस्रटा। ट्रिट्विट द्वसावहूर नामण मेश्रानश्चना लम्। पट.मी.भरेव.बंट.रे.यहरश.र.वहश.ल्.ट.व.रेट.। प्रिट.हूर. नीय हिंद होत सम्बर र वर्ष स्त्रीय र देर ही मन्त्रा में हिंद मन्त्रा हा अर ... दे.चढ्री.विश्व.क्ष्र.तिश्वाश चि.शुश्च.ट.व्रं.श्रुशश्चित.वि.कुट.वि.के. केर.वेस.क्र्याचा झ.सड्.धु.भट.चुस.ब्र्वट.बैट.बैट.बेट.वर-टेबीचा. क.लूट्ट्र्ब.इ.लूब ड्रंब.इ.च.चंट्य.च.च.च.च्यंश ठेचू.वंध्रेट.कूब. दें से व अवस्थित वा नार स्मार नुसार सामुद्रा मुं से वे सी मो देवे तहका व. १ व. च. च १ व. हैं थ. व रहे थ. व रहे हैं ये हैं . बु.भट.बुर.श्रूच वुर.कु.२८.जुर.भ.वेह.। भ्रेभ.जम.२८.ब्र् मेश हे किर पार्टा क्रिया है से पार्टा क्रिया है से पार्टा है र निर्दे ड्रेन्च्राई दे न्व्यानिहर देवा बर नक्षे विश्वासद खून हि केर वैद लट.जू.चेट.बैट.बेंच.अष्ट्यं भाषाची हुंचे.चुंचे.चुंच.चर्चेचे था.चेंचे.च 357

स्वार्या वर्षान्त्रा मिट्टू के द्वार्य स्वार्य स्वार्

स्त्र-न्यक्ताल्ट्रस्यकान्त्रेक्ष-देःस्वर्थःस्त्रम्यकाःक्रेक्षन्त्राःस्त्रःस्त्रम्यकः न्त्रः। न्यावरः स्वर्थःस्य स्त्राःस्त्रस्यःस्त्रःस्त्रमःस्त्रःस्

न्यायाः व्याप्ति ।

रमण र्वेद वद ल्दा सद के सवद सद र्ध के वह स्टावे हा मुश्रुम् पत्रे केस पश्च नुवा केर पर्चिर पर मार्थ पर्य दे केर र र र र र र हैस सुनु सेस भे मो ने मा देश गा पर परे पर द स पर्या गु हा। स्मा मूर्माना भर यहूर भ्राप्तीय ।ह्राया मी नार्का क्षेत्र परि र्या पर्मा वनमासानुत्। मित्नी थे नेदि वत्र के ले ने स्मित्य मुर्गान् ते ते त्रापर्वे विद्वा विद्व विद्वा विद्या नकर दूर क्षम पहेंद्र प्रवीम्यमि ए द्रिम्य प्रदा में महामान्त्र पियुर्केर प्रमेण वना निक्र रनो सामरे मक्षेतास हरा हुर। र र्रेट मिट मुश्राचहूर् माश्रामा शुःशराम् श्राहर् कूर मिरावसार हुव तिहरि च मेर प्रकर मिले द्वारा व्यक्त केंद्र पर्देश केंद्र विकास केंद्र मिल केंद्र परि केंद्र विकास केंद्र परि केंद्र विकास नालर नर्भेर खेर तम् न केर में स्थान में की मार्थ नहर देश ल्ट्र अन्य में ५८। म्याने द्रमाञ्चल व्याप्त ह्रमाया श्वेत वाष्ट्रा देटानुका क्रिया ह्रिये ५२१ मिट्रवस्यायाश्चरस्य अट्मास्य माक्ष्य कार्यक्षाद्रा सुर्याहरू विम्यानात्रम्य भ्रम्य द्वाया दे विष्य स्ति विषय स्ति विष स्यान्यः नारः भवे दशना द्वेरं स्वरं गोर्वः स्वरं ता दसः नास्रतः नास्रापः नास्राद्धाः ने व्यक्ति त्युर श्रेष्पर यामिर केंस केन् हैस स्पेन् श्वम्स लेख यानि 95ना

टार्के वि वसमार्केत स्टानु से शासे इटान्ट के मटा से राहे शासित्या

सव्यामान्या

त्रमार्थापर्मा म्हें स्ट्रा में सके ना मार्था के मार्था

देत श्राम्यद्भानित्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् विद्यान्ति । हित्ति विद्याने । हित्ति । विद्याने । विद्

श्चै त्त्रामार्ड्यायपे के सम्बद्धात्त्रा के मले प्रदेश स्तरे **हि**रास्त्र से स मायशादी का से शाहर किर की हैन हि नहीं कि नहीं मार कि से मार शत्मीमान्यायात्वानि पहिंद्वता देवक दूर्वा कुरार्टी हर हिरार्च री क्रिश्चाक्रां श्रद्ध मुद्दाष्ट्रिय द्वा । क्षेत्राध्यय रे ब्रेट प्रीटामाशे हेर्नेष में के के वे कर होना डेर में बेर खन रात्रा अर वे पर होना स अज्ञायनुन सम्बाह्याम्यासम्बन्धानुन पुरापुराकुष्यार्थे विवादसः। म्ह्रीमार्था वयाप्रिन्दिष्या हे हिम्ति हिम्सि से से से से से से से से <u>रः। के जैबाम्बबर्गे देनक हे शुक्त बहुर दः। दस्र के दस्र</u> केश्यक्काकेश्यवादिवेते। तुवाक्षिके विष्यादिक्षा के व्यक्ता के विष्या अर.चीश्रा:उर्धेर, देश. शिवांश। लच.डे.इ.४.चेर . खेर श्राः हुंस .हेर्ट. षाप्तानी प्रशानितावयाग्रीया है पद के मन्द्र में स्टाय है प्रशानित स्टाय क्षेत्रक्षे मूर्षेत्रके स्वायाम्यक्षेत्राच्या । ह्यायक्ष्याम्य म् रा साम्भिराष्ट्रयाच्छात्वेद्रायिताम् म् मेर्ट्राष्ट्रयाः स्रिराष्ट्रा मूलकाकृताकुत्राकुत्रान्त्राः क्षेत्रास्यारे या स्त्राकेत् क्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्र वेंर ब्रीट कें बट निर्देश हैं है है त्वाब नु किंदी र वान्ता विर्देश के बट मुंशालियार्रेचांशानेरायां अस्टाप्यंतार्थं र देशार्यं गर्श शासर

स्वत्रह्म ह्यारच्यवयायाच्यार्थात्रह्म व्याप्तानास्य ने न्यार स्वत्रह्म ह्यारच्यवयायाच्यारच्या ने न्यारच्या ने न्यारच्या क्ष्या क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष

क्षे १९४१ हो दे तुर केर मी माइस हो त्या प्र माने मानी सर्वेद के केर माने केर

क्षातानार्यः क्षार्रात्ना तु स्मा स्वयः अराष्ट्रा सुराष्ट्रा क्रमान्यस्त्रम् स्त्रम् भीना प्रसायर में नसूर प्रासू वि नावर दें वादी वि हार इर वर्ष्य वर्षेन प्रवस दर्। मे मर इर ख्ना मर दें दे दना खेंना श्चित हो द श्वर साहि व्याप के देश में इस मार में में साहित हो है सा साहित है ता साहित साहित है ता से साहित स वनाम्ब्रिं विरासागुराम्बेना शसासे दारे दे तम् वाना दसासे बट क्षेत्रक ले तहनास क्षेत्र लेना तेने विषय स विष्य विषय हिंदी क्षेत्र स्था विषय है । ट्रनामिद्रें ह्रिना क्रें देश निव्हान पर दा सुना लेट प ले स में से दे हमना र्वेद्रायालु पश्चित्र होर कुरे रहारेदा देर पहेंद्राचात समा दसाहे वर्षतारास्त्रे ता.स.मी.चे टा. दवी.बटा में श्रासरा इससा हिंदी न्वराद्यमात्र सुराहे हो राह्मा राजी व हिंदा हुन्य कारा दार्टी मिट के दिनहम दिर देना नुपर्मों मुदेर रे य मेन पा मेवा देश मु सदे **ब्रॅ**रक्षर-२, पर्ते वैद्राक्षर-एक्ट्र वेश.यीटात्रीयाश्वर शान्ति रेप्ति में अटाक्स संज्ञ सम्बद्ध निर्मे र दिशा भेर् स्वस दे । भारता विकास म्ल्र-विता स्पूर्यक्रितितर्वर पर्देश्चित्र होत् में लेश समान विशानहिंद्र याद्रा व्यानी दे द्राम अक्षानु मास्र किन् नी के मी विना वश्चर हे र खेर् वस मादस अद महिंद हायस हे अपने हुँ र निर्मिशा तमा म्याचर के मेर माम विमाल मीर देर दिव है के मेर सिनाक नहर्न । भी ने दे कर महिंद नदे मु महद के मि महें दिना न्यं निंदा सेस्र रहा अन् निष् केंद्र नु प्रमुद्र केंद्र प्रमुद्र पर स्था देन वार्यम् मेने मेने मेने मेन निया है या वरमा मा निवा है। रर्द् श्री सर श्रेम स्रुर्ग दुर्ग महिर मु १ दर्ग मा स्तर स्रुर् र सर सर मी सर बर्ट्स ब्रामु सेने सर छेन हे नुनिस्स सेम ह र्र है ।

माउर्-माश्चरा।

देवे अव वदेवस द्रा वना महेंद् ने चये अस वन् दि वे मंद्रमान्तर अर्थन अरा। श्रीतिमार वस्तु प्रमीर क्यांशानेहमांसा न्ता प्रदेश हें न मान्या प्रदेश मान्या अक्षा स्ट्रामा स्था सेन म्मकान्त्राद्राद्राहरा द्वारा कु से वे र १ के दाय के स्वार प्रति विश्व के स्वार प्रति । से दे के का सामुक्त के साम के स्वार प्रति । से दे के का साम के सहयासर प्रकेष्ट्राचा दे प्यानम् द्वाची वे दे दे के दे होना नु प्रकेष बारी वर्देर मासु देव से दिहा। मिं बेंडम से प्रदेश स्था सर्वे अ निः मार सारो दाया न सार्थित है। विदेश हैं विदेश हैं विदेश हैं न देश हैं हैटा विश्वासकुष्पट्ये नेश पदे निश्वाप विश्वाप का मिटा र टामी सिटा पर्न द्वार तम मून पर्म पर्म पर्म के पर्म मुक्त है। प्रम तर्यक्ष प्रश्ची मुद्दे क्षेत्र वर क्षेत्रक्ष प्रदेश है । देवा क्षेत्र में दे खेद मिट खेद । यर बिर में हे साहर हे वेंद्र मी र मुद्दे पर में दे दे दे दे सा इंभावानुदा देवाने द्वाप्तमा द्वाप्तमा द्वापादी मीनुदार्व देवामा द्वाप शुः मराची पर्टेर क्षिप्रदर्भ महेश्या केषारेच । केट कुश रीलहा में सके सु श्रमा के मेक पु का केर पहें का पार्या रूपार के सके में मेर् मर्द्धर्द्धनास्त्रमा च्रिन्द्रोत्रे स्मा निदाके वर ह्र्यातहर्द्धार हरासा महिमासूर के याने द्यामाना भेरामा सान ने निर्दे दे प्रसम यम्। नायाश्चिद्राद्भैत्युसार्श्चेनानुःसैदै सर्हेद्रादेनानुःस् क्रेंसासुद्राद् वॅर् कु र्श्वेन कुट कर वर भीर केश हेर य रेगा

देर पहेत्र पके पदि शक्ति। वृं दिने कु भिषे से सदि हा कि नि

श्रेर श्री शर दर मध्य प्रमास्त्र वे स्वा अम् द्रमा मुक्त स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा नर ने र ने मूर न र । स् नि ह कर मुंदा है स स मूं ह हिर कहन न्त्रींशायर प्रश्नेश्वा ने 'क्षा क्षार'। ने 'क्षेत्रे विष्या' नाहें दे चेदा या के र्ने नावन कर ह लेगा शेव करा अवस्थाय के में र की मावन दे र रे वा तुना और इत्सर् रंग्रद मेर् क्रिंग् केर वे क्रिंग केर वर्षा स स्रिन् में अ देश में त्रिय है । दुवा नहेर । या हर में अ में या हुन । हरा हरा य अद्भा नाम हे इस्य द्या व्या वेदा वुदाय की हाद द वेदा खुवा ना ह ह ल्री प्रथम मध्यम् मुक्त मध्यम् मुक्त द्रेष्ठि नुभाविगार् भ्रवसावर्षा नाट दसावेंचा नाय श्रेर्टिस कुर्यं मु लट.थे। ट्र्य.ब्रेश.व.ब्र्स.व.श्रु.शट.वंशस्तिवंत्रेंह्र.टे. सुँ १ रे मार वर्षमस नेमाय सुँमा सुँच द्वर मे को स्पेर मेर् हे हे दिश्यद । न्द्रेन्सः चना मार्डेर् 'द्राप्तः प्रदे दे दे दे निकास के स्मार्तः प्रदः हो दे दे के दे दे के दे व वैः। शु.ष्ट्रामर में शुक्षांशु संस्ट्रें स्ट्रें न्युंस विवृद्धन्य स्त्रिं स्त्रें ग्रिट्स्म.ग्री.मूर्य हुर्द् हे लेर.टे.क्षेम.सप्रे.र्टरस.पक्ष्यश.क्ष्म.पक्षा र. श्चेत्रा निवास्त्री, तसानस्ति तास्त्री वे स्त्रास्ता के पत्रास्त्र चत्रान्त्रान्त्रान्त्राः भटाकेत् प्रायाकेत्रात्राकेत्राकेत्राकेत्राक्षात्रा त् कु देश प्रशिक्ष तर् प्रश्चिम से जाता स्रेट पा जेर पर प्रश्च प्रजा प्रश्चिक का चर्र व्यार्णोर् सर्हे गृत्य नास्त्राच चर्च है त्वीं कुर धना नाहेर् पुरू या:भूश जम हूबे.लूट्नु हुँरे जम है। येथे यह दे दे प्राप्त मुद्दे दे प्राप्त मुद्दे मुद्दे प्राप्त मुद्दे प्राप्त मुद्दे मुद्

भुगान्द्रीयालमा श्रीमाने २५ वे.च. ने विद्यार के वि

'सेंदश हेर मोट ने पर्मे च दें। में ने सेंदश ह स्थान सह दे महिंद्र से द्वा गुद्र कर क्षा र प्राप्त का नुष्य प्राप्त के देव गुरे के प्राप्त कर का प्राप्त के कि ल्ट्स.पेह्रदे.क्स.चे हेश.देटी चेगोठ.ह्यूर.च्ह्री चोश.चडर.जंश.हुर. श्री श्री विस्ति हे में हा है निर्देश है निर्देश में प्रति के के निर्देश में भ्रेसमार्दर मुद्दर मुद्दर महत्त्र भ्रवस मेदा अस्मार् महत्त वें कुट केंग दे प्रक्षेत्र नदर प्रनुन मिंद दे में हर र हैं सार दे नु वें मिकेश अर्थे दा हिना मूँ दस दे अप प्रमुद्ध क्षेत्र प्रमू देश प्रहे दे पा दे रे दी भुंशुद्रास्त्रत्रद्रिं में स्तृत्र मुंग्याद्र्य के मोठेद सं अदा अदि। महेद प्रचार्रेशकार् र.रेटा चर्डचा में वार रे. लूरा चर्डिंग मूर्ड ने र्रूर ब्रीट क्रूंच मुर प्येंच दे खुर ब्रेंब विसे केंद प्येंचे केंद्र हैंदा दर्दर मुन्या हुन्द्र स्वरं सर्वस्य निर्माय मुद्दा स्वरं निर्मा न्यरामु नेर्द्रन्यस्य दुर्ग स्रिक्ट स्रिं रु मु सेरे से बुवा सर्दे परे त नेश हेनाश केट व श्रूट मुन् की देव न के में ट स्मा अह से है कि हर भवेश.पेर.स्वेश.ल्ट्.हुट.हुट.। दे.केर.सैट.वं मे.कुश.कूर.टे.कुर. मार्क्सरक्षाक्रमा केना हुन अन्।।

द्शादेश, चोट्टा, कुर, तप्र, तर्र, चींचांशा चव, रेश, देश, चैटा। ट्रायंश. विव, चश्चेचांश भु: २०: तप्र, चोर्टा, चोश्या, तुर, श्यत्र, कुं, फूट, कुंशाट, कुंग. विश्वाचर, चेट्ट, कुश्यर टा, हुंटे, पंट्रेशशाचेंद्रचेश, चेट्ट, श्रोटिश, चो, प्रसेट, व्या, प्रसेट, व

च्यूभ्रेनस्य.वेट्॥

च्यूभ्रेनस्य.वेट्णस

इ.स्.स. लब, शब्दान्त हे. बबा है. ब्रेच बा ब्रेच श्रीट दें श्रीट दें । चे. ह्यू क्या हो हों से श्रीट दें । चे. ह्यू क्या हो ह्यू श्रीट दें । चे. ह्यू क्या हो ह्यू श्रीट दें । चे.

न्तित्व लेगा ने श्वे अर्देन लेगा ट कें अश्यानु स्पेन पासित ना दत्त य ते अर्थ दे अर्थ ने प्रति ने दे हैं है न्या प्रति व स्था येन न्या स्था प्रति हैं कें प्रति ने हैं है न्या प्रति व स्था येन न्या स्था प्रति हैं दे दे स्था स्था प्रति हैं कें प्रति हैं कें प्रति कें क्रीत्रीमा क्रीत्राचार में क्रीक्रा के त्या के क्री त्या क्री के क्री त्या क्री त्या क्री के क्री त्या क्री के क्री त्या क्री के क्री त्या क्री क्

स्थाल्या व्याप्ता म्हिंसाम् स्थाल्या मार्थे स्थाल्या स्थालया स्यालया स्थालया स्थालया स्थालया स्थालया स्थालया स्थालया स्थालया स्य

क्.क्ट्रेट्यक्षेत्रीयास्त्रेट्टियास्त्रह्नात्राह्मात्राह्मात्

श्चें दर सर द्रमन से महिना दर। क्वें यर सर द्रमन से महिना यरस ह्रासीचा र्रेटे अमावटेचा ह्राह्म कुर कु प्राथ का का भरेता हुना. ब्रिट्स द्रम द्रन न् नाम ने द्रमन मेदे हरा नहू स ह रहा न न होंस। इसना से देंश दि हेश शु भेंदा दि से हे दे व कि से कर कर ना नहे हिन न्डः वि क्रेन् इतास्मारम्बद्धार्मे वि स्वारमान्त्रवि हिरा वे र श्रूम अम अम्म विविध्य मार वर्षे र की विविध्य मिर मार विविध्य मुकालियार हु हु रहा डिचायार वटाय हु है शिटाता कु तर कियान. वर्षेरं नीश्र वर्ग्ट हे मिट रट हो दिए वे दे वाना प्टा रेह हो न व्य मारेश में पारेश पारे र प्रामाय साम र मारे हैं है। मारेहन र्वे इहाइवे कर्हे द्राह्म द्राह्म अर्थे वे विहास के के अर्थ वे विहास है . श्चेत्रसास्रह्मसानु दुराणुसामुसादर्राञ्चरायसारे उस। श्वेसाहरा १८। अभूरकी श्रुप्तान्त्र मन्दर्भ प्रवेश अनुवास पर । मि च्रिन्। दसना में निवर निवेश कुन कुन साम साम ही र हैं पकुर ही र चित्रे बदायश सुरस रे सु अवे से विषाना नु सुर बेदा से अहा दें सहित में ने स प्रे केंद्र द्रादि भेग ने सहद भेर इतर सुदे स् चक्कात्रवाद्वालीचा दरास्तर महिता है न

महर क्षेत्रे देश प्रदेश क्षेत्र क्षेत

মেন্দ্র বন্ধ নার্থ করিন। মেন্দ্র বন্ধ নার্থ নার্থ নার্থ নার্থ

च्यान्त्रेश्वर्त्त्रं श्रीट्र व्याप्त्रं श्रीट्र श्री

टाष्ट्रभाग्। यदे स्मापिदाक्षायम् यास्त्रीत् समापदी महरास्ये ब र्वानु वर्षेत्र स्वयम् क्षेत्र सार्वेत्र प्रेत्र प्रवास सामिक प्रमु हिन्। लूट्याचेह्र्य देशातार्टा। चयाचे मुंद्र सूर्याक्ष मिटा चीटा अस्य न्टर प्रमुर् विदा विद्वस्थ के विद्वस्थित वस्य कित्र के विद्वस्थ । मुक्षाचम्यायाल्ये ना द्राम्यादका महिरायमार्चना भरायेवका मुक्षायर् श्चिर ह्या प्राप्त प्रमानित प्रमानित के प् कि.स्टर वीचार नार्या नार्यर । वाद्येय नार्टर में शा का है में अंदर वदे निर्दे मुद्देश से वश्च कर दवर सुन के रेर केर व वर वर दिन तमिर्नाम्थ्रमार्गा विस्तरार्ममार्ख्याङ्ग्र्रम् वसार्क् स्नाहर् हर् तर्माकेटा क्वें नवट भे नेश गुट देखान । तर् के मे केटा दुर्बिक म्रिट विश्व पर्द के मिल्स वर्द मारा प्रवाद मार्च द्वा मार्च द्वा का मार्च का मार्च द्वा का मार्च द्व र्स् खर रेट के शेरे के हिंद हिट रा ने से हिंद दे दे पा ने रा पट हिंद रा न क्रेन्प्नेन पर नेन्प्रे होन्दर स्वापने नाल्क युक्केट हेन्स सन् नु पुर यं ब्रेच । क्रेव मार्के अहं सार्च मार्च द स्रवस मिंद वर्ष में दिया ही गुर दन्गा

सर पर्लेश्नर प्रासीन प्रस्ति प्राप्त प्रमाणित। स. कश्र क्टा प्राप्त प्रमाणित प्राप्त प्रमाणित प्रमाणि

मान्याने देशके माने ने माने ने माने में प्राप्त के प्र

लभ ते. त्. बुच, लश मुरी वता. कुच, नामका ही वाश शासी हो हो है. हर नु ढेरे ह्या पनु इसस स पम सर सर्वेट नी र नु प व्रति। त्रामानी प्राप्ता क्षेत्रमा रे विष्ति। त्रित् ख्रादमा क्टाम्ट्रिं दे द्रमा में स्नाहा के स्र्राह स्राहे हा है दाना सामुन वस.मृ.वाल्ट.वैटा ट.कू.वहीट्.व.च्ट्र.कूस.चेस.वे.जस.मृ.ह्र. पड़ित्रम. मुन्द्री र्रेट्ट. हुर्यन्ताम गुट हेर्निम हे. दर्वे मीट इनारुट ह देना मी द गुम हर वहा यहीं दिनोंब पर मीट इन देर के मुक्षाचित्र मुक्ति के प्राक्ष वर्ष हैं हैं हुन वेर में बुद्ध कर में प्रत नेरास विया की तर्या हैटा याता हे किट्य त्या दे तर विया करें व दे ने मिन निष्ये के ने प्राप्त के प्रमास के प्राप्त के प्रमास के प्रम के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के ृ वर्त्तो र्राय वर्ते र त्यस प्याहि चले स सर्वेद नी से तर्ने न । स्नवस मेन इ'यमके केर है' अर मक्षर खेर केंग चैंद दर्गेश म अर चुर । हवे केंग ञ्चन्य हें र्ना नुःविभाष्म्य सङ्ग्रा स्नु र विष् नु के प्रशामी र ना कुंब चिट लटा इवसाले क्वा ताम्बद में वे का अर हे लटा मास कामिलेट के सम्भित्से हे कर मुर १ १ मा १८ केंस सुर समीना शुक्तिन्तुं में भेश मार्केर लग पुरा दे प्रशास के ते प्रमास है। व्यन्। नलुरे मूर्वि प्रवेद प्रमर व्यम व्यम नुदेद वर सुदः रं संस्टि नु स्मेरा व हेस शुः ऑर ने ऑर अस के क्रम व चुर हो दे दन ने वेर दिन प्रमा सेक

८५न हरा मिट्डॅंश टार्डे दे प्रमुवासी दन् प्रशासका देर है।

द्वामुद्दान्थाः करमा क्ष्याः स्टून् स्थान्यः प्रदेशः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्

भूर. अश्रात्रित्रगुंशानाद्धः व ते स्यर स्विन्यः हो स्टानकृतः न्त्री । वह

स्त्राचीक्षा व्याप्ता स्त्राचिक्षा स्त्राची स्त

ब्रामीट ब्राम्य वर्षा प्राप्त वर्षा वर्षा स्थान वर्षा वर वर्षा वर् वद्गार वर्षे कुरे पश्च हैस नार अर बेर हैर। वेर स नार देश सर्हरमुरेरेन्द्र-इत्राचीर-विक्राम्ता नारकर मार द्वाराय हैं कुन . त्रे गरावश्व क्षा भ्रमाण्य नार ने त्रे न्य मोडेट जमानमार में नि नमा वर्वः हेशःवाना वर्गेना वुस्र भेद्र स्वयः दे हैं दस्य वर पदे रे प सेन योजुंशा झे. शर् झें. रेटा झें. येर खेंचोब प्रश्चेर हुटा चिता ट्रेर प्रश वर्चे द्वार परे दे स्थानु के द्वार म् म्या मुद्रमा का सर प्रेट कुर दग्र कें न्य भेर्ने न रेदा वहर दग्र न वदे अप्य भेर द् निस्रसः देन्। र्युसः निर्दाः से देन। सः तहनः दसना मिर्सः विनस य के वै नाम अपनाई में होना भीता है नियादे के वे द्यीय प्रमुद्दी हे स' भ अवे दे चकुर महिं चे द्वापक्ष व द्वापाद । कु मार के शासक्षमभाक्षेत्रभाव गुर्ने, यदे त्यमा छटा मरावे व्यत्। वर्गेने त्यम दे न्नादेनुसारवसामार से दे दिर वेद् त्रमुना ने द्वेर या द्वेस वेद होत नुन् चलिव स्पर् हिमा ने मनदेव नावस हुता हुना क्या खु हुना व के दे नु व विन्य सु र वि सह र विना र यह मा र किर मा की। मि च स्वा हैं चिया ने सर स वर्ते र में र हर स स प्राप्त प्रवा मह र हैं <u> र्-च्चेर् छ ररेभ चरे छ छ र वक्ष वर्जेर छेर र्वेष मेटा देवे व्हेर</u> ने वा क्रें माने वा ते वे वा तहें नाय दे नी या मुद्धार क्रें से वा के वरेद-विवाधकुःलूट्यर-वेद्यः क्षेत्राच्यात् विष्ट्यान्यः

वर्त्ते म्यन्य पर्ते के प्रत्ने प्रत्य पर प्रवा

स्थान्य र. लाट देश। तर्ष जा इ. तर्हेर , हेर हि. च.क्या मी. प्रांट . के क्या क्र्या कर क्र्या कर क्र्या कर हु ने कर हु ने कर क्रया कर हु ने कर हु ने कर क्रया कर हु ने कर हु ने कर क्रया कर हु ने कर कर

ब्रिट्यूर.लट्ट्रे.पुंच्यूर.संट्री नामक्रि.पुंच्यूर.पुंच्

द्विम्बन्नवर् क्रियम्बर्ध्वरम् स्वाप्तर्थः स्वाप्तरं स्वापत्रं स्वाप्तरं स्वाप्तरं स्वाप्तरं स्वापत्रं स्

बुट्रियम्बर्धरायास्त्रेव। हर्रेड्रेस्टियाम्बर्धरायायहेर्डेर्कियाना लट.भुरी चिष्ट.कुर्.स.र्ज.वे.भुर.चिर्दश हुर.चरु.मुँह.चक्ष्य क्ट. ह.बुग.उन्म । मुग्न.नूर. टट. दशक्षेत्र कूर् हेर देर देर विटा अवसारेर मान्यान विसाह सेनायास सुना इतसावित है वा हिट मीभा महिंद् पति हार्र साहिताये ये मार्थे पति हा के दिवे सामर से सर च् बिनावना स्टाटेर पर्क नशु सुना ने रहिष्य न पाय से देन देन टाक्र मीर विमाश है रिट् हे सर उर्वेर सम्बर्ध संवर है मान सिंग सिंग सिंग सि र्थनार्टा मूट्नेश्वनम्भ्रित्म्र्थन्यम्भ्रत्यः वर्णरम्भिरम् व्यायान्त्रात्न्न्यास्यार्थेरात् कृतायाः सरात्त्त्त्न् । दे के दे रहात्नुत्र मी.चंत्र.च्य.श्रेपका.श्रु.चट. ट्रे.क्ष्य.चंट.कुट्रे.चोरंत्र.क्षेत्र.क्ष्टे.क.चर्चा. भे न उट हो से सस ही नदी द्यापना में दे हैट। ट कें न ले ने नहींन अवस्य मान्य वर्षा महित्य प्रवर्ष मुन्य देवे ए किस्स्य अवस र्ने म् मिया मी मूँ ट मिस्रेया अवेट या केमा साधित प्राप्त । सेटाया स्था शुद्र मिर्वेट्स स्तित्र ति देश कर श्री के हुन साम हर गुर स्वया र क्रुम.चीर.टे.बुरे.च.लुरी कि.चूर्य.चम्बन.चर.बुरे.चे.चूर्य.कु.चूर. नासेन-देर-दुस-रनस-सट-चे दे-देद-कु-व-दूट। तुःके मन्देर प्युर्के न ने निमान कर निष्टे मुनान एक मन्दे नि प्याप्त के नि व्यर्पायर प्रथम। व्यर् है। क्षेर श्चामकेन प्रथम व्यक्ति विश्वर्थ य में भूत्रा १८। अस्य भुग्य दे मूर प्रेन्स मधुप पाने सु नर्न । त्मारं नर्ने नुस्से न्या मार्ने सायर र र र र्जुन स्थापा र

मेंस वहंब होर हार हिंच हेर हा परेव पन सवा व ने व हो जर्॥

देवे द्वाँट र् नग्न-प्ना नै संकं र में न्या स्थान स्यान स्थान स्य

देना अट निर्मा श्री के त्र के निर्मा हो से प्रमा श्री के स्ट्रा क

कर सीला सर लट देन ज्वय नीस क्या ने से नी प्रमान के निया के नि

स्यामीरामान्यान भिर्दान् मान्दान् मान्द ममरारीनाराहर दिन्नियामस्यसार दिना निर्माराम होता हुन होना नर्टान झे.सर द्वेर जूनाम विच हुट। वसर मार्टर में रेसना नीय त्वव. ८हू: स.चेश. तिवाश. श्रूर. देट. । हुश. सूट. हूब कुथ ८ कर. सू. पदमालेयार् भाष्ट्रीटाम्याचिटा। है वसालियास्य देव्हि वसानिट हुने न्यंसर्थता. लुपायक्रिंग हुन्। विष्यानु स्वराष्ट्री माष्ट्र रहेता है। स्वर म् अष्ट्रेर मी देन महिर्दे में तम्हर दा दीश हुर सिमाश हर निरंश दिया दे दे किंट ने अस होया था दश में हिंस दुरान की राज्य म दशासुन्द्रमार्सराहेशार्र्साह्रीराष्ट्रीयुराध्येनासाह्रवाह्नरान्द्रराम्ये मी. खेना परिंद हो। मिट के अर अस मान प्रेम प्रमान मिट हो करें तायश के.सर.रेची.चर्य.संचरारेचें साशीचीर.शक्षशाही विताहर शुः भें र दे र भाग दे र भी दे दे भी दे न विद्या दश देश र दिया देश र मिट वेट ब्रीट वट प्येर अवस वे क्रिंग व के वि पर के प्रमानिक ... श्रास्त्रश्राचिरात्रनेता १३४.पश्रान्ते विरामिरान्ता सम्राज्य चुदा नदे से माल्य द्वा भी सायसार सा सो द्वेर दिन मिन स्वस मार स्टूर चैस.पीट.ट्रेंब.सर्स.चैंट.चठु.चोर्थ.क्षेत्र.घ.क्ट.ट्रे.ट्रेच ब्रिंच.चोहाल.... म् र्वश्व-विटः॥

तिरा 3 श्रूर ने ग्री प्रचा परका पर के स्विका मेरका कर ने नि कर ने के प्रचा मेरका मे

चबुर्वतंत्रास्तर्भेचे । डि.सपु.स्.स्.इ.स्.चस्यस्यस्यस्यस्य गुट वहूर्य द्वाद भटा दूर हीट ने के वट दु के रे बूट ख्वाद न्द चेश्र श्रव्य में स्प्रें तर्वे । विर्मे में ए वर्ष प्राप्त में स्प्रें में प्राप्त में स्प्रें में स्प र्बेर-(बेटा) ब्रूर-मीट-वश्नाय-वाट-व्यान्तर-वी-व्याय-वाक्यां मर्म्ब-वि क्र्यमाचिरासूरायान्या ग्रीराष्ट्रियायरायान्यायप्यायान्या श्रेर पर्येन सः शर प्रिया निष्या प्रना निर प्रसः स्र सः ग्री की विषयः प्र विनार्श्यान दिन के मेर हैं नियम मर में से मेर हैं नियम वर् वित्रवित्रवात्र मुक्ति क्षेत्र कन्या केवा वर्षिता मिर्मे वर्षित नुद्राति मिट प्रति क्षेत्रास प्रताप प्रताप में मिल्ट में क्षेत्र मुन्दा मीवर ह्या । रसमा है अस मिट्या ल्या वट मी मिट या में से ना नडस तर हूर निवेश्व के त्र नुकाव नि हिंग्स सदेव निवेश हे से देट वक्षः मुख्यः वद्गे मुशेर र्शेट र्योद् वद्गे स्थानद देर खून विर्दे के से स वर्ष्ट्र हिंद मु अन्य द रे के प्रमेश वर्ष के प्रमेश हैं वर्ष वर्ष हैं वर्ष के र के नहिना अना मिट दें। के र दे देनों वि वदे वट र अट देंबे. मेर् हिर पर्वेम दे हिर विश्व भेर् पर देश।

यर पदादेवे सर्वो उन्हें र देना विषा तुसाया सर्वे ए दिना है । देन दसासा प्रस्ता पदी मादसा सन्धा सेवे हो दा हर है । देन

ब्री पु नश्र रेविर निवे कर नहीं संगुर में र निवेश रे स्र पुर निवास है। द्यापरा श्रम है पुटाय दें निय बेदायान्य स्वरं पद्र पद्र हैंद्दा हिटा पूर्व हर्व स्वर स्वर मुकाया मेवाय मे हर्व हुए हुए हुए स्वरूप मुका मूरिष्टिर दरा देवीं रिमा मारे हीं में शादस स है र के ते के सर מחוז ב לב שווקרון שַ מב ב שנים ממו ממי אלי ברו דרי שלי श्चित्रश्चर्तरा विश्वर स्थानित्रमाराज्य स्थावितराय रेत्र श्चित्रस्य कटा हुं : स्ना अट दो पट हे र े र सर मार्स् छ सार है। वहनामा ८८८**अ.**२५.की.चेश्चरक्ष.क्ष्य. विष्य. देने चा. तु. हर्ष. विष्टा देवा. हत्ते वृष्यक्रमाहेना स्त्रियाने साहेना साहिता वह । वह राष्ट्रिया वृत्त है व व व तुर्सं पत्रे दे व वर्ष से पत्रे व वर्ष न प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र कें द्राया अपने प्रति कें में में द्राया मान्यू या के साम दाप दें ने किया दशर मुर्सिन महर है। विश्व के के ति तर्दे पर के दिन प्रविद न के कि न्यरावसूराहरायेक् के प्राते विस्ताविक ग्रामाया है को ।

तत्रीतर्। भवर क्षित्र स्थान्त्र पहर तहर विदेश प्रवास है। विदेश क्षित्र क्षित्

म्तिन्द्रस्य स्ट्रास्त्रस्य स्ट्रास

মন্ত্র দা^{ূৰান} শ্লুবহা বর্ত্তর দুধুর বা

म्या क्या क्षेत्र क्ष

महर्षेत्रवस्यरास्करिति विराजित नेर्पित्रवर्षरा ह्रेचमा दूस.रट.शैट.शैच.चेश.च.चश्रम.ज.सेचेम.ह.कु.चहूरे.च.थ... त्रद्र। दे क्रिं निवर ने निवर में निवर केर केर क्रिं क्रिं पर दर। ह्मास लेस श्रेर वर्षे पुस म दे दम ग्रार कु श्रे के कार्र प्रार पुर तर स्रुप्तसः प्रहेष स्रुप्त प्रवे नावस्य सन्मा गुट ल्रेर वर्ष्ट्रसः सु पहेर य भेवा दे अपस्य मिंद के शरदा नी य विस्तरा वि नुवादमा हैन **गै** पर्टे व सेन्स ले परे र हिंद परे मि पर ४८ स मु से र टे के ल मै . केन्-नु-ब्रिक्य-मन्द-विक्राय-र-मन्द्र-विक्य-विक् श्चिं रहें र मु कु नु स स्थर प्रिया हिटा सिंट र द र हैं स गु ट सु स सु र र र रंबनात्यत् ते.मैं..प्र.थ.मोर्न्याश्चरश्चरश्चर अरं तर अर्हेट्रयः... लटा हिट् हैं निवसलिय इ. पर्केट विना रट श्रिट शे होट सरी खेट मानिर्निक्ष। दे केदाबर चेब रसन् वेदास मुक्ष द वेदास परि होन हुर.वेश.वेट. डी.स.रंब.चो. व्स.ये.वंस.व्स.वंट.चे.थुस्रांच्यश. द्रश्रना नार व्यद्र ग्रे दे द्वार दुव दुव दे द्वार व्यद् व दुव कर व्यद् व दुव कर व्यद् व क्रेन खेर खेन खन्म से सम्बद्ध कुर मु

क्रियानेर क्रिया कर्म क्रिया क्रिया

पना नुपस शिनिष्या पा प्रकाली ते जूट पत् हिंद्य प्राप्ट प्रचा निया ने प्रमा स्था निया ने प्रमा से प्रमा स्था निया ने प्रमा से प्रम से प्रमा से प

तम् ति.पचे. १ थ. (हेच. १५८८) अ.प्रायः (हेर.पश्चारः हेट.पर्देपश त्यूल.रंयाठ.**बु**टा। के.मुट.झु.सीयाश.बिश.सा श्र.घट.सपा.कुर. मार्ची वूर ने कर नम्पेश स्ट्रांस मुना ने ल्यूर बर ब्रेटा व्यूर ग्रीट हिंद कूरा.चोरस.जिवास ट्रेर.चजूर.जिंदर.रेट.। कूचा.जुस.चहुर.तैय. सेय श. ज्रीसस. हेर्यस. भ्रीश. हों से सस. ही द. प्रता . स्ट्रील : पर्या . पर ୢଌୄ୕୵୵୷ଽ**ୖ୵୶**୰୷୳ଊୖ୷୷ଽ୲୕ଌ୰ୢୖଌ୶୷ୢ୷ୄ୕୷ୢ୕୷୷ୗଽ**ୢୡୄ୕୶**୷ଊ୷ଔ**୵୷୰ୢ୵** के.वेर,च वेचास.तर सेचाश. हु. कु. खेरा किट. द हूर्न वैटा। टपु. प्रमा म्यूंचास त्यार विश्वामद्द्रम् वर्षः अद्यादर सुन्त्र सुन्त्र विवास स्वर्णे । हूर्में वैदानर लट्टेचेर कुट पर्वे । दे नर ट के वे प्रम तमीत्राचनात्रेयासूरा। सु.मितारी स्तुर् रहते सद्दे सद्दे सद्दे स्तुर के.शर्व, ब्रुटा प्रिधिव, म. म्बूर्य क्रांटा ल्यूर तिर्दा एवं स्वर श्रेका है. विमानेया नेर् में पारमानेया के लूसी जुर ग्रेटी ट कूमारक क्रेन्य रदान्य साम द्वार मुलार प्रदेश माद्य माद्य साम प्रदेश मीदा नासर विज्ञार मत्रा विना विना विदे परित्र भीति वा परिताल के रत। ल्.र्न्यिक्के.श्रुक्त.गिताहरे.ल.च.क्.श्रथंतर्धें स्त्रुं दे १२५ हे ५ के १ स्पेर पाट के वे सम में नहां शुर स्पट सर्वे वससार विर नमः नुता नाभाने दे स्मेर दार्केश ने सादा आदा हा विना द्रा आदा मक्रमानु प्रदेशाना नेद्रां श्रवसा मेद्रा स्वत्र सामा प्रदार स्वत्र सामा प्रदार स्वत्र सामा प्रदार स्वत्र सामा

मुक्ता रहूंश्वाच्यानहूर्नी हूट्ट्रश्चित्रन्ध्याचेश्वाच्यान्थान्यः द्राप्तक्र्यान्त्रान्त्रान्त्राच्यान्त्रान्त्र्यान्यान्त्रम् प्रमान्त्रम् प्रमान्त्रम् प्रमान्त्रम् प्रमान्त्रम् प्रमानक्रम् प्रमानक्षान्त्रम् प्रमानक्ष्यान्यम् प्रमानक्ष्यम् प्रमानक्ष्यम् प्रमानक्ष्यम् प्रमानक्षयम् प्रमानक्षयम् प्रमाश्वामात्रमा श्रेमा चिटा।।

चित्रम् त्रामा स्वामा स्व

दे हेशहर में देंगर केर राय सेर से प्राप्त रेन स दर । रामादस

यद्री मान्यक्री मान्ने मान्ने

सन्तर्भादेशकात्रकेर्द्रभाद्यकेर्द्रभाद्यकेर्ध्रभाद्यकेर्

मु क्रिंस हेस २ देर निर्ट मुंदै निष्म श्वमस खेर स्वस सहर्

मम्मा केव में दे हिंदा मिट हैं अ महत्यार दें हैं हिसा दें विंदा देर अट के नित्र वित्र प्रेटा अन्य देर ट क्या दे हें व वि सुव भामेद्र यदे द्रिंश देंदे में मादस समाय दीना दृष्येद पुर्वास मुद्रा देनेके वे वे वर्षातर हिमायन हुन नुमहान निकार है सामदे न मिर्टि कुर्दा देर मर व्यन् सर र्ममा द्वरा सद व व्यन्ति । खु= क्विं के देव पु ने देव के दाय ने बार के कि दे के अपन की की स्पीस दे। र्मोस्यामाल्यायार पुरासे। दार्के गुम्मर नुपर्से रहेन त्रवे क्षेत्रं श्रेट. बि. कृटे. स. सञ्चरासा श्रे. पत्रा नुटे. त. नोट्ट. मैंर मूँ स. वनी... यदर् । में नार मोनेट देश नगार रिल्लाम निटायर र ट महमसा मेंसा म्म् मुर मर्दे पा मेद। द के दे रे प्तृत के मेर कु महिंद प्रुव महिंद मा सक्सरा में में नार में रिवर देवार सवा है जेस देर ना दस खना स बि.सर्येस.**मेश.पर्यः प्रांश**का हु.**चे**ट.**ब्री**स.प्रीस्त्र.पे.स्**र्याः भटाः सेट**ी म्रिं हैं दे विताक हैंद्र नह ना है स हैं ना हेंद्र हे सा सदमसासा ना रहेंद्र वर् गार पर्देश द स सद्यस्य पर स्था है द्वा ह दस स्पर गुद्रः। यमःगुन्नामदःनम् स्याकेरःदेश्यशःस्यःम्हेनारस्रदेरःनः व्यक्ति ग्री सेना

सर्मेद्रे दे हे के दे प्राप्त के मार्थ मार्थ के प्राप्त के प्राप्

मान् र. ले गान् व र. से र. न से र. ने स. माने स. माने र. ले गान व र. से र. माने स. मा

र्ह्न कु चुन क्रेन वाने ना

हिर्रास्त्री में स्वराद्य राज्य राज्य राज्य विषय । विषय । र्दे वे के केंद्र पति पर विंता दे है राट केंद्र पा है या में खिल पत् केंद्र ल्र्नान्द्रेद्र'वित्याद्रमन् मेन्द्रा विम्रशः देन् मार्के अद ल्र्ना खुद दशः रूट् निर्टा न्युर् र्षा र व्या था हर वह नशा दे है व नवसानिसः इत्साचे वर्मा गुरा दायदास वर्षामा साम वर्षामा स्थाप साम वर्षामा याद्मार्थानुदार्भुनार्था हैन विसादेद दे प्रति विद्याप्त प्रति विद्या ८:क्रॅर सिना नेल **भेर प**नु ८ हु त्यस से र स्वयस न ८ से र दि र दे नि रक्ष'द्रा श्च'रेट'वें ढेंबाश्चबामनावामामामा । वाहेदेराट के दे हैं हिं खुवा दु जो द के दा हिं त्र हम है। यद ही सा हिं मा हिं हिर हैं स वर्षातामाश्यामा सिराविस्र हेशास्त्र हैनार से वे लाय सिना सामाद्या द्वैरशः वक्कदः भेरते प्रमा । दः कें से दं सदा वार सर कें दि कें ववसः हे स्वयः द्वेरः च्चनाः ह्र्यां कृष्टं कृष्टः व्यूः द्वरः वर्षेवसः हे स्थिवः व्यवसः हे द नेद्रिता द्रमन्त्री केंश्यो सद्द्रायन हे द्रायन हे क्षा हिंदा मेद्रायन लिल बुना ल केन क्रमा मा क्रमा हिन ग्री पर्ने । तिम हिन मेहर महर महर त्रपुरम्परकानुभाकाकुष्ठानुष्ठा हेम्। सून् तर्ह्रपुर्या भूत्रा मानुष्ठामा देशः ब्रॅर गुनि। यो द्रायर पर के वे विना तर कर पर प्रश्निद्ध सामर परे वाह मासाहि। ल्रेट्ट्र श्रिक्ष गुट मर्बेट मा श्रुवा

स्त्री त्या निया स्त्री स्त्र

ल्वान्द्रा।

ल्वान्द्रा

लवान्द्रा

पः क्ष्र-नादशः वृद्ग्णीशन्त्रा देना मुक्षः नामा क्ष्रा नामा क्ष्र

देवे अपास दि हैं द्याय पुरा दाय है सार में दाई महि में सा दयायान्त्रिन्यानुर्वे करायासुर्धरायर १०० च प्येद सामा दे वेद् नि सःकुं लिना **भव**र लिन् । दे त्यावर्गेद्र त्यसः निवना व्यसः सेद्र दारे नामसः त्रद्रा रक्षमान्त्रः वर्षे स्वाप्ताप्ताप्ताप्तास्य स्वास्ताप्तानाः स्वीपानादः व्ययम्भित् पर पर वहेत्। दार्के र कु मेस मान्य प्रमान्य स प्रमान्य स स् वयदश्या मुन्द्रिर दुः देहे द्वा वहर दूर । वर्षे द्वा वा वर्षे द्वा व ् वयस्र भूती श्रामोबसाईरा योषभायोचुशासेया चूसाचेया वैदा। वयोज वर्भेर् १२१ रेश के मुर वर अयान अर दि से अव। कर विर हे पर त्वे मुर्द्ध विवस्य तम् ने ने विष्य विक्रिक के दिना हुन पर मि x4.3c.dx.mx.acsids,30.3.2.2d.... विगपुः श्री है शामुशामुदा। विश्वाची विनाश्ची मनुमा संशादी मार हिमा सुर दे.चबुरावेटावरेचे ।क्राट्राक्ट्राक्षक्षकार्त्रवर्तवेटाजिकाक्ष्राच्येता ୕[ୣ]ୢଌ୕ୣ୷ୖୖୣଌ୕୷ୢୖୡ^{ୢୄ}ୢଌୣ୵ୖ**ଌ**ୣଽ୵୶୕ୡ୶୶୳ୡ୶୳୷ୣ୶<mark>୷୕୶୵</mark>୕ୡ୕୶ଽ୷ଌୢ୕ଽୄୖୠୣ୶୵୳ୣୣ୷ୡ୷ **美烟花大城**[]

पश्चिरक्षः विद्याले स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थान

सर्वत्याचेत्रत्याच्यान्त्रिः स्ट्रिं स्ट्रिं

भृष्टीर-य-यद्धानीश्वामश्वर-प्रम् भिष्ट्यान्तिश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्यः विश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्यः विश्वर्थः विश्वर्यः वि

ज्यात्म् । प्रतिता मार्चेट्साया

मुक्षत्वाद मुद्द विद्वाद स्थान स्था

देल्ट्र स्वायह्र्य पदे दे ह्यू स्वर्य ह्या हेता हुर ह्या के प्रमान के मान के के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वय के स्

ल्ट्र नेद्वतिद्वतिद्वति द्वा द्वेश ल्ट्रा केद्र माक्ष्य हेश देश हैट ने होट वहर्ष्टिन वर्षे वरा रूपि क्रिके स्वीति वर्षे क्षमास्मर्हराज्याद्रा वहूर्द्राष्ट्रायाष्ट्रराज्या हराद्रा सम्बद्धाः चीट च क्षेत्र द्वेस द्वा विट हे वे नश्य हुन् श क्षेर स्व हु असे ह्वेन ब्रुद्धिय के अपनित खनाया नित्ति ब्रोट नहेंद् वे स्वत वस नहेंद्द या सेव पद्रविमार्ग्रटाक्षियांशायद्रवे वहंताश्रीहर्षे द्वाराश्रमार्षेता. द्रमश्रदेवै दर यदेव पद्रमा छेश य पद पद्रमा । अपमा देर मुने यद्रवामुक्षार्द्रतास्त्रम्थाया प्राप्ता मुन्तस्त्रेत्र र्द्रतासम्बद्धाः द्वेदार्चेद्रायदे द्वाञ्चयशास्त्रेव। द्वेता नीसादिद्वा दर्गत्वे वाञ्चा लेटा यदे द यर कायहेंना सा नुसा दादे दाना यदे दाय होता सुरा सहेंद होता में मार मोविट मी महिस पहिंदे पा ब्रीमा बहा है और त्यं पदेवस अप वर् वुकार्भेर् यारेत कु क्रेकार्क रूप प्राप्त विश्व परि हिंद के ना हुवा के विश वन वदेवरा नेदाय पदेन दे वद्ये हो हे दे वदा दे द र द व्याप सेर् गुर मु से स परे द पहुंद मिं दिन परिंद पारेर केद महाहिस देश दशन्त्रासर सम्बद्धेर होट वहूर्न में देशन मुद्दा है विन नुस है होट यहूर् हुन्। भ. र. रेना हर्र र त. मुश्र यहूर् पर माश्रवायस्त्र ना श्रवायः ष्पेया

त्युंत्रित्व्यक्षः दशः तद्यंत्रः कृटः मुक्तः स्वरुद्धः तद्यंत्रः स्वरुद्धः व्यक्षः विष्ठः विष्यः विष्ठः विष्यः विष्ठः विष्ठः विष्यः विष्ठः विष्ठः विष्य

मुक्तानहरूष्ट्रस्तर्भेर्याते कुर्यं स्वर्रक्षा विद्रस्त स्वर्रक्षा स्वर्रक्ष

स्कै:इ:रम्:संक्र 'खुक् सूर्द 'तुरु त्युक्ष व्य बहेद देट सट वर्दे नार सूर्द '

ट.ष्ट्र.भ.श्र.इर.४चेंद्र.१.भ.इट.चर.मे.चर.हो.संस् ॐॱदेद'धुंनास'त्युद'**ॸ॒**ॱयंवहाने<mark>मिँद"द्दाभारतश</mark>ुरःब्रोदःस्रॅक्स**ध**ुद्दार्देदाः विमेर् स्थापर दे मार्चाद स्पूर्ण मुन्ता वर वर्ष मार्ग्य से हैं क्रेन्'ॲर्' यश्र'यश्रम'निविष्य द्व' '५द'मेशुः नुस्य विष्य विष्य देश'गुर'''' **૽૽ૢ૾ૺૼૺ૾ઽ૾૾ૢઽૺ૾૽ૢૹ**૽૽ૹ૽૾ૺ૽૽ૢ૽ૺ૽૽ૢ૽ૺ૽૽ૢ૽ૺ૽૽ૢ૽ૺ૽૽ૢ૽ૺઌ૽૽ૺૡઽ૽ઌૣઌ૱ઌઌ૱ઌઌ૱ઌઌ૱ૡ૽૽ૢૼ૾ૼ य नुसःतरः देर्'व्यामु से मुटःत्रव'व्यः ब्रोटः वहेर् देवा वह्न् नाटः अटः पुरुष्यान्त्रेद्राणुद्रश् वर्द्रद्रश्चर्यद्वर्द्रम् वर्द्वर्त्रम् वर्द्वर्त्रम् वर्द्वर्त्तम् वर्द्वर्त्तम् वर् चूर् भ्रे.चर्था क्या इ. वर इ. हेंचा रे. चीर क्षित ची. हुर भ्रेश रहिवाश.... वना नार द परन् केर प्रवेश महिर माश्राय है केर केर है देश देश हो दार स महिन्द्र द्र असी नेन्य अनु सेन्यु । विकित्त मिन्द्र दे दे सु क्वायमः है 'वेदादाद्वार देवार देवार विकार के क्याय है । ୢୢଽ୷ୖ**୶୷ୖଽ୷୳ୖୣଽୢୖ୶୕୶ୢୠ୶୳**୕୷ୣ୵ୢ୕୷୷୴ୄ୵ଈ୶୶ୡୄ୕ୢଌୣ୷୷ୡ୕ୣୢୡ୕୷ यमः वर् नाया है मिल है के महिता है ना दश में के दिश कर निर्मा क्ष्यात्मार्ट्न विन् ने ने ने क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र निविद्यं कर, चिंद्र कुर हू, नहूँ रेज सुरा अधि ने ने दे में कु राजा पर कार किया है। पर्नेद पार्थेवा द'नुष्पर' दार्क दे द्वार खद रहेद मार्डे का व्य दे मूर्क सप्तुदः देना पहेंचा पदेंद्र 'रुका मानदः नु 'स्पेद्र 'ग्राट **नु स**क्ष प्रसम्बद्धा देना दे 'स दृर'येद'मान्द्रद्रसम्स गुरुष्यः र नेद्रा

मार्थर प्रमुद्ध स्माम्बर मी केंग्रिय प्रमुद्ध र देव

 वार्षिता में क्षेत्र प्रस्त स्वार स्वार क्षेत्र क्षेत्र स्वार स्वार क्षेत्र स्वार स्वार स्वार क्षेत्र स्वार क्षेत्र स्वार स्वार

मार्थित स्थान्त द्र्यां स्थान्य प्रमान्त्र स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान स्थान्त स्थान स्

क्रम् नियम् नियम्

द्राक्षे दे से स्मर स्ट्रेंट के प्रश्न स्मर प्रमा स्मर के दिन श्चर्नास्त्र,चेश.व.रंटा हिट.क्र्स.रंशर.व् ठु.इट.क्षेचेदाल.ट. चेल. विशः हुन्। साम्यः इति अद्रः नामन्। वहून। देश चर्मा न् । अद्राप्तः नावसः मेटश्रक्ता लटा यो कें यहरे वेटस पेड़े मनाटालट मेरे पर दश्रा हिंदा कु अड्यानाई रें के निंद हैं स हैं स हैं स स स म प द प्यो की स ध्येत विंद हैं देखें प्रदेश मुक्ति सम्बद्ध महा महा महा पर्वे मा यिट केट जात के जाता ने अन्य तम् ने शा के प्रकृत हरा देश पर्वे वसा है. वर्गन । क्षेरवहेश । क्षेरवर्देशका अवस्थात्वर्रिता शक्रवरहरू । वर ह्मान्द्रिया क्षे.मेड्री.सून्याचार्म्तिनिशाद्याहे.कूर्याकार्क्रिका मय्या स्रित् हेरा देर्मा स्टार्म वेमाई स्ट्रिय द्रार्म स्टर द्धनाया के अर्थे: यर वसद पारेदा र्धना मार्थे दे है है र वेदा सवस नावेद चर्दे हा भूनाबर्टा हिस्र महेंद्र हैं नहाउ नहना है। सर् के क्षेत्राचा नेराना का खेया श्रेमा सहें द्युटा नदे से सामहें पर्मा स् भूति हिंद्यां अस्ति अस्ति देत् तर हुन स्वति ह तहन मारेटा इंबुवार्डें सर्राचीय अर से **द वेश के सम्बद्धान व**र्ष चुर वर्ष वनायम् व सर्वे सम्बद्धः महिन् द्रमा में यह स्वर्ग । वि मेस वे मन म् या केंबा मुंद्र प्रमुद्दे मा द्वारा पर की महानी दिहाल दूर में मा पर हैं महारा वर्षेत् द्ववाबेर हिटा सामार्के दरा हमायर मुक्षाया र वेद वेदेर वद्रीयमें सामास क्रूर सदर मिट्ट रेमा के स बरेट में हिंद में चेरा गा बन्नेब वहनाय दरा विटार्टें र देविक विविध्य दरा वहरायहैना है द य। दे श्रेष दम् द्वेन नी त्रम दश नहें दे शे पुन परि है दे हिंद दि म है क्ष्या के स्वाप के स् अर मार्श्याका क्रकाला त्या श्रीका में कार्यात क्रिका है क्रिया मार्श्याका क्रिका क्रिका क्रिया है क्रिया मार्श्या क्रिया है क्रिया मार्श्या क्रिया है क्रिया मार्श्या क्रिया है क्रिय है क्रिया है क्रिय है क्रिया है क्रिय है क्रिय है क्रिय है क्रि

सम्बद्धम् में नेद्र म्यद्धन्यद्धः ने नहेत्यः म्यद्र न्यसः म्यद्र । स्याप्तः म्याप्तः म्यापतः म्याप्तः म्यापतः म्

त्रश्च मध्येत्र्र्यं स्थान्य विद्यात्र स्थान्य स्थान्

त्रेच.ग्राः। चीत्रवास्त्र्यःग्रेटःबंद्यः देन्त्वाः भ्रेक्षः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः देव्यः देवः विद्यः स्वरः चीत्राः स्वरः चीत्रः स्वरः स्वरः

च. मू. ग्रीकार चार्षे त. चर्ची संचा भट च्या मूं र पड़िया प्रीका प्रमाण में स्था मार्थे त. चर्ची मारा प्रमाण मुर्चे त. चर्ची प्रमाण मुर्चे त. चर्चे त. चर्ची प्रमाण मुर्चे त. चर्ची प्र

द्याल्या व्याक्षा क्ष्या क्ष्

 स्यादेवसानु नार। वयरामा मानी सेन्द्रा हिंग्दर छो प्यादेशः श्रेशार्चर्द्राम्ब्राम् नुप्तवस्त्राच्यात्राच्यात्र्राचित्रं व्याप्ता पीप्र.लभ.र.प.र्ज.स.र्ज्ञ्या.चुर्य.दुरा स.प्र.प्रस.रंथवा.वहप.टुर. हैस मेर्पानाराम ये नेश के प्रेर स्वस विदर्ध वे द्वार मी देव मही इनस मु पहुर हैर पर्वे र लेर पारे । ले पर र म है जिंद हु से स पर्द रे.पश्चात्रं वा.सर.पुर्धं संचानाचेशक्षात्रं स्वासायक्र हर हिं क्षेत्रे वसमाध्ययानु स्पर्नाचर स्पर्ना केसस्यो क्षेत्रसाने र विदार्वे सा हिससासपुरानुस्य वर्ष वर्ष निर्नु पर्द राजुनासामुसा अपहर हिन पर नमश्किर। श्रेनित्रा दयवायहर्षे के वर्षे में रहरा हैंद वहर है हो द जिंद ने जिंद ने मुंद में मुंद में मुंद में स्थान हम द । इना पर माश्चमायादिर पर्देश वद्यायस देश पर्देशना समा सेव कहमा हिंद हैन """ **र**नांश **उ**टाय देशा

तत्र त्रक्ष स्टार्टा के स्टब्स पर विद्र पहेंचे क्ष हो । स्टब्स स

मि. मुन्द्रं द्वार् त्वार् त्वार् त्वार त

त्रात्रा नेत्र हात्र नक्ष्य क्रिमान्त क्रिमान क्रिमान्त क्रिमान क्रिमान्त क्रिमान क्रिमान्त क्रिमान्त क्रिमान्त क्रिमान क्रिमान्त क्रिमान क्रिमान्त क्रिमान क्रिमान्त क्रिमान्त

ब्रुंद्रान्त्रं त्वहेत् त्वहेत् क्षेत्रं केटा। दे क्षेत्रं क्षेत्रं त्वहेत् व्यक्षं त्वहेत् क्षेत्रं क्षेत्रं

द्भिन्म 'खुक्ष' ५६दे दे दे दे दे दे दे दे दे हैं से खुक्ष' कहिन्का परे खट त्रवाकुत्र त्रकामा त्रव्यामी र मिनार निविद्यशार्मिश र शामिरा... अं डिटा मा रेना अपने में के बहु पत्रे में प्रेम सर में अपने सम्मान हे सर दार्क में मिया ही के में मुखा मावका **क्रें हा हु म**र नाप दाय **पर्** इत्यामुम्मरम्बुट्यस्यदेशाद्वित्म्म्ब्रहेर्द्वे देणुताद्दर् मूराष्ट्राचर केन विंसेर यदे सामनसामना नुमिल्स कम सिरायवसा नित्तिक्षार्थित्। देशायायारे देशाद्राच्या शुर्भेत्र प्रवे देशाची प्रता क्रामान्त्र सर वर् से दून मन्त्र स्रा वर् स्रा वर स्रा सर स्र वर्ष पर वर्ष प्रमा नेस क्रिय हिंद मी पर्जे मा पर्छ महा साथ स्ट्रिंद दि। खा श्रम हिंदा पर्दे के चल् स्ट्रिट र म न स्थि अ कन स न स में न । ५ - ५ - दिश मदि स न स्थान स न्ना प्रहें व्यायहोद स्प्री केट या चेदा से वावा मा शार्के र मेट महिंद वा स्रोत वदेश्वयम्भीयसामान्दा वर्षेत्रायसक्षेत्रक्ष्यास्त्रासा महित्र्यः व्यत्वर्त्त्वित्वसा व्यक्तित्वर्ताः क्रिस्तर्वा न्युवान्तिर में सिन सिन मन मुन सिन में जिल्ली

व्यत्वकुर्त्वास्वरम् वर्त्त्युवाः स्ट्रिन् दसः स्ट्रिन् दसः स्ट्रिन् स्वर्तेः देन् स्वर्ते वशयानी स्थाय प्रत्र हैं न लेगा भेग व स्वारम्स र ए खेल र द के । या के न व्यान व्यान के निवास के नारम में सार्वा न स ह्य रामा में क्रियाद्रानाया हो । व्याप्त व्यापत श्चनश्चर्दिन मेर गुरनदर्गाय हेर चें जेता वेद दर व्येद पदे सुना क्रू. मे. बुरा द. भर्त. तार था उर्जेच न्य हिन में ट वर ही. दून शासिन श्रा हिट मीय वर्षे में वराय में श्वान्य ने नुस्य मुद्दा वर्षे में का गु । येदे । ह्य १ क्रियामु अपेरे व क्रिन्ट त्योर सामुसाय सामिर क्रिन्त निर्मे करा । मिटा ग्रेटाझर हुट अन् भारते र इटा नेश्व भ ब वर्ट सेना कटा है कु सेटा न्युरक्षमः वर्षाः रेत्रः से दर्ग देरावहेत्रः संरवस्ते सामवेशः सवेशः देरपुषानुभार १८ व्यद्गानदेश्वराष्ट्र गाउँ गावद्गानाय केशवर व्यद्गासुरानु रेटी चिट्डू हेटाइस संक्रिस मेट ते तुस संक्रेड्स में हैं है से संक्रेड द्र.वर.प्रग्नूर.वी.र<u>ू</u>शा

त्यर र त्राच क्षण्य प्रत्य क्षण्य प्रत्य क्षण्य प्रत्य क्षण्य क्

प्तरा क्रें द्वा प्रमानक्षाणा हिंदालेग । । क्रिंट हैश वहमानेट क्रें वित्र हैश वहमानेट क्रें

ब्रुव'ले स सद्दर्भ पर मुन्दिर मुन्दिर मुन्दिर मुन्दिर मिर्मि स दिर्दिर यद्रा न्द्रान्येद्रायवेद्दर्द्वासाकुद्रावाद्याकेर्व्यानुद्रा स सर्द्धश्रामुद्दानु द्वन् द्वर् रायद्वन् महिसाहे यविद्रास्त्र सुयस्देर् रदा सुर्वश्वर्यातर्गार प्रदेशित्त्व चि.वर विवित्वस है रश्वरास तर पिट.च.चेड्रेस.चोलर.ड्रीर्.चेरट.च.ट्रेर.चे.च<u>ळ</u>्टिट.खेचा.चरीचारायर देनु भी भी देव में बुरा तमात प्राप्त में प्राप्त हैं पार्टिया त्रीमानब्धरानवाश्चर तर्तता. या श्चेषा ठत्र ग्वेट हे हे शायवशास द्राप्त प्र वृद्य महिक में दर्य मिर्ट पार्ट बिर श ग्रीश देना स वेद साम के स विभाद्धाः हेर् हिर्द्धाया सेवार्विसः समि इससा वरसा विसानी "" क्वेन पुरुष्ट्र समिन्ति कं मी व गुव हिंद मी निर्दे द नु र श्वेद धनक है। विनाम महिमाना मिट कर नुस्य नहें या नहें हुन्ति मेश श्राप्ति स्वतं स्वतं स्वतः हुन् हुन लुन व्यत् हुन् इस ्त्री श्रीच्या मेलर हमा हु नहत है है त स्वस ह र स स त्यर वेंद म् स्त्रा त्रा स्टब्स्य स्त्रा स्टब्स्य स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र स

महत्ते हेर् गु. १५॥ ज्ञानर नाश्चर के महत्त्व स्थान के स्

स्ति । अर निश्च स्ति । स्ति । अर निश्च स्ति । स् स्ति स्ति । स्त

नाश्चर.रेटा। देटिजासालचा देशसालवा हुन्। साम्पुरानुटा। दे स्थारा हुबे.चहीर,वेस.ब.लटा ट.टटा टबे.चीवेट.बंश.चव्य.चूंच्यु. न्ता सार्वेदसायवै विन् कु देव पु प्रविश्वमानि सून प्रविश्वमा भेटसाहें न होट्यायासेन् नावसायायात्रक्रियान्त्रस्य त्रीकृतात्रस्य व ं ने निष्णके अवस्य निवास निष्य हैन निष्य । वर्ष अवस्य निष्य के स्थारिक हैं नि दशादार्के वे रेके भार देनावा के दार्यर विदेश में अपेता के शामि सहिदार्शे **इम**शः वेर्-पु-प्रदेश्यः केर-पु-द्वि-पु-प्रदेश-प्रदेश-र्द्धन् श्रामः विश्वास्त्र स्थान त.ब्र.चव्याः व्याप्तकः व्यापति व्याप ८.७.१८८३८८४५८५५५५८८७। हर् स्स र्रामि क्रिम की खेंच खेंच खा मधुर के स के रामित विकास रामित । देरा नुसान्द्रमान्नीतान्सायुरम्भार्त्वासार्द्रम्भारत्नेत्रम्भारान्दर्भुद्रम् वर्डेन नाम्युवा छेत् की व्योत्। दे व्येन सुनाम नु व्योदा स्रवस सेत देन कीन द्यादः मीस्राम्बर्सः **सूरः** पर्द्वे खिस्रामुद्दार्यः क्रेरादा व्यक्ता स्थानिसः त.भ.भ्रा ल.सी हुर.री उहरास्त्रां अ.मे. मार.तयाय. तथाशासीर. वर्तः। इस्तिनस्निन्द्रमीःश्रेःश्राप्तापः विनान्दः म्रोदःस्ताः भ्रवसः क्षा सर स्व में मुंब में में मिल है न दिया सिंद मादे र दाया में में मादे में में न्तर्वर्षा सर्वर न्त्रवस्य सद्य स्वरं के मु न्यू ने के नियन तुना खरें नारे स मझे महिंदा सु मझूपरा दे वे देद दस मझे व हिंदे देद ततु. ह्या अ.लुश देट.रेश प्रे.श्रट अटश सेश भेश भीशिटश तत हुस **त.रंथर.**४नुचल.श्रेर्.पंट्यंश्व.तुर.तुर्श्वेश्वतल.४र्ट्र.लटल.मेश्व.श्रे... इट्स कु क्रिंस नासुदस्य दार्दे नाइस एपु अ देर देद दस ना हो द हिंग स स्ट्रिंस ଞ୍ଜି**୴:ୠ୶:ଦ:ୖୣ**୵ଵୖୣ୵ଵ୕ୣୖ୶ୢୠୣ୴୴:ସ:ସଞ୍ଚମ<mark>୍ମିର,ଅ</mark>ନ:ସହର:**ପ୍ର**ମ୍ମା

द.कर.भड़न.मी्नेश.शट.तू धु.रूनश्चरश.फ.टड्डेबेबरा.ट्रेटेटे भभारे. वर हुंश. वेत. त. कु छ उंडू. वटल. ए गुनिश. व्या वेट. व . लटा वेद्की खवा है वादुश देना दुषर व्याप्त सुवादय दक्ष व्याप्त के अवसःचयःहो हे स्यायाध्यदे मुदाखेंन्या मुद्दे है देव द्राक्ष्य हा हिटा योश श्रिम मिस अवर यदी वर्षन र इन्डर चुरा देन का विदार वे मम्भातिचात्रानाहरे.रे.कु.पहेचा.र.व्भाजनावतंत्रानावेथे.कुरी रूटे. स्यवन्द्रम्ति लेक्षाचन्त्रन्त्रह्रम्लाह्रम् न्त्रावरत्यास्त्रमञ्जादर। वह गरा चेंद्र चेंद्र दर्गेश च स्त्र क्रिया चेंद्र ઌૢ૽ૺ.ચંધજા.ૹૄૻઌ_{ૢ૽}ઙૢ૽<u>ઌૢૢૢૢૢ૽</u>ૹ.૱૱ૺ.વૺૹ.ઌૢ૿.૪૮.ૡૹૹ.ૹૺૡૡ૾ઌૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽ૼૡ૾ૺૺૺ૾ गुदा वेद् दे प्रदेश ब्री द्वाद रे रदा मी बेदा पु स्पर् हेटा वेद् मार्के अह लुरे.तम्भः वर् स्ट्रियाशास्टायात्रात्रात्रेशास्त्रागीर्रास्त्रेराववटाला चट.दा. भूटी चिट. पूर किया टक्रिजा हु वैट. लट. मुकारीयी देशती. पृथ म्कृषायते हे यासु से न्द्र सु लिमाया अटावदे पद्रवे द्वाव सूना गुटा खे खें कें बेटा ५५८५गाव धुनादेवे कुराम कर पर हैराई प्रबेत ह्या संयुद्ध केट **'खेद्र**' या **रेद्धा कु स्नार** के देखा<mark>या दश केर खाना सा</mark> पुरुणः वर रम अर वा वेद्रामे हैं हर्के साम सादर वडमा समेद दुमा भी वर खुना वश्यादे दना क्रुब कर खेरा मर खेरा की रेपा देरा वदेब मार्के व्हा की नायर हार तरी होना में अप तहीय मिया हु संभा खे थे त वहें ही या वह्माच्चीः स्त्रामदायाद्वर्यस्यात्र्यात्वातुः हेत् वर्वेदार्योत्॥

यस देत्र पदे द्वा है हु । वस म नूस पदे मानद हैं स गुट भेस प

सान्य साने ता वर नियम् साने ता वर साने कर नियम साने साने ता के सा

निर्मित्रेश्चार देश्चे निर्मित्रेश्चे निर्मित्रेश्

રેવા ૨.કેતુ.તદ્યાંથીદ.નું.નોવાજ.જ્વા.તટુર.ફે.કેર.જ.સ.થે.વા.વ**ા**જ. मिटा देट्रातम्जानात्रात्राद्राद्रात्र्रात्रात्रात्राचार्या मिल्रास्त्रात्राद्रा द्वायाम्बिन्यान। वेर् द्वार्यन्य वर्षा केर् या पर्वे द्वार् क् मंद्रम् सु स अव सर मु केरे सेर मंत्रि में के केर मु ह पर केर रूपा वर्ष्याम्हियानुमाधवसानुसान्तुमा १००० व्यानी सेदान् मीबिट.मीश.ट्र्य.जशका.क्षेत्रीर.तत्र.बत्या.चेश.च्रेचा.चेश वी.येचा. रबर वृष्ट ज्र्म व्रेर हुंस पद्ध व वहंता दे रामा श स्प्रिमाश व्य रामा वॅर्केन्दर्भेन्दर्भेन्दर्भ भेश्रातम्बर्धाः स्वीतः क्वाराद्धाः द्वारा स्वाराद्धाः विवार्षाः विवार्षाः म् अर्रे नु हुँद् भार्द्र नवश मुद्द वर्ष भीद केश सेद द भारा। मु **बे:रब**र:वॅर:कुन:बुर:बं:वेर:बड़:बेर:र्-चुर। में ब:बेरं:देर:कुन: ह्यर प्रविद्र के विवाद देश देद रहार् मृत ही के वे विवाद वा पहा। देश कृत्रां प्रसामस्य स्वतं मिया श्रीतः मिया र्व सामाया प्रवे क्याया प्रवे क्षित् वि मा वि से मिया प्रवे से मिया म र्वेचर्या मित्राष्ट्रचाक्षात्रवेक्षाक्षाः पूर्वान्याः क्षुत्रचाः क्षुत्रः च विद्वान्याः क्ष्याः ह्मारामाराम ह्मारा चेट से देन हमा चेम हैं है दिसस हन हमा. लेवार्क्षेत्राच्यावर् पुरसे देवायास सेन् ग्री हिस्या क्वामा ग्रुटावर दिया रहर्ने विश्व श्वीय ग्रीट न्यस्य नेस स्पूर् यास देश

स्यो हुराशिक्षर जरे ५ देर्। लाज प्र प्राण्ये वसामित स्थानि स्थान

द्रिश्चिराहुंशःश्चेनशः प्रकृतः ने स्त्राः प्रकृतः स्त्राः स्त

त्रीनामात्रक्ष्यं माद्राष्ट्रवास्त्रक्ष्यः स्त्रीन्त्रक्षः स्त्रीः स्त्रिः स्तिः स्त्रिः स्त्रिः स्तिः स्त्रिः स्तिः स्ति

स्वानी नसस्य पर मों सं है नास माडिया पहुंचास पहेंद स्वाद है । स्वाद स्व

स्ना मिना नाशर तान् में हेर नहेंद्र तत्र भेगा। रेसे प्राप्त ने प्राप्त ने के प्रमान ने स्वाप्त के स्वाप्त ने स्वाप्त ने के स्वाप्त ने के स्वाप्त ने के स्वाप्त ने स्वाप्त

म्बर्ग नेद्र वने वेत् वः भेता नगर हिंत हैर प्रवेत नेद्र वे सं रेन्य स निस्क के अस ने प्रति प्रति के किए हैं है। है सि है सि है सि है सि से सि सि सि सि सि श्च महा नेद दर्महा। भ स्थाप्त-विकास के स्थाप्त के स्थापत के स विकास के सम्बद्धा के स्थापत के नक्षेत्रहेन्य विद्यास्त्र विस्तार् । विस्तार मा निर्मा विनास विश्वस्थानम् कृष्टान्त्रभावान्त्रयाः है स्वत्वे सेश्वरीत्वर्गत् ब अबे अन्य तमन्द्रिक अधिक छे दिस्य हैं। तम् अर्थ तम् विकास - र्वेभक्ष के के ब्रेट के अध्यासमा ने ने नया बीन स्था है व से नित्राप्तिक रखिति । अष्टिमिनु किर स्पार्थित कुर्धि पुन पर्व। में PARTY OF BUILDING BUI नन्त्रित्रम् गुरा मध्याम् निम्न मुद्रेन् समाप्त क्षा श्रेत्रम् किरमान हिर्मा बहुर ने से अने से निर्मा निर्मा निर्मा कंपनाडमुद्रावर्त्ति कर्पन्न विकास के जिल्ला से स्वास के लिए हैं के दिन हैं। न्निम् रम् तायदेर निम्ना सहस्र हुन भी हिंह है है हिन सहस्र सह नुस् । सुक् अन्तर्भाक्ता क्रिया हैंग हैंग निस्त्र में क्रिया के स्वर्ध

दे .कं.वे.चबट. ४.८५४.८०००० दशाश्चा श्वाच हे द.रेक.ये. उंद्य मिट. वर्वे मिनावावसायवे पर्नावसाय द्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स पर्ने निवस स्नेनस से निर्ने नरे ही निर्मे के न होना दर परस पार्केटस श्रुर्भिर्द्धिया के . हे हूं सामेदा दे दूर सादी सार्य द सार्य है सा भेता वर्षायने नात्रसार्वया सम्वेनासात्रात्रस्त्र होत्रदे त्या त्यात्र सबरायम्हित्याचियातार्द्रम् म् एक्ट्रिकास्यास्त्री दाक्र्यास्त्री ह्यूर्र द्वींश य नाय नाय र के में श किर स्वर शेर पुर दे लका न लग र पश्चरावत्राक्षराहिता क्षाक्षरादेशदितामात्रकार्याहितामा त्रैं म्रायमा येव प्रमार्थेन वर्ष दे नवस्य द्वामायस येवास दसः विष्टारीत टार्के दे नावस खेल दे वनाय हेस से द पद से लिन सेंटर श्रीटार्भना मुक्षार हूब रविटारिसाता के में लेवा सु हे वेस पेवाया कुर त् ब्नार्टान्य व्याप्तर स्वयं देश क्रिक हर् . ठश गुट . द्यार . यर . य ... न्त्रात् दे नमामार्चान् केंद्रेने द्रायदेव के स्टब्स के ता द्रमान सम् विभाज्ये ना लूट में लटा। चूर्वर हे के मचुर सारीय हम कु श्रास बंधा ग्रे.म्रेनमा म्रा.कू ए.के.म्रेर.नुक्र.विधर.मु.वेत.राध्.म्रेन विक्र. वुद्रसद्धः पश्चमः द्वेषः वृत्ता द्वावः परः सुरः पः देशा

द्धि विष्ण्यावत्त्वा हैन्या है स्व के का मान्य प्रे हिंद् है प्राप्त प्राप्त है से से से प्राप्त है से प्राप्

क्रिसंदर्यम् के सर्देशस्त्रे देशस्त्रे देशस्त्रे दिस्से स्तर्य देशस्त्रे स्तर्य देशस्त्रे स्तर्य देशस्त्र लट वैटा नमर वे वे देट अन्यमा कु वन वे टाई वे नम् मार्थे बिरा एक विर्माने का के दसर वे विमाय विकासिना की विद्रादर नि'र्क्केर'**र्ड,व्य श्वर्यः है है है । इन है :**ब्रेन् निर्दे 'ग्रेन्दि 'ग्रेन्दि 'हे ह" वसंर्स्थिय वि भु दे हे द्रम्य विसंग्री द्रम्य वि दे न्दर्भि दृष्टा द्रम्य शु.उटा-पश्राप्तेचा,सुशाचिश्राचा.लूबा <u>मूट.क्ष</u>ु टु.चे.ब्रीट्राडु.डी.सी.सी.सी. देनासायवासि हेसानेसारामीरापुर्दे इंपने रहाराष्ट्रीरापदा। दें सर नेश वनशर्कें (चाम देन। मिंद केंश हिमस प्राप्त में प्रकेश के त्या के किस के स्व क्रुंस'गुट'दे'विदेर'विदेशवनायानेदाने के उट्या टार्केस'व्यस मुं'वहसं व्यः ष्णे र केश मुहे मिंद के ही क नाव्य हु के पत्र प्राय प्राय प्राय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के बर मा त्राय रेर प्रमें र प्रयोगीयीय त्राय मी मी प्राय होते अंग मी प्राय विविराधिता मु अवे दिसर वे वे दे दि स्विर द स्वर्ग्य पड मि हैस दस महिसाय दार्दा दार् दे सारका मुका मुन्त दे न दे में व्या है का में दाय वकु द्वेन र मान्य के के ति द्दान्य स्थान दे दे वकु खा है वि वर्षतायाल्ट्राचन्त्रं वर्षाचित्राक्र्रास्त्रं स्त्राम् म्बुस्मान्द्राच द्रस्म मेस मुना।

देट-दुश्-द्रन् क्षा कीट वे के कट अर भी दे की विदे ने में का का दे की की कीट विदे की की कीट विदे की की



দি: শ্বুর্বের ব্রামান্ত্র প্রামান্তর প্রামান্তর । ব্রামান্তর প্রামান্তর প্রামান্তর প্রামান্তর ।

- १ कॅ.विर्रेट हुँ श.गुट कें शन्नेंस य
- द श्रु.से.शर.हुंस.ग्रीट.कुश.देर्ग्स.च
- ३ द्वेस.सिर्यास.सि.रेटा वेट.तपु.सेर्
- वॅर्-नुक्तक्ष्मिर्-र्
- इस के द्वे न निर्मानिता नर्वे मान्ति के क्रेर सर्वे नष्ठ ना
- इना नरे द तिरं नवे दुधान्ता वर्ते नवे ने नवे निर्मा कर्मन निर्मा कर्मा करियो कर्मा करियो कर्मा करियो कर्मा करियो कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा करिया कर्मा कर्मा करिया करिया
- η उद्भूर वर्ष मैं ग्रेश वर्षेट वर्षर व
- ८ वर्षेया यश्वर वर्ष हैं वे वर्ष या
- अम्प्तिकाशः मेन्द्रान्त्रवः क्रिन्द्राः
- ०० हेन हैं दे हैं र करिया
- ११ विन्याणु कर ने जिना नु कन्दर म
- ११ द्रिन्सूर वदेव ना केस वन्दर वा
- १३ क्रा.भेशमाश्चेल्व.क्ष्याश्चेर.चन्द्रता
- ३० हूस, असम. श्री तारे श्री तारी स्था है। सन् र स्थ

इ. ५ ई र हैं स मिट क्रूसर होंसाया

用りののことが

रदारेश देश हो दर्भिया भीदा यह कुष्ठ दे। हे पद्दे दिन र्वे लर मुहाहे ४ म मेर् जुटा रे नहिमा सुमानह मी मरे वाहेट ट्रशः **भु**दः स्त्रः बुदः कृटः। अत्रः मुशः मुः द्वेयः यः हे 'द्वयः युटः यः दे 'द्रदरः के देश न्दरसाञ्चनान्दा वहैन इर मीश हेदास्तर होया है हिन् निर्मा नापर्दे रदार्द्री द्वा वाबर कुं ज़ेश खूरी लट मिश ग्रेबर्ड रद्ध मु. **अ.र.सम.रथ्यभीयशामिर्धाशी,रहारान्तु,श्री.यपू.** विटानवट **शू**चीशा**शे**. मर्सुर्भारमा तामके रम्पुरानी वृक्षामा इक्का प्रमेरिन केवे रिला र्डर 'वरबायदेन|बालु'यदे व्येड्रिं पुर्न 'यह व्येड्रिं या व्येट श्रेत 'ग्रामा दे 'दन मेश स्वतः सात्र हा ह्या नि द्या नि हेसाय हिमा स्ट प्रे से स्ट प्रा रेता न्दिन्द्र प्रति प्रति प्रसार्विक में देस सामान्द्र में पर्दे मान्द्र क्षेर्या वैगप्ता मार्र्यकम्बाय विग स्टार्यब द्रमा स्टामेरा दे न्ना दे कुंखसा कुंदिन चानदे कान्दे के केंद्र साथ देन केंद्र मुश्रां सथा पर्दे स्वर् प्रदेश स्वरक्षा से प्रतुष्टा प्यता नाइब क्या सारसः माद्रश्र भे मुद्राः देश द सेमश मिंर द मी भे द पु नदे प विमायस्म मु चुदावासार्वे के द्यानुवानु हानुवानु विवाद के दार के विवाद के दिन रेत्। ते अ.स.च.च.व वे क्या की स्वरंश की स्वरंश क्या क्यें प्राप्त है से संस भावति प्रति क्षेत्र प्रति स्ट के विष्ये के महिरसाम् विभावा विगाप्तवुदायद्दार्केशव्यायहेश्यका स्ट्रांद्र्याका देखा देखा पदे सूनाके क्टा है प्रतः लिया प्रिक्षण्याः प्रस्यामी क्षेत्रे मुद्दे न्ति साम्यास्य स्वर दर रु अर मु विष भर्द दर्गिका का दे है के के म हो ए द द नो की दमे के तका

हें क्षे सर हें श मुद के स द **में** स प

हरा मृत्या कर्ता वा स्था वा स

म् अव्दर्भामा देशस्य स्त्रीता देशस्य स्त्रीता देशस्य स्त्रीता स्तर् स्त्रा मि स्वा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्

द्भाः शुः नामाश्रायः स्वरः व्याप्तिः प्यवे दिरः मी दरः हैं हर्षः है।

तृःमहेम् समुद्दः त्रहासः मुः ५५ म् । हिदः ५८ म् स्मार्थः दम्मे । वह्नं हिष्यः मुद्दः निष्यः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः समार्थः स्मार्थः स्मार्थः स्मार्थः स्मार्थः स्मार्थः स्मार्थः समार्थः समार्यः समार्थः समार्यः समार्थः समार्थ

श्रम्पा म्नाम् स्याप्तम् म्याप्तम् म्याप्तम् म्याप्तम् स्याप्तम् स्यापत्तम् स्यापत्तम्यस्यस्यस्यस्यस्य स्ट हूर्न न जूनाश गीब भवेबा हैं सर ता बेना जा जा में सार ट सेनश. दे के अपने प्रतास्त्र के अहार हें दे के जो निवस के सामुद्र के के स्वार्थ के कि यंत्रीत्रमायाः भेत्र वायेनामा हिंदा खनामाया है अधुवार्ये हिनामा देश यर **पुनःय भी**ता श्रीर दे द दु अर दे अर अर से द श्री हुन श्री मा के श भेर्द्र तुं त व्यद्देश मेर से से द कि किया या के सम्बद्ध से प्रमाण के। दे **भट भट संसर कुरा साम १ है। स**हस्र स**बुद बुद**ा प**देश ह**रा शुन्सः यक्र यन में निवासिंद या सा त्रता है सा सेदाय केर प्राप्त प्रमुख यदान्देश्चनकेदायित है। विदार्के देश्चर देरान्द्रशायकेश्वन **श्रे** क्षेत्र में स्थापे 'माइद'यरे दे भारत प्रमाद प्रम प्रमाद प दशः द्वेंब खिने**ब द**्वा अर 'न्य द्वेन 'दें के मिहुन 'प्रेंब लूट प्रेंब रू. ... मिर्श्रिया वि.मी.मूर्या क्रूबा जियामा मानव वित्रामा हुमा म्रीमा क्रेरा वर्ष व्य मायका खेला नेस हें माया प्रवादिका देवें देव हैं। मिं वस में दे हैं। वटायदे क्रिंश में रामान्य र्वाया में रामान्य में प्राप्त में प्राप व्यानात्रश्रासन्त्राचार्त्राच्यात्राची देटपुर्वाच्याप्तरामी वर् नार्रेस गार्दे केश प्यूर कर सहा नार्रेस पह संशास्त्र पर राग्रेस हो। विचःम्हिगहा**छेन् हाँ हैं हाँ सही हैं सह सह स्वार्म** है । जुर के रा**म सहैं रा** ह्या कर र ने दे र व्याप में मार्च मार्च र ने के र ने दे र ने ने के र यम् हैसःमादः वेम्सः गुदः यमः देव स्थः यसः मी देव माहेतः वसूर विभामाधुवायर महिंदाकिया। देंदाणुदा खेदाकदाद्मान द्राया पदि द्रा देशका मीका मिं वे स्मानी केंबा हो में देव मार्टे प्राप्त है है सार्व है का देव मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे मार्ट भेना विनामदे त्रमानु नहुर देश पुन सबै रे मार्थ है । दे दे दे मार्थ द्धयादिनाः द्वसाञ्चर्रा ५६ १ रचा गुरा रही गणिना पुः हो यहुर यहे । देहरानी श्च.रन्य.पर्मेश.९ श.बुनानहर्ने.मैं.लुरी ट.कूपु.र्हेर्.न.शटसाचिश. च्**ण.**वैय.त.वै.चश्रेतारा.४ दूर.अटक.चीश.ह्र्ट.श.सूरे.यपू.वट.वश्र. चुढ्ना.क्ष्य। शदश.चेश.ट्रं. ईयश.ह्न्ना.श.दश.शटश.चेश.श्री.तर. ८.क्र्.मे.चे.द्र.सुधायत्रक्र.लुचा अस.सुधस.चे.ध्रस.तस.सुध्यः चीट्र. हो शिकारमा है सेमस ग्रेमिवद रियर उद प्रेडी पर्टेर क्यास मार्सर यदे रें दे स्ट्राइस्य सेस्य की र ट यही र या बहार या से र से से मु रदान्ति दे हैं दे समान नहार मारा लिया भी दा क्रिक्स है स श्रेमरा कु तिम्र क्षेत्र। दे देत् हेन स्ट्रास्य स्प्रम्थ हैन मे है न देशसा देश वर्षे १ वर्षे १ हे ह्या बुद वर्ष दे । साहमशहून साम अर वस देना रा.**ट्रे.सटस.**चीस.जूरे.तमा ह्यां.म.र्यश.शटस.चेश.तप्.शटश.चेस. न्नेना वट राज्यामा अविवा दे रद्दे सहय मुखादे साद्या है स्रीत पर ८म् नदे द्रमह्य देश सुन्त्र महान्त्र महान्य महान्त्र महान बर विश्व के केंद्र श्रद क के र अर प्रमान में प्रवे र देव हा अवद हो दा सहिता क्र.प्रविता के हुर् हिंद हा विदा। अर्क्षेत्र मी श्रुभ श्री मे मे म्य प्रकृत या माराम पर ल्टा नम्भयायादीलायीदार् अटाचे लेट् यहे नुसाम्भवसायीमा लेवा सद्य-में स. ने में विद्या में विदेश तर दे राष्ट्र स्था में शाम विदेश में विदेश पर दे ह्मास से दा हिंद हिंद हिंद दिन दान स्वाप स्थाप देश पर दिन दिन झेंश्य.श्व.बेचेशता अतिकंशकाता च्रा.लाचंध्याकाषाता

वर्षरास्त्र पुरत्मेर मुक्रिंग्रेस्य या देशयर विद्वाया नाव व हुन या वेट.क्ष्य.क्ष्रेट.सूर.चोचुच्यात। चर्टेर.क्रं.चब्रूय.च। शरश.पेश.च। क्रुंश.मु.पिप्ट्र.जू.पश्चेर.य। श.ए४.जला.पेरंश.व.कु.सह्रं.त.चश्च. नाकेशनस्त्र। सद्याक्तित्रहेनाहेन्द्रक्तिया देन्त्रित्रे देन्द्रित् दे.लट.ष्ट्र.पर्सेण.चंश्वराजश.चोश्वट.ची.ष्ट्र.पर्सेजाचीव् .च्.लूबे.संचर्या.... ष्ट्रश्चार्याच्यूर्याच श्र.पविद्यात्री स.क्.हेर्.ता.केपा.हेर.वसिद्या दे.वय.हेर.वर्ष.हेर. ^{क्र} प्रमध्यक्र <mark>स्</mark>रानिष्य मी. र द. पर्वते प्रानी हेन्स है सील से**र** सिंदस . दशन्त्राद द्वारा लिनाहा सर्र देर निद्य देश स्तर हेन सर्र शरमास्यास्य द्वायात्रस्य दे या नुसान्तर स्वयासार हासेर मानुसा चि.अब. ह्यू स. मी. इ.च था. वर्ष स्थारा ना ना हू. चूर र स्प्रांटश वरा पता ना राष्ट्र चर्दराया चर्ते त्यस्यस्य स्वतः क्रिंस मी विष्ट्रा ते पर्योग द्रा चर तर विस्रित्रर राग्रिया विष्ठेगा हे ब सी रे मारा स्वर र यह देव द्रस्य यान्त्रें वर्रान्त्रिकावसारमान्त्रेवासेन्यते द्वापायसामहैसाने प्रतिर ज्यरायाम्बर्धा र्यास्त्रत्यर सरायास्याय वयार् नार्याय देवी क्रेन'ची देमारा उन द्वार में त्रे चेर स्वर इससाथ मार्ड मेर द्वार साद् जीत्र ज्यामिया निविद्या हे क्षेत्र नी नीया कर मी. क्ष्या पीत्र रहु सामा नी क्षिय वर्भेर। केर.च.श्रदशःमुशःगुशःहें हे प्रकटः वी सुर विदेशहें कृत्राक्षाक्षेत्रक्षाक्षाक्षात्रा राष्ट्रेत्र्र्, पर्वे स्वते स्वते स्वते स्वते स्वते स्वते स्वते स्वते स्वते स पर्वीर (बेश क्षेत्र म्यूर क्ष्युं) रोर्द् क्ष्यश शहश मुंश मुंश महाहश प धृना भेता वर्डेम स्वतः वद्या के वापव महें सुनिय द्याय है हैं देन सुम रटा र्मिशामी हून सूर देश में देश में देश पढ़िर परी लट व में र हा भट्य.च.चक्या.हं हूँट्.चिश्चय.च.च्छ्या। हेट.ट्.पह्या जेश.रच.हं.चस्य.च.चास्य.चे.स्य्य.पटेल.चा सर्. चं.च.च्या.चं.वक्य.हं हूँट्.यर.चस्य.चे.च्या.चिह्ट्.चे.क्य.विस्थ.टर.।

> मॅर्-5. थर. श्रूब. ८४. थेजा १

वदायरे केंब वेंद्र दृष्ट क्र्य वृद्धाय वी वदानुदानी खुया वहा दरायरे वेर्रे के श्रेश क्षायर वेर्रे नुपर मिय वृद्य विदा नुश्राद स्पर विद श्चितः वेदः मः विद् । १२दै वित् सर ५ उटः कुरायः विषासेदः ५५ वटः यदा बुक वर्रानु कुणर क्षावा पद्धा कु केर दर दत्रे स्नवरा वर्ष छ। म्म हिर्पे पर् पर्वे र ह्या अपर र उन्य किया हिरा अर्थे पर पर अर्थे । वर् मु . बूर्याचीला झे. हु. चीवरा तब् व अपवा वटा चलेब हुंची अर दें। हु. दशर्ममानुसाहे प्रदेश र् स्थर दशा मुन्नर मुन्यहरे ५ दिया प्रदे अपना स्यास्त्रन्थः स्वान्यान्यः स्वरास्यास्य स्वर्षेत्रात्ते स्वराः नुतः र्यट.गर्थ.४वैट.चोर्थ.श्र्योश.ग्रेश.मैंट.इंट्र.श्रूर.लट.शट.व्.वस्ट्रीर. मुनामहर्। दुःबशामिटार्यराश्चेतकानेमहानुःज्ञाचकान्यातमाराक्ष्या वर.चोरश.चटा शिर.लट.च्र्र.सॅट.ब्रेचोश.टटा हुर्.ह्रेचोश.दश. यस्रायानेशामीसाम्बर्धानाम्यान्तराम् वित्राम्यान्तराम् वित्रामा रेर्'केर्'वहर वे स्राथ वर्'ग्रेसे उर्'सर वस्य मुनर मी सावस मुव चे चेश.कु.व.भट.त् पु. ७ वशामाची देवश है. चेशव. चशस है स. तश. .. मील, पर्वेश, पहुर्श होता सहरे, शुरा। संध्ये, रे. रे. राज, श्रर हो, शहरे, स्चित्रासट. त्र. चूरे. टे. कुंचशाडे सर्टे. कैंट. चर्डे रे. चर्ड्स सट सूर्य सैंस. सहरी रेश.रचश.रेट्रे.ब्स.वंश.च्ट्रे.रट.क्रेट्.क्रे.सिक्स.च.सट.क्ट्रेंचैट

हे.च्रे.पम्यासः च्यासंर पर्यं प्रमा दिन्या स् हेशक्श कु मार दर। यथ र दे अवश्य मान्य के य वेर दे वे यक्तराष्ट्रमा विकार विकार विकार के विता के विकार न्र नी दर पहुंद दे सामित्र पादि र र प्राप्त वर्ष में में में में में न्या केशमाल्यान्यायशेषाक्ष्याचारायायायायायाया वर्त्रोत. दे. कू तु. बट. कूश. ग्री. प्रमीता. कवर. कट. क्वर. क्वर. वाता प्राप्त हमा. तु. शरशःमुशःरटः १८ मी महिटः दशा दे श्रेषःमुमारः समिसः प्रे महिटः इटरा है नहरू वा खव या निस्ना केश केश निस्तु र प्यानिहन या द्रेट श्राट मी मुं मार प्र कु द्राट मानेश गादि मिट्स मुं साम्बर पर्टे हुट र्ट विच मोट भवश केंस केंग सर वर वर्षेर रणे ये वरे मार्थ हैंय पर्ने नादे देन कर तो प्रमु स्ना सर से दे हेन नहा रहिर परि पर्ने . थेना वट नी देश नी नम्द ना दिन भेद ने ना रहा विट देश नहिंद कु. ८२म १८४ स. बर् में मेर मर मार्था प्राप्त प्राप्त र स्वार हैं। रेट.शट.शट.श्रु.२५.श्रेर.ह्ना.वश.स्.रेगान.चनु.चानुट.नमन.नश.स्र भेरे.ह्में विस्तित्वेद्धाः हे.सीट ह्यें देशायी स.क्षेत्रा सीता हे विद्या ति हिस् तरुमा बेरा मार्था द्वार तर्वे विमा र्था देश हैं । वस्त्र पर विर्में क्र्याल सिमार्थिया वेद्याची व्याप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स लूरे.च.मैं.शक्र. टे.चेश.टे.चे.अपु.क्र्य.पीचेश.बुंश.वंट.च.पर्झेंर.चर्श्र बुरिय विनानु दिस विदेश बुरिया दे स्वान वस व्रेराय बुदाय रेता अद नहर्नुर। नाडेना'नुस'द'दूर'तिस्थ प्रेत्र'स्य द्वीट्रा'दन्य. मेद्रायाक्या दानुदे दुर्या स्वयापदे मा वृत्ता मेनाया कालुता में विस्त्र में तिस्त्र के कि तिस्त के कि तिस्त के कि तिस्त के तिस्त के कि तिस्त के कि तिस्त के कि तिस्त के कि महर्यात्तात्रं हो।

स्वत्यात्तात्रं हो।

स्वत्यात्तात्रं हो।

स्वत्यात्रं हो।

स्वत्यात्यात्रं हो।

स्वत्यात्रं हो।

स्वत्यात्यं हो।

स्वत्यात्यं हो।

द्वार्ष हैं देव चन्द्र य

पर्शः भीना में निर्देश्यो क्रियं पर्देश्यो प्रस्ति में भीन्य स्था में निर्ध्य में निर्ध्य

नरे वे स्ना नर्या त्यम्या रादे महेव रादे । वह वे गुव द दुर तयह यवै महेब यवी । वर्दे के वर्गेनाय वसन्तर यदी महेब । जय.पंचनंबर.राष्ट्र.यदुंब.राज् । स्निनं यक्त.पंचारार है। विद्रुप्त हैट. र्ह्यत्तर वि जे मूर्या ता अट्ये 2 वि जमास्य तर वि सेना नहारा वेश तर.वे.कुं.पुंधातर.वेर.थ्रेर। प्यापविट.केट.वर.वे.कुं.केट.वर. वर सेन वर्गेन या सहर् पु वु से सहर् पु वर सेन वर से स्र्यायमानुमान्ने साम्ये प्राप्ते विष्ये हेर् विष्या नुष्य हाय व्या युन्दान्वरुषायात्मान्त्र्वारायदे नदो नदो नदो वर्षाया वर्षा तपु मीय सवतं वस्त्रा वर्षे भी वट वं श सक्त्री विषा प्रचीर पर्ष प्री नासः ्रांद्र, यूर् तर्ह्र्य, तर वि.ही हे, पार्हेच, वर्षा नर्षा व वे जिला हें व त्रश् वैदः (बेदः। अपूरः यश्च प्रश्नेशः तत्रे द्वारा क्रेशः वीदः प्रदेशः त.श ज्रांची सैना तरे र दे छे र शे बेर के मुख्य अरा दर्माना यह परे र रादी मिंदानी पर्देश सादी मार्डेश अदादी स्थापती काया केरा असामी यदेशयाबी दे विवानुदावयान्त्र पर मिलनायानेर। दे भाराग्वायनु रक्ष स्नापदेव प्रवृद्ध रक्ष गुवाय वृद्ध स्वापदेव उन्नेत्र अत्राञ्चित्रायसायम्बर्गायाञ्चरानुन्त्राया अत्राञ्चरान्ता २ मॅम् निर्देश हैं अर्थ अर्थ गुट्य वर्षेश हैं वर्ष अर्थ वर्ष वर्षे निर्देश बंदरान् द्रेशन्ने न्यान्य वहान श्रुटरा प्री ने ने ने निर्मारा में कर्ने के र्वे व्यत्ने विन्यर सुनायस्य वेस रा वृत्य ने देश देश ने वे मह्र्यस्य गुर्ति । त्रे स्ट्रिंस स्त्रे स्वयं सामक्षेत्र प्र वर्गेन्यार्थेर पुष्ठ वर्षे दुष्ट । देवे के प्राप्त देव वर्ष वर्ष के के प्राप्त के के वर्षुदःदशःवश्वरावदेवःवद्र॥

तित्रं त्रते श्रुं स्वत्र स्व द्रा त्र्ये विते हेन्स स्वर्धाः

ने अटा विक्रियक्ष्मायक्ष्मर्ट्यावक्षयः विक्रायक्ष्मः विकार्ष्मः विकार्षः विकार्यः विकार्षः विकार्षः विकार्षः विकार्षः विकार्षः विकार्षः विकार्षः विकार्षः विकार्षः विकार्यः व

म् रहालास्टार्यहास्त्रीरायराजसाक्ष्रीसाक्ष्रीहिसाक्षालम् वृत्ता स्थाने स्थाने

अपूर्यम् भी भी देश में ता स्वर्

तम्राचातर् हे भासाया वर्षे भेरा दशा हुमार् वा यहा हुन गुराद्या मीरेशरे हेर् सेट्रा है सेस्रा मीर्ड चे दे मूझ सेर पर सेस्र ह मुन वरःस्व भाषा वर्षाणुरासेस्र चुराक्रें सेंद्र सारे दरा दे स्मेर्दे र नु श्रेनशःमर्विः विदेशसार्ने देने माल्य न्वर नृ मुरःदसार् देन से स् मार विदिर रे खेर हे तका हर मार्थमा रा रे रा हे वा हेरे केंद्र से से र नुःसदः भदः। नार्देः वे तिर्देन् कम् श विःसदः। दःमुता स्मा व स्मान लुश देव वट वस मिट पर्ट्र हिट निकेश नार्व मुं से से है। सून अर. रदात्राक्ष्यांशास्त्रात्त्रदासीसारदात्राक्षात्रेत्रसानुना मुद्दानुना न देवः में दे दिर चे कथा तर हिर च 'व व व र । अर र द 'त क न श व पे देवर . मुक्ष-४८. ब्रेट. अध्येत् सूर्यनविष्युद्धः स्तुत्र सुरान्त्र । दे अख्टरा र टामीश स मेश प्रति हो देशेंद्र सर के यह जुमा के बुट य वहसा है वर् रेर्। दे वर्षे राज्याक्ष्यास्य स्मिशः वृत्तासः हेव से वर्षे रट कुर होना स सेर या दश में संशास दे र्वट में श से प्रसाद दे कर ल ८.८.७१८-४ श्रुट श्रुट श्रुर पडिट पश देव भी बार के समित है है. रट.म्रीश.चेश.वेष्ट्र.चोषश.वीचोश.श.चेश.तश.पथ.व.लुबा चुरा.वे. अवतःरनाःरटःयवेशःग्रेशःसूटःयवेशःरःरेरःसूट्शःरेःरटःयवेशःग्रेशः

सम्मान्त्र प्रमाने स्त्र प्रमान स्त्र स्त

यश् मु क्रूर वी

対を ののでできる

े.श्वर्, टवीर. की. प्रश्न, क्षेत्र, टेचे. प्रचानिका, लूटे, त्रान्दे ने। चवीर. की. प्रश्ना श्री. प्रचानिका, क्षेत्र, चेचे स्वान्त्र, चेच्चा, प्रचानिका, चेचे स्वान्त्र, चेच्चा, प्रश्ना, चिन्न, चेच्चा, प्रश्ना, प्रचानिका, चेचे स्वान्त्र, चेचे स्वान्त्र, चेचे स्वान्त्र, चेचे स्वान्त्र, चेच्चा, चिन्न, चेचे स्वान्त्र, चेच्चा, चेच्चा

वर तर्र हैं. यू.च वर वी

यर पते क्रेर। तिर्मेर पति विराध वहेर रापते हैं निता वर पति हैं निता वर पति हैं

चत्रःसवरः सेना चत्रः मूल्यः द्रात्त्रा।

क्रिस् नेत्रः सेना चत्रः मूल्यः द्रात्रा।

क्रिस् नेत्रः सेना चत्रः मूल्यः स्त्रः मुल्यः स्त्रः स्त्

~~~ \$**1**, {\$1\$,042,01

त्त्रस्य क्ष्यक्ष क्षयक्ष क्ष्यक्ष क्ष क्ष्यक्ष क्ष्यक्ष क्ष्यक्ष क्ष्यक्ष क्ष्यक्ष क्ष्यक्ष क्ष्यक्य

पर्या स्थित् स्थान स्थित स्थान स्था

इन्।केश्नप्त

त्रभाववक्त, में क्ष्यं प्रचान क्ष्यं प्रचान क्ष्यं क्षं क

विद्या स्थान स्था

ヘシの | 5山からりま: 4七七・七

क्रेच. तर क्रिचंस. जा चेट हु. वर्षे. जूरे च. जूच. म. देशस. जश. चूर. म. भक्त.रे.मीर प्राक्षती है.क.बैट है.ब.चर्राच हे.च.भर ज् लूटे पर मिश्चरम् भीटा। भूम् मुद्रसम्म पदे पर पहिंद्रश रटारे देशसा श्रेमः क्ष्यासुरहेनामास्टर्मानाम् देश्यामान्ता देरेन्स्मरमा र्वट-कुश-विट-ब-क्ट-वन्द्र-वन्द्र-वेर | कुट-क्ट-बेशश-व-भ-सेव-वस. वैदायालुबी संसक्षरीयायद्वायवसाद्वासम्बाह्माह्नाद्वादरायाश्चीयाम वक्षम् यदः वक्षदः विवास केर् वर्षः विवास केरा महिमा ५८। दे ५८ हरक कैमा'अस'व्याम्बर्'र्'र्'यङ्क्ष्र<mark>'यव</mark>े श्रयस'नेस'तुर'क्कुर'हिर्'पर्दि। दें लट श्रम्भाश्वराक्षाय विदेशप्रदेशम् विद्यार्थे । दे लट में हिन् १८। मि.च। विरामिरामे नवे स.स.र्म.र्ममालामवर् रे.स्र्रेव स.स्रेव ्द्रेष्काक्षे**ञ्चराञ्चना**यामा**ळ. याञ्चटामीयाञ्चे**राय**रा**ञ्चटायापायां वाञ्चेरः नर नेत् देवे सहस्र सुय नेत् से देव प्रस्ति हैं। प्रस्ति स्ति हैं प्रस्ति हैं। प्रस्ति हैं। प्रस्ति हैं। प्रस्ति हैं। मिल्स म नि व विद्युत्त्र विद्युत्त विद्युत विद्युत्त विद्युत्त विद्युत्त विद्युत्त विद्युत्त विद्युत्त विद में ब्रिट्यं दर्भ ने दें या मार्चिमा ब्रिट्र में कथा गुर्भ खें व स्वतंत्र श्रीत्रश्च न्त्रीतायायाम् व कृत्याय देवसा केव दर्वासा देवसा स्तित्र

पद्र मी देशन प्राचित दशा हेट से प्राचित मी श्र क्रे श्र प्राचित मी श्र क्रे मी प्राचित मी प्रा

वर्देश्-विक्रेश्व-क्वर्-या

वदेर अन्म प्रवादन्तर व वर्ग र वहूर में रार रेश महूर्व समान शर्केट्र-देट. शर्केट्र. यकुरे. यदु . देह्या. ह्यू. यदे . देखे. सं श. कर्रा ल. स्वेश में श्र. म्केशरे व्यक्ति मान्निर गुन हिंच पर्ने हैं मिन्निन दिया मधर हुना त्र क्रिंद्र, तर्नु . नोशंका . तीतांका . नोडु नो क्रें . नोड़ का लाई। देतर . वी से नोका चार्वतः व्यक्तः रह्नेद्रित्वो श्रुप्तामाञ्चनः वार्याः स्वतः द्रविष्टः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः यवु निर्मा क्षेत्र र निर्मा या निष्ठमा दरा। व स्वताय दे से मे मे साम हरा। श्चेत्रप्रते निद्या द्वेश च ता तुवा ख्वेद स्ति तुवा हमा स्वृत्य द्वा विवा रहे नाकेशास्त्र यानते वर्षे विद्यन्ति द्यान्ति वर्षे देव द्या गुवहर्ष क्ट्रेब्यु ट्रेंब्झ् स्विशहास्य क्रियंति क्रियंति क्रियंति वर्षे पहिंद्र अध्य मुनाद्भिंद्र परि देना नेसा कदा अवे के रे देनदे देन देन मदेव'य'द्रा शक्कादुर्दि'याबै'र्देना'नेक' क्षा निके केंद्र देव दे गाव ह्माम्द्रायर वहेंना दिशाया हिंद है दिया वर्नेन प्रदेश वी द्वान्तायदेव यामेवाया दे मेव राम भारत् गुवहूर्य यहेव वर्षे दिनामुर्कार्कात्रमान्द्राः वर्षान्याना दश्य वत्त्व दाः स्वायाधित दार वहे व व्यक्त दाव दिस व दे हैं वह लेन क्षरं क्षटं इट केद्रं च विरं म हिंस हे ब्रीय दां भ नीहें के इट किया सामा ब्रुवायान्त्रिम् गुटासेदायसायससायदाराद्वात्त्रित्याहेदायारेत्। दे.क.रवटा व.कर.टे.व.चुर.पीय.जबट.च.लुवा भट्टर.चर्च. न दिन्दरायक्षेत्रक्ष्यः वृद्धायसम्बद्धाराम्बद्धाराम्बद्धारा न्ता शक्षर्रानुपासाम्बराद्यान्त्रात्वान्त्रात्रात् न भेव द्या

ष्ट्रश्नेशक्षक्षेत्र स्था है स्टापन द्वा

क्रियायना त्येद पुराय विकास श्रिया स्वीद पर ने मेंद्र सर निर्देत यात्रिक् या दाम देवा भाग में प्राप्त में देवा में देवा में प्राप्त में में देवा में प्राप्त में में देवा में प्राप्त में प्राप श्रेरी बटारेट. प्रमार्थितातात्रमभ में तार्वात्रका बहेट जेसाता देन्या नश्यम् मेर्टर नेश्या असारमा में मेर्टर सर करा भवेब रे. तिह्ना वेश वश्व हैं निर्देश नेश वी हैं स वेश विरो पर्वे र पर्देश के के अकर प्राट मा पर्दर ग्राट पर मेरा हे अ द अमा प्रेर अ नमभानानाना के नमा दर्गार महत्त्र नश्चिम भारति नमा दर्गा पर व्यक्तायासुदावही नाल्यास्य संस्थान पश्चित द्वसानाया के जिसासु क्रे निश्च के निश्च के मार हिना क हैंद न केन निश्च रामा हैना मा है। कुंतिराक्षाक्षेराच कुंताचान वार है। हे नमा हैंस कुंता है ने के ना माश्रादमा मिंसायसमापर। र.व.्रर्येन क.प्रांचा में पाकर क्षेत्र हे.हे.हेर हो। ने प्रमार्क्स मेन ने प्रमार मेन माना माना हे दस में माना माना दे प्यट त्रेमीया **येदाय प्रदा द श्रि**या **देवा** कुवा द रहेश हेदाय देखा यह क्री र प्रशास है। दे 'सूर पुराधर 'अद 'प्रमुख मुझेन माझेन रहे। सुरा मैयाना प्रवास है। दे प्रशास्त्र भीना के जिलामा ना मुद्दार पर। मि के करा देन्द्रात्राक्त्रातेत्रात्वम् नामायद्रात्रेद्राक्त्रात्वस्या क्रिन्द्रेन्द्रासः क्रमासामा ह्या हरा श्वापनी प्रामीशा भीना महिरा भाग हि भूर प्रसम ब्रॅंड-रन्ग अस.च.**प्रे**न-प्रस**.च्रॅंट-म्रेस-म्यस्थ-च्**र्-म्**श्रदस**-च-देर्ग

स्वस्तर स्वार्त स्वार स्वस्त विद्या स्वार स्वार



त्र.क्रॅ.चे३स.च। अश्यतंत्रतायेताकूनश्चाक्षेत्र.बेटट HW.851

ATOM TO

मिहासक्ष्माचा देट'नुस'द्रह्माची मोस मो रेखर देखिट हम हे निया हिने रेखा निया त्या नीसा यह द र दिया या या ना व में ना छेर प्रहेव श्रेश.प्रेट.ट्र.सॅट.वुर.स्थिरश्रेरी यद्दं पद्वत.वर्जूची वरमा श.वेश. यर वहून थे रेट. य. रेट. । स. विश्वानि स्वर र ट. रेवट खरीट हींच दर्जिस पर भीद हे स विना दस दे र दुस के कि स सदस्य र है सिर दू वैट.चर् नेश्म.जेन त.र्थम.छेट.चर्डे.भ्रेभ.उड्डम.थेज.क्र्मम.श्रे... बि.मी.व. वंचार द्वार द्वार क्षा लाग वर्ष र क्षा

मिन गुम्मिन्यम् मामवास्यास्य । हे कर चन्तु न वसारावे नगाव द्या **बुर.**चर.के.शुक्रकेम.चव कट.क.क्सक.रचट.चर्झर.डुर.उर्ट.उर्ट.कु. ... यक्षक्ष विष्यात्व वित्ति में दे में दे पर मा वित्त वित्ति हिंग कु. देवे.चडे अस शे. घट.च गोर . क शेचश अधूरे . टें . अह . खे. चेर . हे. चेर . लेग. के. ची.रे . अस. १९६ . पूस. शहता. बेता. है. चर . चडर . पंतुर . द स वस दे मेद पुम खुद रेट चे हिन के के के के रेट वे वेन वा कि र् .पर्टेट.ट्रे.पर्**श्व.श्रीट.श्रि**काचिनामिलेश्कात्रस्त्रम् निमानिस.पेस.लूट्रे.प. सन्द्र॥

ब्रु के १०१२ के वे में इस्ताय द लाये हैं मार्टा के देन केट सबे

प्रेक्ष ति वा श्री त्र क्ष प्रथा के स्था त्र क्ष प्रथा क्ष प्रथा विश्व क्ष प्रथा के स्था त्र क्ष प्रथा के स्था त्र क्ष प्रथा के स्था के स

र्द्धन्तिस्यामधुदानीः नद्दाराय्यास्य स्त्रांस्य न्त्रीरः। देशायहेदाव्दाः वद्देश्वीस्थामधुदानीः स्टाद्यारायस्य स्त्रांस्य न्त्रीरः। देशायहेदाव्दाः

२०११ से मुन्दा दर मिया है से मी में हेस स नेर् दर मा मी बन्नेत्राच केस स्याच न नवानु वना नाट नव मी र्द्वित खन सात केट हैं वश्चरत्रार्-तृष्टार्व्यर्गम् देशावहेत् अत्यवस्य सेत्। द्वासुर्वे प्राप्त त्रे वृत्युरास्त्र समुद्रात् वृत्यात्र गृत्या मृत्रियास दि साम ह्रिना स् " त्युरार्नुनासामुद्धाः १०८० हायायनुनायान्द्राक्षास्यास्त्र्रायदे कुःहेन स्री क्या कू. तूर् मिबिर मीस ब्रेट स्रूच दिशाय क्या च बर वहर तूर् वर की वना निविद्यात्री अदाया प्रतिया क तुमा विद्या अपने विद्या विद्या के विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या मार्डे श्चापने अ हिर पुरस्त अराम रामेर सार्थेर सार्थेर अर्थेर अर्थेर अर्थेर अर्थेर अर्थेर अर्थेर अर्थेर अर्थेर मीश वर्ष भी महेर पहेंचा पर्देर क्षेर पास रेड़ मुन्दमा से सार है र मुब्दा चर्रुम्स या द्रश्य चर्ड्ड द्र**ते स्टेस चर्**च चर्डेड स्ट च**र्म्य म**िर्दे हे स्टेस समायान्द्रमात्राकृतान्त्रभाविष्या वर्ष्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे दे देना कामा वर्षेत्र के दूर वर देश वहेंब नुसारे कु बना न्ट दे सन्दर्भ की सावनुना साम्या नि वना नु वर्त्ते समिन वर्त्त में देव माउद का इस्सा मा मार वस वर्ष वर्ष वर्ष कर मा मार व वे द्वे सम ती निविधिता प्रेय गुरा दे वे दिर्गार महिता विधान हरायना विष्टर अञ्चर यामानमासामिर है वे छेरा हुँ द मेवा मुन्नर नालुटानी मूर्निम् र साथायहेब बक्ष मेर् गुँ र्वे नहिंद या है द्रा । मुं बन ने मुड़दार्क्य कु मार रु व्यक्तिया हो दार्जिय द में महिन के दु के में अपसा ब्रुन्ग्रदा विद्कृति न्तु पायदाय निर्वेत्र विद्या विद्वार निर्वेत कूं कर वर्त्र भूक मेर्ट पर्व राव स्था १०४० में वह राष्ट्र हरा

निवासी स्वास्त्र के से स्वास्त्र स्

नद्रस्भार त्र्रेन् कुर के के स्वार निवास के स्वार के स्व

वित्र भट अर्था तर्वे भक्षेत्र अर्था त्रांत्र के स्वर्ध निव्य के स्वर्ध के स

ट.क्र्स.ची. हेच्।स.वेट.।।

वहंत्राची स्वाप्त वहंत्र वहंत

कृत्मास् दे दे दग्व के स्व के

र्ट्- भीराधित के क्षा का ट्रा के क्षा अवर के धी विश्व का का की विश्व की वि

541

- **92** .

लू. ७७५० ^{च्र.} ७७ **क्र्स**. ४**८ इस.चेच्छ.त.शटम.ब्रेथ.घवेश.पंग्रे**ल क्र्याक्षा**, क्रु**क्ष क्ष्याक्ष क्ष्य क्ष्या क्ष्य क्ष नी बाक्ष सक्ष वे त्रहित्वः मुद्दः सक्ष विद्वार मुक्तः महित् मीदः मिक् मिक् मिक् **ब्रि.चव. क्र्मा.चर्योगास क्रुक. रेश श्रे**चश.<u>ल</u>्ट.क्रुटे हिंगाब.पर्ट र.म्.चर्ने र नायर वि. विचारमा वहूंचा नायर प्रति क्रिय वि. वी. त्यारी प्रमाण प्रति । बुर। वरदावहायादे दानामादी का हे केर की माने नाक विराध समा केरा में बना नी दक्षना निर्माक्ष प्रमा दिन रेहेर रेहेर या हैन। हर हो ह दि महिट वस ब. चर् .जम देश.पेत्री अंश. उदाश माट. सू. चेश. चर .चर्व . खूँट्र. म. चेट.) वर्त्त्र मेरे रेग्य द्वा केंग्र केंग् विकात्यर वहेब अभ्यातविकासिक क्ष्यंश्रास्ट बेश वूर् दूबे होसा वर्षर .. विमान्यान्य मान्यान्य देश विद्या निर्मात्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्य दः बेसारे प्रदुव नु पर्वेद क्षेत्र हैं क्षेर १०४० वासु दुस वर्ष क्षेत्र सर मुस्रादन्या प्रत्र व प्रद्या मुद्दा स्वत् व दे दे र र र द्वर क कर स्वर स्व विना विवादियादा दादा दिना विदादस वसा तुर के दार्च विन दिन व्यर्कित्। द्वानावद्वद्वित्नानी क्रमः र केर्द्वानावश्वम्भवाद्वः नावर दशका ल माजवा।

चंद्र वं मुद्देश चुट प्यून वा स्टेश वह दे वे विकास के प्यून विकास के प्यून विकास के प्रति विकास

चिंदिर देश में का तर्ज्ञ का मीं मुंदर अधि का मां के देश हैं को देश के मां के देश हैं को देश का मां के देश है को देश हैं की देश हैं को देश हैं के देश हैं को देश हैं के देश हैं के देश हैं को देश हैं के देश हैं के देश हैं के देश हैं के देश हैं को देश हैं के देश हैं को देश हैं के देश हैं को देश हैं के देश हैं को देश हैं के देश है के देश हैं के देश है के देश हैं के देश है के देश हैं के देश है

यदी यी व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति विवक्त

द्रा नावसाम्बद्धाः स्वान्ताः स्वन्ताः स्वान्ताः स्वान्त

WY. 2.5 Ell

न्द्रच्या स्ट्रिंड स्वाकित्रा विश्वनात्रा विश्व द्रिंड प्रमानित्रा वि

नार्वेशया विर्श्वेत् सुनाद्ययस्य मर्प्यद्यस्य विद्या

मास्त्रमा या में देश हैं विज्ञाना यह में देश मार स्वीता विज्ञाना यह में देश हैं विज्ञाना यह में देश में के मार स्वीता विज्ञाना यह में देश में के मार स्वीता विज्ञाना यह में देश में के मार स्वीता विज्ञाना यह में देश मार स्वीता यह में देश में देश मार स्वीता यह में देश में देश मार स्वीता यह में देश मार स्वीता यह में देश में देश मार स्वीता यह में देश मार स्वीता यह में देश में देश मार स्वीता यह में देश मार स्वीता यह में देश में

वर्षेत्। द्रशासे द्रशासे द्रशासे द्रशास द्रिशास द्री द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास

भृत्य कुष्म इत्रमेद वर वेद् सेदै प्रमेद मार के वस्त

वियान। क्रिंग्रा केश्रारमा समिता मेर

स्थान्त्र में त्रार्थ कर स्वार्म कर्ष में त्रा कर कर में कर में

- २ क्रिश्रम्भ सञ्ज्ञा स्वापार्द्ध न ते द्वार स्वापार स
- हैं जूर १०६० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०६० श्रद्धारा १०६० श्रद्धारा १०५० श्रद्धार १०५० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०० श्रद्धार १०० श्रद्
- द्वाः याम्यदः प्रवेशः माद्दः प्रवेशः प्रवेशः माद्दः प्रवादिदः मुनः द्वाः याम्यदः प्रवेशः माद्वः प्रवेशः माद्वः प्रवेशः प्रवः प्रवः

सर्गेष्र ल्लाट्स कियायाय देर तेर ब्रह्म क्या की व्यव हेर् हें की सामा

- - क शुं व्या १०००६८। १००१ सर विद्युष्ण मात्रसम्बद्धाः है व्यास्ता है। भु खें र विद्युष्ट व्या स्वर स्क्षित्र व्या स्वर विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष्ट
 - भः बद्दा १ विश्व के स्वाद्दा के स्वाद के स्वाद्दा के स्वाद के स्वाद

द्धानक्षान्ते प्रमाकः ने माने द्यामास्य प्रमानि प्रमानि स्थाने स

ब नदेवता दे वे के नार माल्ट वसान दें नार मान मार बिराय दे के म काल्य माने का तके में माने के तमा माने मान के मान

द्वः दशः ना निमः नास्यः स्वानः स्वान

णश्रास्त्रित्वानुद्रात्ता वर्षानुद्रात्ते केटसास्त्री वर्षानुद्रात्ते केट्रानुद्रान्ति वर्षान्ति वर्षान्ति केट्रानुद्रान्ति केट्रानुद्रानि केट्रानुद्रान्ति केट्रानुद्रानि केट्

इस्रसः वेदः श्चेर् के हेन्। इस्रसः वेदः श्चेर्र के हेन्।

१३ नित्रे में ना महास्त्री में नित्र के ना नित्र स्वा स्वर स्वरे नित्र स्वर्ग स्वर स्वरे नित्र स्वर्ग स्वरंग स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर

१२ **समायर छ नुवे व्हसाय ।** १२ **समायर छ नुवे व्हसाय ।**

ष्मेदै ज्दारे मेना में ज्दार्डिद नातुद सु दन।

५३४म३८भुर्द्धणि। इ.स्पेन्द्वःस्पेन्त्रःश्चना इ.स्पेन्द्वःस्पेन्त्रःश्चनःस्वना

ज्यास्याद्याद्याद्यात्र मी दम स्वता

से र निर्देश्य देश सुना

५ना २ : इ.५ में इ.स.चे ५ म खुना

मेज लूट्याक्र्याक्ष्यमे त्यास्य

च.इरी। कृरम.लुनं.ड्रेड्,वट.लूर्.नुड्,ह्व.बट.क्ष्मश्रःमें.वे.च.च.श.वेंद्र. कृरम.लुनं.ड्रेड्,वट.लूर्.नुड्,ह्व.बट.क्ष्मश्रःमें.वे.च.च.श.वेंद्र. कृरम.लुनं.ड्रेड्,वट.लूर्.नुड्,ह्व.ब.३व.पह्नं.च.च.श.वेंद्र.

अ क्षे. क्ष्म क्ष. त. ब्रेम ना अप. वटा ने व्हें क्षम पा दे ना

अवश्चर्निश्चित्राञ्चर पर देव महेर् न स्ट्रिस् मिन्निस् स्ट्रिस् स्ट्रिस्स स्ट्रिस्स स्ट्रिस् स्ट्रिस् स्ट्रिस् स्ट्रिस्स स्

- महर्नान्त्रन्त्रान्त्रे नादसम्बद्धाः देनु नामान्ता व्यायाना नेद्र
- १० हैं ज्यू १०३० हें श.ची. भूपे. हें रे.ची. हें रे.च. क्षेत्र हें रे.च. हें रे.च.चें रे.च. हें रे.च. हें रे.च. हें रे.च. हें रे.च. हें रे.च. हें रे.च. हें
- १८ श्रु वि १८८० वि तु दन् नि दि महिंद र दे दन् वेद दश श्रुरः श्रु न वुषाय रेदा।
- १७ तहंश्राच्चीर दश्चा केत्र माठेश रादे दुश्य क्षा माठेश दिया के स्वार माठेश प्राप्त क्षा माठेश प्राप्त क्षा के स्वार प्राप्त के स्वार प्राप्त क्षा के स्वार प्राप्त के स्वार प्राप्त के स्वार माठेश प्राप्त के स्वार प्राप्त के स्वार प्राप्त के स्वार स्वार के स्वार स
- स्थान्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य

मान्त्री मान्य क्ष्रा क्ष्र क्ष्रा क्ष्रा क्ष्रा क्ष्रा क्ष्रा क्ष्रा क्ष्रा क्ष्रा क्ष्रा क

- चर् के के नमें राजना निष्ठेर निष्य है मिना है
- प्रेट्टिं के हिने हिने हिने प्रेटिं प्रेटिं प्रेटिं के कि हिन हिने कि हिने कि

मुब्द-द्र-अद:सबुद-द्रमेथ दस:स्य-मुद्र-व्र-नी

- देश की त्या १०१८ व्या के स्था निया प्रतास के साम काम के साम के स
- २० श्रित्राख्यस्म स्टिन्ने निष्ये दार्गे त्राह्मेर वाहु स्टिन्न विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त स्टिन्स विद्यापत स्टिन्स स्टिन्
- द्रमान्त्र क्ष्मान्त्र कष्मान्त्र कष्णान्त्र कष्मान्त्र कष्मान्त्र कष्मान्त्र कष्मान्त्र कष्णान्त्र कष्
- द्रेन्य अ.स.मे.च्रेन्य वे मे.देब.देट्। च्रेट्रेन्ये अ.योट्रे.च्रिश.षष्ट्र अ. सक्षित्र प्राप्त प्राप्

- ३३ तर्न वस्त्र विद्या विद्या कुष्य प्रत्य विद्या कुष्य दि । वस्त्र विद्या विद्या कुष्य विद्या विद्य

मार्ट्र, र.रेट. केट. रे. की र लूर्स अ. प्रेसी। अप्तरा पट्टा प्रेसी प्राप्त प्रेस की प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प

- यास्ता।

 या
- पहर्मान्द्री।

 पहर्मान्द्री।

३० क्राह्मां स्ट्रिंग निवासी। मार प्रकार स्ट्रिंग निवासी मार स्ट्रिंग स्ट

मिष्यामाश्रमा विद्यान्त्राम् । मिष्यामाश्रमा विद्यामाश्रमा । मिष्यामाश्रमा । स्वत्याम् । स्वत्याम् । स्वत्यामाश्रमा । स्वत्याम् । स्वत्यामाश्रमा । स्वत्यामाश्यमा । स्वत्यामाश्

र्वेर् श्रे अट या नावर देना ऑट्शर्ट प्र देर देर हैंस श्रेर् मुलना

मिर्टिंग्ने क्षेत्र मिल्ले स्त्रे प्रमेष्टिंग्ने स्त्रे प्रमाण स्त्रे प्रमेष्ट्र स्त्रे प्रमेष्ट्र प्रमेष्ट्र स्त्रे स्त्

यर्भःत्रात्तरः में भूरः निवसः त्र्युष्ठः द्वेषः त्रिष्ठः स्तरः स्त्रीतः स्तरः स्तरः

त्राक्षः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्रः स्त्राः स्त्रः स्त्रः

- र नेर्निक्षेत्रे मिले स्त्रे तिम् ना क्षेत्रे चित्र वह निष्म विद्या कि स्त्रे ति चुद्र क्षेत्र । अ स्पेत्र मिले स्त्रे तिम् निष्म क्षेत्र चित्र क्षेत्र स्त्र । विद्या क्षेत्र क्षेत्र स्त्र ।

र्नोक्ष लेक त्रेंद्र तस्य गुः कु क्षेत्र।

मूल, पर्कर मुका चिर्द क्रास्त चर्ड मूल, कूर्न मिन्य चाला। कुरा है, जे सूर कू चारा कुद चे रा पह हार हो रा चाहे रा चिर्ट हो सा चिर्ट हो सा पर्छ दे ची प्रकार हो प्राचित हो से सा प्रकार ची प्राचित हो से सा पर्छ हो सा परछ हो सा परछ

मूंशक्ट्राक्षट १३५३ टो<u>प्ट्रा</u>याचेबेनात्र रेथे मेश्र्ये में।। मुंशक्ट्राक्षट १३५३ टोप्ट्रायु क्रियाचे प्रतेष स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्

म्निन्द्रं श्रे. सद्मी मिल्रं स्वे प्रमान स्वाप्त स्त

क्षेट.यंश.च्र.चोल्ट.कृ.यंपु.श्रम्यः वृत्त.वृत्ताःच्रट.तं.तं.वृत्त.व्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृत्यःच्राःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेट.व्यं.कृतःव्याःच्रेवःच्यं.कृतःव्याःच्रेवःच्यं.कृतःव्याःच्रेवःच्यं.कृतःव्याःच्रेवःच्यं.कृतःव्याःच्रेवःच्यं.कृतःव्याःच्रेवःच्यं.कृतःव्याःच्रेवःच्यं.कृतःव्याःच्रेवःच्यं.कृतःव्याःच्यंतःच्यं.कृतःव्याःच्यंतःच्यंतःच्यंत्रः

म्भेर्याच्याच्यां, मु.स्ट. येचा, स्ट. येच्ये, के.स्ट. मुश्यात्यां क्ये, स्ट. यंच्ये चार्या, स्ट. यंच्ये चार्ये चार्ये

न्यान्त्रात्रेत्रक्ष्यसः में नावन्त्रः द्वायः सः त्वायः न्यायः स्थाः स्

- हशायर न्त्र्यायाध्ये त्रावस्त्र त्या क्षेत्र व्याप्त व्यापत व्याप
- के र त्र्रा त्र्रे त्रम्भूय न मु॥ वर्षे त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्रम् वर्षे त्रम् त्र्रे त्रम् त्रम्

बिक्ष-तर्जु। चिट. टे. चक्र-चश्चेष. इंट्र म्रीट. प्रट. देवट. चक्र. भ्रे.से. कुचा. क्ट. ची. चचाव. वर्षेषा. चब्रेषा.

Edited, Printed & Published by at the Freedom Press, Darjeeling.